

पाधिकार से प्रकाशित

PUSITSATUBIAU

नई बिस्ली, शनिवार, अप्रैल 21, 1984 (वैशाख 1, 1906)

6. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 21, 1984 (VAISAKHA 1, 1906)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्य में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate compilation)

# भाष III—अन्य 1 [PART III—SECTION 1]

उन्च न्यायालयों, नियम्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं bioms issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union

Service Commission, the Indian Covernment Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-11. दिलांक<sub>-27</sub> मार्च 1984

सं० ए०-32013/2/84-प्रणा०-I- संघ लोक सवा के० स० से० संवर्ग के निम्निलिखित स्थायी ग्रेड-I को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्विष्ट मुसस की भवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों कही, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उपतिदर्थ श्राधार पर कार्य करने के लिए सहर्य ग्राता है :---

**ग्रधिका**री का नाम

नियुक्ति की तारीख

र्गश्री

**Ho** 16]

एस० जगोपोता बी० सिनाटे

5-1-84

20-3-84

ए० जॅ० बजाज उप संचिय (प्रशा०) मंघ लोक सेवा श्रायोग गृह्व मन्त्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युँरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1984

सं० ए०-22020/71/80-प्रशासन-III--श्राशुलिपिक श्रेणी "ख" के पद पर २० 650-30-740-35-800-द० रो०-40-920-40-1040 के वेतनभान में तदर्य श्राधार पर श्रोन्नित हो जाने पर, श्री सुगनोमल ने दिनांक 1-3-1984 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय श्रन्थेषण ब्यूरो में विष्ठ वैयक्तिक सहायक (श्रेणी "ख" ग्राशुलिपिक) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

द्वारका नाथ पुलिसं श्रधीक्षक (मुख्यालय) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1984

सं ० ए०-19021/6/80-प्रशासन-5-राष्ट्रपति श्रपने प्रमाद से श्री जीव झा. भाव पुरु सेव (उव प्रव: 1967) को दिसांक 20 मार्च, 1984 के पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेश तक के लिए,

(8471)

केन्द्रीय श्रत्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना भें, स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 30 मार्च 1984

सं० ए०-22015/2/82-प्रशासन-5-राष्ट्रपति अपने प्रसाद से, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित लोक अभियोजकों को बिनांक 31-3-1984 तक की और श्रवधि के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पूर्णतया तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं:--

नाम	श्रधिसूचना संख्याके क्रम में
.सर्वश्री	
1. श्री एस० पी० निगम	सं∘ एस−7/70−प्र∘−5, दि∘ 26 <b>−</b> 9−83
2. श्रो एस० के० श्रीवास्तव	सं∘ एस−3/70−प्र∘−5, दि∘ 26−9−83
<ol> <li>श्री जो० विट्टल</li> </ol>	सं∘ जी−3/69-प्र−5, दि० 26-9-83 .
ा. श्री वी० एन० श्रीवास्तव	सं० वी-8/72-प्र०-5, दि० 29-7-83
<ol> <li>श्री एस० ग्रार० पाण्डेयः</li> </ol>	सं० एस-1 <i>7</i> /71-प्र०-5, वि० 26-9-83
6. श्री एस० पी० श्रीवास्तव <sub>र्ष</sub>	सं० एस−32/72−प्र०−5, दि० 29−7−83
7. श्री एस० भे <mark>ट्टाचार्जी</mark>	मं० एस−27/72 <b>प्र०−</b> 5, वि० 11 <b>−7-</b> 83
8. श्री उमा गंकर प्रसाद	सं० यू−2/72–प्रे०−5, दि० 29−7–83

## बिनांक 2 अप्रैल 1984

सं० ए०-19036/2/82-प्रशासन-5-प्रत्यावर्तन होने पर, उड़ीसा राज्य पुलिस से केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त, श्री के० पी० मिश्र, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएँ दिनांक 7 मार्च, 1984 के श्रपराह्र से उड़ीसा सरकार को सौंप दी गई।

राम स्वरूप नागपाल प्रणासनिक ग्रधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

# महानिवेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 मार्च 1984

मं० एफ-2/5/84-स्था० (के० रि० पु० बल) — कमांडेंट सलेक्शन ग्रेड की नियुक्त फलस्वरूप श्री ललित मोहन जो कि इस समय मिजोराम सरकार में डेपुटेशन पर है, को कमांडेंट सलेक्शन ग्रेड के पद पर श्रोफार्मा प्रोन्निति दिनांक 27-10-83 से दिया गया है।

यह गृह मंत्रालय यू० ग्री० नोट संख्या 2824/जै० एस० पी०/ 84 विनाक 16-3-84 द्वारा अनुमोदित करने पर जारी किया जाता है।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

## महानिदेशालय

# केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली, दिनांक 22 मार्च 1984

#### दिनांक 23 मार्च 1984

सं० ई-16013(2)/1/80-कार्मिक-पर्यटन व नागर विमानन मंत्रालय के ब्रधीन इण्डियन एयरलाइन्स में मुख्य सतर्कता ब्रधिकारी के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री पी० एन ख्रिका, भा० पु० सेवा (राजस्थान : 67) ने 15 फरवरी, 1984 के ब्रपराह से के० औ० सु० व० मुख्यालय, नई दिल्ली, के सहायक महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

# विनोंके 24 मार्च 1984

सं० ई-28017/1/84-सा० प्रशाक्ता--निवर्सन की प्रायु होने के फलस्वरूप सेवा निवृत होने पर, ले० कर्नेल (प्रवकाश प्राप्त) डी० एस० मंगत ने 29 फरवरी, 1984 के अपराह से केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल प्रथम रिजर्व बटा लियन, देवली के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

#### दिनांक 26 मार्च 1984

सं० ई-16016/5/82-कार्मिक-केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (गृह मत्नालय) के सर्वश्री मोहन ढ लवानी श्रीर सत्यदेव शर्मा, स्थायी कार्यालय श्रधीक्षकों को, दिनांक 1-9-83 से केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरक्षा बल में मूल रूप से स्थानान्तरण के श्राधार पर श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एसं० द्यानन्द राम महानिदेशक/के० भौ० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1984

सं 0 10/16/83-प्रशा०-[--राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के हिन्दा श्रधिकारी श्री कृष्णानन्द पन्त को उसी कार्यालय में तारीख 28 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्र से एक वर्ष से अनिधिक श्रवधि के लिए या जब तक बंद नियमित श्राधार पर भरा आए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णत:

भ्रस्थायी रूप से तदर्थ स्राधार पर 1100-1600 रु० के वेतनमान में वरिष्ठ हिन्दी श्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

> विश्व मंत्रालये आर्थिक कार्य विभाग, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नाशिक रोड, दिनांक 23 मार्च 1984

सं० 19/क/स्थापना—इस कार्यालय की श्रधिसूचना संख्या 36/क दिनांक 09-09-1983 के कम में श्री एन० एन० सरदेसाई, तदर्थ धाधार पर नियुक्त लेखा ग्रधिकारी को दिनांक 22-2-1984 (पूर्वाह्म) से मुख्य लेखापाल, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिकरोड के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

सं० 20/क/स्थापना—निम्न हस्ताक्षरी श्री पी० बी० राजस्थ पंद लिखापाल, च० प० मु० को स्थानापन्न रूप में लेखा श्रिधकारी, भा० प्र० मु० के पद पर दिनांक 22-2-84 से 6 माह की श्रवध के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 23/क/स्थापना—अधिसूचना संख्या 49/क दिनांक 29-1-84 के कम में श्री एम०एस० पाण्डे की उप नियंत्रण अधिकारी के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्ति को दिनांक 15-4-84 से ग्रगले ग्रादिश तक नियसित अधिकार पर किया जाता है।

> ंपार सुरु शिवराम महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा तथा लेखा परिक्षक विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, विनांक 12 मार्च 1984

सं का करवा ० ए० प्र ० प्रणा०/71—भारत के उप नियंसक-महालेखापरीक्षक इस कार्यालय के श्री जे ० एन० चुग श्राणुलिपिक ग्रेड—II को 12-3-1984 (पूर्वा०) से श्राग ग्रादेश दिए जाने तक 650-30-740-35-880- द० रो०- 40-1040 ६० के बेसनमान में वरिष्ठ ठ निजी सहायक के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। यह पद केन्द्रीय सेवा ग्रुप "ख" लिपिक वर्गीय राजपतित हैं।

#### विनांक 20 मार्च 1984

सं० 69—भारत के उप नियंतक—महालेखापरीक्षक, इस कार्यालय के निम्नलिखित प्रवरण ग्रेड श्रनुभाग श्रिष्ठकारियों/ श्रनुभाग श्रिष्ठकारियों की 1-3-84 से सहायक, लेखापरीक्षा- श्रिष्ठकारि (ग्रुप 'ख' राजपितत) के रूप में 125 रू० प्रति माह के विशेष वेतन सहित 650-30-740-35-880-द०रो०- 40-1040 के वेतनमान में पदोन्नत करते हैं। नए वेतनमान में, उन्नत वेतन मु० नि० 22 (ग) की व्यवस्थाओं के श्रन्तगंत नियत किया जाएगा। तथापि वे गृह मंत्रालय, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय जापन सं० एफ०-7/1/80-स्था०/

पी०-1 विनांक 26-9-81 के पैरा 2(ख) के अत्वर्गत उरत्वंध विकल्प अपनी पवोन्नित के एक मास के अन्दर वे सकते हैं के प्रारम्भ में उनका वेतन नए वेतनमान में मू० नि० 22(क) (1) में वी गयी व्यवस्था के अनुसार नियत किया जाए जो निम्न, वेतन-मान में अगली वेतनवृद्धि के उपचित होने की तारीख की मू० नि० 22 (ग) की व्यवस्थाओं के आधार पर पुनः नियत की जाए :---

फ्र० सं० नाम एवं पद

#### सर्वश्री

- 1. ग्रो० पी० वर्मा--प्रवरण ग्रेष्ट ग्रन्माग ग्रधिकारी
- 2. विष्णु नारायण---ग्रनुभाग ग्रधिकारी
- 3. एच० आर० सेठी--प्रवरण ग्रेड श्रनुभाग श्रधिकारी
- 4. के० के० माथुर-अनुभाग प्रधिकारी
- 5. एल० एस० लोई--- अनुभाग अधिकारी
- जे० के० प्रमवाल, प्रवरण ग्रेड धनुभाग अधिकारी
- 7. बी० एस० फरवाहन-प्रवरण ग्रेड श्रनुभाग प्रधिकारी
- 8. बी० के० चण्योक---अनुभाग अधिकारी

सुनील वर्मा संयुक्त निदेशक (कार्मिक)

कार्यालय, महालेखाकार श्रान्ध्र प्रदेश-II हैदराबाद, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1984

श्री जी॰ जगदीशन, तथा श्री एम॰ मनोहरन, लेखा ग्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, श्रां॰ प्रदेश, हैदराबाद दिनांक 29-2-84 श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए ह ।

(ह०) अर्पठनोय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रगा०)

#### रक्षा लेखा विभाग

# कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 24 मार्च 1984

सं० प्रधा०/1/1419/4/जिल्ब-1--निम्नलिखित श्रिध-कारियों की, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप, ए के कनिष्ठ समयमान में, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीखों से पुष्टि की गई हैं:--

ऋ० नाम सं० पुष्टिकी तारीख

#### सर्वश्री

1. विनय कुमार साहनी

09-09-1983

2. भविनाश नारायण सक्सेना

01-09-1983

1	2	3
3.	श्रीवी० श्रार० सदाशिवम्	05-09-1983
4.	श्री सुखिन्दर सिंह संधू	24-12-1983
5.	श्री सुनील कुमार कोहली	01-09-1983
6.	नरेन्द्र गुप्ता	18-12-1983
		(ग्रपराह्म)

#### दिनांक 27 मार्च 1984

सं० प्रशा०/1/1174/1/11--राष्ट्रपति, भारतीय ंलेखा सेघा के एक ग्रधिकारी, कुमारी गंगा परकुटी को जो इस समय रक्षा मंत्रालय (वित्त पभाग) में विसीय सहायक सलाहकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, उक्त सेवा के कनिष्ट प्रशासनिक ग्रेष्ठ (बेसनमान रुपए 1500-60-1800-100-2000) में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, 14 फरवरी 1984 से छ: माह की अवधि तक, "अन्क्रम नियम के प्रधीन" सहर्ष निय्कत करते हैं।

सं० प्रशा०/1/1174/1/11---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपए 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के समक्ष दर्शायी गई तारीखों से स्नागामी स्नादेश पर्यन्त महर्प नियुक्त करते हैं :---

	•	
1	2	3
1.	श्री हेरि संतोष कुमार	04-02-84
2.	श्री धीर सिंह मीना	14-02-84

वी० एस० जफा रक्षा लेखा भ्रपर महानिमंत्रक

मयी विल्ली-110066; विनांक 2 प्रप्रैल 1984 प्रशा/11/2603/84---रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) को, उन के नाम के समक्ष वर्णाई गई तारीख के पूर्वाह्न से मौलिक रूप में, लेखा ग्रधिकारी के रूप में, एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं।

ऋ० सं	ं० नाम	संगठन जहां सेयारत है	प्रभानी तारीख
1	2	3	4
1.	श्री एम० सो० मेहता	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़	1-4-82
		<u> ⊶</u>	·

ए० के० घोष, रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रका०)

#### रक्षा मंत्रालय

आर्डनैन्स फैन्टरी बोर्ड डीजीभोएफ मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता, विनांक 23 मार्च 1984

#### प्रोन्नति

सं० 8/84/ए०/ई०-1 (एनजी)--डीजीग्रोएफ महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठला पर बिना प्रभानी, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई पदों एवं तारीकों से प्रोन्नत करते हैं।

1		2	3
1. 2.	श्री पी० सी० चौधुरी सहायक स्टाफ श्रफसर (तवर्थ) श्री बी० पी० गौर सहायक स्टाफ श्रफसर (तवर्थ)	स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर	दिनांक 30-1-84 से भ्रागामी भादेश होने तक। दिनांक 30-1-84 से भ्रागामी भादेश
3.	श्री नारायण चन्द्र विश्वास सहायक स्टाफ श्रफसर (तदर्थ)	स्थानापन सहायक स्टाफ ग्रफसर	विनांक 301-84 से आगामी आदेश होते. तकः।

- उपरोक्त प्रोन्निति माननीय कलकत्ता उच्च न्यामान्यः में वाखिल की गई अपील परिणामनुसार पालन किया जायेगा।
- उपरोक्त कम० संख्या 1 व 2 के अधिकारी सहायक स्टाफ ग्रफसर के पर पर दिनांक 30-1-84 से उज्जातर कार्य भार ग्रहण किए । क्रम संख्या 3 पर लिखित श्री एन० सी० विश्वास, सष्टायक स्टाफ भ्रफसर विनोक 31-1-84 से उच्चतर कार्य भार ग्रहण किए।

डी० श्रार० श्रय्यर डो० डी० जी०/कार्मिक कृत महानिदेशक आर्डनैस फैक्टरियां

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात एवं निर्यात का कार्यालय श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंक्षण

(स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1984

सं० 6/1456/84-प्रशा० (राज०) 3039--सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर, श्रीमती ग्रंजलि चौधरी, नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भाषात-निर्यात के कार्यालय कलकत्ता में 31 जनवरी, 1984 के भ्रपराह्य से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई। सं० 6/1455/84-प्रशा० (राज०)/3049---सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर, श्री जे० जे० पुटाटंडा, नियंत्रक, श्रायास-निर्यास संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में 31 जनवरी, 1984 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

## दिनांक 23 मार्च 1984

.सं० 6/1210/77-प्रणासन (राज०)/1995—सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री डी० पी० मुखर्जी, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात, 29 फरवरी, 1984 के ग्रपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्ति हो गए ।

#### दिनांक 29 मार्च 1984

सं० 6/1454/84-प्रणा०(राज०)/3044---सेवा निवृत्ति की मायु होने पर, श्री संतोष कुमार बोस नियंत्रक, श्रायात-निर्धात/ संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में 31 जनवरी, 1984 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात

## वस्त्र विभाग

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय वस्त्रई, दिनांक 19 मार्च 1984

स० 5(13)/ई० एस० टी०/1/84/1347—वस्त्र श्रायुक्त महोदय, श्री पाल ई० सिगडो को सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (पी एवं डी) के रूप में, वस्त्र श्रायुक्त के कार्यालय में, दिनांक 3 मार्च 1984 के पूर्वाह्र से श्रगले श्रादेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० श्रीधरन सलाहकार (रुई)

विकास ग्रायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1984

सं० 3/10/82-प्रणासन-3--श्री घोकार नाथ महरा, स्थायी कार्मिक सहायक घीर वाणिज्य मंत्रालय (विकास घायुक्त) हस्तिणिल्प (कार्यालय) के केन्द्रीय-सिचवालय स्टेनोग्राफर सेवा (वर्ग "ग") के संवर्ग के एक सदस्य, को विकास घायुक्त (हस्तिणिल्प) कार्यालय (शिल्प संग्रहालय) नई दिल्ली में प्रणासनिक एवं सुरक्षा अधिकारी के रूप में विद्यमान नियमों के ग्रधीन 650-30-740-35-810-दं रो०-35-880-40-1000-दं रो० -40-1200/- एपए के वेतनगान में 26 गार्च 1984 (पूर्वाह) से

इससे श्रागे श्रौर 6 महीनों के लिए प्रतिनियुक्ति पर बने रह श्रनुमति दी जाती है ।

> शिरोमणि विकास श्रायुक्त (हस्ताः

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग) वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1984

मं० ए०-11013/1/79-स्था०-इस निदेशाल 20 दिसम्बर, 1983 की इमी संख्या की ग्रिधिसूचना के नागरिक पूर्ति विभाग में स्थानापन्न वरिष्ठ हिंदी ग्रन्श्री पी० एस० राजत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वस गालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में ग्रिधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः ग्रस्थायी तदर्थ ग्राधार पर 1-1-1984 (पूर्वाह्र) से 30-6-(ग्रपराह्र) तक जारी रखा गया है।

पी० एस० मुख्य नि

## उद्योग मंत्रालय

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-11, दिनांक 26 मार्च 1984

सं० 12(420)/63-प्रणा० (राज०) — राष्ट्रपति उद्योग सेवा संस्थान, वस्थई के सहायक निदेशक व (श्रीधोगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण), श्री जे० सी० पटेल, को वि 16-2-84 (पूर्वाह्र) मे प्रगते श्रादेशों तक, उसी संस्थ उपनिदेशक (श्रीद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के पद पर, श्राधार पर, नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 30 मा<del>र्च</del> 1984

सं० 12(84)/61-ज्ञणां० (राज०)/खण्ड-II-णिया में ग्राई० डी० सी०/सी० एफ०/टी० सी० के ग्रशीन मण्डल सचिवालय, लंदन में रितांक 10-9-83 से 9-3 तक ग्रपनी प्रतिनियुक्ति ग्रव्धि पूरी हो जाने पर, श्रो एउ० शर्मा ने, दिनांक 9-3-84 (ग्रपराह्र) से, विकास ग्रायुक्त उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में, निदेशक, ग्रे (सहायक उद्योग) के पद का कार्यभार सम्माल लिया है।

> ्एस० के० पुरव उप निदेशक (प्रश

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नर्ह दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1984

सं० प्र०-6/57(8)/खण्ड-10--महानिवेशक, पूर्ति त पटान एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाग के वी गई तारीख से सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (काष्ट्र) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :--

ऋ०सं०	अधिकारो का नाम	जिम तारीख से स्थायी किए भए
;	—————— सर्वश्री——	
1.	शरण सिंह	16-1983
	ए० बी० राय	1-6-1983
3.	आर० राबर्ट	161983
4.	वी० एन० चित्रांणि	1-6-1983

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रणासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

# (प्रशासन अनुभाग-ए-1)

नई दिल्ली--1, दिनांक 24 मार्च 1984

सं० ए-1/42(40)-III--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उप निदेणक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड<math>-2) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं --

क० अधिकारी का नाम	वर्तमान स्थानापन्न	स्था <b>ई होने</b>
सं०	पद	की तारी <b>ख</b>
सर्वश्री——  1. बी० के० गुप्त।  2. आर० नटराजन  3. ए० के० श्रीवास्तव  4 के० के० घोष  5. जनावन सहाय	निदेशकः (पूर्ति) तदैवः तदैवः तदेवः तदैवः	27-3-80 27 · 3-80 1-12-81 1-3-82 29-9-82

एम० एल० निझावन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 मार्च 1984

सं० 2107 बी/ए-19012(1-डी सी)/83-19ए---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री देवासीय चऋ-वर्ती की राहायक भूजज्ञानिक के रूप में भारतीय भूपैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 कि प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-दि रो०-35-880-40-1000-दि० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10-2-1984 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे

मं० 2120 बी/ए-19012(1-पी आर० पी)/82-19
ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्रीपी० रामदास
पाई को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह को प्रारम्भिक वेतन पर 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200 रू० के वेतनभान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी
आदेश होने तक 2-2-1984 के अपराह्म से नियुक्त कर रहे
हैं।

सं० : 2134 B/ए-32014. [2-ए-जी]/79-19 बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिकीं) को सहायक भूभौतिककीविद के पद पर, उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं —

1.	श्रो	एस०	कें।	माइती	6-1-1984	(पूर्वाह्म)
2.	श्री	एच०	पी०	मिश्र	9-1-1984	(पूर्वाल्ल)

अमिल्क्ष्रकुशारी, निदेशक (कार्मिक)

# भारतीय खान ब्यूरी.

# नागपुर, दिनांक 26 मार्च 1984

मं० ए-19012 (188)/83-स्था० ए०--संघ लो० सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री के० के० साहू, अस्थायी खण्ड विकास अधिकारी, कार्यालय जिलाधिकारी, बड़ागांव जनपद झांसी ने खण्ड विकास अधिकारी के पद से दिनांक 1-3-84 (अपराह्म) से कार्यमुक्त होकर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 3 द्वार्च 1984 के पूर्वाह्म से सहायक प्रशासन अधिकारी का पद भार ग्रहण कर लिया है।

> आशाराम कश्यव वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी कृतें महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय नई विल्ली, दिनांक 26 मार्च 1984

फा॰ सं॰ 4/8/84-एस॰-दो--महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री आर॰ डी॰ नालगे, हिन्दी अनुवादक, आकाशवाणी, गांगनी को 6-3-1984 से आकाशवाणी, पुणे में हिन्दी अधिकारी

के पद पंर प्रतिनियुक्ति पर 650-30-740-35-810-द० रॉ॰-35-880-40-1000-द० रो॰-40-1200 क्षण के वेतनमान में नदर्थ आधारपर नियुक्त करते हैं।

# दिनांद 27 मार्च 1981

फा० सं०-4(2)/84-एस-2-महानिवेशवः, आवाश-वाणी एतद्वारा, श्री सन्त राम विपाठी, विरुट्ध हिन्दी अनुवादवः राजस्थान परमाणिवन शक्ति केन्द्र (अटोमिक णावर स्टेशन) प्लाण्ट साइट,अणुशक्ति,को प्रतिनियुक्ति पर 650-30-740-35 -810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 5 मार्च 1984 की पूर्वाह्न से आकाशवाणी, हैदराबाद में भदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> रुविमणी दास गुप्ता प्रणासनिक उपनदेशक कृते महानिदेशक

# नई दिल्लो, दिनांक 29 मार्च 1984

सं० 5(42)/69-एस एक---निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री प्रा० एन० श्रीवास्तव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाण-वाणी, पटना सरकारी सेवा से 31 जनवरी, 1984 अपराह्म की सेवा निवस हो गए।

> हरीण चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-400 026, दिनांक 26 मार्च 1984

सं० ए०-22012/2/74-ई-1--संघ लोक मेवा आयोग की सिफारिण से मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, श्री उदयणंकर को इस प्रभाग के त्रिवेन्द्रम स्थित कार्यालय में ६० 650-30-770-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में ६० 680/--प्रतिमास पर दिनांक 24 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्य से अगला आदेण होने तह, स्थानापनन कैमरामैन के पद पर नियुक्त इस्ते हैं।

> वी० आर० पेसवानी महायक प्रशासकीय अधिकारी कृते प्रशासन निदेणक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च 1984

सं० ए०-12025/12/82-प्रशासन-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० रंजीत सूत्रधार को 27 फरवरी, 1984 पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, लखनऊ में दंत सर्जन के पद पर अस्थायी आधार पर तथा आगामी आदेशों तक नियुक्त किया है।

> पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन

# भागाः परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 22 मार्च 1984

सं० बी/96/लेखा/स्था०-II/1048--श्री दत्तात्रेय लक्ष्मण भावे ने सहा० लेखा अधिकारी पद का पदभार 29-2-1984 अपराह्य को अधिवर्षिता पर छोड़ दिया।

> आर० एल० बन्ना उपस्थापना अधिकारी

# भर्ती अनुभाग केन्द्रीय सम्मिश्र

बम्बई-400085, दिनांक 23 मार्च 1984

सं० पी० ए०/80(14)/83--आर०-III---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र राजस्थानं परमाणु अजुसंधान केन्द्र राजस्थानं परमाणु अजुसंधान केन्द्र राजस्थानं परमाणु अजिलीघर के स्थायी सहायक मुरक्षा अधिकारी श्री बी० एल० निराला को दिनांक 12 मार्च 1984 पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक विरला पदार्थ संयंत्र मैसूर में मुरक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने हैं।

बी० सी० पास उपस्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग भारी पानी परियोजनाएं.

वर्ष्वई-400 008, दिनांक 26 मार्च 1984

सं० 05012/भ 1/स्था० पदो/1332—भारी पानी परि-योजनाओं के, प्रधानकार्यकारी, भारी पानी परियोजनाओं (केन्द्रीय कार्यालय) के, श्री केणव जनार्दन सोहोनी, स्थायी प्रवर श्रेणी लिपिक को इसी कार्यालय में श्री कृष्णामूर्ति, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो अनुभाग अधिकारी के पुनश्चर्यों के लिए सिचवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली, गए हैं के स्थान पर जनवरी 10, 1984 (पूर्वा०) से फरवरी 23, 1984 (अप०) तक के लिए अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी नियुष्त करने हैं।

# दिनांक 28 मार्च 1984

मं० 05012/आर०-2/1367--भारी पानी परियोजनाम्रों के प्रधान, कार्यकारी, ऋष भ्रीर भंडार निवेशालय (मक्षेलेइ) के श्री पी० नीलकण्ठन, सहायक लेखाकार को भारी पानी संयंत्र (वड़ौदा) में पूर्वाह्न मार्च 5, 1984 से अगले आवेश होने तक के लिए स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> के० मृत्तुस्वामी प्रशासन अधिकारी

# अन्तरिक्ष विभाग भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

## अन्सरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 4 फरवरी 1984

सं० ग्रं० उ० के०: ईस्ट:सी० ए०: एम० सी० एस० डी०: 5082:83 दिनांक दिसम्बर, 31, 1983

निदेशक अस्तिरिक्ष उपयोग केन्द्र ने श्री एस० सी० कारिआ अस्थायी वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० का इस केन्द्र की सेवा से उनका त्यागपन्न दिसम्बर 31, 1983 के अपराह्न से कृपा पूर्वक स्वीकार कर लिया है।

> के० एस० कृष्णन् प्रशासन अधिकारी-[[

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1984

सं०ए० 31013/1/84-ई०-१--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० उन्स्यू० एच० जाफरी को दिनांक 12-1-1984 से महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

## दिनांक 24 मार्च 1984

सं० ए० 32013/2/83-ई०-1--इस कार्यालय के दिनांक 7 सितम्बर, 1984 की अधिमूचना सं० ए०-32013/8/83-ई०-1 के कम में, राष्ट्रपति ने श्री एन० एस० चिल्लपा की वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 3-12-1983 से 4-4-1984 तक जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

जै० सी० गर्ग उप निवेंशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1984

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०---महानिदेणक नागर विमानन ने श्री एस० आर० वर्मा, अधीक्षक की क्षेत्रीय निदेशक दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई विल्ली के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 1-1-84 से 30-6-84 तक और छः मास्कृत अवधि के लिए जारी रखने की अनुमति दी है।

## दिनोंक 24 मार्च 1984

सं० ए० 32016/9/83-ई० एस०--नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री डी० एन० सृम्बले, भण्डार अधिकारी (ग्रुप "ख" पद) निवर्तन आयु प्राप्त करने पर 29 फरवरी, 1984 अपराह्म से भण्डार कार्यालय के पदभार से मुक्स हो गए हैं।

बी० भौमिक सहायक निवेशक प्रशासन

#### विदेश संचार सेवा

## वस्त्रई, विनांक 26 मार्च 1984

सं 1/520/84-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० ए० सलकोना को तवर्थ आधार पर और स्थानीय व्यवस्था के रूप में अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 16-11-1982 से 11-12-1982 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियास प्रबन्धक नियुक्त करने हैं।

र० का ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

# केन्द्रीय जल आयोग नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1984

सं० ए-32012/1/84-स्था० पांच--विभागीय पर्वोन्नति सिमिति (संमूह-ख) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोंगे श्री के० शेषाबि, स्नातक पर्यवेक्षक को, जो वापकीस (भारत), लि० में प्रतिनियुक्ति पर सर्वेक्षक के रूप में कार्यरत हैं, तथा जोकि काडर बाह्य पद में प्रतिनियुक्ति/बाह्य सेवा पर रहते हुए "सभी आसन्न कनिष्ठ नियम"" की शतीं की संतुष्टि करते हैं, उनकी अनुपस्थित में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 26 दिसम्बर, 1983 की पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक स्थानापन्न क्षमता में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (सिविल एवं यांत्रिकी) के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री शेषादि 26-12-1983 से दो वर्ष की अवधि तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में परि-वीक्षा पर रहेंगे ।
- .3. उपर्युक्त अधिकारी की पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय में लम्बित पड़े 1980 के सिविल नियम 10823 (डब्स्यू) के परिणाम के अध्यक्षीन है ।

सं० ए०-32012/1/84-स्था० पांच-विभागीय पदोन्तित समिति (ममूह ~ख) की सिफारशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय जल आयोग में कार्य कर रहे निम्नलिखित अतिरिक्त सहायक निदेशकों/सहायक इंजीनियरों (सिविल/यांतिकी) को उसी ग्रेड में रू० 650-30-

740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०46-1200 के वेतनमान में 26 दिसम्बर, 1983 की पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते करते हैं:--

सर्वश्री---

- 1. बीश एस० राव
- 2. मुल्क राज
- 3. रघुनाच पांडा
- 4. ए० बी० धमस्या
- 5. रति राम
- 2. उपर्युक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से वो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।
- 3. जपर्युक्त अधिकारियों की पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय में लिम्बित पड़े 1980 के सिविल नियम सं० 10823 (डब्ल्यू) के परिणाम के अध्यक्षीन है।

संग ए-32012/1/84-स्था० पांच-विभागीय पदोन्नति सिमिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० बी० जी० राव, डिप्लोमाधारी पर्यवेक्षक को, जो राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण में प्रतिनियुक्ति पर सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं तथा जो कि काइर बाह्य पर में प्रतिनियुक्ति/बाह्य सेवा पर रहते हुए सभी "आसम्न कनिष्ठ नियम" की मतौं की संतुष्टि करते हैं, उनकी अनुपस्थिति में, द० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनामन में 26 दिसम्बर, 1983 की पूर्वास्त्र से अगले आदेशों तक स्थानापन्न क्षमता में जितिरक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (सिविल एवं यांतिकी) के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री राव, 26 विसम्बर, 1983 से दो वर्ष की अवधि तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में परि-वीक्षा पर रहेंगे ।
- 3. उपर्युक्त अधिकारी की पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय में लम्बित पड़े 1980 के सिविल नियम 10823 (डब्ल्यू) के परिणाम के अध्यधीन है।

डी० क्रुष्णा अवर सचिव क्रुते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्माण महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1984

सं० 1/336/69-ई० सी०-9-इस विभाग के वास्तुविद् श्री सुरजीत सिंह वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 31-3-1984 (अपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं।

> पृथ्वी पाल सिंह प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग, कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनीयों के रजिस्ट्रार का कार्यं लय

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर काम धेंनु ड्रिकंस एण्ड डिस-टिल्लरीस लिमिटेंड के विषय में !

मद्रास, दिनांक 27 मार्च 1984

सं० 6781/560(5)/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कामधेनु ड्रिकंस एण्ड डिसटिल्लरीस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

हस्ताक्षर अपठनीय अपर कम्पनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रौर विवेक सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कम्पनी प्र० लि० के विषय में !

पटना, दिनांक 28 मा**र्च** 1984

सं० (1174)/560/7612—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विवेक सेंबिंग्स एण्ड फाइनेंस कम्पनी प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

> ए० वहाब अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर हैदरनाठसदामस (हम्दीय) प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

बंगलूर, दिनांक 30 मार्च 1984

सं 4715/560/83-84-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इसदिनांक से तीन मास के अवसान पर हैदरनाठस दामस (हन्दीय) प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर श्रीसह पेपर बाग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में !

बंगलूर, दिनांक 30 मार्च 1984

सं० 3110/560/83-84-कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्शारा यह भूचना दी जाती है कि इस विनोक से तीन मास के अवसान पर भी सह पेपर बाग प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विज्ञत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा भीर उक्त अञ्चली विषटित कर दी जायेगी ।

> वै० सुद्रयनारायण कम्पनियों का रजिस्कार बंगकूर कनाटैक

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर हीयाईट हुल फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिगांक 31 मार्च 1984

तं॰ 4461/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की आरा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्दारा सूचना की जाती है कि होयाईट हल फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त क्रम्पनी विचटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर गोल्डेन स्लीपार क्लाव लिमिटेंड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1984

सं० 14306/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर गोल्डेंन स्लीपार क्लाव लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशिश्त न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर कन्टाई मटर वर्करस ट्रांसपोर्ट एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1984

सं॰ 21599/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर

कच्टाई मटर वर्करस ट्रांसपोर्ट एण्ड इंडस्ट्रीण लिमिटेड का नक्य, इसके प्रतिकृत कारण वर्षित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी विधिनियम 1956 मीर जे० जे० आटोमोबाइल्स, कम्पनी प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

कलकत्ता, दिमांक 31 मार्च 1984

सं० 21912(560)(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना वी जाती है कि जैं० अँ० आटोमोबाइल्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 भौर कामशियल प**ब्लिशर्स प्राइवेट **लिमिटेड के विषय**े में

कलकत्ता, विनोक 31 मार्च 1984

सं 23425/560(3) -- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 580 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कमिशयल पिलास गाइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर कल्यानी एनामेल वर्क्स भाइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिमांक 31 मार्च 1984

सं॰ 28708/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की प्रारा 580 की उपघारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना की जाती है कि कल्यानी एनामेल वक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**एस० आर**० वि० वि० सत्यनारायण कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगास

# वस्य आहें। सी. १९० १९

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के वधीन क्वा

#### नारव स्टकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, गम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निवेश सं बर्ध-4/37ईई/653/83-84-अस: मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा न्या है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० शाप नं० 7, बास्तानी भ्रपार्टमेंट, शिवाजी रोड, कांदिवली (पिश्चम), बम्बई-67 में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 8-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि क्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) से बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से किंशत नहीं किया गया है —

- ((क), अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त विश-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, न्छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेस**र्स दास**नी एसोसिएट्स ।

(मसरक)

(2) श्रीमती कामाक्षी श्रीनिवासन नायकू

(पन्तरिती)

(3) मेसर्स वात्तानी एसोसिएट्स (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

सर्वे यह सूचना चारी क्राउस पृत्रांबत सम्बद्धित के अर्थन क्षे क्रियू कार्यवाहियां क्राउता होंदू।

# वक्त सम्पृतित् के मुर्वन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेप हरू-

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकासन की तारी व 4 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिन-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी औ पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### अनुसुधी

शाप नं० 7, दत्तानी श्रपार्टमेंट, शिवाजी रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ॐ० सं० श्रई-4/653/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

दिनांक : 9-3-1984

मोहर 🛭

# प्ररूप बाह्य दी पुन् पुस् ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के सुधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) प्रार्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984 निदेश सं० धई-4/37ईई/923/82-83—भ्रतः मुक्षे, विजय रंजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, दूसरी मंजिल, 'सी' विंग, कोस्तुम नगर", रामचन्द्र सेन, विस्तारित, मालाड (पिष्चम), बम्बई—64 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 29-7-1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स नवजीवन बिल्डर्स

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोनिका सी० डिसोजा

(मन्तरिती)

(3) श्रीमती मोनिका सी० डिसोजा (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हाँ, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 202, दूसरी मंजिल, 'सी' निंग, कोस्तुभ नगर, रामचन्द्र सेन, विस्तारित, मालाड (पश्चिम), बम्बई-400 064 में स्थित् है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/923/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ , टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयक्त (निरोक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

धम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/591/83-84--ग्रतः मुझे, विजय रंजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8 है तथा जो किशन भगवान सोसायटी, 34—बी, दादाभाई कास रोड नं० 2, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई—58 में स्थित हैं(ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम अग्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 25—7—1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् उ— (1) श्री शंकर लाल एच० देसमाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भूषण तारकर

(भन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवात;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवसूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; भी उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में पीर्जाधित हैं, वही अर्थ होगा, भी उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

पलैट नं० 8, किंग्न भगवान सोसायटी, 34-बी, दादाभाई कास रोड, नं० 2, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में हि ग्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-4/37 ईई/61/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज–4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर 🕉

प्ररूप नार्षंटी एन् एस्.-----

नायकुद्ध अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) को नुभीन सुचना

#### प्रारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (नि.रीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० धाई-4/37ईई/634/83-84—धतः मुझे, बिजय रंजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सकों परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी संव शाप नंव 2, वाल-इ-राम II, म्राफ लिकिंग रोझ, म्राफ उपमा नगर, मार्वे मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणत है). भौर जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डीचत नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिक्रम के लिए अग्रारित की गई है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का स्वित वाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत्त से अधिक है औड अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त अपि-मियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) मेसर्स धनीता कन्स्ट्रक्शन एण्ड इस्टेटस (प्राइवेट) लिमिटेड ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती धण्णम्मा धन्दा पिल्ले

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चाडी कड़के पूचा जिल्ला सम्पृत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां कड़ता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुस्थी

#### भनुसूची

शॉप नं० 2, वाल-इ-राम-II, प्राफ लिकिंग रोड, प्राफ उश्मा नगर, मार्वे मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-4/634/83-84 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रिजस्टडें किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 9-3-1984

मोहर 🏻

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्याल्यं, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रैंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निवेश सं० मध्-4/37ईई/589/83-84-मतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, "बी" बिस्डिंग, सुखदयाक की० ग्राप० हार्जिस सोसायटी लिमिटेड, जे० बी० नगर, ग्रंधरी (पूर्व), बम्बई—59 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

भौर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा १ 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है । दिनांक 2-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार न्यून्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुएँ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; आर्/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीला निकारिक वित व्यक्तिस्तरों स्मानित क्रिक्त (1) श्री तेजिंदर सिंह मोहन सिंह सवानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह काबुल सिंग भामरा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

#### **अनुसूची**

पलैट नं० 4, "बी" बिस्डिंग, सुखदयाक को० प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे० बी० नगर, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि कं सं प्रई-4/37ईई-63/83~84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-4, बर्म्बर्

दिनांक: 9-3-1984

मोहुर 🖫

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कायौजय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

**निदेश सं० घ. ई.** 4/648/83-84---- प्रतः मुझे, विजय **रंजन.** 

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें काले पश्चात् उसत विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

जीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, 6था माला, है तथा जो हरी कुपा, गली नं० 121, बोरेवलीं बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद जिसका करारनामा प्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट के किया गया है, दिवांक 2-7-1984, को प्रोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान श्रतिकल के निए बम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारच है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार वृक्य उत्तके असमान प्रतिकल सी, एसे इश्यमान प्रतिकल का प्रायक्त विश्वास करने का कारच है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार वृक्य उत्तके असमान प्रतिकल सी, एसे इश्यमान प्रतिकल का प्रायक्त श्रीत की बीच एसे अन्तरण के लिए सय वाबा गया शतिकल, निम्मलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किवार के बालावित के

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उनत जीधीनवन के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आयकार मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्या।

नतः नव, उन्त निधनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, जी, दक्त निधनियमं की धारा 269-थ की उपधारः (1) को नधी न, निध्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री एलैन डी० ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निबनदास छवनलाल सोनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जनु के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2.0-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

फ्लैंट नं॰ 601, 6था माला, हरी कृपा,गली नं॰ 121, एल॰ टी॰ रोड, बोरेवली बम्बई--92 ।

मनुसूची जैसा कि क. सं० मई/4/648/83-84 को बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 2-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 12-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० ग्राई-4/37ईई/576/83-84—प्रतः मुझ, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. स आधक हैं
और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल शेंड नं० 248, तीसरी फास,
शिव-शिव-शिवत इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रेंधेरी कुर्ला रोड, ग्रंधरी (पूर्व),
-59 में स्थिन हैं (और इसने उपबद श्रवसूना म पगेंरूप से
विश्व हैं) श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर स्रिधिनियम,
1961 की धारा 269 के, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 30-7-1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विद्याम
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखन उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अधने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1911 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंभा था दा किया जानर चाहिए था, छिपान में मृविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :-- 3--26GI/84

ज (1) भससं शिव-शिवत बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) मसस फार्मा प्रिन्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

इण्डिस्ट्रियल शेड नं० 248, तीसरी फास, शिव-शक्ति इण्डिस्ट्रियल इस्टेट,मरोल विलेज, ग्राफ श्रंधेरी कुर्ली रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है ।

श्रन्मूची जैसा कि कि० सं० श्राई-4/37ईई/83/83-84 श्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर :

प्रकप नाइ.टी. एन . एस . ------

बाबकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-प(1) के अभीन स्वना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेण सं० प्रार्ह/III/2435/83-84--अतः मुझे, श्र० लहीरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 5वां माला, दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग घाटोकोपर बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिश्चित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई किया गया है, दिनांक 6-7-1983,

को प्वांक्स संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्स को सिए अन्तरित की गई है और म्भो यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य . उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबंत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिन्यमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती बचारा प्रकट नहीं किया गया वा विकास धाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किया

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कीं, मीं.. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कु-

ज(1) श्री श्रेष्टा रतनदास

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रर्पणा दिलीप देसाई

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्येक्ति स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

फ्लैंट नं ० 2, 5वां माला, 6/सी, दामोदर पार्क, एल बी एस मार्ग धाटकोपर बम्बई-86 ।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रं कि 11I/105/83-84 ग्रौर जो बम्बर्ड के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 6-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, बस्बई

दिनांक : 5-3-1980

मोहर 🛚

प्रकथ बाहै ही एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/630-83-84--अत मझे, विजय रंजन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिय्म' कहा गया है। की भारा 269-कु को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार भूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिन्नको सं० फ्लैट नं० 6,गोतांजली नगर, मानेक बिल्डिंग, दूसरी मंजिल है तथा जो बोरीवर्ली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्च। में और पूर्णक्य से वर्णितः है), र्राजस्टाकर्ता और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है दिनांक 11-7-1983, को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के अवस्थान प्रतिपद्धल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वरियों से उक्त अन्तर्ण जिसित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय का बाबत, उक्त अभिनियम कंअभीन कर पनि के अन्तरक के दायित्व में कभी करने ये। उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर∕मा
- (का) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नग, उक्त निधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, नक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पंकज ठाकोरलाल गांधी

(अन्तरकः)

- (2) 1. श्री अशोक वाय शाह,
  - 2. श्री संदीप दाय शाह,
  - योगेन्द्र कुमार टी० शाह

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काहि भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वा से 45 विन की अधिक या तत्संबंधी व्यक्तियों स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरे।

स्पष्टीकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया 🖁 ।

# वन्त्वा

पलैंट नं ० ६, गितांजली नगर, मानेक बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थितं है।

अनुसूची जसाकि ऋ० सं० अई-4/630/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 9-3-1984

मोहर 🛮

प्रकृष आहें. टी. एन. एस. -----

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-म (1) के वधीन सुभना

#### भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई वम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निवंश मं० आई-4/37ईई/588/83-84--अत: मुझे, विजय रंजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्रंथा ही), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, चीथी मंजिल, 'एं ब्लाक'' हैं (पिष्चम), तथा जो समीर, सेवन बंगलोज, बरसोबा, अधेरी बम्बई 400 058 में स्थित हैं । (और इस उपाबक अनुसूची मेंऔर पूर्णका से विणान है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिअस्ट्री है दिनीए 15~7~1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृवांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;
- ः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गोबिन्द के० दर्मनानी

(अन्तरकः)

(2) श्रो सत्तार इसा खेरानी और श्रीमती गिस सत्तार खेरानी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकती।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया निया हैं।

# मनुसूची

पंतर नं ० 404, चौथी मंजिल, "एं" ब्लाक, समीर, 7 बंगलोज, वरमंद्रा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूर्वा जैसा कि का सं अई-4/37ईई 85/83-84 आंर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई-द्वारा दिनांक 15-7-1983

विजय रंजन गुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ट (निरक्षिण) स्विजन रेंज-4, बस्बर्ध

दिनांक : 9→3→1984

को रजिस्टर्ड किया गया है।

मोहर्ष

प्ररूप आहां.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मभीम सूचना

#### भारत सर्कार

# कार्यालय, बहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० अई/1/37ईई/685/83-84---अतः मुझे, धार० के० वजया,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसका संव फ्लैट नंव 7, दूसरों मंजिल, इंडिया हाउस, कोव आपव हाउसिंग सोसायटा, केम्प्स कानर, बम्बई-36 में स्थित । है (और जो इससे उपाबद अनुसूचों में और पूर्ण स्प से विजत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 के, ख के अबीन बम्बई स्थित राक्षम प्राधिकारों के बार्यालय में र्जिस्ट्रा है दिनांक 21-7-1983,

को पूर्वाकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् म्— (1) ष्टा० गिरधरलाल चिमललाल झवेरी ।

(अन्ति रहाः)

(3) श्रा जन्नवन्त अमृतनाच पारंख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हिंत- नद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताकारी के पास लिसित में थिए जा लक्ति।

स्बद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्द और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा समा है।

#### जन्स्ची

पलैट नं ० ७, वूसरी मंजिल, इंडिया हा उस को ० आप ० हा उसिंग मोसायटी नं ० २, केम्प्स कार्नर, बम्बई-400 036 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अ० पं० अ०ई-1/601/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-7-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर०के०वयाय। सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजें–1, बम्बई

दिनांश: 13-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिना, बम्बई अम्बई, दिनांक 14 नार्च 1981 निदेश सं अई--1/37ईई/604/83-84--अत: मुझे, आर॰ के० बकाया,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,,000/- कि. से अधिक हैं

और जिसकी संव यूनिट नंव 117 है तथा जो बुसा उद्योग भवन, इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस कीव ऑपंच सोपायटी लिमिटेड, टीव जेव रोड, सिवरी (पिक्चम), बम्बई—15 में स्थित है। (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 14-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित के वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धा के लिए; सौर/या
- (स) एसी किसी नाय था किसी धन या अन्य आस्तियों स्वो, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) जा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, बाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स जैन आइस्क्रिम ।

(अन्तरका)

(2) मेनर्स रमेश आरपोरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्यान अधाहम्हाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## वन्त्र्या

अनुसूची जैपा कि ऋ० सं० अई-1/589/83-84 और जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1983 को जिल्हां किया गया हैं।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 14-3-1984 **मोहर**ः॥ प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/2310/83-84--अत: मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, 7वीं मंजिल, प्लाट नं० 914, कापडवाला चाल, प्रभादेवी, बम्बई—25 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25—7—1983,

को पूर्वोकत सम्मित्त के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः -

(1) मंसमं एवरेस्ट बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनुराधा एकनाथ ठाकुर

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स एवरेस्ट बिल्डर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण :---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लैट न० 3, 7वीं मंजिल, प्लोट नं० 914, कापडवाला चाल, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-1/3131/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 25-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

मोहर:

प्रकृष आहं. थी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भीरत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984 निदेश सं० अई--4/37ईई/574/83-84---अतः मझे,

निदंश स० अंड--4/37ईड/574/83-84---अंतः विजय रंजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (जिसे इसमें रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 55 000/ रहा से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20.2, मनिष रोझ को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बिल्डिंग नं० 20, मनिष नगर, जे० पी० रोड, संघेरी (पिष्नम) बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णक्ष मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 22-7~1983,

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफाल से, एसे द्रयमान प्रतिफाल का उन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नीलिंगत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हर्ष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कों-, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सुमती जी० भट्ट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगा परमुराम मालानी

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) ध्म मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसुची

पर्लेट नं० 202, मनिष रोझ को० आप० हाउांसग सोसायटी लिमिटेड, बिल्डिंग नं० 29, मनिष नगर, जे० पी० रोड, ध्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37 ईई/79/83-84 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 22-7-1983 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/570/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रास्त संअधिक ही

श्रौर जिसकी सं० रेसिडेंटल फ्लैंट नं० 4, णिवितर्थ नं० 1, 1 सी० बी० देसाई रोड, बम्बई-23 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा अयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-7-1983.

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रितिफल के एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाध की वाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे वचने में सृष्धा के के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— 4—26GI/84 (1) श्री रमाकांत गोविन्द नेरूरकर ग्रीर श्री रजनीकांत गोविन्द नेरूरकर ।

अन्तरक)

(2) श्री प्रसीम अब्दुल करीम नगरी

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्निरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्थाना आरी करके पृशांकित सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगलची

फ्लैट नं० 4, शिवतीर्थ नं० 1, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई--400 026 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/499/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

माहर :

## त्रस्य आहे. टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई-4/37 ईई/561/-83-84--अतः मुझे, विजय रंजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेंट नं० 4, बिल्डिंग नं० 35, श्री स्वामी कृपा हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, वरसोवा रोड, मनिष नगर, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई—58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है। दिनांक 23-7-1983,

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों करों, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, जा पतकुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्याजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण श्रा या किया जाना चाहिए या खिलान भी सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरेण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :--- (1) श्री परवेज अहमद खान भौर श्रीमती ताहिरा बानू खान।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रताप बी॰ बारोट ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्त अपितित के अर्थन के लिए। कार्यवाष्ट्रियां कारता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृथिक व्यक्तियों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिटबब्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -इतमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गबा है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, बिल्डिंग नं० 35, श्री स्वामी कृपा हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बरसोवा रोड, मनिष नगर, श्रंधेरी (पिम्पि) बम्बई--58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं सं 3/2/3 है है 3/3/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

मोहरु:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई अम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984 जिस्सार के अपार्व (1984)

निदेश सं० अ. ई०/617/83-84-अतः **[**मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 8, डम वासुदेव सोसायटी, वेवीदास लेन, बोरेवली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन है जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुआ है दिनांक 22-7-1983,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है .—

- (क) बन्तड्रच से हुद्द किसी बाय की बाबत, उक्त कृषिनिम्म के ब्रुधीन कर देने के बन्तुरक के स्वाप्तस्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के दिल्ए; ब्रॉर/या
- (ण) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अगुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-थ की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती निर्मलाबेन जीव झाला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मयूर के बोरा

(अन्तरिती)

है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाद,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उति। अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं ० 8, ग्रोम वाश्देव को ० आप ० सोसायटी लि ० देवीदास लेन, मंदपेश्वर रोड, बोरेचली बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ॰ ई० 3/617/83-84 ग्रींग जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में दिनांक 22-7-1983 को रजिस्टर्ड हुआ है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

महिर् 🖫

प्रकप चाई• डो > एतः एउ० ---

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निवेश सं० अ० ई०-4/37 ईई/3106/83-84---अतः सक्ते. विजय रंजन,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से द्रिधक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 103, पहली मंजिल, चन्दन अपार्टमेंट इलि गावठाणा, स्रंधेरी (पिष्चम) बप्म्बई—58 में स्थित है। (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-7~1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिः नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रवः अबः, उनत प्रश्चिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स भारत ट्रेडिंग कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री मधुकांत एम० दोशी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्त्वी

फ्लैट नं० 103, 1 पहली मंजिल, चन्दन क्षपार्टमेंट, इर्सा गावठाणा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37 ईई/3106/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 9~3~1984

मोहर 🥫

# प्रारूप बाइ .टी.एन..एस. -----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज $-\mathrm{I}^{\mathrm{I}}\mathrm{I}$ , बम्बई अम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

् निदेश सं० प्राई $-I^{1}I/2282/83$  -84 - अतः मुझे, श्र० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० महालक्ष्मी सोमायटी, प्लाट नं० 89, गरोदया नगर, घाटाकोपर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य) में वर्णित है) जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन नम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, दिनांक 12-7-1983,

पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तत अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकतः अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विजय लक्ष्मी मेनन

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरायू वर्धराजन

(श्रन्तरितीः)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तप क (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्वक्डीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

महालक्ष्मी विजयम को० श्राप० सोसायटी, प्लाट नं० 89, गरोदया नगर, घाटकोपर बस्बई—-77 ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० III/1075/83-84 है और जो धम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-7-83 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> य० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बस्बई

विनांक : 13-3-1984

मोहर 🕃

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक मार्च, 1984

निदेश सं० श्रार्ह/4/633/83-84:—-श्रतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 703/ग्र, सुमेर नगर, बोरेवली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूकी में भीर पूण फप से बणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुग्रा है। दिनांक 1 जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीर क्रि— (1) सुमेर डेब्लपमेंट

(भ्रन्तरक)

(2) राधाकुष्ण एच गौका

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अ**म्सुची

श्र/703, श्र भाग, सुमेर नगर, बोरेवली एस० ढी० रोड सम्बर्घ।

अनुसूची जैसा कि कि कि धर्म 4/633/83-84 को जो बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 1-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 12-3-1984

मोहर

# वस्य बाह्, टी.एन्.एस्.------

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

कायलिय, सहायक शायकर शायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक मार्च, 1984

निर्देश सं० भ्राई-1/37 ईई/620/83-84—श्रतः मुझे, श्रार० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, गैरेज नं० 11, महेण्यर/ निकेतन को० श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटे, य58, डॉ० जी० डी० मार्ग, अम्बई-26 में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 8-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वी० सी० कोनवाल ग्रौर वी० एम० दांडेकर एक्जीक्यूटर प्राफ दी० विल ग्राफ लेट श्रीमती हेमलता एस० वैद्या।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दमयन्ती निर्तिन शहा

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरह

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यशाहियां करता हुं।

## बन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

रचक्करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उच्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### बग्स्ची

प्लैट नं० 10, गैरेजर्नं० 11, महेग्बर निकेतन को० म्नाप० हार्जीसंग सासायटी लिमिटेड, 58, जी० डी० मार्ग, म्बम्बई—26 में स्थित है ।

ध्रनुसूची जैसा कि कर संरु भ्रई-1/606/83-84 घ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

श्रार० के० बकया सक्षहम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर यश्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनयरेज-।, बम्बई

दिनांक : 3-1984

मोहर :

प्ररूप कार्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**व** (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984 ग्राई-1/37ईई/511/83-84--ग्रतः मुझे, निदेश सं०

म्रार० के० बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **५सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")**, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000<sup>7</sup>-रुट. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, दूसरी मंजिल, 'संगम' बिल्डिंग, सी० एस० नं० 747 और आई० सी०-733 आफ मलवार हिल डिवीजन पेडर रोड, बम्बई-भें स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), बम्बई श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ऋषीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिषस्ट्री है, दिनांक 13-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्ल संपर्ित का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्ममान प्रतिफल से, एसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभाके लिए;

अक्तः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) 1. श्रीमती विमला कृष्णामूर्ति ।
  - 2. श्री ह्वी० के० बालागोपाल।
  - श्रीमती रमा गोपालकृष्ण ।
  - श्रीमती रूनमीती नागराजन ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० चन्द्रशेखार एच० ठक्कर ग्रौर श्रीमती ममता चन्द्रशेखर ठक्कर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) 1 श्रीमती विमला कृष्णमृति,
  - 2 श्री यू० के० बाल गोपाल,
  - श्रीमती रमा गोपाल कृष्ण,
  - श्रीमती रुक्सिनी नागराजन । (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिशोग में सम्मत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित **है, वहीं अर्थ होगा** जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सुची

फ्लैट नं० 203, दूसरी मंजिल, 'संगम' बिल्डिंग, बेम्रॉरिंग सी० एमस० नं० 747 और श्राई० सां० 733 श्राफ मलवार हिल डिबीजन , पेडर रोड, बम्बई में स्थित है ।

भन्सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/513/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार० के० बकाया नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक : 3-1984

भोहर

प्रकृष-बाह्र . टी. एन. एन. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० अई-1/671/83-84---अतः मुझे आए० के० बकायाः

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 29, 8वी मंजिल, विल्डिंग नं० 13, लिमिंग्टन रोड, नवजीवन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, वस्वई—8 में स्थित है। (और इससे उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), वस्वई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 20—7—1983,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काम्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/याः
- (ग) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर किम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 5—26GI/84 (1) भी वर्तभग छुमोमल भाटिया

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा यामुदेव मूलचन्दानी और श्री देवानन्द वामुदेव मूलचन्दानी ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्घन के जिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षारी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्यी

फ्लैट नं० 29, 8वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 13 नवजीवन को० आप० हाउमिंग मोमायटी लिमिटेड, लिमिटन रोड (जंक्शन आफ फाकलंड रोड), बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कि सं अई-1/559/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अभैन रेंज-।, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

भोष्ठर :

## प्रकृप बाहु<sup>4</sup>. टी. एस. एत. - - - ----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राय 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

वार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक मार्च 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/568/83-84--अत: मुझे, आर० के० बकाया,

भागकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ए को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रन. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 56,ब्लाक 6, ध्याम निवास, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई—26 में स्थित । है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), बम्बई और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्ब स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16—7—1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में अस्तिक हम से किथत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) 1. श्रीमती जमना पलाज गिडवानी
  - 2. श्रीमती विदी दत्तातय वैद्य और
  - श्री नेलूम फ्लाज गिडवानी

(अन्तरकः)

- (2) 1. श्रीमती जमना पलाज गिवडवानी ,
  - 2. श्रीमती लक्ष्मीबई होतचुन्द मिरचन्दानी
  - 3. श्री गिरधारीलाल सी० महतानी और
  - ा. श्रीमती द्रपती जी० महतानी ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके वर्जीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हां, के भीतर पृवेक्ति स्पित्तयों में से किसी स्पक्ति इंशाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भक्त है।

#### अनुसूची

प्लैट नं० 56, ब्लाक 6, श्याम निवास, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुपूनी जैता कि कि सं अई-1/570/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज-1, बम्बई

दिनांक: -3-1984

मोहर :

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बइ बम्बई, दिनांक 13, मार्च 1984

निवेश] सं० ए०आर०-I/37ई०ई०/2314/83-84--अतः मुक्ते, आर० के० बकाया,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 29 जौर 30, सायन द्वियोजन, म्युनिसि-पल नं० एफ-8304(1-3) और 8805-06 आफ स्टिट नं० 2371, 2371 बी, सायन कॉजवे रोड, 'एफ' (नार्थ) वार्ड, बम्बई में स्थित है। (और इसन उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 19-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखिम में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय आ किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 260-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निस्तितिश्वत स्थुनितम्रों, अर्थात् — (1) शेठ भाईदास सखीवास चैरिटी ट्रस्ट

(अन्तरक)

(2) श्री पशुराम विनायक प्रुभ

(अन्तरिती)

- (3) श्री पशुराम विनायक प्रभु (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है);

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वनक सुम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे

स्पक्कीकरण ६--इसमें प्रयुक्त शब्दों आहि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नम्सूची

सर्वे नं० 29 और 30 ऑफ सायन डिविजन, म्युनिसिपल नं० एफ-8804 (1-3) और 8805-06 प्रॉफ स्ट्रिट नं० 2371-2371 बी, म्यूनिसिपल नं० एफ-8802(1) प्रॉफ स्ट्रिट नं० 2369, म्युनिसिपल एफ-8803 प्रॉफ स्ट्रिट नं० 2370, सायन कॉजवे रोड, 'एफ' नार्थ वार्ड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ० सं० श्र-ई-II 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

दिनाक : 13-3-1984

मोहर 😃

# प्रकृत कार्षः टी., इन्. एस्.-----

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

#### भारत करकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं अर्थ ई/4/654/83~84——अतः मुझे दिजय रंजन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० रूम नं० 13, दातानी चेम्बर्स, मालाड दिलेका मालाड बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और जिसका करारनामा जायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 वा. ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रिजस्टर्ड किया गया है में, रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-7-1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिशिष्टम के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (जन्तरिकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वेष्य से उसत अन्तरण विचित्त के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भून्तरण ने हुंद्र किसी बाय की बाबत, उनत निर्धानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने वा उससे अधने में सुविधा के सिए; बॉट/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरग कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री नरेन्द्र बी० टक्यर

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव बी० गोयल,

(अन्तरिर्ता)

- (3) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जा भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्पी

आफिस नं 0.13, छातानीं चेम्बर्स, प्लाट सी 0.25 एस 0.25 मालाड गांव एस 0.25 पर रोड, मालाड सम्बर्ध — 0.64

अनुसूची जसा कि ऋ० सं० अ०.ई०/4/554/83-84 को और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 8-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया ह ।

विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि-4, बस्बई

दिनांक · 12-3-1984

मोहर:

प्ररूप आहू". टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

> भारत सरकार श्रर्जन रेज-4, बम्बर्ड

> > बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं० घ्र० \$=4/37\$ई/650-83-84---- घ्रत: मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० एफ/12, दूसरी मंजिल, साईंबाबा धाम, श्रॉफ एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण म हुई किसी बाय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्पिकतयों, अर्थात् क्ष्म (1) मेसर्स प्ररुण इण्टरनेणनल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष श्रार्थं, खाबारिया श्रार श्रीमेती निर्मेता श्राय० खाबारिया ।

(ब्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यपाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

फ्लैट नं० एफ/12, दूसरी मंजिल, साईबाबा धाम, श्रॉफ एस० ऋषी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400 092 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्र ई-4/650/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रजिस्टडं किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1984

माह्यु 🚁

प्रकल आहे. टी. एन्. एव . -----

आयकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-4, गम्बई

बम्बई, विनांक 12 मार्च 1984

निदेश स० ग्रई-4/37 ईई/668/83-84—ग्रतः मुक्ते, विजय रंजन,

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, तीसरी मंजिल, अक्षय भ्रपार्टमेंटस बिल्डिंग, दिहसर, गम्बई—में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 8-7-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (अ) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धोर/बा
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा अन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारती द्वारा प्रकट सहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, श्रियान में मुक्तिया के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुबरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीग , निम्निलिखित <u>अमृतिकर्षों</u> अर्थात डिम्म (1) श्री गुरू श्राशिश कंस्ट्रक्शन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोर्ज गिलबर्ट ग्रलमेडा ग्रीर श्रीमती नवाटी मेरी श्रलमेडा

(श्रन्तरिती)

(3) (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रोम गुरु प्रदाना को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## वक्त सम्मरित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 विन की अवधि या सस्तवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, को भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्य व्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

क्षकाकारण:--इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उपका सिंगियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

## नगुत्त्वी

फ्लैट नं 3-ए, तीसरी मंजिल, सराय श्रपार्टमेट, बहिसर बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ म्रई-4/668/83-84 प्रार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बई

दिनांक: 12-3-1984

भोहर 🗓

## प्रकृष कार्द् . टी . एव . एथ . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के ब्रुभीन सूचना

भारत् सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, गम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० ए० द्वार० 4/675/83-84 - प्रतः मुझे, विजय रंजन,

नायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिनयम' कहा गया हैं), की भाग 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उजित नाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कांदेवली बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई हुआ है।, दिनांक 23-7-1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापना कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पास ज्या प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उच्य अन्तरण विचित्त में वास्तिक रूप से कवित वहाँ किया गया है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृविधा के निए:

अतः अदः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विनोवराय एछ० मलकानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदिपभाई लालजी नन्ना

(भ्रत्यापनी)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जनै के लिए कार्ववाहियां करका हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्यूभ किसी नग्य व्यक्ति ब्वारा जभोहस्ताक्षरी के शस जिक्ति में किए जा सकती।

त्यस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उपद्यु अधिनियम के अध्याय 20 का परिभाषित है, नहीं जर्च होगा को उस अध्याय में दिया बना है।

## जगुत्त्वी

फ्लैट नं॰ अ/18, सरोजनी नायडू रोड, कविवली बम्बई । श्रनुसूची जैसा कि ऋ॰ सं॰ श्रई/4/675/83-84 है श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में दिनांक 23-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेजि–४, बम्बई ।

विनांक : 9-3-1984

प्ररूप नाइ . टी. एन . एस . ------

श्रायकर अखिनियम, 1961 (1961 का 43) की बहुर। 269व (1) के श्रवीन सुचना

#### नारत सरकार

क्षायीलय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० स्र.ई० 4/672/83-84—श्रतः मुझे, विजय रंजन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 1, सत्यम बिल्डिंग, कांदेवली, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधक श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रौर यह करारनामा बम्बई के सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क. ख के ग्रधीन रजिस्टई हुग्रा है, दिनांक 18-7-1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कुप से किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-विश्विमित्रम के जवीन कर देंगे के अन्तर्रक के बायित्व में वामी करने वा उसके बचने में मुख्या के जिल्न बीड/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या घन्य घास्त्यों को, जिन्हें भारतीय ग्राय घर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनयम, या धनकर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य श्रन्थास्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियान में मूर्विधा के लिए।

ज्यः वयः, उच्च विभिनियमं की भारा 269-ग के जनसरक में,, में, उच्च अधिनियमं की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः⊸ (1) श्री डोमाई जी लाल जी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती इक्ल्य एस० मंसूखलाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपरा सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस नुबना के राजात में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भविष्य या तस्सम्बन्धी अविद्या पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविष्ठ जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के पीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्की

गाप नं० 1, सत्यम बिस्डिंग, नं० 1, राइयाग्राम संपोली रोड, कांदेवली बम्बई-92 ।

यह करारनामा वम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में अनुसूची ऋ० सं० ग्र० ई०-4/672/83-84 दिनांक 18-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर:

प्रकृपः बाइं, टी. एनं, एसः ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय सहाध्य आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं० **अ**० ई०/4/655/83-84---अतः; मुझे, विजय रंजन,

कामकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० डी॰-16, साईबाबा धाम है तथा जो एस॰ वी॰ रोड, बोरीवली, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-7-1983,

को पूर्वोक्स संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच् एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्यक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) वंतरण सं हुइं किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (ख) जिसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मैं० धरण इण्टरनेशनल ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय एस० मर्चेंट।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पेति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्त्यी

प्लीट नं० डी०1*6,* साईबाबा धाम, एस० वी० रोड, बोरीयली अम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई | 4 | 655 | 83-84 जो दिनांक 26-7-83 को बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी ृथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12#3=1984

मोहर:

प्रस्य नार्ड दी एन एस् :------

धायसर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सबीत तुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० अई 4/623/83-84-अतः मुझे, बिजय रंजन, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पृल्य 25,000/- कर्ये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० केणव निधि को० आप० सोसायटी, एस० वी० रोड, बोरेवली बम्बई 921 में स्थित है। (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण हम विणत्त है। जिसका करारनामा अयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड हुआ है। विनांक 23-7-1983,

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रत्नरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रविकृत है प्रीर प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में बास्नविकृत कप से कृतित नहीं किया गया है 1→-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधन के निए;

श्रत: मब; उक्त मधिनियम की धारा 269 म के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम को धारा 269 म की उपशारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् म्— (1) श्रीमती नीता एम० पमनानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा एस० शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्षण को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की प्रविध या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्याकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उसत पछि-नियम के बड्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रय होगा, जो उत्त प्रव्याय में दिया गरा है ।

#### वनसची

फ्लैट नं० ई-13, तींसरा माला, केश्व निधि को० आप० सोसायटी, एस० वी० रोड, बोरेवली बम्बई-92।

अनुसूची जैसा कि कि से प्र० ई०/4/623/83-84 धौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनोक 23-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

मोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शेक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनोक: 12 मार्च 1984

निवेश सं० अ० ई०/632/83-84--अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, ला चपला-सी, वलानी, विलेज, बम्बई—-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है। दिनांक 20-7-83,

की पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापवेकित सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आय की शावत उक्त अभि-नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री जी॰ रामदास

(अन्तरक)

(2) श्री अर्रावंद एम० सोलंकी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

फ्लैट नं० 506, ला चपला, बलनाणी बिलेज, बम्बई-64। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-4/532/83-84 ग्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनांक 20 जुलाई 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब,, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन , निध्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात् है—

दिनांक : 12-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आ**र्ड**् टी. एन. एस<u>.</u>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1984

निषेण सं० अ०६०-4/37६६/683/83-84—अतः मुभे विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं शाप नं 2, बिल्डिंग नं 23, एफ श्रधेरी जुम्बू दर्शन को 3 आप इंडिसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रधेरी (पूर्ष), बम्बई-69 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-7-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ्—

(1) श्रीमरी कुसुभ पी० कौशल

(अन्सरक)

(2) श्रीमती प्रगना आर० पारिख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

शाप नं० 2, बिल्डिंग नं० 3, एफ प्रधेरी जुम्बू दर्शन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/72/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी  $\frac{1}{4}$  बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 3-3-1984

मोहर 🙎

प्रकृष बाह् , टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के संधीन सूचना

## भारत सहकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1984

निदेश सं० आई $\sim 4/37$ र्ह्म/557/83-84—अत , मुझे, विजय रंजन,

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० डी०-5, मरोल नन्व धाम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कुर्ली-अंधेरी रोड, मरोल अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रांकर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई और जिसका करगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। में रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-7-1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य, ससके क्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है है---

- (क) नन्तर्भ से हुई किसी नाव की वायत्, उच्छ निमित्तियत्त के नभीत कर बाने के नंतर्भ के सावित्य में कमी कर्ने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती हुवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कें ० एम० पटेल ।

(अन्सरक)

(2) श्री इंदर सिंग भधा धांजल।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, स्म्यत्ति के अर्थम् के विष्

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य अपिकत व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

यूनिट नं डी०-5, मरोल नन्द धाम इण्डस्ट्रियल इस्टट कुर्ला अधेरी रोड, मरोल, अधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं ० अई-4/65/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1983 को रजिस्टर्ड किया चुका है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांफ 7-3-1984

मोह्य 🛮

# प्रकृत कार्य , द्वी , श्रम , प्रस् , न्याननाना

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं० अ० ई० ।।।/2381/83-84-अत:, मुझे, अ० लहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्से प्रवात (उन्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पहला माला, तिरुपती ब, कोले करूयाण, वकोला सांताकुज, बम्बई में स्थित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रैजिस्टर्ड हुआ है। में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-7-1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य., उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण लिसित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंत्यरण ते हुइँ किसी आयुक्ती वावस, अअस अधिनियम् के ल्थीन कर दोने के अन्तुरक के वायित्य में कमी करने या उससे क्यने में सविवा के तिए; सूरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(1) मैं० हरीसिंख कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मार्गेट सी० लोबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ज्वन के निष्

उनत् सुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेष् 🏻 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है

## मन्त्र्ची

प्लट नं ० 1, पहला भाला, तिरुपिति, कोले कलयान, वकोला स्रोताकुज्य बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० 111/1065/83-84 है और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-3-84 को रंजिस्टर्ड किया गया है

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-111, बम्बई

जतः अवे, उक्त अधिनियम की <mark>पार 269-ग के अनुतरम</mark> में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

दिनांक : 12-3-19**84** 

मोहर

प्रकृषं भाषां च ठी च एत च एव ., ------

भारत विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निवेश सं० अ ई०/III/2293/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी.

कारकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 2, दूसरा माला, बिल्डिंग नं० 4, दामोदर पार्क एल० की० एस० मार्ग घाटकोपर बम्बई – 86 में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में सूर्ण रूप से विणित है। भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनिमय 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है, दिनांक 13–7–83,

को प्यों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उच्छ अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में केनी करने या उवडे क्यने में तृतिया के लिए; बॉर/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा जी विकर;

जतः अव, उक्त जीभीनयज की भारा 269-ग के जन्सरण में, मैं उक्त अभिनियंग की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् हिल्ल (1) मै० पाठल इण्टरप्राइजज

(अन्तरक)

(2) श्री एल० आर० गुने

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् ः---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिष्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविष, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त विभिन्निम्म, को अध्याय 20-क में वृरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस , वृष्याय में दिखा वृता ही।

## अनुसूची

पलट नं० 2, दूसरा माला, स भाग, बिल्डिंग, नं० 4, दामोदर पार्क, एलं० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०/III/146/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनांक 13-7-1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज–III बम्बई

दिनांक 5-3-1984 ंमोहर प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

भायकर गिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मार्चे 1984

निदेश सं० ए० अ.र-2/37 ईई/3112/83-94--अत: मझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं ं प्लैंट नं ं 24 है तथा जो बैकुण्ठ, माउंट मेरी बैकुण्ठ को ं अपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड 31-ए, माउंट मेरी रोड, ब.न्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उप.बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कर र-नाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-7-1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चेदय से उच्च अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्त

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खें किए:

मतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ाँ हा मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) क अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— (1) श्रीमती शान्ती गिई मुरलीधर खनी।

(अन्तरक)

- (2) कुमारी चिस्ती आर० सातारावाला । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध नहें)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवयुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकांगे।

स्वाक्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पदों का, वा उनकर मिभिनयम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिवा नमा है।

### मन्त्वी

फ्लैंट नं० 24, "बैंकुण्ठ", माउंट मेरी वेकुण्ड को-ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 31-ए, माउंट मेरी रोड, बान्ब्रा, बम्बई 400 055 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37 ईई/3112/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस**० एच० अब्बास अबिदी** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–।।कृ **ब**म्बई

दिनांक : 8-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बर्ट बम्बर्ड, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश मं० प्रई--।/37 ईई/588/83--84--अत: मुझे, आर० के० बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी ग्रं० आफिस नं० 112, 11वीं मंजिल, मित्तल टायर "ए" त्रिण, 210 नरोमन पांइट, वम्बई—21 में स्थित है (और इपमेन्डपाबद्ध अनुसूत्रों में और पूर्ण कर में विणित है), और जिसहा करार त्रामा आह्यर अधिनियम 1961 की धारा 269 छ, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिजारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांज 5-7-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्युविय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीतः जिन्निसित क्यिक्तयों, अर्थात् :-----7—26GI/84 (1) भामता बिमात लालबन्द मुथा

(अनार्ए)

(2) मनर्म चानराय उत्तमचन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  ग्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आ।फिस नं० 112, 11वीं मंजिल, मित्तल टावर "ए" विंग, 210, सरोमन पांइट, बम्बई--21 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि कर संर अई--1/518/83-84 और जो अभ्य प्राधिकारा बन्दई द्वारा दिनांक 5-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) अर्जन रोज--1, बम्बई

दिनों रूं : 13-3~1984

স স

मोहर 😬

## त्रक्ष आर्थः टी. एत. एव.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, दिनांक 15 मार्च 1984

निदेश सं० जो० आई० आर.० के-129/एक्वी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये हे अधिक है

और जिसकी सं ० एक किसा मकान है तथा जो सामसेन गंज, सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्म से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का अगरण है कि यथापृष्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उउने रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

(1) श्री हरेखर दयाल सठ

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कन्हैया लाल 2. श्री घनश्याम दास

(अन्तरितो)

(3) उपरोक्त विकोता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

## अनुसूची

एक किता मकान मय भूमि पैमाइसी 4340 वर्ग फीट स्थित तामसेन गंज भोतापुर और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 1935 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मीतापुर के कार्यालय में दिनांक [4-7-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो (निरोक्षण) 'सहायक' आयकर श्रायुक्त [(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 15-3-1984

मोहर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकं कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1984

जितदेश सं० जी० आई० आर० एस-305/एक्वी०--

यत: मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जितको सं० एक किया महान है तथा जो तामसेन गंज, सीलापुर में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मीलापुर में रजिस्ट्रीकरण अधितियन, 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनांक 4-7-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को गई है कि मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की नाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वासी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो हरेश्वर दयाल सेठ

(अन्तरक)

- (2) 1. श्र्वा सीतलदास
  - 2. श्री चन्द्र प्रकाश
  - 3. श्री टिल्लूमल
  - 4. श्री खूबचन्द्र
  - 5. श्री बेगराज

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिमांग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगस्त्री

एक किना मकान मय भूमि पैमाइसी 6425 वर्ग फुट स्थित तामजेन गंज सीतापुर और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि मेनडीड व फार्म 37-जो संख्या 1934 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार सीतापुर के कार्यालय में दिनांक 4-7-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी/(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 15-3-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1984

निदेश सं० जा० आई० आर० संख्या जी-66/एक्वी०--यत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नको सं ० प्लाट नं ० 281/286 है तथा जो हैवतमान मवर्दया, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य में विणत है), रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के वार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रोकरण अधिकियम काखनऊ में रजिस्ट्रोकरण,—अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनांक 26 7-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उबस अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

न्त्रः वय, उनत् अभिनियम् की वादा 269-व के जनसरणं वं, भं उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपवादा (1) के स्थीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, मुर्थात् ∷— (1) 1 था भैरों प्रसाद2 श्री रॉम लखन

(अन्तर्क)

(2) में .ार्म गोत विहार सहकारी समिति लि० लखनऊ द्वारी सचिव, श्रो समीर चतुर्वेदी ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त केना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारेसे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की सारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 281/286, पैमाइसी एक बीघा अर्थात् 27225 वर्ग फिट स्थित है क्तमान मवह्या, लखनक और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि मेलक्षीय फार्म डी 37-जी संख्या 305 में विणित है, जिसका पंजीकरण जिला-र्जिस्ट्रार लखनक के कार्यालय में दिना व 26-7-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी/निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक 15→3**−**1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहन्छ

रोहतक, दिनोंक 13 मार्क 1984

निदेश सं० रोह्न 1/33/83-84--अन: मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आँर जिसकी सं० भूमि 1 बीचा 4 बिस्वे है तथा जो रीहरी में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य में विणित है), रिजिस्ट्री अधिकारी के वार्यात्मय रीहतक में रिजिस्ट्रीलरण अधितियम, 1908 का 185) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983 का प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान

का प्लेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रितिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक है प से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दिख्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धृन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अविरित्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निस्मिलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्रीमती र्णान्त देवी पत्ती श्री नन्द विश्वीर निवासी, णक्ति नगर, श्रीन रोड, रोहत्य, श्रीमती विभला द्वी पुत्री श्री रती राम अनाज मण्डी, जीद ।

(अन्तर्यः)

(2) श्रीमत्। प्रेम वर्ता मुपुत्री श्री बुटा फिह पुत्र मोलड सिह
श्री रणधार भिह पुत्र बुटा सिह पुत्र मोलड सिह
नि० मदीना कोरसन त० महम
श्री पणबीर सिह पुत्र होणियार सिह पुत्र धर्म सिह
नि० करोथा
चौ० देवस राम पुत्र हजारा सिह, श्री रणबीर सिह,
महाबर सिह सुन्दर सिह पुत्रान श्री देवक राम
नि० जाजादगढ़ त० रोहतक।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह मूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयंक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 4 बिस्वे रोहतक में स्थित है, जिसका अधिक वित्ररण रिजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय रोहतक में, रिजिस्ट्रो-संख्या 2619 दिनांक 15-7-1983 पर दिया है

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 13-3-1984

मोहर 🏻

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहरस, दिनांक 13 मार्च 1984

तिदेश सं० रोहत क/35/83→84 - -अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 13 बिस्ने हैं तथा जो रोहतक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रिकरण अधिक्यम 1908 का 18) के अर्धान, दिनांक जुलाई 1983 हैं को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुवं किसी बाय की वावत, उक्त सींधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री रामबाबू पुत्र श्री चन्दगी राम महाजन नि० विजय नगर, झउजर रोड, रोहतः।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्रोमती प्रेमवती पुत्री श्री बूटा सिंह पुत्र मोलंड सिंह 2 श्रो रणबीर सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह पुत्र मोलंड सिंह गांव ---नदीना कोरसन त० महम
  - 2. श्री यशबीर सिंह पुत्र होशियर सिंह पुत्र धर्म सिंह गांव, करोंया त० रोहतक ।
  - 4. चौ॰ देवक राम पुत्र चौ० हजारी सिंह
  - 5. श्रो रणबीर सिंह, महाबीर सिंह, सुन्दर सिंह पुतान चौ० देवकराम पुत्र हजारो सिंह। नि० आजाद गढ़ त० रोहतक।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आर्री करके पुवर्णिकत सम्परित के वर्जन के लिए कायवाहियों करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और नदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 बिस्वे रोहतक में स्थित है, जिसका अधिक वित्ररण रजिल्ह्रोकर्ता के कार्यालय , रोहतक में, रजिल्ह्रो संख्या 2630 दिनांक 16-7-1983 पर दिया है ।

> .आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक : 13-3-1984

मोहर :

## प्ररूप बार्च : दी : एन् : एस : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० रोहतक/36/83-84---अतः मुझे, आर० के० भयानाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि 1 बिघा 4 बिग्ने है तथा जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपापड अनुभूची में और पूर्णस्प से बिण्ने है), रजिस्ट्रोलाती अधिकारी के कार्यालय रोहतक में रिजिस्ट्रे करण अधिनियम, 1908 का 18) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983, को पूर्वोंक्त मंपरित के उचित बाजार मृज्य में कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए बीड़/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिय व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमतो सन्तोप देवी पत्नी देवी देवाल. नेहरू स्ट्रोट, रोहतक । श्री रोशनलाल पुत श्री रामपत अग्रवाल निरु पुरानी आनज मण्डी, रोहतक ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रोमती प्रेमदती पुत्ती बूटा सिंह पुत्र मोलड रिंह 2. श्रो रणधीर सिंह पुत्र बूटा सिंहपुत्र मोलड सिंह गांव---मदोन त० महम ?।
  - 3. श्रा यगबीर सिंह पुत्र होशियार सिंह पुत धर्म हिंह नि० करोया ।
  - 4. श्री देवक राम पुत्र हजारी सिंह
  - 5. श्री रणबीर सिंह, महाबीर सिंह, सुन्दर सिंह पुतान श्री हजारी सिंह

नि. आजाद गढ़ त० रहतक ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानाः। है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कार यह मुचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोक्त क्षव्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 4 बिस्वे रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीवर्ता के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीर संख्या 2631 दिनांक 16-7-1983 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांदा: 13-3-1984

मोहर:

## प्ररूप आद्दं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहनक रोहनक, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेण मं० रोहतंक/37/83-81--अतः मुझे, आर्० के० भयाना,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का व्यारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा सं अभिक है

और जिसकी सं० भूमि 12 बिस्वे हैं तथा जो रोहतल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकप से विणत है), रिजिस्ट्रीयती अधिकारी के वार्यालय, रोहतक में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 18) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह निक्वास करने का कारण हा कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निवित में वास्त-विक रूप में अधित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई फिली बाय की बाबत उपत ब्रीध-वियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या उससे बचने भें सुविधः के लिये; और या/
- (अ) एसी जिस्सी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रीमती सरीज रानी पत्नी श्री रमेण चन्द्र नि० विजय नगर, झज्जर रोड, रोहतक।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती प्रेमवती पृती श्री बूटा सिह पुत्र मोलड सिह 2. श्री रणधीर सिह पुत्रश्री बूटा सिह पुत्र मोलड सिह नि०--मदीना कोरसन त० महम ।
  - 3. श्री यणबोर सिंह पुत्र होणियार सिंह पुत्र धर्म सिंह नि०--करोंथा त० रोहतक।
  - 4. चौ० देवक राम पुत्र हजारी सिंह।
  - रणबीप सिंह, महाबीप गिंह, मृन्दर सिंह धुत्रान

श्री देवक राम ।

नि०--आजाद गढ़, न० रोहतक ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त इन्द्रॉ और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

#### अनसची

सम्पत्ति भूमि 12 विस्वे, रोहतक में स्थित है, जिसका अधीधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय रोहतक में, रजिस्ट्री संख्या 2638, दिनांक 18-7-1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

दिनांक : 13~3~1984

मोहर:

प्र<del>क्</del>प बाइ<sup>ड</sup>. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के श्रधीद स्वना

#### भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज पूना

पूना विनांक 7 मार्च 1984

निर्देश सं० सं१० ए० 5/1092/83-84—यतः मुझे, शिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 200/5, 717/1वी-14-1/4 नासिक है तथा जो नाशिक में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निवंधक नासिक में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्मों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए: और/था
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अन्सरण** भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिलिस व्यक्तियों, अर्थात :—— 8-26/G.I.—84 (1) श्री० जिस्मी डी० सोझा
 112/सेंटलिओ रोड बांद्रा (वेस्ट)
 बस्बई-50

(अन्तरकः)

(2) श्री उपेन्द्र गोगगीरी नायक
 109/3 सीमेश्यर निवास,
 शिवाजी पार्क रोड नं० 3
 यम्बई-28

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ग्रंथपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पर्यों का, जो उन्त अभिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर्वे नं 20 v/5 = 717/1बी 0-14-1/48 नासिक एरीया-1174 स्केअर मिटर

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत नं० 2827 जो नासिक तारीख जुलाई 1983 दुय्यम निबंधक नासिक के वफ्तर में लिखा है)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्धन रेंज, पूना

नारीख :-7-3-84 **मोहर**ः प्ररूप आहें . टी . एन . एस . +-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

## नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 मार्च 1984 निर्वेष में० सि० ए० 5/37 जी/-83-84-यतः मुझे, प्राणिकृति कुलकर्णी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० सर्वे नं० 37 प्लान नं० 2 से 6 है तथा जो रोस ना० खालापुर में स्थित है (और इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक दर्जन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जुलाई 1983

को पूर्वोजत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की पद्दं है बार मूओ यह विश्वास करने का कारण. है कि यभापूर्वोजत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे जंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-क्य निम्मीनिद्य दृष्टिस्य से द्वारा बन्तरण विक्य में बास्तिक कम ने किया नहीं किया बना है ८——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के तिए; बाँद/या
- (श) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्रीमती गुलाब मधुमूबन सोमपूरकर और अध्य 30/24, लेकमायनगर, पूना-411030

(अन्तरक)

(2) श्री वही० आर० कियापे और अन्य टाइप 4, 17/04, रसायनी, जि० रायगढ

(अन्तरिती)

को बहु सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यग्रहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की हारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृक्त्य अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थक्ष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वमृत्यी

जमीन जो प्लाट नं० 2 6 और सर्वे नं० 37 रीस ता० खालापुर, जि० रायगढ में हैं। क्षेत्र 8470 स्कवे मीटर्स । (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 37-जी/887/ ता० विश्व जुलाई 83 की दुग्यम निबंधक, कर्जन के देपतर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-3-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस .------

जासकर ज्भिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

### भारत सरकार

कायालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 फरवरी, 1984 निर्देश सं० मी० 5/37 ई० ई०/517/83-84---यत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० -3 हाऊस नं० 844 स० नं० 390/548 दस्तुर मेहर रोड़ पूना -1 (क्षेत्र 130 स्केर्य फीट है तथा जो पूना में स्थित है ( और इससे उपाबढ़ अनुसूची से और पूर्ण घप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय सहायक आयकर अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरिक्ष नं० 2458/माटें-83

को पृशेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दरममान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, इक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्षे या उससे व्यूने में सूबि्धा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या मन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा हो सिए;

हत: बब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैसर्स रमेश बिल्डर्स धिवता चेंबर्स 9 वाऊडबाय रोड़ पोर्ट, बाम्बई-400001

(अन्सरक)

(2) श्रोमती धनिध साबूनी
प्लान नं० 1 बिल्डीग नं० 3
परवानी हाऊस गुरु नगर
पूना -2

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथांक्त सम्परित है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## मन्द्रची

भाप नं० 3 घर नं० 844 स० नं० 390/584, दस्तूर मेहेर रोड़, दूना -411001

(जैसे की राजस्ट्रीझत नं० 2458/दूना/83-84 ना० 5-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना के दफ्तर में लिखा है )

> गगिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी स**हाब**क आयकर आ**मु**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख : 18-3-84

मोहर 🛭

# प्रस्य नाइ . टी , एन् , एस् . .-----

नायक<u>र</u> मिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, विनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० 15 जुलाई 83 ----यतः मुझे आर० पी० पिलै

शायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० इश्वरमूर्ती पालयम गांव , रासीपुरम तालु का में स्थित हैं ( और इससे उपबाद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से विणत हैं ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम-1 दस्तावेज सं० 1483/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1684

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण सिवित्य में बास्सिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त ब्रिशिन्यम के ब्रुशीन कर दोने के ब्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रोडिं/या
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपनारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री के० रामस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री आर० पलनीवेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राज्यून में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए का सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नया है।

### मगुस्ची

व्यावसायिक भूमो इश्वरमूर्ती पालयम गांव, रासीपुरम तालुका (दस्तावेज सं० 1483/83

> आर० पी० पिल्लै० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीखा :--13-3-84

माहर :

प्रकप् आर्ड् , स्री ् एन ् एस . -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेंज-II मद्राय

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1984

ानदश सं० 10426—अत: मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और ृष्णिसकी सं० सर्वे नं० 18/1 है, जो वरगनेरी में स्थित

और प्रांतसकी संव सर्वे नंव 18/1 है, जो वररानेरी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयित्रची (डाकुमेंट 729क83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

1. श्री गुलाम रसूल साहिब।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हनीका मीरान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकात में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अजिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

भूमि सर्वे 18/1, वरगनेरी (डाक्मेंट 729/83)।

आर० पी० पिहली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

मत: नभ, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरक में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

ता**रोख:** 9-3-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० 13042—प्रतः मुझे आर०पी०पिस्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 152, 153, 154, 155/1 ए 220/बी, 244, 245/3, है, जो कुरिची कीयम्बेट्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बेट्र (डाक्सेंट 3145/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्धरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अंसिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 'लोटसं मिल्सं सिमिटेड

(अत्तरक)

(2) रामजनाराय टेक्सटैलस (प्रा० लिमिटेड)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबेद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसंची

भूमि और निर्माण -146,147 कुरिची, कोयम्बेटुर (डाक्मेंट 3145/83.

आर० पी० पिस्सें संसम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-II, मब्रास

मारी**ख**:- 12-3-84

मोहर :

प्ररूप अन्तर्भः टीः एनः एसः - - -

बायकर मीधीनयभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के मधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 84

निर्देश सं० 10433—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 174/1, 175/4रा, है जो मीटर फैंक्टरी रोड, दूंची-21 में स्थित है ( और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यलय, दूीची (डाक्मेंट 4412/83, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है बार मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ता) ऐसी जिसी प्राय या किसी घन या वश्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय धावकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रविनियम, या धन-कर घिषित्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तारिती हार्च प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविका के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:—- मैसर्स सिमकी मिटिएस (पी०) लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. सदर्न कस्ट्रशनस (पी०) लिमिटेड ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थानकिस्माः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में: परिआधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में: दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि निर्माण, मेशिनरी, आर॰ एस॰ 174/1, 175/4 ख ए, मीटर फेक्टरी रोड द्रिची-21।

> आर०पी०पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्पर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 12-3-1984

मोहर 😹

प्ररूप आइं. टी⇒ एन ुःएस , ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रारा

मद्रासं, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० 19174—अतः मुझे, आए० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. मे अधिक है

और जिसकी सं० 22, 23, 23/1 है, जो जानी जहन रोड मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय ट्रिप्रलिकेशन (डाक्मेंट 640/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 था 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कावतं, उकता विधिनियम को अभीन कार दोने के अस्तरक के शायित्व वो कसी करने या खतसे वचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मेहरूजिसा।

(अन्तरक)

2 मोहम्मद अली जिन्ना और शौकत अलो। (अन्यरिती)

क्के यह सूचना जारी करके पुर्वाचित सम्मस्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

## उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त प्रवित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की, तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्मिक्त व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्रची

भूमि और निर्माण 22, 23, 23/1 जानी जहन रोड, मद्रास-14 (डाकुमेंट 640/83)।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

तारीख: 8-3-1984

मोहर:

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज तीन, कलकत्ता

मलकत्ता-16, दिनांक 16 मार्च 198 4

निर्देश सं० 1435/एक्यू०-आए०-III/83-84---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 25ए है, तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में मारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जुलाई 1983

को पूर्वेक्सि सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिलिस्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भागत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रकाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9---26 GI/84

- 1. मैसर्स एन० के० प्रापर्टी (प्रा०) लिमिटेख। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती नर्भदा मेधानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपस सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### सर पत्ती

25ए, शरत बोस रोड़, क्लक्ता में अवस्थित मकान का 3 मंजिल में प्लाट नं० 'ए' जो सिरियाल नं० 45एबी तारीख 20-7-83 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जे० नं० रेजिIII के दफतर में रिजस्ट्री हुआ। ।

एस० के० **नोझु**री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3,कलकत्ता-16

ता**रीख**ः 16-3-1984

मोहर :

प्ररूप भार्<sup>\*</sup>.टी.एन<u>.</u>एस., =-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुजना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, कलकता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 16 मार्च-1984

निर्देश सं० 1434/एक्यू०-आर०- /83-84---यतः, मुझे, एस० के० चौधुरी

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मौजा गरफा है तथा जो दाग नं एस -595 हो लिनं 863 में स्थित हैं (और इससे उपाधाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जुंलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती एस० एल० भट्टाचार्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भक्ति हरि साहातथा अन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर स्वना की तामी न से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्या क्या कि से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अन्त्र्ची**

मौजा—गरफा, दाग नं० सी० एस० 595 होल्लि० नं० 863 में अवस्थित 2के, 10सीएच 17 वर्ग फुट आयत का सम्पत्ति जो डीड नं० 3820 तारीख 25-7-1983 के अनुसार सब रिजस्ट्रार अब एशुरेन्स आलिपुर कलकत्ता के वफ्तर में र्राजस्ट्री हुआ।

एस० के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,कलकत्ता

तारी**ख**ा: 16-3-84

मोहर 🗈

प्ररूप आर्द्ध टी⊴ एन⊴ एस∴------

(1) श्री अशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

नायकर निभागम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

## प्राह्म सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकता

कलकता दिनांक 15 मार्च 84

निर्वेश सं० 1433/एनयू आर-III/83-84-यतः मुझे, एस० के० चौध्री

नायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित विस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं:

और निसकी सं० 217 हैं तथा जो शरत बोस रोड़ कलकत्ता 20 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक 30 जुलाई 83

की पूर्वों कर सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई हैं, जीर मुक्तें यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया ग्या प्रतिफल, निम्म्सिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्बत में वास्त्रीक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी भाग की मानत उक्त अधि-दिस्क से अधीन भार दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे अचने में तृतिधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी नाम मा किसी वन या जन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ न्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

(2) मैसर्स सर्वमंगल ट्रेडिंग को० लिमिटेड

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् व्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का । जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुंबा है।

## वन्त्र्यी

2/7 शरत बोस रोड़, कलकत्ता-20 में अवस्थित मकान का पांचवां फ्लोर में 1092 वर्ग फीट आयतन का ज़्लाट नं० 8 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयकर निरीक्षण) अर्जन रैंज के पास सिरियाल नं० 49B 30-जुलाई 83 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ

> एस० के० वौधुरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकता -16

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-म की उपधार (1) के अधीन, किन्निलिखित अधिनराों, अर्थात् ह—

तारी**ख: 15-3-84** 

मोहर 🛭

प्रकाप बाई. टी. एत. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-III कलकता

कलकता, दिनांक 16 मार्च 84

निर्देश नं० 1432/एक्यू०/आर०-III,83-84-यतः मुझे, एस० के० चौधुरी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25,2, है तथा जो प्रिन्स गोलाम मुहम्मद शाह रोड, कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम से कम दूधयमान प्रतिफत्त के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मसिक्ति उद्देश्य से सकत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक उप के जवित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए; और/या

नतः जय, उनत जिभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत जिथिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) में मुधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थाद ६---- (1) गोल्फ साइट को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) रोकेया बैगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथेक्ति संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर गैम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सक्यों औद्ध पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनत्तर्ची

25,2, प्रिस गोलाम मुहम्मद शाह रोड, कलकता में अवस्थित मकान का 680एसएफ आयत का फ्लैट नं.4 '4' टाइप जो डीड नं० 1-6614 दिनांक 7 जुलाई 83 के अनुसार सब रिजस्ट्रीर अब एस्ट्रेन्स के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता --16

ता**रीख** : 16-3-84

मोहर:

प्ररूप बाहै. दी. एन, एस. ======

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकहर

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कलकला

कलकत्ता, निांक 16 मार्च 84

निवश नं० 1431/एक्यू आर- /83 -84--यतः मुझे ए० के० चौधुरी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (। जस इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है तथा ंजो बालिगंज पार्क रोड़, कलकृता में स्थित हैं ( और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 27 जुलाई 83

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) मैसर्स श्री पवन दूत प्रोजेक्स

(अन्तरक)

(2) श्री हरषादु ढोल्यकिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्रीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### ननसची

22, बालिगंज पार्क रोड़, कलकत्ता में अवस्थित मकान का 1190 वर्ग फीट आयतन का फ्लैट 381 वर्ग फीट क ओपन टिरेंग और एक गरेज जो सिरियाल नं० 47 दिनांक 27 जुलाई 83 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III के दफ्तर में रिजिस्ट्रीकर्ती हुआ

(एस के चौघुरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, कलकत्ता -16

तारीख: 16-3-84

मोहरु 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 84

निवश सं 1430/एक्यू म्रार० → /8,3-84--यतः मुझे एस० के जौधुरी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2,, (2,7 है तथा जो शरत बोस रोड़ कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 के अधीन दिनांक 30 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उनत अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औरु/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रे अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्चित् व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्री अशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

(2)में सर्से सर्वमंगल टेडिंग क० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुस्की

2,7 नं० शरत बोस रोड़ कलकक्षा अवस्थित मकान नं० सातवां तस्सा (7वी मंजिस) में 2202 (1021) वर्ग फीट आयत का 2 नं० फ्लैंट जो कि 53 वि कमीक के अनुसार 30 जुलाई 83 तारीख में सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III के पास निवधित (रिजरिब्ट्र) हुआ

एसमें के**ं वौंधुरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आ**युक्त निरीक्षण)** अर्जन रेंज III कलक**सा** 

तारीख: 16-3-84

मोहर 🛭

# प्रकृष भादं दी एन एत .-----

भागकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

## धार्ड चुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 मार्च 84

निर्देश सं० 1429,एक्यू, आर-III,83-84---यतः मुझे एस० के० चौध्ररी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्यक हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2,7 है तथा जो गरत बोस रोड़, कलकत्ता स्थित है ( और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यीलय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 जुलाई 84

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ह— (1) श्री अशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सर्वमंगल ट्रेडिंग क० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इ.समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्ची**

2,7 शरत बोस रोड़ कलकत्ता -20 में अवस्थित सातवां तल्ला में 1092 वर्ग फीट आयत का 8 नं॰ फ्लैट जो कि कमांक 50वि, 30-7-83 तारीख के अनुसार सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III के पास निबंधित (रजिस्ट्रि) हुआ

> (एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख :--16--3--84 मोहर ≱ प्ररूप बाइ रें टी. एन. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता , दिनांक 15 मार्च 84

निर्देश सं० 1428/एक्यू आर-III/83-84--यतः मुझे एस० के० चौधरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2/7 है तथा जो शरत बोस रोड़ कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक 30 जुलाई 83

को पूर्वों बत संपत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्मित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसीं नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (था) एसी किसी जाव या किसी धन वा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीम, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थीत् ध---

(1) अशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स सर्वमंगल ट्रेडिंग कर लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिकश्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्वों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

### अगुलुकी

2/7 शरत बोस रोड़ कलकत्ता-20 में अवस्थित मकान का सांतवां तस्ता में 1086 वर्ग फीट आयत का फ्लैट नं 5 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता के पास क्रमशः 51 बी० दिनांक 30 जुलाई 83 के अमुसार रजिस्ट्री हुआ )

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख :- 15-2-84 मोहर 🛭 प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 84

निर्देश सं० 1427/एक्यू आर- /83-84--यतः मुझे एस० के० चौधुरी

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो शारत बोस रोड़ कलकत्ता -20 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 30-7-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान पतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके पृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे पृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्लिस में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वरिती द्वारा पक्षत नहीं किया गया, था या किया जाना चाहिए बा, खिलाने में स्विधा ने लिए;

अतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् १---10--26GI/84 (1) अशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स सर्वमंगल ट्रेंडिंग क० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

2/7 शरत बोस रोड़, नलकसा :20 में अवस्थित मकान का पांचवा तल्ला में 1092 वर्ग फीट आयतन का पलैट नं 1 जो कमण: नं 48 बी० दिनांक 30 जुलाई 83 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, III के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ

एस० के चौधरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख:- 15-3-84 मोहरः प्ररूप आ**इ**ै. टी<sub>च</sub> एन । एस<u>ु -----</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा 269-च (1) के अधीन सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज III कलकता

कलकत्ता, दिनांक , 15 मार्च 84

निर्देश सं 1426/एक्यू आर- /83-84--यतः मुझे एस० के० चौधरीः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो गरत बोस रोड़ कलकता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से बांगत है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जुलाई 83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिन नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा की जिए।

भतः अवः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ए के अनुसूरण् में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अशोक कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) मसर्स सर्वमंगल ट्रेंडिंग फ॰ लिमिटेड (अन्तरिती)

नी यह सूचना आर्थी कड़के पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां कड़ता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी श्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पक्किरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

2/7 शरत बोस रोड़ कलकता - 20 में अवस्थित मकान का सातवां तल्ला में 1092 वर्ग फीट आयतन का पल नं 1 जो कमशः नं 52-B दिनांक 30 जुलाई 83 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी (सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -III के दक्तर में रिजिस्ट्री हुआ

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारी**ख :-- 15-4-84** मो**हर** ध

# प्रकृष आहु<sup>\*</sup>्ट<u>ी एष् एष</u>्ट्राच्यान्त्रन्त्रन्त्र

आयकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज,III कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 84

निर्देश सं० 1425 /एक्य आर-॥/83-84:-यतः, यतः मुझे, एस० के० चौधरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 55 है तथा जो ऐजरा स्ट्रीट, कलकशा स्थित है ( और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से बिजत है ); जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकशा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 जुलाई 83

को पूर्वा नित संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्स अधिनिय्य, के बुधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निष्

भूतः अस, सक्त अधिनियम का भारा 269-ग भ समृतर्थ में ,में उकत अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री नरसिंह सहाय मदन गोपाल इंजिनियर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मसर्स निशानलाल अरूण नुमार महेरी (एच० यु० एफ०)

(अन्तरिती)

की गृह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के गृबन, के तिहर कार्यवाहियां कारता हो।

# उक्त संपृत्ति के मूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप ---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पूर क्विया की तामील से 30 दिन की व्यक्तिया को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु दुवारा
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किया कमाहस्ताकारी के पास विवास में किए जा सकोंगे।

स्याक्षीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का, का जनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिवा मुसा है ।

## अन्सूची

55 न० ऐजरा स्मिट का (इसा - 2 में अवस्थित मकान का अन्डर ग्राउन्ड फ्लैट में 152 (152) वर्ग फीट आयत का फ्लैट जो कि सब रिजस्यार अब प्रयुरेन्य के दफ्सर में डीड नं०-9453 मी० दिलांक 22 जुलाई 83 के अनुसार रिजस्ट्री हुआ

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

सारीख :-- 15-3-83 मोहर 🗈 प्ररूप आह्ै.टी.एन.एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कायौतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- ; कलकत्ता कनकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० 1424/एक्यू०-आर०-Ш /83-84--यतः; मुझे, एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो एजरा स्ट्रीट कलकत्ता-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोफर्ता अधिकारी के कः ग्रालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 जलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, खिपाने में सूनिभा के लिए;

अतः अन्न उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (2) श्री नरसिंह सहाय मदन गोपाल इंजिनियरिंग (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

(2) गोलोक बिहारी दे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है. 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध [कसी जन्म व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

55 नं एजरा स्ट्रोट कलकत्ता-1 में अवस्थित मकान का ग्राजन्ड फ्लोर में एपार्टमेन्ट नं 30, 126 वर्ग फिट का फ्लेट जो कि सब-रिजस्ट्रार आफ ऐसुरेंस के दक्तर में डीड नं I-9480P दिनांव 22 ज्लाई 1983 के अनसार रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौघरी सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज--III कलकता

दिनीक : 15-3-1984

मोहर ः

प्रकृप बाइ ते हो । एन - एस .

नावकर निप्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुचना

### बारव हरकार

कार्यात्वय, सहायक मायकर मायक्त (नि<u>र</u>क्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 84

निद्धा सं 1423/एक्यू आर०-III,83-84-यतः, मुझे, एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' , कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्य 25,000/रु. से निथक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो ऐजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिवित उद्देश्य ते उच्छ बन्तरण बिख्त में बास्तविक हमा से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण वे हुइं किसी साम की बाबत, उनतः किसीम्बन के सुनीन कर दने के सन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे नुमने में सुनिमा के किसा करिया
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या मन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उनत निधिन्यम, सा धन-कर निधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सबः, उनत अधिनियम, की धारा 269-म के अनुमुरण मं, मं उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्— (1) श्री नरसिंह सहाय, मदन गोपाल इंजिनियरिंग (प्रा०) लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री कितीं कुमार झनझनवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संप्रीत के अर्चन के लिए कार्यवाहिया करता है।

# जबत सम्मतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोर्:--

- (क) इस स्वना के रावपृत्र में प्रकाशन की रार्डी हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त की अविध यों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनते स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, न्योहस्ताक्षरी के पाछ सिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मूं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

55 नं० ऐजरा स्ट्रीट, कलकता 2 में अवस्थित मकान का अन्डर ग्राउन्ड में 205 वर्ग फीट आयत का फ्लैट जो कि (एस० आर० ए०) सब-राजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकता के उत्तर में डीड नं० 1-9456 पी० दिनांक 22 जुलाई 1983 के अनुसार रजिस्टर्ड हुआ।

एस० के० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारींब : 15-3-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 25 मार्च 1984

निर्देश सं० 1422/एक्यू० आर०-,83-84--यतः, मुझो, एस० के० चौधरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरू 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 55 है तथा जो ऐजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुर्फ यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितो व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।]

अत: अब:, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग की अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत्:—

(1) मैं नरसिंह सहाय मदन गोपाल इंजिनियरिंग (प्रा०) लि० ।

(अन्तरक)

(2) राजभुमारी कोठार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

# उन्त सुम्पृत्ति के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# वन्सूची

55 नं० एजरा स्ट्रोट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का अन्डर ग्राउन्ड फ्लोर में (113 वर्ग फिट आयत का फ्लैट जो कि सब-रजिस्ट्रार आफ एसुरेंस के दफ्तर में डीड नं०।—9454 पी० दिनांक 22 जुलाई 1983 के अनसार रजिस्टर्ड हुआ।

एस० के० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-I कलकत्ता

तारीख: 25-3-1984

मोहर 🕄

प्रारुप बाहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 25 मार्च 1984

निर्देश सं० 1421/एक्यू० आर०-III,83-84--यतः, मुझे, एस० के० चौधरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो ऐजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) मैं नरसिंह सहाय मदन गोपाल (इंजिनियरिंग (प्रा०) लि० (अन्सरक)

(3) श्री ट्रेडिंग कारपोरेशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अन्**स्चीं

55 नं॰ ऐजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकानका चौथा तल्ला (बलाक नं॰ 4 में 705.95 वर्ग फिट ब्रायत का फ्लैंट जो कि रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स के दफ्तर म डीड नं॰ I-7364 दिनांक 22 जुलाई 1983 के अनुसार रजिस्टर्ड हुआ।

> एस० के० चौधरी, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज; कलक<del>सा</del>

सारोख :- 25-3-1984

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. - - - -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता; दिनांक 14 मार्च 84

निर्देश सं० 1420, एक्यू आरा॥, 83-84--यतः, मुझे, एस० के० चौधरो,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्भित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 एल/1ए०, है तथा जो 17 एल, 1ए 'डीभार टंरेस में स्थित है और इससे उपावत अनुसुची में प्रणंक्प से विणित है,

रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके ख्यमान प्रतिफल का बन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने यो सुविधा के लिए; बाह्र/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपथारा (1) ■ अधीन िनिमित्रिक स्थितियों अर्थात् ह— (1) श्रीमती दिप्ती मित्र ।

(अन्तरंक)

(2) कुमारी अनीता राय चौधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि बी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पति जो 17 एल० में अवस्थित डीड नं० 331 के अनुसार 8 जुनाई 83 तारिख में रजिस्ड हुआ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायर्ग आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, । कलकत्ता

तारीख:- 14-3-84 मोहरु 🛭 प्ररूप माध्रा, ही, एन, एस ़------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकला कलकला, दिनांक 14 मार्च 84

निर्देश नं०  $1419_I$ एसयू आर $-III_I83-85$ —यतः, मुझे, एस० के० चौधरी.

लाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 64 है तथा जो 64 मटेण्वरतला रोड़, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में स्थित है भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 83

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्वेदय से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में सिविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के निए;

जत:, अब, उक्त अधिनियम की धोरा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन: निम्निनिकित व्यक्तियों, अर्थात — 11—26GI/84 (1) भीनती माया देवी खेतरी।

(अन्तरक)

(2) चुं यि० फ० एवं अन्य।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध भे कार्डि भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनसची

सम्पति जो 64 मंटप्यरतला रोड पर अवस्थित 25 जुलाई 83 तारीख में रिजिस्ट कलकता में हुआ डीड० नं० 1/9554 पी अनुसार

एस० के० चोधरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, कलकत्ता

तारीख :- 14-3-84 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**मायक** र **अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता ,दिमांक 14 मार्च 84

निर्वेश सं० 1418 /एक्यू० आए॥/83-84--यतः, मुझे, एस० के० चौधरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 396 है तथा जो 396, प्रिन्स, अनवार शाह रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यायल, कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक, 11 जुलाई 84

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अंतरण से क्राइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कामी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिनाने से स्विया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों. अधीत:—

- (1) मै॰ अमा-लगमोर्टेड खिटवलपमैट लि॰ (अन्तरक्)
- (2) श्री शंकर विश्वास एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उत्तन म्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जो सकेन।

स्थल्दीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, बही अर्थ हाला जो तम अध्याय मी हिन्छ गया हो।

### बन्स्ची

396 प्रिन्स अनवार शाह रोड़ पर अवस्थित सम्पत्ति जो 11 जुलाई 83 में कलकता में रजस्ट्री डीड नं 1/6781 के अनुसार हुआ है।

एस० के० चौधरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख '-- 14-3-84 मांहर : प्ररूप आहू .टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता ,दिनांक 13 मार्च 84

निवेश सं० 1417/एक्यू० आर--।।। /834--8--- यतः सुक्षे, एस० के० चौघरीः,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं है तथा जो स्थित फ्लैट नं है 908 तथा जो 51 डी जा रीयालट रोड, कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कल कत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1909 का 16) के अधीन दिनांक 23 जुलाई 84 को पूर्वांगत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नोलिखत उद्दर्श स उक्त अंतरण जिस्ति में वास्तिक कम से किया नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम् के सभीम कर दोने के बन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय वा किसी भव या बन्य बास्तुमों को जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विभिनियम, या ध्न-कर वृधिनियम, या ध्न-कर वृधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिसी ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभास (1) के अधीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैं डोवर आपरेटिव हांबॉस सोसलटी (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गीता मुखर्जी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथेक्त सम्पृत्ति के अर्थन के िक्ष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांचे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिश, को भी समिश याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त बीधीन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

सम्मति जो फ्लैट मं० 908 है तथा जो 51 डी० (गा दीयालेट रोड़ में अवस्थित रजिस्ट्री हुआ (37 इ०ई० फार्में) अनुसार कलकत्ता एक्यूजिसन रेंज-III

> एस० के० **चौध**री सक्षम अधिका**री** सहायक आयकर आयुक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज, III कलकक्ता

नारी**च** ;- 13-3-84 मोहर: प्ररूप आहें. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

(1) श्रीमती कृष्णा कलि मित्र

(अस्तरक)

(2) डा० अभिताभ चौधुरी एव ग्रन्य

(अन्तरिती)

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्दोश सं० 1416/ एक्यू० आर० -III/83-84--ग्रत: मुझे, एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 60, हैं तथा जो बान्सीगंज गार्डन्स, कलकता में स्थित है ( और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यलय कलकता में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स वृधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बाड़/बा
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के शधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ::-- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्मन्थ में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारांख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमृसूची

जमीन और मकात जो 60 बालीगंज गार्डेन्स मे अवस्थित डीड० नं० 1-7318 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज-।।।, कलकत्ता

नारीख :-- 13-3~84 माहर प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.------

नायकार निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नवीन सूचना.

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश मं० 1415/एक्यू० आर. III 83-84---यतः मुझे, एस० के० चीधुरी

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी मं० 60 है तथा जो बालीगंज गार्डेन्स कलकता में स्थित है ( (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण एम से वर्णित है ),रजिस्ट्रोक्त्ती अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 जुलाई 83

को पृथा नित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम के देश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्नितियों विश्वे कर्ष से उसते अन्तरण निचित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विकास ने भूषीन कड़ दोने के बन्धरक के दावित्य में क्यी कड़दे वा दक्ष क्यने में दृश्यिम के निए; मार्ट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त स्वीधीनयम, या भन कर स्थिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के विकृतरण में, मैं, उक्त मिथिनियम की भारा 269-ज की अपभात (1) के विधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) श्रामती कमल कलिएाय चौधुरी

(अन्तरका)

(2) डां० अमिताभ चौधुरी एव अन्य

(अन्तरिती)

का यह भूचना जारा करके प्वायत संपर्तित के अर्थन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नम्सूची

जमीन और मकान जो 60 वाली गंज गार्डेन्स में अवस्थित रिजस्ट्री हुआ डीड० नं० I-7316 अनुसार।

एस० के० जौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलक्स्ता

तारी**ख**ः 13-3-84

मोहर 🛊

प्ररूप आर्डंटी. एन. एस.

*बायकर अ* थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के वधीन स्वना

भारत सहकार .

कार्यालय, सहायक गायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकता

कलकला, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० 1414/एक्यू० आर०III/83-84 -- यत: मुझे, एस० के० चौधरी

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक **है** 

और जिसकी सं० 60 है तथा जो बालीगंज गार्डन्म, कलकत्ता में स्थित है ( इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,क लकत्ता में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन विनांक जुलाई 83

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य. उसके इस्कमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बरि/मा
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा न्हेसिए:

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीम, निम्ननिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्रीमती अनुराधा दत्त एवं अन्य

(अस्तरक)

(2) डा० अमिताभ चौध्री

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना पारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्तु होती हो , के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वासकों ने।

<del>स्यव्यक्रिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो</del>का, अपे বৰৱ विभिनियम के विभाग 20-क में हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में नमा 🐉 ः

#### अन्सूची

सम्पति जो 60 वालीगंज गार्डन्न में श्रवस्थित रजिस्टी हुआ 23 जुनाई 83 तारीख में डीए० नं० 7317 अनुसार।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III। मलकला

**सारीख**ः 13-3-84

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. लाला रघमल चैरिटी टस्ट।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जगरेंज-Ш. कलकता

कलकता-16, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेण सं 0 1413/एक्य 0 आर 0- III/8384--- अत: मुझे, एस० के० चौधरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव 132 है तथा जो महाहमा गोधी रोड़ कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलवत्ता में, रजिस्टीकरण अधिनियम, तारीख 8 जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-क्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ववारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित :

(अन्तरक)

2. मैसर्स जुनजुनवाला जनकल्याण दुस्ट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस स्कुना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर संपरित में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त खब्दा और पर्वो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोराजो उस अध्यार में दिया गया है।

## अनसची

जमीन जो 132 महारमा गांधी रोड़ में अवस्थित है रिजस्ट्री हुआ डीड नं ० I-8674 अनुसार 8-7-83 तारीख में।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!।। कलकत्ता

तारीख : 13-3-84

मोहर 🤼

प्ररूप आईंटी एन एस - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-UI, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 12 मार्च 84

निर्देश सं० 1412/एक्यू०-आर-॥/83-84--यतः मुझे, एस० के० चौधरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं 9 सीं०/1 है तथा जो 18/3 गडियाहाट रोड़ कलकत्ता—19 (स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रंग में वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-7-83 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित के वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बल्तरण से हुई किसी भाग की बावड, उक्त श्रीधीनयम के सभीन कर दोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; श्रीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिणों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) नमीपण नी-भागरेदिय हाउग्रिन सीमाइटी जिल (अन्तरक)
- (2) श्री गीणा दाग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि--भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 9 सी/1 ज्लाक नं० 1 जो 18/3 गडियाहाट रोड़ में अवस्थित 29 जुलाई 83 तारीख में र्जिस्ट्री हमा डीड० नं० I--7596 अनुसार

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयळर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ।।। कलकक्ता

तारीख :- 12-3-84

मोहर:

मक्य भार् . दर्. एन . एस . -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I<sup>II</sup>, सनकत्ता जनकत्ता-16,दिनांक 12 मार्च 1984

निवेश सं० 144/एक्यू ब्यार ०-III/83-84

अत, मुझो, एस० के० चौधुरी

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10ए०/1ई है तथा जो लक्षी दत्त लेन, कलकता-3 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख 19 जुलाई 1983

को प्वांक्श संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के रामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिषाने को कृषिभा के सिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ः—— 12 —26GI/84

1. श्री ब्रह्मा गोपाल दस्त ।

(अन्तरका)

2. श्री दुलाल चन्द्र मुखर्जी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के नर्जन के प्रिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् ध--

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और कविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वम्स्ची

10ए०/1ई, लक्षी दत्त लेन कलकत्ता-3 में अवस्थित 1K-3 वर्ग फुट जमीन जो डीड नं० I-7068 तारीख 19-7-83 के अनुसार रजिस्ट्रारआफ एक्योरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्रहुआ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, जलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1984

मोहर 🕸

ं प्ररूप **बाइ**ं, ट्री. एन <u>.</u> एस<u>.</u>-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सुधीन सुमना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० 1410/एक्यू० आर०-।।।/83-84——अतः मुझे एस०के० चौधुरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा कसवा है तथा जो जे० एल० नं
13 खितयान नं० 206, दाग नं० 4051 में स्थित है (और०
इससे पायद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकत्तीं प्रधिकारों के कार्यांत्रय कलकता में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जुलाई
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अधीत्।—— 1. श्री सुधीन्द्र नाथ मुखोपाध्याय।

(अन्तरक)

2. श्री बिपद भंजन घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए पा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वी

मौजा कस्वा जे एल० नं० 13, खतियान नं० 206 दाग नं० 4051 में अवस्थित 6 की सम्पत्ति जो डीड नं० 3745 ारोज 20-7-1983 के अनुसार रिजस्ट्रार आफ एक्योरेन्स के दफ्तर में रिजस्ट्रर हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम<sup>े</sup> प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1984

मोहर 🗧

प्ररूप नार्चे. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा **269 (1) के अभीन सूचना** 

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-।॥, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16,दिनांक 12 भार्च 1984

निर्देश सं० 1409/एक्यू-आर०-III /83-84--अतः मुझो एस० के० चौधुरी

जायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्चित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० 39/ई है तथा जो बड़ स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण, अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जुलाई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फब निस्नलिखित स्व्योध्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुंई किसी बाय की बायत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रो, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री रबीन्द्र नाथ वे तथा अन्यान्य।

(अन्तरक)

2. श्री बिशव नाथ घोष

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रविक्त स्युक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि -बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थव्हींकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्तुची

39/ई अंड स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति 4 के०-8सीएच 10 वर्ग पुट जमीन का (7/12 अविभक्त अंग) जो डीड नं० 1-7342 तारीख 25-7-83 के अनुमार रजिस्ट्रार आफ एश्योरेंस के दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम पाधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें-॥।, कलकत्ता-16

क्तः जब, उक्त विधिनियमं, कौ भारा 269-ए के अनुसरण को, मी, सक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) हे बभीन निम्निसिक्त स्थिनसर्थों, नर्थात :—

तारीख: 12-3-1984

मोहर 🏻

प्रस्पे आहर् . टी . एत् . एस . ---------

भारत २६९-म (1) के मुनीन त्युना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण) श्रर्जनरेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1984

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतम इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर स्माति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15/1 है तथा जो शिलमा स्ट्रीट कलकता-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 जुलाई 1983

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों करा संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त मृत्तरण निम्नलिखन वे वास्तिक रूप से कांचित नहीं किया गया है है—

- (क) ब्रुचरण से हुई किसी वाग की वागत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व मुँकमी करने वा उत्तसे वस्ते में सुविधा के लिए; बौरू/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भूत या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती राधारानी राय।

(अन्तरक)

2. श्री सुकुमार राय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाउप;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्नीकरण: --- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्र्ची

15/1, णिमला रुद्रीट कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति 1 के०-15सीएच—2 वर्ग फट (1/2 हिस्सा) जो डीड न 1-6478 तारीख 5-7-1983 के श्रनुसार रजिस्ट्रार श्रव एसुरेन्स के वफ्तरप्में रजिस्ट्र हुश्रा 1 है

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्रायकर प्यायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत यूरकाऱ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज-III, कलकरा।

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० 1407/एक्यू०-श्रारं० 111/83-84—श्रतः मझे, एस० के० चौधरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 58/ए है, तथा जो एन० सी० चौधरी रोड़, कलकत्ता 42 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्णास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवरेय से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से रुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ः—

1. प्रतिमा गुहा।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुप्रिति चक्रवर्तीह ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। ग्या हैं।

## अनुसूची

58 ए, एन० सी० चौधरी रोड़, कलकत्ता-42 जिला 24-परगणा, कसबा थाना के ध्रन्तर्गत 2 काला-28 छिटाक 26 वर्ग फिट ध्रायतन का जजीम जो कि रजिस्ट्रार ध्रव एसुरेन्स का दफ्तर डीड नं० I-6386 तारीख 1-7-83 के ध्रनुसार रजिस्ट्र हुधा।

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज-III क्लकत्ता-16,

तारीख: 12-3-1984

प्ररूप भार्दा, टी. एम. एस. -----

भायकर प्रक्रिमियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-क् (1) के अधीन स्वना

## भारत वृद्धार

कार्यालय, सह्यक अगुमकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं 1 ए० सी०/एक्यू०ब्रार०-1/कल/टी० ब्रार० 213/83-84/ एम०एल० 840—यतः मुझे, एस० के० चौधरी- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित विश्वका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 29 है तथा जो डा॰ सुरेश सरकार रोड़ कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रारं ए॰ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 जलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी भन वा बन्य आस्तिवाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷——

- 1. श्री कालुराम, बाईड,
- (ग्रन्तरक)

2. श्री चांद, बाईड,

(भ्रन्तरिती)

कराए्दार

(वह व्यक्ति ग्रधिभोग में सम्पत्ति जिसके है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिता के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब का 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया नया हाँ।

#### मन्सूची

29, डा॰ सुरेस सरकार रोड़ में श्रवस्थित, सम्पत्ति जो 27-7-83 तारीख में डीड नं॰ 1-7459 श्रनुसार श्रार॰ ए॰ कलकत्ता वक्तर में रिजस्ट्र हुश्रा ।

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज<sup>I</sup>, कलकत्ता

तारांख: 14-3-1984

प्ररूप कार्च. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अत्रयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

🔻 कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 84

निर्देश सं० आई०ए०सी०एक्यू०आर-I/कल०टी०आर० 214/83 एस० एल० 841—यतः मझे, एस० के० चौधुरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं मौर जिसकी सं० 110/1/1 सी है तथा जो मिडल, रोड़ इन्टटालि कलकत्ता स्थित हैं और इससे उपाबद प्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय कलकता थ्रा०ए० कलः में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन दिनांक 20 जुलाई 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह 'तिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति (तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देष्य से उद्धत अन्तरण लिखित में वास्तिनिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंइ किसी जाय की भावत उक्त अभि-नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती भारती दत्त

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिप्रा दास

(भ्रन्तरिती)

(3) किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके श्रिभाग में सम्पति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्हा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

110/11/सी मिडल रोड, कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति जो डीड० नं० I-7198 श्रनसार 20 जलाई 83 तारीख में श्रार० ए० कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुश्रा ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजकी, कलकत्ता-16

तारीखः-14-3-84 मो**हर** ७ प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निर्क्षिण) अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता ,दिनांक 14 मार्च 84

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०-एक्यू० ग्रार-ा/कल ०टी० ग्रार० 215/83-84/ऋ०842--यतः मुझे, एस० के० चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिस बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रौर जिसकी सं० 110/1/1सी है तथा जो मिडल रोड़, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्टिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन दिनांक 20 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम रशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसों आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः असः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्यरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती भारती वत्त

(ग्रन्सरक)

(2)श्री ससी कुमार दास

(ग्रन्तरिती)

(3) किराएवार (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्ट किरण: — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स्ची

110/1/1सी मिडल, रोड़ कल० में प्रवस्थित सम्पत्ति जो .बीड० नं० I-7197 प्रनुसार 20 जुलाई तारोख प्रार० ए० कल० दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैंन रेंजबा, कलकत्ता-16

तारीख :14-3-84

मोहुदु 🖫

प्ररूप बाद्दे ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 84

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०एनयू० श्राई०। कल० टो० आर० 216/83-84 ऋं843---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 110/1/1सी है तथा जो मिडल रोड़ कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रार ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 20 जुलाई 83

ता पूर्वोक्त संपित्त के उच्चित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवास में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, कक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती भारती दत्त

(भन्सरक)

(2) श्रीमती रूपस्री दास

(भ्रन्तरिती)

(3) किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किये जा सकी।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

110/1/1सी मिडल, रोड, कलकत्ता में ग्रवस्थित सम्पत्ति जो डीड० नं० I 7196 श्रनुसार श्रार० [ए० कल० दक्तर में 20 जुलाई 83 तारोख में रजिस्ट्रों, हुश्रा I

एस०के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीखा: 14-3-84

मोहुरु 🖫

श्ररूप बार्ड . टॉ . एन् . एस् . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्काश) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एकप्० आए- I/कल०, टी० आर-191/83-84/एस० एल० 844-यत: मुझे, एस० के० चौधुरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 53 है, तथा जो स्कीम एल-II (सी० शाई० टी०) 52, आनंद पालित, रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० भार० ए० कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 5 जुलाई 1983।

को पूर्णेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्रीमती अनिता कुमारी

(अन्तरक)

(2) हेरी डेस, होमस् (इंडिया) सोसाइटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों भों से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 53, सी० आई० टी० स्कीम नं० एल-II आनन्द पालित रोड कल० में अस स्थित, सम्पत्ति जो डींड -i०I-6484 अनुसार 5-7-83 सारीख में रिषस्ट्री हुआ।

एसं० कें० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

दिनांक: 14-3-1984

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

अभवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### 

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०-ए० सी० क्यू० आर—1/कल०, टी० आर०—178/83—84/एस० एल० द्वा≇5——यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 75सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता प्लाट नं० 4 (5वीं फ्लोर) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्षार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीज एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भाग की वावत, जनत अभिनियम के अभीन कर वीने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; बीर√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के निए;

अत. जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) रूबी (पार्क) प्रापर्टीज, प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल सिंहल श्रौर शंकरलाल सिंहल दोनों सन/आफ भावालाल सिंहल ।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वों क्य सम्परित के वर्षन के हिन्द कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया व्या है।

# अनु सूची

प्लाट नं० 5 (4थी फ्लोर) जो 75 सी पार्क स्ट्रीट, कलकर्ता में अवस्थित, ग्रौर जो डीड नं० I-6797 अनुसार 13-7-83 तारीख में आर-०ए०कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौघुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

दिनांक: 14-3-1984

मोहर् 🛭

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत बरकार

# कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए० सी० वयू० आर-I/कलकता, सी० ए० 37/83-84/ए स० एल० 846---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका द्वाचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपस्ति का उचित बाजार चूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देष्य से उक्त बन्तरण निधित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत उन्त विभि-नियम के विथीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का.11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

भतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभीत्:—

- (1) कनक एस० एस० जे० की० राणा एंड अवसं (अन्तरक)
- (2) 1. बी० दुगार एंड अदर्स 2. आनन्द प्रकाश एंड अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर की तामी से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सेमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थ ब्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

सम्पत्ति जो सी० ए० (अर्जन रेंज-I) दफ्तर में सिरियल नं० 37 अनुसार 15-7-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज <sup>I</sup>, कलकत्ता-16

दिनांक: 15-3-1984

मोहर 🛭

प्रकप नाइ. टी. एन, एस्.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

### भारत त्रकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० आर–I/कलकत्ता, टी० आर-188/83-84/एस० एल० 847 यत,---मुझे एस० के० चौधरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य ′2.5,000 ∕- रा. से अधिक ह°

श्रीर जिसकी सं ब I है तथा जो कक्षान लेन, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० एस० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान विषया के सिए अन्तरित की गर्दहै और मुक्ते य**ह** विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निनिष्त उद्देशम् से उक्त कन्तरण निषित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- '(क) बन्तरुगुसे हुई किसी बागुकी बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: अरि∕या
- (क) प्रेसी किसी जाम था किसी भून मा अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय सायकर अभिनियम, (1922 का 11) या उभत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सुनिधाके सिष्;

वतः वर्षः उक्त् अधिनियमं की धारा 269-गंके वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) भंलकत्ता लीनस्, प्रा० लि॰

(अन्तरक)

(2) श्री जय कृष्ण पाठक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कारूपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में "समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्त्रा

1 कक्बार्न लेन, कलकत्ता में अबस्थित, सम्पत्ति का 1/3 हिस्सा (अविभक्त) जो 8→7−83 तारीख में सब रजिस्ट्रार आफ एसूरेंस का दफ्तर में डीड नं० I→6660 अनुसार राजिस्ट्री हुआ ।

> एस० के० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज I, कलकला-16

दिनोंक : 15-3-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं अर्डि० ए० सी० एक्यू० आर०- I/कल०, सी० ए०-39/83-84/एस एल० 848--यतः, मृझे, एस० के० चौधुरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार् जिल्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 8-बी है तथा जो मिडल्टन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण स्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० कलकत्ता (आर-1) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंबरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आरतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री हरप्रताप सिंह,

(अन्तरक)

(2) श्री सूर्यकान्त मेहरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगें।

स्पथ्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्र्ची

8-बी मिश्वल्टन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति, जो सी० ए० कलकत्ता (अर्जन रेंज-I) के दफ्तर में सिरियल नं० 39 अनुसार 26-7-83 की तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कतः श्रावः, जक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, जक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) मुधीन, नियनसिवित स्युक्तियों, अधीत् :---

दिनांक: 15-3-1984

मोहार 🏆

प्ररूप नार्हें,दी.एत.एस. ------

भायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यालयः सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० आर०~I/कल०, सी० ए०-38/83-84/एस एल० 849--यतः, मुझे, एस० के० चौध्री,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 61-ए, है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन्न अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 23 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुइ किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित स्यक्तिसों, अर्थातु: -- (1) श्री गुलाब थाधानी

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल कुमार चौपड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुई ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिसित में किए जा सकी।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही अर्थ होगे औ उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 83 (8वीं मंजिल) जो 61ए, पार्क स्ट्रीट में अव-स्थित है और 23-7-83 की तारीख में सी० ए० कलकता (अर्जन रेंज-!)के दफ्तर में सी०नं० 38 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंजा, कलकत्ता

विनांक: 15-3-1983

मोहर:

प्रकम नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० आर० I/कल०, टी० आर०—199/83—84/एस एल० 850→-यतः, मुझे, एस० के० चौधुरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3/1-ए है तथा जो जय नारायण चन्द्र लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल निम्निलिश्ति उद्देश्य से उन्त अंतरण किश्वत में बास्तिक स्थ से कांबत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्मरण से हुई किसी जाब की बाबत, इक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आदि/सा
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कत: अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री कानालाल दास,

(अन्तरक)

(2) श्री कार्तिक चन्द्र विश्वास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उथल सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थाख्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ हारेग जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# **जन्**स्ची

3/1ए, जय नरायण, चन्द्र लेनकलकत्ता में अवस्थित, सम्पत्ति जो डीड नं •  $I_{-6448}$  अनुसार  $4_{-7-83}$  की तारीख में एस अंगर • ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

विनांक: 15-3-1984

मोह्रर 🎋

प्ररूप आहर टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

. कार्यालय, सष्टायक अत्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० आर०-ा/कल० सी० ए०--36/ 83--84/एस० एल० 851---यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/-

को प्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मूके यह विद्वास करने का कारण है कि सभाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय-धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः जब्, अन्ति अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में उन्ते जः भनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) चे प्रधीग, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात :----14—26 GI/84 (1) 1. श्रीमती विमला देवी खेटाधाट 2. श्री भ्रतिल कुमार खेतवाट

(अन्सरक)

(2) क्षाओक्स ट्रेडिंग को० प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरूनाक्षरी की पार िष्टि में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पींरभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

### अनुसुची

3 लाउडन स्ट्रीट में सम्पत्ति जो सी० ए० कलकसा (अर्जन रेंज-1) के दफ्तर में नं० 36 अनुसार 8-7-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, [कलकसा

दिनांक: 15-3-1984

योहर 🖟

प्रकृप आहूर, टी. एन. एस्.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 16 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० सी॰-57/एक्यू० आर-॥/कल०/83-84--यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं है तथा जो थाना महेशतला, मौजा गोबिन्वपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलीपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 जुलाई 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थममान प्रिराफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त जिथ-निवम के जबीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये, बरि/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अधीत:---- (1) श्रीमती हेना राहा

(अन्तरक)

(2) श्री भोलानाय घोष

(अन्सिरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### जगुसुची

जमीन—8 कठ्ठा—6 छटाक—6 बर्गपुट जमीन का साथ मकान । पता—थाना—महेशतला, मौजा—गोबिन्दपुर, जिला~24 परगना । दलिल संख्या—1983 की 3866

> एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज=2, कलकत्ता

दिनांक: 16-3-1984

मोहर ः

्रप आई.टो.एन.एस.-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

### भारत उत्साह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कर्लकत्ता कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 1984

निर्वेश सं० ए० सी॰ 56/रेंज-II/कल०/1983-84--यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 99/31 है तथा जो डायमंड हार्बर रोड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० भार० अलीपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 20 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, होसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किती आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

कतः कव, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त जिधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम/लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री रिवन्त्रमाथ बोस

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कमल कुमार बोस
  - 2. श्री राम कुमार बोस
  - 3. श्री सलिल कुमार बोस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जबिध या तत्स्यम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त वीधीनथन, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसची

> एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकला

दिनांक: 16-3-1984

मोहर 🤋

प्ररूप् भाइ. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 कल कला

कलकता, विनांक 16 मार्च 1984

ं निर्देश सं० ए० सी०--55/रेंज -11/क्ला०/1983--84----यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

गायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 120/103 है तथा जो विरेन राय रोड़, (पिष्यम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनंक 13 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए सम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दे किसी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के नृभीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉट्ट/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री सुभ्रा घोष और अन्य

(अन्तरक)

(2) विद्या भारती सीसाइटो फॉर एजूकेशन एवं सॉइटि-फिक एपार्टमेंटस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

जमीन--- 7 फठ्ठा जमीन का साथ मकान । पता--- 120/103, बिरेन राय रोड़ (पिष्चम), थाना--बेहाला दिलल संख्या--- 1983 का 6807

> एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

ं कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) चे क्यीन निस्मनिवित व्यक्तियों, जर्भात् क्ष्णा

विमांक: 16-3-1984

मोह~र ः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनास 21 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० सी ०-58 रिंज-2 कल ० / 1983-84--यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अभिक हैं

और जिसकी संव है तथा जो बिराटि, थाना दम दम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यूह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: कव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) वेस्ट बेंगल फिनानिशियल कार्पोरेशन

(अन्तरम)

(2) श्री दीपक सरकार

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी कारक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काहि भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

जमीन — 6 कठ्ठा जमीन का साथ मकान पता — मौजा, गारूई, थाना – दम दम, बिराटि, जिला – 24 पर्गना। दिलल संख्या — 1983 का एस० आर० ए० कलकत्ता का 6394

एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

विनांक: 21-3-1984

# प्रकाप बार्ड .टी .एव .एव . ...-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/40315/83-84--यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 442, हैतथा जो ब्लाक 1 और 3 ईस्ट, जयानगर एक्सटेंगन, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 जुलाई 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिकः है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त-विक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाव की वावत, उक्स जीवनियंत्र के जभीन कर देने के जन्तरक की वाक्स्य में कनी करने या उन्नसे वचने में स्विभः के किए; जीर/था
- (क) ए'सी किसी नाय या किसी धन या जन्य वास्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में स्विधा के निष्

बतः अब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के, बनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्री ओबन्ना, सन/आफ पापान्ना, 2, नापोंरेशन क्याटर्स, लालबाग रोड़, बंगलीर-27

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी चन्द्रगेखर, वाइफ/क्षाफ श्री एम० ए० चन्द्रशेखर, देना बैंक, के० जी० रोड़, बंगलीर⊶9

(अन्तरिती)

कांबह सूचना जारी करक प्याक्त सम्दित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

# उंक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेष् :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थिकतयों में से किसी स्थिकत बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

(दस्तावेज मं० 1402/83-84 ता० 27-7-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 442, जो ब्लाक 1 और 3 ईस्ट, जयानगर एक्सर्टेशन, बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 12-3-1984

प्रकृष बाइ". टी. एन. एस. ------

भायकद प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निर्वेक्षण)

अर्जन रेज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्वेश सं० मी० आर० 62/40513/83-84—यतः, मुझे  $\P$  मंजु माधवन,

भायकर प्रजितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-६० से प्रधिक है

और जिसकी सं ० 13 (नं ० 14 के भाग) है तथा जो 1 कास रोड़, ओखलीपुरम कार्पोरेशन डिवीजन नं ० 12, बंगलीर सिटि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाम 26 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुम्ने भह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इप्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रशिवाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के विश्व एसे अंतरण के शिए तय पाया गया प्रति-फल, िम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक, रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उप-धारा (1) को अधीर, निम्नलिकित स्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्रीमती जमीला बेगम, नं० 10, 4 मेन रोड़, 3 कास, वेंकटारंगपुरम, प्लेस गुटाहल्ली, बंगलौर,

(अन्तरक)

(2) श्री की रमेण अध्यर, नं० 41/ए, 36/ए, क्रास, टी ब्लाक, जयानगर. बंगलीर-11 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध गा तत्मम्बन्धी व्यक्तिः पर भ्वता को गानेल में 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में सवाब्त हाती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हो, के भोतर पूर्वोक्त
- (ख) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाश को तारीख से 45 दिन के मोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य क्यमित द्वारा, प्रभ्रोहस्ताक्षरी के पास विख्यत में किए जा सकेंगे।

न्यव्हीकरण :---इसमं प्रयुक्त अब्दा और प्यों का, कः उक्त प्रितियम के प्रध्याम ३०-६ में परिभाषित हैं बही प्रयंत्रीमा, जी उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

# अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1214/83-84 ता० 26-7-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 13, (नं० 14 के भाग) जो I कास रोइ, ओखलीपुरम, कार्पोरेशन डिवीजम नं० 12, बंगलीर सिटि में स्थित है।

> मंजु माध्रवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आक्युत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 7-3-1984

प्ररूप भाइ. टी. एस. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38854/83-84-यतः; मुझे, रंज माधवन.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं -

और जिसकी सं० 233 है तथा जो 10 कास रोड़, लक्ष्मीनारायणपुर, बंगलीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीराम-पुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 जुलाई 1983

को प्रवेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा। नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में स्विधा के लिए; बीद/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के बाधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थातः ----

श्री जी० किशमचंद,
 सं० 79/83, प्लेस रोड़,
 बंगलौर-52 ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पेरूमाल, नं० के-64, येराप्पा ब्लाक, श्रीरामपुरम, बंगलौर-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3( दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### [अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1077/83-84 ता० 14-7-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 233, जो 10 क्रास रोड़, लक्ष्मीनारायणपुरम, बंग्लीए में स्थित है।

> मंजु माधवनः सक्षम प्राधिकारीः, हायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलौर

विनोक: 12-3-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मार्च, 1984

सं० सो० आर० 62/38873/83-84—यृतः, मृझे, मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव आरव एसव 639, टीव एसव नव 266 है, तथा जो अनावर विलेज, अतावर वाड़ी, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जुलाई, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एहे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गम्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विध, के लिए; और/या
- ाणी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

 श्री देवाप्पा नायक, सन/आफ जि० रामा नायक, मारनामिकट्टाः जेघु, अजावर विलेन, मंगलूर-570051;

(अन्तरक)

श्री कमलाक्क्षा अमीम,
 बोलार, फेरिर रोड,
 मंगलूर-1 (ऐंस० के०)।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप - >

- (क) इस सूचना क्र राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

(दास्तावेज संख्यः 257/83-84 तारोख 14-7-84) सत्र सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 639 टि० एस० नं० 266, जो अनावर विलेज, मंगलर, में स्थित है।

> मंजुमाधावन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर

तारोख: 12-3·1984।

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 13 मार्च 1984

सं० सि० आए० 62/38920/83-84---यतः मुझे मंजु, माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

25,000/-रु. स आधक हु
और जिसकी सं० 46, है, तथा जी 15 कास, डेविसरोड, सगाव
सगावपुरम, सिविल स्टेंग्रन, वेंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता
अधकारों के कार्यालय, शिवाजिमगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख 18 जुलाई, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति
में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (८) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बौर/या
- (क्ष) एनौ किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा दा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के निए.

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्रीमती दिलशाद बेगम,
नं० 2, डेविस रोड,
कूक टौन, सिविल स्टेशन,
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

 श्री सि० एम० इक्राहिम, नं० 81, बेनसन रोड, क्रास, बेंगलूर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1004/83-84/ता० 18-7-83) सम्पत्ति है जिस्सका सं० 46, जो 15 कास, देविस रपड, सगायपुरम, सिविल स्टेशन, बेंगलुर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 3-3-1984।

प्रकृष बाह् . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक आयकर आयुक्त (निऱ्रक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर:

बेंगलूर, दिनांक 7 मार्च, 1984।

सि० आर० 62/40515/83-84 यतः, मुझे मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 13 (123 और 13 के भाग) है, तथा जो ला कास, ओकलिपुरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्मे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाद की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (वा) एसी किसी बाब मा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् ः—

श्रीमपी जमीला बेगम,
 नं० 10, IV मैं + रोड,
 वेंकटार्रगपुरम, प्यालेस गुट्टाहल्ल ,
 बेंगलूर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती टि॰ नटाराजन, न॰ 2,(7), (VI) क्रास, मागिख रोड, बेंगसूर - 23।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्पना की तामील सं 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त झेती हो, कं भीतर पृक्तित स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकों ने।

स्वच्दीकरण:---इसमें प्रमुक्त बन्दों और पदों का, वो उक्त विध-विवस के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विवाह ।

#### नन्त्रची

(दस्तावेज सं० 1151/83-84 ता० 21-7-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 13 (12 और 13 के भाग) जो 1ला कास, ओकलिपुरम, कारपोरेशन डि० नं० 12, बेंगलूर, में स्थित है।

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीखा: 7-3-1984।

मोहर 🕄

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बेंगलूर बेगलुर, दिनांक 12 मार्च, 1984

सि० आर० 62/38927/83-84—-गृतः मुझे, मंजु माधवन, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास व्याने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- छ से अधिक है

और जिसकी सं० 90 है. तथा जो बिरु बोलूर विलेज, मेंगलूर सिटी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्व) में और पूर्ण रूप रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोकित अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी, में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख़ 22 जुलाई, 1983

को पूर्वे किस सम्पति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह पिश्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त अन्तरण निभित्त में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी आग की बायट. उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उससे बचने में अविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अहिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922-का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकड नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था छिपाने में एविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

 श्री नारनाप्पा एस० कोडिकल, नं० 7, गोतान्जलि, 35, यूनियन पार्क चेंबर, बम्बई - 71 । नांव एट रोड बिल्डिंग लेन, कन्कानाडि, मंगलूर ।

(अन्तरका)

एस० राजाराभ नायक, मुदरणन, मटदाकानि रोड, उखा, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्ची

(दास्तावेज सं० 332/83-84 ता० 22-7-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 90, जो बि० बोगलूर विलेज, मंगलूर सिटीं, में स्थित है।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख : 12-3-1984

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. -----

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1984

सं० 38894/83-84--अतः मुझे, मंजू माधावन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे 57/357/12 ग्रौर 57/13 है, तथा जो इब्बानी वालावाडी विलेज मिडकेरी तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब द अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मरकेरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जुलाई, 1983

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चाह्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविभा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री आर० पी० नाजर, ग्रीर श्री वी० के० कुन्हीकदीजा, उन्नीकुलम क्यालिकट डिस्ट्रिक्ट, केरला स्टेट।

(अन्तरक)

 श्री आर० गौत्तमचन्द, सन/आफ श्री पी० रतनलाल उसके प्रतिनिधि, श्री आर० कान्तिलाल स्प्रिन्गडेल, बारालोस रोड, कुनुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उपना संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकांगे।

स्पच्छोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्त्यी

(बस्तावेज सं० 706/83-84 ता० 15-7-1983) सब सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे सं० 57/3 में 5.88 एक रस 57/12 में 7.65 एक रस, 57/13 में 4.45 एक रस जो इब्बानी-वालावाडी विलेज मंडिकेरी तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, वंगलूर ।

तारी**ख**: 13-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

ं बेंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1984

नोटिस सं० 40337/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 76 ए० में नं० 4 है, तथा जो XV कास, V मैन मल्लेरवरम, बेंगलूर में स्थित भौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नस् प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्री एच० बी० उमामंकर, सन/आफ श्री एच० बी० नन्जुन्डय्या, नं० 424/95, V। मैन मल्लेशवरम, बेंगलूर - 3।

(अन्तरक)

 श्री ग्रो० आर० श्रीनियास, सन/प्राफ श्री ग्रो० एस० राजगोपाल शेट्टी; नं० 161, (अपस्टेरस) शेशाद्विपुरम, बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

(दस्तावेज सं० 1421/83-84 ता० जुलाई 83) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 76-ए० में सं 4 जो XV ऋस, ।V मैन, मल्लेशवरम, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्षजीन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 13-3-1984

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26स व(1) के सबीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर। बंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1984।

नोटिस सं० 38898/83-84--अतः मुझे, मंजु माधवन ् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- ए. से अधिक **है** 

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 141, एस०डी० नं० 3, 29 श्रीर 14 है,तथा जो गुंडीबैल वार्ड, शिवल्ली विलेज उडुपी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उडुपी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित् बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल को लिए ज़ंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दिश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त मृथिनियम के संभीन कर दोने के मन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौड़/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

ब्तः वर्व, उन्त विभिनियम की भारा 269-ए वै वनुबरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री खेरेंड फादर पीटर तियोडरिंड सौजा, परिण प्रीस्ट, डेरंबैल मंगलूर, सिटी पोस्ट, मंगलूर ।

(अन्तरक)

श्रीमती राधा शेट्टाती,
 श्री कोरगा शेट्टी की विधवा,
 गुंडीबैल शिवल्ली विलेख,
 उडुपी, तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी, अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 413/83-84 ता० 31-7-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 141 जो गुंडी बैल बार्ड शिवहंली विलेज उडुपी में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अत्युक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर।

तारीख: 13-3-1984।

# प्ररूप भार्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलुर, दिनांक 13 मार्च, 1984

नोटिस नं० 38745/83-84----यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 23 है, तथा जो बोर बैंक रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय णिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख़ 15 जुलाई 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक है से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी फारने वा उससे वचने में सुविधा % सिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---  श्री पयानसी इसाबेल ब्रौन, नं० 23, बोर बैंक रोड, बेंगलूर।

(अन्तरक)

श्रीमती मितिया गेरसन,
 श्रीर
 श्री मयानुयल एर० गेरसन,
 नं० 23, बोर बैंक रोड,
 बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कैरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अतसची

(दस्तावेज सं० 887/83-84 ता० 15-7-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 23 जो बोर बैंक रोड, बेंगलूर में स्थित है।

मंज् माध**यन,** सक्षम प्राधिनगरी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र ।

तारीख: 13 मार्च, 1984

प्रकल्प आही. टी. एम. एचा न स = - स--अ

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्याजय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1984

नोटिस सं० 39091/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी 37 है, तथा जो 2रा काम ए रोड, अग्रहारा दासरहल्ली बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया व्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित व सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) को कथीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् ह्—-16—26GI/84  श्री मनोहर डी० न₁यक, 1030, पदमा, V ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर - 10।

(अन्तरक)

श्री मनोहर आर० मेट्टी
 मनेजिंग डैरेक्टर क्यालिटी सिने लेबोरेटरीस
 तुमकूर रोड,
 बेंगलूर - 22 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में सभाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1506/83-84 ता० 15-7-83)। सब सम्पत्ति है जिसका नया मुनस्पिल सं० 37 है जो 🍱 कास-ए० रोड अग्रहारा दासर हल्ली, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलर।

तारीख: 13 मार्च, 1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बाब्कर विधितयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संधीत सूचता

#### बार्ब बरकार

आर्यासय, सहायक जायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1984

नोटिस सं० 38982/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 4 है, तथा जो ब्लांक 'एक)' कुरुबरहल्ली विलेज कसवा होब्जी, मैसूर नालूक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर तालूक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 जुलाई, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (बंतरितिया) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—

एच० एस० वेंक्तटेशय्या, तन/आफ एच सुब्बा राच, होरेयाला विलेज, बेंगूर होर्ब्ल;, गुडलपेट, तालूक।

(अन्तरक)

वि प्रेसिडेंट,
 विषप्रंति धामा नं० 7,
 नाराग्रणशास्त्री रोड,
 सदवैध्या पाठणाला बिल्डिंगस
 मैसूर - \$70001 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्लॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्विकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 643/83-84 ता० 31-7-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० एस० नं० 4 जो "एफ" ब्लाक कुरुवरहल्ली विलेज, कसबा होब्ली, मैसूर तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज, बंगलर ।

तारीख: 13 मार्च 1984

मोहुर ३

# भ्र**क्ष्य बाह**ै, टी. एन् . एस् . ------

# नायकर निभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलूर

वंगलुर, दिनांक 13 मार्च, 1984

नांटिस सं० 38900/83-84-अतः मुझे, मंगु माधवन आयकः अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-,रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं 102,2,102,3 है तथा जो हचिनाडु विलेज, वीराजपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से विणित है), जो रिजिस्ट्रेंकिती अधिकारी के कार्यालय वीराजपेट में रिजिस्ट्रेंकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशास से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितः (अन्तरितिशों) के बीच ऐने प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, (तम्नलिखित उद्देश्य से उकत धन्तरण लिखित में बास्तविक स्व सं कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण ले हुई किसी भाष की वीवत, उका पिट-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वासिरव में कमें। करते या उसप बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
  - (ख) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गंथा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सचिवा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री मुष्टदम्म,
बैक आफ एम बेल्लियप्पा,
देवनूर।

(अन्तरक)

 श्रीमती किरन मदंक्ता, भद्रगोला, वीरापेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस् स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृस्ची

(दस्तावेज मं 242,83-84 मा० 15-7-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० मर्थे मं० 102/2, और 102/3 है जो हचिताडु बिलेज वीरापेट में स्थित तालक में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, मंगलूर ।

तारीख 13-3-1984 । मोहर: प्ररूप नाइ<u>र्र.</u> दी., एन., प्रस<sub>्त</sub> - - - - ----

# नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1984

नोटिस सं० 38930 83-84-अतः मुझे, मंजू माधवन---बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और सं जिसकी सं 104 है, तथा जो करिचनपालया कचाराका-नाहल्ला डेकेल, बेंगलूर-560005 में स्थित है (और इससे उपाबंब अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय बेंगलूर निण तालूक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 15-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धग्रा 269-थ की उपधारा (1) Bo अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—-  श्री पी० पुशपयाज, सन/आफ श्री सी० पुट्टाराज, नं० 461/1, करियनापलया, फ्रेजर टौन, बेंग्लूर-560005।

(अन्तरक)

2. श्रीमती संतोष देवी वाइफ आफ श्री मदनलाल, नं. 56, विविद्यानी रोड, फेजर टौन, बेंगलूर-560005।

(अन्त्ररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीर्शावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2360/83-84ता० 15-8-83) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 104, जो करियनापालया कचरकानाहल्ली डेकेल, बेगलूर, 560005 में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, बंगलर

बंगलुर, दिनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० 33870/83-84—यतः मुझे मंजु माधवन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 17/3 जी है, तथा जो डेरेबैल विलिज मंगलूर में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से बाँगत है) रिजर्स्ट्राक्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर, तालुक में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-7-1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

श्वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्रीमती चेन्नम्मा, पत्नी श्री मारघा राय, कोट्टार कालभावी, डैरेवैल, अलोक नगर, मंगलूर-575006

(अन्तरिक )

 श्र एस० सी० सेक्वेरा, सुपुत श्री इमानुरल तेक्वेरा पोड हाउस, कूलूर, मुगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>9</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 209/83-84 तारीख 9 जुलाई, 1983 सब सम्पत्ति है जिसका सं० एस० नं० 17/3डी है, जो डेरेबल चिलेज मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **बेंगल**र

दिनांक 13-3-1984 मोहर : प्ररूप आही. टी. एत. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बेंगलूर,

बेंगलुर, दिनांक 15 मार्च, 1984

निदेश सं० \$38741/83-84—अतः मुझे, संधु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० 29,पुराना सं० 15, है, तथा जो म्युसियम रोड बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 15-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पद्रह प्रक्तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- एम० चार्न्बाः,
 (2) डाक्टर एम० जी० चार्न्दाः,
 पलाट नं० 53, पलीर,
 शालिमार अपार्टमेन्ट्सः,
 रेसिडेन्सी रोड, ब्रेंगलूर

(अन्तरक)

मैसर्स एलैंट बिडर्ल्स ,
 27/सी, सयांकी रोड,
 बेंगलूर-52

(अन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावज स० 920/83-84 ता० 15-7-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 29 पुराना, सं० 15 जो म्यूसियम रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजू माधयन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

नारीख15-3-1984 मा**हर**ः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1984

40392/83-84--रतः मुझे मंजु मध्यवन, निदेश मं० क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रःपयं से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 212/2, 129, 103, 107, 270 है, तथा जो चिन्नकोई।, बेजुगोड्, अम्बाती गोनिकोका, क्रमानुसार विराजभेट, तालुक, में स्थित है (और इसर्स उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय वीराजपेट, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के 'दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री के० लीला वाहम्बय्या, उसके जीवपाव एव होल्डर है, श्री केव एव चिन्नघा प(लिवेट्टा, श्रीमती के० शीला, मुत्तन्ना, इसके जी०पी० ए० होल्डर हैं श्री वी०बी० पोन्नघा प(लिबेट्टा,
- (अन्तरक) 2 श्री के० रोशी, चिन्नापा पतनी श्री चिन्नापा फोरैल सिदिलिस्टा, पालिबेट्टा, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

**स्पष्टीकरणः ---इ**समें प्रयक्त शब्दों और पदौं का.. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अभूसूची

(दस्तविज सं० 579/84-84 ता० 15-7-83)

सब सम्पत्तिहै जिसका सं० सर्वे नं० 212/2, 129, 103 और 107, टी॰ एम॰ टी॰ 270 डी, जी कमानुसार चिक्रकोटी बेलुगोडु, अम्बर्ता विलेज और गोर्नाकोप्पा, सब वीराजपेटी तालक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) ) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख 13-3-1984 मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० 38869,83-84—यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संव आरव एसव नंव 1053/1, टीव एसव नंव 435/3 अब 435/1, डीव नं 16-/180, नया डीव नंव 16-1-6 है तथा जो अतावर विलेज, बालमट्टा बार्ड मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर तालुक में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक . 15-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तियक रूप से किथ्न नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री एम० मोहम्मद हुमैंत सुपुत स्वर्गीय श्री एम० इसमाईत,
 पार्टनर एम० एच० बुड, इंडस्ट्रियलस पाने मंगलूर।

(अन्तरक)

 श्री सी० महमद सुपुत्र श्री सी० कुन्ही पक्की, कन्डाक, मंगलूर, सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकंगी।

स्पष्टिकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुस्**ची

(दस्तावंज सं० 206/83-84 ता० 15-7-8)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० आर० एस० नं० 1053/1, टी॰ एस॰ नं॰ 435/3, अब 435/1, डी॰ नं॰ 16-18, नया डी॰ नं॰ 16-1-16 जो अत्तावर विलेज, बालमट्टा, बार्ड, मंगलूर, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

तरीख 13-3-1984 मोहर : प्रकप् आहे . टी . एन् . एसं . -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलुर

बेंगलर, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० 39024/83-84---यतः मुझे मंजु माधवन शायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 61/4, 61/6, 60 और 59 है, तया जो इन्धानियालवाडी विलेज, मडिकेरी, तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्च। मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरकेरा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-7-1983

को पृथान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम को दश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्बंदेय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाग की वावतः, उपत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा कें निए; और/वा
- (च) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों का, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

**अतः अ**ब, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)

1. श्री आर० पी० नाजर, और श्री बी० के॰ कुन्हीकदीजा, उन्नीकुलम, क्यालिकट डिस्ट्रिक्ट, केरला स्टेट ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० देवराज, सुपूत्र श्री पी० रतनलाल उसके प्रतिनिधि : श्री आर० कान्तीलाल स्प्रिनगडेल, बारलोस रोड, क्नुर ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्रा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

(दस्तावेज सं० 705/83-84 ता० 15-7-1983)

सब सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 61/4 में 15.80 एकर्स 61/6 में 2.40 एकर्स, 60 में 1.27 एकर्स, 59 में 2.55 एकर्स, जो इब्बानिवालवाडी विनेत मडिकेरी तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्मे (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

सारीख: 13-3-1984

मोहर

# प्रकृष् नाक्ष्यः दो । एन : एसः ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के नधीन स्चना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 मार्च, 1984

निदेश सुं० सी० आर० नं० 62/38933/83-84-अत मुझे मंजु माधवनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/1, (पुराना सं० 31), 1V तथा जो मैन रोड़, हैब्बास मिल्स, गंगेनाहल्ली, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाँधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-7-1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जोड़/था
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी भून या वृष्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269 ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री पी० एम० केशवन, नायर,
- ज (2) माध्य केशवन नायर, नेल्लाहि हाउस, नेल्लाई पोस्ट, ट्रिचूर डिस्ट्रिक्ट, केराला ।

(अन्तर्भः)

 श्री पी० अण्यु नायर,
 5/1, मैंन रोड, हेम्बाल मिम्स, गंगनाहल्ली,
 बेंगलर-32

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचनों के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्साय अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मों कियु जा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्यों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

#### अनुसूची

(दस्ताबैज सं० 1181, 83-84 ता० 18-7-1983)

सम्पत्ति है जिसका सं० 5,1, (पुराना सं० 31), जो मैन रोड, हेब्बाल मिल्स, गंगोनाहरूली, बेंगसूर में स्थित है।

> मंजु माध**व**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंग**लू**र

तारीख 7-3-1984 मोहर भूक्ष्य आहें ् टी ् एन् ् पुस् ्-----

जायकार जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिन म 7 मार्च, 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40507/83-84---यतः, मुझे मंजू माधवन,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रयाद (स्वत विभिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विभिक्त है

और जिसकी सं० 6(39) है, तथा जो विविधानि रोड, रिचमंड टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्थी में और पूर्णरूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजिनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-1983

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान , प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से , एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्विद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप सं हुई कियी सन्द की सावतः, उपत मुधिनियस के मधीन कर देने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीए/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रकारनार्थ अनुदारी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के शिष्ट;

बतः अभ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, वर्थात् ः---  के० सुकराज, सं० 116, टक्नेरि, रोड, सिविल स्टेशन, बेंगसूर ।

(अन्सरकः)

 मारुधर केशारि जै. स्तानाकवालि लेवा समिति ट्रस्ट, सं० 56, विविधानि रोड, बंगलूर-5, म्यानेर्जिंग ट्रस्टी, श्री जि० मोतिलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचका चारी करके पृत्राँक्त संप्रस्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

बनत सम्पत्ति के नवीन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की जनभि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिस्त्रों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

(वस्तुविज सं० 1070/83-84 ता० 22-7-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 6 (पुराना सं० 39), जो विविधानि रोड, रिचारडस, ट्राउन, बंगूलूर में स्थित है।

> मंजु माधजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

ता**रीख:** 7-3-1984

मोहर ॥

प्ररूप भार्दं दी . एन . एस . ------

नायकर मिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-म् (1) के न्भीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 7 मार्च, 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40508/83-84--यत: मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विव्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1031/मी है, तथा जो बिन्। मंगला लेग्रोट-II स्टेज एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अमसूची में और जो पूर्ण रूप से घणित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-7-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके उत्त्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वागित्व में कभी करुने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/बा
- (क्य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

व्यतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-न के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् 🖫 🗝

 श्रीमती एन०के० विशालाक्सीः, नं 4, 1 क्लास श्रीनिवासा, कालोनी, बंगलूर-27

(अन्तरक)

 श्री गोबिन्दराम डालिमया, नं० 19, II फ्लोर, सी० के० चन्नाप्पा, गारडन, बंगलर-27

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्रकी

(दस्तावेज सं० 107/783-84 ता० 26-7-83) सम्पत्ति है जिसका सं 1031/सी० जो बिन्नामंगला. ले आउट, II स्टेज एक्टेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

ारीखा: 7-3-1984 <sup>त</sup>मोहर

# प्रस्प बाइ, टी. एन एस. -----

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुम्बना

#### भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. भर्जन रेंज , बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 मार्च 1984

निदेश सं० सी० प्रार० 62/40417/83-84——यतः, मुक्को, मंजू माधवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 928 है, तथा जो I स्टेज, बनाशकरी, बेंगलूर, में स्थित है, (भ्रौर,इससे उपावद धनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रिजस्ट्रिकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 6-7-1983

को पूर्वांक्त संपरित के उचित्त बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया ग्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वाचत, उचल अभिनियम के जभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लने में सृविधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक ह अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वा, बा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन्य निम्नलिखित न्यक्तियों, जर्थात् ध—  श्री टी० एस० विमला, 828, III ब्लाक, 14 मैन, राजाजीनगर, बेंगसूर ।

(भन्तरक)

 श्रीमती एन० नागरत्ना, 860, I स्टेज, II, क्लाक, बनाशकरी, बेंगलर-50।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में क्लोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

# मन्स्यो

(दस्ताबेज सं० 295/83-84 ता० 6-7-83)

सम्पक्ति है, जिसका संर्व 928, जो I स्टेज, बनाशंकिर, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रारकर मायुक्त (निरीक्षण) सेग्नर्जन रेंज, बेंगसूर

तारी**ख**ः 7-3-1984

मोहर 🖫

प्र<del>रूप बादी : टीं : एन : एस् :----</del>-

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायंकर वायुक्त (निरीक्षण) भाजेंन रेंज, जालन्घर

जलन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5217 —यतः **मुझे,** जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्विक्स सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तियक रूप से क्थित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधी अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अभित् ध— (1) श्री हरिपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह, वासी कोल्ड स्टोरेज, गांव किंगरा, तहसील जालन्घर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तेजिन्द्र कौर पत्नी देव राम, वासी गांव चीला, डाकचाना मनाहना, जिला होणियारपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>री</u> म्हा<mark>री पूर्वीक्ट हॉनरित के वर्</mark>चन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविभ या तत्सविधी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पच्छोकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **न**न्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 2701 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ ै. टी. एन. एस. ------

आयकर म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देक्षण) श्रजीन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1984

निदेश सं० सी० प्रार० 62/40510/83-84—यतः, मुझे, मंजुमाधनम

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी ० 10161/मी० है, तथा जो बिन्नामगल ा II, स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची म भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण धिधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 22-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण निचित्त में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण वं हुन् किकी बाव की वावछ उपन वहिंग-दिवस के बचीन कर वोचे के बन्दरक के समित्य में कमी करने या अससे बलने में सुनिधा के लिए; बोर/वा
- (य) एसी किसी शाव वा किसी भन वा बन्य जास्तियों को, विमहुँ भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम या भन कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-भार्थ जन्तीरती ब्वास प्रकट नहीं किया वजा वा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा के विष्ट:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन<sub>ा</sub> निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थाद् ध-- श्री वेन्काटेश
नं० 25, कारपोरेशन कालोनी,
मरफी टाउन, श्रलसूर पोस्ट,
बेंगलूर-8।

(भ्रन्तरक)

श्री बी० मूर्ति,
 न० 11, मफी रोड,
 प्रसमुर,
 बेंगलुर-8।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शंख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

# अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1043/83-84 ता० 2217-83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 1016/सी० जो विश्वामंगला II, स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माध्रयन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राजुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 8-3-1984 मोहर

# प्रकल आहें. टी. एन. एस. -----

जामकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आँयकर आयुक्त (निरीक्तक) श्रर्जन रेंज, बेंगसूर

बेंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/40478/83-84—य्तः, मझे, जुमाधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 25 है, तथा जो IV मैन, V, कास, सैयद खादर, गार्डन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 8-7-1983

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यं उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ध-इह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से शुर्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---  श्री टी० सुन्दरसन, सं० 80, VI, कास, ब्लाक, जयानगर, बेंगलुर

(ग्रन्तरक)

- (1) श्रीमती विमलेण कुमारी,
   नं० 455, बेस्ट श्राफ कार्ड रोड,
   I, ब्लाक, , स्टेज,
   बेंगलर ।
  - (2) श्री एस० रविन्द्रन, नं०7/2, IU, कास, जे० बी० नगर, बेंगलर ।
  - (3) श्रीमती टी० एस० मंगलाक्ष्मी, नं० 80, VI, क्रास, II ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्रित में किए जा सकाये।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, धो उस अध्याय में दिवा भूगा है।

#### मम्सूची

(दस्तावेज सं० 927/83-84 ता० 8-7-1983)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 25, जो IV मैन, V, क्रास, सैयद खादर गार्डन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 8-3-1984

प्रकृष् नाइ . टी . एन . एस . ------

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं ० श्रार० ए० मी० नं० 915/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर विधिनिश्वन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/ हु से विधिक है

भौर जिसकी सं० 6-2-952/1, है, तथा जो पोरणन खैरताबाद हैंबराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्शिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्राया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उयुविश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरणं से हुई किसी जाय की बाबता, उक्तस विधिनियस के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्रीमती करीमूर्निसाबेगम, जी० पी० ए०, श्रीमती सोरे श्रद्धुल गफूर, घर नं० 6-2-952/ए, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रनवरुनिसाबेगम, घर नं० 3-5-803, हैदरगुडा, हैदराबाद ।

· (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पटिकि एण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भाग, घर संपत्ति, नं ० 6–2–952/1, खैरताबाद, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4202/83 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मीहन, सक्षम श्रीधकारी, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

· दिनांक: 14-3-1984

मोप्तर :

प्ररूपः, आर्थः, टी. एन., एस., -----

आय भर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-चं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 916/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकृत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० 6-2-952/1, पोरणन हैं, तथा जो खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारनीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योपय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन फर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिंती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्रिक्त

(1) श्रीमती करोमूनिसागेगम जी० पी० ए०, श्रीमती सारा श्रब्दुल गफूर, घर नं० 6−2−952/ए, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० सत्तार खोन, घर नं० 3-5-803, हैवरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धाविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की आरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य स्थितित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिम किए जा सकेंगे।

स्मद्भीकरणः --इममें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, ओ उनल अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में शिया गया है।

# ममुस्वी

घर संपत्ति नं ० 6-2-952/1, पोरशन खैरताबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4217/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेंगन मोहन, राक्षम प्रशिकारी, गहायक प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजेत रंज, देदराबाद

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 917/83-84--यतः मझे, एम० जेगन मोहन,

आमकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिरियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6-2-952/1 पोरशन है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्रीमती करीमूनिसाबेगम जी० पी० ए०,
 श्रीमती सारा घड्डल गफूर,
 घर नं० 6-2-952/ए,
 खैरताबाद, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रीमती सरवरबेकम, घर न्० 6-2-952, खैरताबाद, हैदराबाद

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 6-2-952/1, पोरशन, खैरताबाद, हैदराबाद, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4230/83. रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० जे गन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक: 14~3-1984

मोहर

# प्ररूप नाइ'.टी.एन्.एसं.-----

# नायकर क्षितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 534/83-84---यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पीठापूरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय, पीठापूरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक कस, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण लिखित में बास्तिबुक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से इ.इ. किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों इवारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाता शहिए था जिनाने में स्विधा के लिए;

बदः अन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गाँ, मौं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:----

श्री ध्रार० वेंकट सुब्बारामा,
 त्रिगैस्वर प्रादि नारायणा राव ध्रौर ध्रन्य,
 क्राकीनाडा ।

(धन्तरक)

(2) श्री बी॰ पापा राव, पिता सुब्बाराव, रिववारापाडू, हामलेट ग्राफ पोन्नाडा, पीठापूरम तालूक, जिला ईस्ट गोदावरी।

(म्रन्तरिती)

क्षं पह तुवना वारी करके प्रवासित सम्परित के अर्थन के निए आर्थनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षाइ' भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

. स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसभी

भूमि रविवरापाडू, ईस्ट गोदावरी, विस्तीणं 3 एकर, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1822, 1821, श्रीर 1820/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी पीठापुरम ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-3-1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हवराबाद, दिनांक 14 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 535/83—84——यन: मुझे एम० जेगन में हिन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो वियाखापत्तनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कायिलय, विमाखापत्तनम में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरक से हुई जिंकती बाव की बावज , बावज अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के बावित्य में कमी करने वा उनके बचने में सुविधा के निगए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों, कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अन , इक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन , निम्निलित व्यक्तियों , अर्थात् १--- (1) श्रीमती आवेशा नूर में हिम्मद कुरेशी, शिवालभ स्ट्रीट, वैझाग ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० डक्ल्यू० ज० रफेरटी, पोस्ट आफिस स्ट्रीट, न्य् गनपुरम, विशाखापत्तनम-4

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

डी० नं० 23-9-29, शिवालयम स्ट्रोट, विशाखापसनम, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7702/83 रिजस्ट्रीकृती अधिकारी विशाखानसनम।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोंक: 14-3-1984

# प्रकप नाइ टी. एन. एस. ---------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के बधीन सचना

#### भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पो० नं० 5212---यत: मुझे, जे० एल० गिरिधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा ि अनुसूची में लिखा है तथा जो िगता में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है, रिजस्ट्रीशर्क्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16 के अधीन, दिनांक जलाई 1983

को पृशांकत सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्-/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

नतः जन, उथल निधिनियम, की भारा 269-ग के ननुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रणजीत सिंह,
  पृत्र मदन सिंह मुख्तयारे आम गुरतेच सिंह,
  वासी मोहल्ला नं 17/26/3,
  जालन्धर छावनी ।
  (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गोबिन्द कौर पत्नी अवतार सिंह, वासी मोहल्ला शेख रोपड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगें।

स्पध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रवी

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसादिः विलेख नं ० 2332 दिनांक जुताई 1983 को रजिस्द्रोकर्ना अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी महायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-3-1984

मोहर 🛭

# त्रस्य नार्षे दी एन एस ----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सद्दायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालाधर, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देण मं० ए० पी० नं० 5214——यतः मुझो, जो० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का में विजित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुनाई 1983।

को पूर्वो ब्ल संपत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के ख्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो बत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्विश्यों से उक्त कन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी भाग की बाबत, अक्त जिसिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय साय-कर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) श्रो सोहन सिंह पुत्र अर्जन सिंह, बासी गांव दाफर तह० दसूहा, जिला होशियारपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत पत्नी रत्तू, वासी गांव डिगदिया, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सर्कोंगे।

स्यक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पथीं का, जी उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा ही।

# अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2383 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> ने० एक० गिरुपर, महाम प्राधिकारी, सहायक आयगर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-3-1984

प्ररूप. आहं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देण सं० 40379/83-84—यतः मुझे मंजु माधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पुराना सं० 26/1, नर्या सं० 37 है, तथा जो पट्टालम्मा टेम्पल, स्ट्रीट, बसवनगुडी, बोंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपावढ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवनगुडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः । भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थातः ः~  श्री ए० एस० राम स्वामी राजू, नं० 17, I कास, तायप्पनहल्ली, IV टी० ब्लांक, जयनगर, बंगलूर-II,

(भ्रन्तरक)

श्रीमती एम० वी० वाणी,
नं० 26/3, पट्टालम्मा टेम्पल स्ट्रीट,
बसवनगुडी,
बेंगलूर-4

(भन्त रिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

(दस्तावेज सं० 1407/83-84 ता० जलाई, 1983)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० पुरानी सं० 26/1, नयौ सं० 37, जो पट्टालम्मा टेम्पल स्ट्रीट, यशवनगुडी बेंगलूर-4 में स्थित है।

मंजु भाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, केंगलुर

तारीख: 9-3-1984

माहर 🛭

प्रकप कार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5220— यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपांबद अनुसूचों में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से दिक्कि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित कें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अजिनियम् के अधीन कर्द्र दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ए'से किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री हरीण वरदान पुत्र सुदर्शन कुमार, वासी 11-ए चीमा नगर, मुखतियार-खास क्रिजमोहन, सैल्फ मुखतियार-ए-आम बिचार सिंह, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल पुत्र छोटू राम, वासी ई एस-78 मक्टूमपुरा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरो कारक ५% का सुम्यां के अर्जन के लिए काम आर्थ करन, हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्ल अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा ग्या है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति ऐरियां 84सी, जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 2742 दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी जालम्धर में लिखा गया है।

> ंजे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-3-1984

मोहर 🕄

19-26 GI/84

प्ररूप, आई. टी. एव. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5229---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोक्स्ती अधिकारी के नार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पृवांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण कि बित में वास्तविक सूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण वी, वी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) वी अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धीन क्र-

- (1) श्रीमती अमीता बेदी,
  पत्नी कर्नल ले० विनोद बेदी,
  द्वारा मुखतियार ले० कनल चरणजीत सिंह,
  118 न्यू जवाहर नगर जासन्धर।
  (अन्तरक)
- (2) श्री ओम प्रकाश पुत्र मिधानियां लाल, गांव और पोस्ट अ।फिस लिटरन, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क् में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन्हें क्रिकेट के विमा ग्या है।

# असम्ब

सम्पत्ति तथा व्यक्ति प्लाट नं० 246 ऐरिया 1 कनाल 4 मरले, 128 स्केयर फीट जो डिफोंस कालोनी जालन्धर में स्थित है जना कि विलेख नं० 2324 दिनांक जुलाई, 1983 को रिजस्ट्री-कत्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षणर) अजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 8-3-1984

# प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 42) की धारा 269-व (1) के न्यीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक मायकर आयुक्त (निर्शिक्ण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5230——यस: मुझो, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख से अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मित्, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्तीपीर दाद खान जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांग जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उक्ति बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिक्ति में वास्तिकक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत अक्ट जिभिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृतिभा के लिए; जॉर/या
- (क्ष) एसा। कसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या उन्त विधिनियम, या उन्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया का धा या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा दें लिए;

जलः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिनिस व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रीमती हरनाम कौर पुत्री राघा सिंह, वासी 228, आदर्श गगर, जालन्धर हारा श्री तरसेम लाल।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती वीना पत्नी शिव कुमार वासी 411 आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करंके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों. का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति अमीन 8000 स्केयर फीट जो बस्ती पीर दाव खान जालन्धर में स्थित है जैसाकि विलेख नं० 2372 दिनां के जुलाई, 1984 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-3-1984

मो र

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश मं० ए० पी० नं० 5231—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मिठापुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य दायित्व में कमी करने या उससे बचने में . सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्लीमती जीत कौर बेटी नन्द सिंह, वासी गांव मिठापुर, तहसोल जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत सिंह पुत्र वर्धन सिंह, वासी गांव मिठापुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता. हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्र**नुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति 1 कनाल 13 मरले जो गांव मिठापुर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2401 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-3-1984

प्रारुप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5232—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आराण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मिठापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्त्ता अधिनारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) जीत और बेटी नन्द सिंह, वासी गांव मिठापुर, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र सोहनं सिंह, वासी गांव मिठापुर, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 2 कनाल 16 मरले जो गांव मीठापुर में स्थित है जैसा कि विलेख न० 2451 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-3-1984

श्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.------

भायकर जिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की; भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5233—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

र जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बॉणित है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यायय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरित्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास्प प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती प्रकाशवती विश्ववा जसवन्ती, वासी मकान नं० 451 कृषि नगर. जालन्धर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री कनवर सिंह पुत्र हरदेश सिंह और, श्रीमित्री सीमर कौर पत्नी कनवर सिंह, वासी गांव काला सिंधा, तहसील कपूरयला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोड्स्ताक्षरी वे पास सिक्ति में किए जा सकते ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनु**त्रुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति नं० 2 एरिया 18 मरले 24 स्केथर फीट जो उप नगर खुरला में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2721 दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 8-3-1984

प्रस्य बाह्". टी. एव. एस. - - - ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन सूचना

### शारुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5234——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जी गांच किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जानन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरम संहुद किसी नाव की बाबता, अक्त स्थितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी कर्म का उससे वचने में सिवधा के लिए बाह्य/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन मा अन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के जिए?

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नसिखिस व्यक्तियों, अर्थास् ६—— (1) श्री शिष देव सिंह पुत्र उजागर सिंह और, रजबीर सिंह, इन्द्रबीर सिंह, रणबीर सिंह, सुपुत्र शिव देव सिंह, वासी गांव किंगरा, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री ले॰ कर्नल प्रीतम सिंह सोहल, पुत्र साधु सिंह, बासी गांव वेला, जिला अमृतसर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवार;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थलाकरण — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है जैसाकि विलेख नं० 2377 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्टीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्छर

दिनांक: 8-3-1984

प्ररूप बाहै. टी. एत्. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5235—यतः मृझे, जे० एल० गिरधर,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विंगत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय जान धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की वायता, उक्त श्रीपित्यम् के नधीन् कर दोने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी आयु या किसी अन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री सोहन सिंह पुत्र भोला सिंह, वासी गांच किंगरा, जिला जालन्धर द्वारा श्रीराम अवतार वासी 8/19, जालन्धर छावनी ।

(अग्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह पुत हरनाम सिंह, वासी 321 गुर तेग बहादुर नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुसूची

सम्मित्त तथा व्यक्ति जमीन 10 मरले जो गोव किंगरा में स्थिमे हैं जैसा कि विलेख नं० 2313 दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जाल-धर में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, जालन्धर

दिनांक: 8-3-1984

## प्रस्म बाह्र . टी . एन् . एन , नननन्ननननन्नन

कायक<u>र</u> विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सूजना

#### भारत बरकार

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5236——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के घडीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा वि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय • जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति , ल के लिए कन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि शिक है से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) वस्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के तिए; क्रीऱ्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जानां चाहिए था छिपाने में सृष्धा के सिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तिकां अधीन :—— 20—26GI/84 (1) श्री सोहन सिंह पुत्र भोला सिंह, द्वारा श्रीराम अवतार, वासी 8/19 जालन्धर छावनी।

(अन्तरक)

(2) श्री हजिन्द्र सिंह पुत्न दलजीत सिंह, वासो न्रपुर जिला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को गृह सूचना जारी क रके पूर्वों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या एत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति एरिया 23 मरले 138 स्केयर फीट जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि त्रिलेख नं० 2312 दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया

> जे० एत० गिरधर, सझम अधिकारी, सहगयक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-3-1984

माहर:

# प्रस्थ बार्ड, टी. एन्. एस.---

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

## भारत् त्रकार

# नामलिय, सहायक भायकर भायक (निर्देशिक) अर्जन रेंज, जालस्थर

जालन्धर, दिनांग 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 5237—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैमा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में क्यी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थाति :--- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र भोला सिंह, वासी गांव किंगरा, तहसील जालन्धर द्वारा बलवंत सिंह, (अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र दर्शन सिंह, वासी फराला फ्लौर, जिला जालस्वर ।

(अतन्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के ब्रिस्ट् कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
  स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्वाक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 4 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2295 दिनांक 1 जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एत० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 8-3-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5238—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक है

और जिसको सं जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय जालत्वर केरजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हर्ष वर्धन पुत सुदर्शन सिंह, मुख्तयार आफ बृज मोहन पुत हीरा लाल, मुखतयारे-याम आफ ह्यचिश सिंह पुत मुंशी राम, 11-ए, चीमां नगर, जालन्धर ।

. (अन्तरक)

(2) श्री सुदशंन कुमार पुत अयोध्यानाथ, 11-ए, चीमा नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2515 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को जालन्धर मेलिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारो, सहाय ह आयकर आयुकः (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-3-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5239——यतः मुझै, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तिकार्विकों) के और एसे प्रकारण के बिश तम पाया गया प्रतिफल, लिक्निलिखा उद्देश्य में उन्त धन्तरण निधित में वास्ति विश्व से किया तम से किया निधा से कार्य से किया निधा में साम्त

- (क) प्रन्तरण में दुई कियों प्राय की बायत अबत धारि-विवय के सकीन कर देने के प्रमारक के बाबिस्त में करी करने या समसे बचने में सुविधा के सिए; भीर,या
  - (स) एेसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रा हरेग वरवान पुत्र सुदर्गन दास, मुखतियार--खास आफ क्रिज मोहन पुत्र हीरा लाल मुखतियार--ऐ--आम क्लदीप सिंह, पुत्र बचित्तर सिंह; वासी 11--ए चीमा नगर, जालन्धर
- (2) श्रीमती रिजन्द्र कौर पत्नी बलदेव सिंह, वासी गांव शाहकाट, जिला होशियारपुर।

(अन्सरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति ऐरिया 16 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2707 दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्टीकर्त्ता अधिकारी जालन्थर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांग: 8-3-·1984

# प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

**कार्यालय , सहायक** आयळार आयक (**निराधाण)** 

अजंन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनायः 8 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० स० ५२४०—-पतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृत्य 25,000/- रु. से मधिक है

ग्रीर जिसकी संव जैया कि अनुनूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रीप इस्त उपायत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजर्व्यक्तिमां अधिकारी के दार्यालय जालन्धर में रिजर्व्यक्तिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, दिनांक जुलाई 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की पहुँ हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त समान्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश १९ उपतः अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप सं किथात नहीं किया गया हैं —

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त स्थिनियम के अभीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या असमें बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बार या फिसा पन या अन्य बास्सियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वान प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिय था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्मरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269 श की जपधारा (1) के बुधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों अर्थात क्ल- (1) श्री हरेश घरदान पुत्र सुदर्गन कुमार, मुख्तियार-खास आफ ब्रिज मोहन पुत्र हीरा लाल, सैल्फ मुख्तियार-ऐ-आम कुलदीप सिंह, पुत्र बचित्तर सिंह, वासी 11-ए चीमा नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह पुत्र जगीर सिंह, बासी गांच लम्बरा, तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्विक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्वाक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिरिसत में किए जा सकरेंगे!

स्पस्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनयम दें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति ऐरिया 8 मस्त्रे जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख न० 2708 दिनाक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> ज० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण केर्जन, रोज, जालन्धर

**दि**नाम : 8-3**-**1984

मोहर 🖫

प्रस्य बाई० टी॰ एन॰ एस॰ '

नायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) कें धर्धांत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनावः 12 मार्च 1984

निर्देश स० ए० पी० नं० 5242--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापए से अधित ही

श्रीर जिसकी सं के जैंगा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), राजन्द्रोक्ती अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में राजन्द्रीक्षण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उकत अंतरण लिखित में आस्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई कि मी आय की शावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वीने के अंतर्क के दायित्य में कभी करने या उससे युवने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सृतिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिन्यम की भारा 269 ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यविदयों, अथित् ---

(1) श्रीमती चन्द कौर पत्नी विशन सिंह, नजदीक रोशन लाल आयल मिल्ज (प्रा०) लि० मानसा रोड़, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री भरपूर सिंह पुत्र शाम सिंह तथा चन्द कौर पत्नी विश्वन सिंह, नजदीक रोशन लाल आयल मिल्ज (प्रा०) लि०, भटिण्डा।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति वा अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्रोप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्थींगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया ही।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2021 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जै० एल्० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5241—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैंसा कि अनुस्त्री में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उगाबद्ध अनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफृत में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिन्धाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री अवतार सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह, गांव कीबीबाला सहसील शहिण्हा

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कर्मजीत सिह एव जीवन सिंह,
  - श्रीमती अमरजीत कीर पत्नी कर्नजीत सिंह गांव कोट फतेह तहसील भटिण्डा
  - श्री बलजीत सिंह भुल्लर पृत्न गेर सिंह, गांव घुड़ा ।
  - 4. श्री लक्ष्मण सिंह पृत हरदयाल सिंह
  - 5. श्री हरपाल सिंह पुत्र लाभ सिंह, पता एस० आर० भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

का गृह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नवीर के सम्बन्ध के बी कोडी भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से दिनसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः—इसमे प्रय्क्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2008 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 12-3-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आहे. टी. एम्. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5243—यतः मुझे, जें० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपर्तित, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं गैला कि अनुमूची में लिखा है लया जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपबाद अनुमूची में और पूर्ण रूप में विज्ञात है), रिजरहीतानी अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजर्दीतारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांग जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति हो उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण संहुर्ज किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे असने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा श किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्ष्मीह ्र--

(1) थाप्रतिः सन्य जौगः विश्वता विणन सिंह, नाभने सँगर्ज रोशन लाज आयन मिल्ज (प्रा०) लि०, मानसा रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती रणजीत कौर पत्नी भरपूर सिंह, वासी एस० आर० भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त् संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रय्कत शब्दों और पदौका, जो उक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसुधी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2049 दिनांक जुलाई 1983 को अजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी भटिण्डा में लिखा है ।

> जे० एत० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहाय ह आयक्षर अज्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

यायकर प्रांधनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5244---यन: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु० ने अधिक है

और जिसकी मंज जैंगा कि अनुसूर्वा में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का गल्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तियक रूप से किथन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूयिभा के किए, होर लिए
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा के लिए;

(1) श्री गोविन्द सिंह पुत्र भाई विद्या सिंह, गांव बुचा खुर्य, नहसील भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री तेज सिंह पुत जैव सिंह, गांव अबलू, नहसील भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में ननाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2051 दिनांक जुनाई 1983 को एजिस्ट्रांकर्ना अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

.प 1) दिनां

दिनांग: 12-3-1984

माहर .

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण  $\frac{1}{12}$ ,  $\frac{1}{12}$ ,  $\frac{1}{12}$  अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) जे अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अथित् :—  $\frac{2}{1}$  =-26GI/84

प्रहरूप. आर्ड्: टी. एनं. एसं. - - - - (1) श्री गरदाय सिंह यह केंद्रर र

# मायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ् अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 5245---यतः मुझे, जे० एल० गिरुखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करान है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रठ. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्तरिती दवारा प्रकट नहीं फिया गया का या किया जाना चाहिए था. छिपाने मी गविष्ण के लिए;

. जतः जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) श्रो गुरदाप सिंह पुत्र केहर सिंह, वासी संगुआना बस्ती भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह जैम्स एम० एल० ए० आफ गांव पक्कावाला पुत्र हरचन्द सिंह, डब्बाली रोड़, भटिण्डा सामने डब्बाली द्रांसपोर्ट कम्पनी आफिस डब्बली रोड़, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि लो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्तष्टीकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सू भी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2058 घिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरंघर, मक्षम प्राधिकारी, सह्यायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध ा ) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5246---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मिटण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्व, जुला किया अरु या किया वर या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए या ियाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रोमतो चन्द कौर विधवा बिशन सिंह नजदीक मैसर्स रोशन लाल आयल मिल्ज (प्रा०) लि०, मानसा रोड़, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कर्म सिंह पुत्र गुदयाल सिंह और निरंजन सिंह पुत्र भजन सिंह. पता एस० आर० भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सके गे।

स्पष्टोकरण --इसम प्रयूक्त शब्दों आरे पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है

#### अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 2087 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1984

मोहरः

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्वेश ए० पी० नं० 5247—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग विश्वास करने का 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपरित के कुन्ति बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री भगवान सिंह पुत्र मदन सिंह घौर, सुखदेव सिंह पुत्र गण्डा सिंह, जोगिन्द्र सिंह, कोठी अमरपुरा भटिण्डा ।
- (अन्तरक)
  (2) श्री सुचेत सिंह सोडी पुत्र मंगल सिंह सोडी,
  गांव लालचियां,
  तहसील फिरोजपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गुचना क राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पथ्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2094 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1984

प्रस्य बाह्र हो. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश स० ए० पी० नं० 5248—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाकार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एमें दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (व) एसी किसी भाव या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्न चाहिए था किया वे सुविधा के सिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री राम सिंह, दर्शन सिंह, सुपुत्र बूटा सिंह, गांव गुदाडब, तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जन सिंह पुत्र किशन सिंह, गांव कोटभाई, तहसील मुक्तसर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्पर्ति के बूर्ज**न को सम्बन्ध में कोई भी **बाक्षेप** :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी बादि में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्यीकारणः -- ५ सम्बें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर जिभिनियस, के जभ्माय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्भ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## **अ**मुस्**ची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2110 दिनांक जुलाई: 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 12-3-1984

गोहर:

प्ररूप. आर्घ. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-च (1) के अधीन स्थान

#### भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5249—यतः मुझ, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/नरा से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिल्लाम को जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ष के सुविभा से लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उकत अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अंग्रेज सिंह पुत्र कपूर सिंह, हजूरा कपूर बस्ती, नजदीक रोज गार्डन भटिण्डा। (अन्तरक)
- (2) कुमारी राजरानी पुत्री भजन राम, गांव मेहराज तहसील फूल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर जूनन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत कोक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के तास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नर् 2112 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **आयकर आयुक्त** (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-3-1984

मोष्ठर:

प्रकृप आई'. ती. एन, एस. ....

आयकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

**अ**र्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 84

निवेश नं०/ऐ० पी० नं० 6250—-यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका रिचत बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं जैसा कि श्रनुसुवी में लिखा है सथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीगः, निम्नलिखित व्यक्तिरां, अर्थात् :--

- (1) श्री ध्रंग्रेज सिंह,
  पूत्र कपूर सिंह,
  वासी हजूरां कपूरां बस्सी,
  नजदीक रोज गार्डन,
  भटिण्डा । (अन्नकर)
- (2) श्री नौहर सिंह पुत्र दधोंची राम, पता एस० आर० भटिण्डा। (अन्तरिती)

को यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसंधी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2113 दिनांक भलाई 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक **क्षायकर आ**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 12-3-84

पक्स जाव<sup>र</sup>. टॉ. एस. एस.

मायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 12 मार्च 1984 .

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 5251—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त निधिनयमं' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अभिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त बाँध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय पा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिरिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम सिंह दर्शन सिंह, पुत्र श्री बूटा सिंह, गांव गकन ढाब, सहसील फज्ज्लिका।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द, पुत्र कुन्दन लाल, वासी बरनाला।

(अन्तरिती)

को यह स्थान भारी करके पूर्वाक्त मध्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिष्ठियों करता हो।

उक्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर ध्रितायों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध िया अग क्यांति द्वारा कथांहस्ताक्षरी भे पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्भी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 2119 दिनाक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-3-84

भोहर -

प्ररूप आई.टी.एन.एस., -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, जामनधर

जालन्धर, विनास 12 मार्च 1984

निदेश नं०/ए० पी० नं० 5252---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं जैसा कि प्रतुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्यत अनुभूची में ग्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 84
को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास
करने का कारण हो कि यथापुर्वोजन सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उभके रूक्यमान प्रतिफल में एसे रूक्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरफ (अन्तरफी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में नास्तिबक रूप से कथिल नहीं किया गया हो:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 (1) श्री राम सिंह, दर्गन सिंह, सुपुत श्री बूटा सिंह, नासी गांव गफन ढाव, राष्ट्रसील ।फिज्लका,

(धन्सरक)

(2) श्री नरेण अन्तः, पुत्र राम सहायः, वामी मुद्रुलाङा,

(अमारितंर)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के गाम जिस्ति में किमी जा सकी।

स्पर्ध्याकरण :--इसमा प्रयावत शब्दा और गद्या की, आ उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्**त्र**ी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2120 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-3-84

अक्य बाह् . टी. एत . युव . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

#### प्रारव दरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्धरः दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश नं०/ए० पी० नं० 5253-पतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपरित, जिसका उचित आज़ार मृत्य 25,000/-रा. सं अधिक ही

ग्रीर जिन्नकों सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 83 को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीन एसे अन्तरण है लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिए उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दासित्व में कमी करने मा उससे वचने में सृविधा के लिए; जौर/य।
  - (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आया हर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अव्योदमार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया काना वाहिए था, कियाने में संविधा के निए;

सक्षः, तब , उपत विधिनयम की भारा 269-ग के, बनुसरण मो, मी अवा अधिनयम की भारा 269-स् की उपधारा (1) के अधीन, अस्त्रिक्षि व्यक्तियों अधीत् उन्न (1) रमुबीर दयाल, श्रोम प्रकाश, सुपुत्र श्री बृष लाल, बासी रामपुरा फूल।

(अन्सरकः)

(2) श्री तेजा सिंह पुत्र मोहन सिंह,
2. माखन सिंह पुत्र धन सिंह,
मूल सिंह पुत्र मीत सिंह,
पता नेशनल ट्रेक्टमें रामपुरा फूल,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, के निए कार्यवाहियां करता हूं

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्यारा;
- (क) इस श्वना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ है 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्परित मों हित-ब्रुभ किसी बन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति मों किए का सकोंगे ≀

स्पब्सिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क भे परिभाषित हूं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गय। है।

### मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख न० 1932 विनाक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुरा फूल ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 12-3-84.

મોह⊤₹ .

प्ररूप आही. ही एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश नं०ऐ० पी० नं० 5254—सन: मुझे, जे० एल० शिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूखी में (लखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूखी में श्रीर पूर्णे एप से विजित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 8 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्षत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/सा
- (ल) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

कतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीय, निम्नलिकित क्यक्किसों, जर्मात और

- (1) चलन वास पूज पूला घोन,
  2. बग्जी जाल पुता पूला गान,
  पाना ममर्भ लल्लमन दास वेद प्रकाश कचहरी
  बाजार रामपुरा फूल,
  (अस्तरक)
- (2) श्रीमती हरभजन कीर पत्नी मूल सिंह.
  2. नरलीचन सिंह पुत्र मूल सिंह,
  पता नेशनल ट्रैक्टरज रामपुरा फुल, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का औ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगस्यी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1934 विनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी रामपुरा फूल ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

निरोचा: 12-3-84

मोहर 🖫

# अक्ष वार्ड ही . एन . एस . -----

# ज्ञानश्वर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जावन्प्रर, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 5255—56—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थान करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रानुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने के कारण है कि यथा कि ना संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिकान में, एमे रब्यमान प्रतिकान का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकात, निम्नितिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण दिशित्त में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्कृतिधा के लिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म  श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र कपूर सिंह, नारी रागपुरा फूल ।

(अन्तरक)

(2) बूटा सिंह जगतार सिंह,
गुपुत्र श्री गोभा सिंह,
लखबीर सिंह, जसबीर सिंह,
मुपुत्र श्री गुरूदक्त सिंह,
बासी गांव चोटियां,
सहसीन रामपुरा फूल।

(अस्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में अकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों तर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकर व्यक्तियों से रूपिक मी व्यक्तियों द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1728 स्रौर 1735 दिनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिका रामपुरा फूल ने लिखा है।

> जे० एल गिरधर सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, जाल

तारीख: 12-3-84.

# प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, महायक कायकार काय्यवतः (निरीक्षण) अर्चायः रेज, जालकारः

जालन्धर, विनांक 9 मार्च 1984

निवेश नं०/ऐ० पी॰ नं० 5257—प्रत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसे कि श्रनुसूच, में लिखा है तथा जो जालस्थर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणान है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्थर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में शस्तिकल इस से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा को लिए;

अतः मन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधार्य (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री नरिन्द्र कुमार सूद, पुत्र जी० जी० सूद, एडवोकेट, पुराना हाकखाना गड्क, जालन्ध्रर।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती समलजीत पत्नी, श्री तरथू राम, भी-378 अस्ती नाम खेल, जासम्बर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये जा सकींगे।

स्पन्नीकरण: -- इशमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंधा हुँ।

#### वनसर्वी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2870 विनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्छर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्बर

तारीख: 9-3-84.

# श्रद्धम् बार्ष्टं टी. एन. एस -

अायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्चेना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक्षर

जालन्धर, दिनांक 9 मार्चे 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5258—-≈तः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी वर्षे यह विश्वास करमें का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जैसे कि श्रनुसूचा में लिखा है तथा जो मौगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ताण्अधिकारी के कार्यालय, मौगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1902 का 11) या नवल अस्तियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अवः, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) जीनको गुणनाम कीर विधवा, श्रं अर्गुन सिह, वासी अगवार कुसीका, मोगा मेहला सिंह, मोगा,

(अन्तरक)

(2) श्री रघुबीर सिंह मोहिन्द्र पाल सिंह, सुपुत श्री जोगिन्द्र सिंह, वरकी चौक शेख, मोगा मेहला सिंह, मोगा।

(अस्तरिती)

को यह स्थान बारी करके प्याँक्त सम्परित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन भे सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी स्थितिस्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित स्थिति स्थानत स्थानतः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकंरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जीवनियम के बच्चाय 20-क में परिभाविस हैं, वहीं नर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया क्वा है।

# नमृज्यी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 3574 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

> जे० एतः गिरधर, संक्षम प्राधिकारी सहायके आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्द्रर

तारीख: 9-3-84.

प्रकप नाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर गिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालब,, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 मार्च 84

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5259—-यत: मुझे, जे० ए**स० गिरध**र,

जासकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 75,000/- रा. से अधिक है

तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ले, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में भारतीनक रूप से क्थित नहीं किया गवा है:—

- (क) जन्तरण से धुइंकिसी शाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;
- जल जिल्ला अधिनियम की भारा 269 म के अनुसरण मा. मी. अवत विधिनियम की भारा 269 म को अपभारा (1)
   अधिक अभीर, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, सर्थात् :---

(1) श्रीमती गुरनाम कौर विधवा, श्री अर्जुन सिंह, वासी अगवार सिंह कुरभीका, मोगा मेहाल सिंह, मोगा।

(अन्तरका)

(2) भनजीत सिह पुत्र जोगित्द्र सिह सौर जोगित्व सिह पुत्र काहन सिह बासी तीक गरक भीग मेहला सिह मौग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्रची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 3646 दिनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

> जे० एस० भिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्रयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनेर्जेज, जालकार

**सार्**भख: 9--3--\$4

मध्या :

प्ररूप माई.टी.एन.एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंच, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 भार्च 84

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 5260—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जुलाई 83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण किश्वत में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिमियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तियती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सधीन, निस्तिसिक्त व्यक्तिसी, अधित :--- (1) श्री बलदेव मिसर गोयल, पुत्र साधु राम प्रोपराईटर, गंजाब रबड़ एलाईड इंडस्ट्रीज, भाडल हाऊस. भारतारहर,

(अन्त एकः)

(2) ज्ञाव गराभारण मिह भिन पुत्र दर्शन सिह. और श्रीमती हरजिन्दर कौर पत्नी, ज्ञाव जेव एसव गिल, वार्मा 568, न्यु अवाहर नगर मासिट, जालन्धर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वांक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधाहस्ताक्षरी के पास तिसित्त मा किए जा सकाँग ।

स्पक्किरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममूस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2336 विनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> ज़े० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12→3−84

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.- - - ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के ब्राभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धरः विनांक 12 मार्च 1984

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 5261—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

तथा जो बस्ती गेख, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अर्थान, तारी ख जुलाई 1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मीलिकत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त जिथिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्स्—ः

23-26GI/84

(1) श्रो हरभजन सिंह, पुक्त इन्द्रजीत सिंह, वासी बस्ती **गेख**, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतवंत कौर पत्नी, घरन सिंह, वासी गांव पडेवन्त तह ि हिलवा, जिला कपूरयला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2365 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-3-1984.

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ड. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याल्य, सहायक वायकर वागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर: दिनांक 12 मार्च 1984

निवेश नं०ए० पी० नं० 5262--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-क के अधीन सक्षम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

तथा जो बस्ती पीर वाद खान में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूर्या में और पूर्णरूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीन्कर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिदृत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाव की वावत उक्त विच-नियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या ज्ससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी जाव या किसी भन वा अन्य आस्तिबों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री दिवन्त्र सिंह, पुत्र गुरपाल सिंह, वासी बस्ती पीर दाव खान, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री चनन सिंह, पुत्र जगत सिंह, बस्ती पीर धाद खान, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2416 दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर। सक्षम प्राधिकारी सहायक अगयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज: जालन्धर

तारीख: 12-3-84

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नूतन नगर योजना नं० 2 है, तथा जो प्लाट नं० 535, महुवा जिला भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता. अधिकारी के कार्यालय महुवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) शस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर√या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियः को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

सतः अस् , उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) के अधीन, निम्नुलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :—  श्री पारेख गुनवंतराम प्रताप राघ घावडी चौक, महुक्षा, जिवा भावनगर।

(अन्तरक)

 श्री कर्नैयालाल नानजी भाई पटेल, वासी तलाब, महुवा, जिला भावनगर।

(अन्तरितीः)

को यह सृथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त - शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### वन्स्ची

प्लाट जो महुवा नूसन नगर योजना नं० 2 पर स्थित है, जिस का रजिस्ट्रीकरण रजिस्ट्रेशन नं० 577/4-7-83 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाब<sup>न्</sup>द ।

तारीख: 14-2-1984

अकप आह<sup>2</sup>,टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सम्बना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 फरनरी 1984

सं० पी ० आर० नं० 2854/22-I/83-84----यतः, मुझे, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन घोणजीनगर पालीका लीमीट के श्रंदर है। तथा जो घोणजी प्लोट, जमीन 4681 का यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिदारी के कार्यालय घोराजी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिखन उद्दर्श में उद्देश अन्तर्श मिनिक्त में रास्तिबद स्थ से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य कास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री गोविंद रामजी बघासीया, मोहन रामजी बघासीया, केशवजी गोधिन्द वचासिया, घोशजी, जिला राजकोट

(अन्तरक)

श्री बृजलाल कानजी,
 श्री मोनजी वाघजी,
 मेठ किशोरकान्त, मोहनलाल,
 घोशजी, जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः --

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर-स्थान की सामील से 30 बिंग की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-यद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

# बगुसूची

जमीन जो घोशजी नगरपालिका लीमीटके अन्दर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 4681 वर्ग गंज है तथा जिसका रिजस्ट्रीकरण रिजस्ट्रेशन नं० 462/29-7-83 है।

आर० आर2० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज I, अहमदाबाद ।

मारी**ख**: 14-2-1984

म हर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अक्षमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

सं० पी० आर० नं० 285 5/23-I/83-84--अतः मुझे; आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा के कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० बील्डिंग जो जेतपुर सीटी सर्वे शीट नं० 14 है तथा जो सर्वे नं० 71 पेकी 169 में स्थित है (म्रोर इस से उपाबड़ अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री जशुमती वींछी फैमीली ट्रस्ट ट्रस्टी: नीतीन कुमार रामनलाल वींछी, पधाकुवंर प्रभु सोसायटी, 18-ए, नारायन-नगर रोड, थालडी, अहमदाबाद - 7।

(अन्तरक)

 श्री संगीर कमलकुमार की श्रान चंद कि शन रावजानी श्रीर अन्य तारवाली शेरी, जेतपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बिल्डिंग जो जैतपुर सीती सर्वे नं० शीट नं० 14 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1214/83/14-7-1983 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेप्ज I, अहमदाबाद।

तारीख: 15-2-1984

# प्रकार बाही, टी. पुन्त प्रस्त -

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज-1, अहमदाबाद

**अहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी, 1984** 

निदेश सं० पी० आर० नं० 2856/23-I/83-8-4---यतः मुझे, आर० आर० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं विलिंडग जो प्लाट नं 0 1115, सर्वे नं 0 456 (पी) है तथा जो योगीनीकेतन प्लाट निर्मेला कोत्येन्ट स्कूल रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 ज्लाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिर्यो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसर्स सुधीर डेबलोपमेन्ट कंपनी, भगवानजी एम० नाथवानी, "मंगलम" 27, प्रहलाद प्लाट, राजकोट ।

(अन्तरक)

 श्री मगीकान्त हर्षदराय श्रोमा, योगीनीकेतन प्लाट, निर्मला कोन्येन्ट स्कूल रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से पित्रमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीळरण: - इसमें अयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस, अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्रवी

बिल्डिंग जो प्लोट नं० 1115 सर्वे नं० 450 (पी) योगीनिकेतन प्लाट, निर्मेला कोन्वेन्ट स्कूल रोड, राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं०. 4442/18-7-1983 है।

> आर० आर० माह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज I, अंहमदाबाद

सारी**ख**: 17-2-1984

# प्रकृप भाई० टी• एन• ए स०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धार। 269-च (1) के प्रधीन सूचना

## मारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज श्रहमधाबाद श्रहमदाबाद, दिनांकः 15 फरवरी 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2857 श्रर्जन रेंज 23-1/83-84---अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रामनगर प्लॉट नं० 113, बिल्डिंग है तथा जो गोंडल रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास इस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) ब्लारण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त आँध-रिनयम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

नतः तथा, उनत जीधीनयमा, कौ धारा 269-ग कै जनुसरण मो, मौ, उनत अधिनियम की धारा 269-वाकी उपधारा (1) को जधीन, निम्नसिवित स्पि:्यों, स्वर्धतः :--- श्री विनोद राय मानेक चन्द शेठ
 "सीव मेनोर" 1/7 रामकृष्ण नगर,
 राजकोट।

(अन्तरक)

डॉ० नरेन्द्र परसुराम वेसाई,
 डी-31, सुप्रींटेन्डेन्ट बंगलो,
 टी० बी० अस्पताल क्वार्टरस,
 जामनगर।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगी।

श्यकोक्तरणः --इसमें प्राप्तन शक्यों थीर पदी का, जी सकस अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## समस्त्री

गोंडल रोड, रामनगर प्लॉट नं० 113, बिल्डिंग रिजस्ट्री-कर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 4535/21-7-83 है।

> (आर० आर० माह) सक्षम प्राधिकारी सहायक **अ**ायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **अर्जन रेंज-**I, **अहमदाबा**व

सारीख: 15-2-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) के जभीन स्कान

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

सं० पी० आर० नं० 2858—अतः, मुझे, आरं० आर० गाह

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा - 2,69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० गौतम एपार्टमेन्ट है तथा जो तीसरी मंजिल, पर्शट नं० 9, राजकोट में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाहा (1) के अधीन िनम्मिसिक व्यक्तियों, अधीन है—

 मैंसर्स गांधी कल्स्ट्रक्शन कंपनी, 'अभीभाव' हरीहर सोसायटी, कलावड रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

श्री जशवंतराय चमनलाल कामदार,
 श्रीमती मंजुलाबेन जशवंतराय कामदार
 प्लाट नं० 9, गौलम एपार्टमेन्ट,
 तीसरी मंजिल, मोटी ढांकी रोड,
 राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अतसर्ची

फ्लेट जो गौसम एपार्ट्मेंन्ट में स्थित है, फ्लेट नं० 9 है, तथा जिसका रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेंशन मं० 3919/25-7-83 है।

> आर० आर० गाह; सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 15-2-84 ।

प्ररूप शाह .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेज-! अहमदाबाव

अहमवाबाव, दिनांक 15 फरवरी, 1984

निवेश सं० पी॰ झार॰ नं० 2859—अतः, मुझे, आर॰ आर॰ शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट जो बार्ड नं० 14, सिटी सर्वे नं० 2197 है, तथा जो गीतम एपार्टमेन्ट, फ्लेट नं० 6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-1983

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं अर्द मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकार में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24—26GI/84

 मैसर्स गांधी कंस्ट्रक्शन कंपनी, अमीभाव, हरीहर सोसायटी, कलावड रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री भुपतराय छोटालाल भायानी, द्वारा मेमर्स भुपेन्द्र सेल्स एजेन्सी, 'कानु निवास" सेकंड पलोर, कवी नानालाल मार्ग, राजकोट

(अन्सरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उन्तत संपति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अयिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकने।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

फ्लेंट जो बोर्ड नं० 14 सिटी सर्वे नं० 2197 पर स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रीकर्ती रिजिस्ट्रेणन नं० 3850/25-7-83 है।

> भार० आर० साह सक्षम प्राधिकारी, सवाय तथाय तर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 15-2-1984।

अरूप आहर् दी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 15 फरवरी 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2860 ---अतः मुझे, आर० आर० गाउ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० जो तक्षणीला को-श्रोपरेटिय सोसायटी है, तथा जो गीरनार सिनेमा रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्रीमती लिलता बेन लवजी भाई नंदानी मार्फत लोटस ब्रास वर्कस् भक्तिनगर स्टेशन फ्लेट राजकीट।

(अन्तरक)

 मैं० तास्तता मनहरसाल महेता, मार्फेत शकानी एन्ड कंपनी, 28, करनपरा, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह\*, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ह\*।

# अनुसूची

प्लेट जो तक्षणीला को-घ्रोपरेटिव सोसायटी, गीरनार सिनेमा रोक्ष, राजकोट में स्थित है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

सारीख: 15-2-1984

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🕶

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के बभीन सूचना

#### भारत बदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2861--अतः मुझे, आर०

भारक शाह भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से बिधिक है

भौर जिसकी सं पलैट जो वीखल एपार्टमेन्ट राजकोट में स्थित है । तथा जो रेस कोर्स के नजदीक पलैट भी-3 में स्थित है ( श्रीर इसके उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या मृष्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में बधीन, निम्नितिबत व्यक्तियों, वर्षात् ६(1) मैसर्स वीडलं कंस्ट्रक्शन कंपनी रेसकोर्स, राजकोट ।

(भन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र चुनीलाल जोग (एच यू० एफ ) जी०--6 सीकानगर, नी पी रोड़, बस्बई --4 (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया ग्या है।

# ममुस्ची

प्लैट जो वीष्टल एपार्टमेंट, फ्लैट बी-6, रेसकोर्स के नजवीक राजकोट में स्थित है तथा जिसका रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 4694/30-7-83 है।

> श्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-र्र, श्रहमदाबाव

तारीख: 15-2-84

प्रस्प आई. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-च (1) के स्थीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमवाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2862—ग्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

झौर जिसकी सं अवर्षे नं 1157 सैक्टर नं 5 प्लॉट नं 47 है। तथा जो सत्याग्रह छावनी, वेजलपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीवरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उपत अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वादिस्त में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/बां
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अस, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अधीत: (1) बसुबेन जेशीगभाई पटेल,
 1--बी, पुनीतापार्क, अन्वावाडी,
 ग्रहमवाबाद।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती सबीताबेन बाल किशन भाई पटेल 1212, डहें लावाली खड़की रंगीला चोकी के नजदीक, णाहपूर, श्रहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यस्क्रीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **सम्मुची**

जमीन जिसका क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड है जो सत्याग्रह छायनी वेजलपुर ब्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ब्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 9697/ 5--7--83

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रारकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- ग्रहमशक्षाद

तारीख :--15--2--1984 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी अ8-1

निर्देश सं० पी० भ्रार० 2863——भ्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक पी० नं० 167 म्यू० सर्वे नं० 00167-पी०-बी० ए०-6, टी पी एस 19 है तथा जो यशपाल अपार्टमेंट को० श्रो0 सोसाइटी विभाग ब्लाक 63 फलोर नवरंगपुरा अहमबाबाद है तथा जो (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री धरनेन्द्र चीमनलाल गांधी 3, देवाली ग्रपार्टमेन्ट चालडी एलीसक्रीज, श्रहमदाबाद

('भ्रन्सरक)

(2) महेशकुमार वृजलाल पाताश्रीया नरेशकुमार वृजलाल पाताश्रीया छवीलकुमार वृजनाल पाटडीया . ब्लाक ए 6 थर्ड फ्लोर विभाग-1 यशपाल श्रपार्टभेन्ट दर्शन सोसायटी के नजदीक स्टेडीयम के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हरू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जे उस उध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 135 वर्ग यार्ड है जो प्रश्नाता में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 9668/8 जुलाई 83 है ।

> भार० आर0 णाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

नारीख : 15-2-84

माहर :

# वक्षः नादौ, औं पुरुष, एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीव त्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>कायकर आयुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रजैन रेंज<sup>ड्डा</sup> ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 15 फरवरी 8**4** 

निर्देश सं० पी० घार० 2864 --- धतः, मुझे, ग्रार० घार० शाष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० न० 319 पैकी सर्व न० 417 है तथा जो नं० 4 कुंघनाथ को० श्रो० ए० सोसायटी वासना श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7 जलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्ण से हुई किती बाब की बाबत, सक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने या छससे अजने में सुविभा के लिए; अट्रि/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी थन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विश्वा के विद्या

नतः सब उन्त निभिनियन की भारा 269-ग में निमृत्तरण भा, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, निर्मात् र—— (1) तक्ताबेन विनोध पटेल इ-2, सीद्धगीर श्रमाईमेंट, प्रीतम नगर दूसरा ढाल के नजदीक पालडी श्रहमदाधाद -380006

(अन्तरक)

(2) जे० कोक्सियायेन मानेकलाल शाह गांतीनाथकी पोल, हाजापटेल की पील, ग्रहमदाबाद

.(ग्रन्तरितो')

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविध या सस्तंत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्थ किसी अन्य स्थावत व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिस्थः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्रपी

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 95 वर्ग यार्ड है जो वासना ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्ता विक्रीखत नं० 9814/7 जुलाई 1984 ।

> (म्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-2-84

भोष्ठर :

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० पी० आर० 2865—अतः मुझे आर० आर० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रो. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 601 हिस्सा नं० 1 पैकी है तथा जो वासना, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूचं। में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से क्षिय नहीं किया गया है:---

- (क) अध्ययण मं हुई कि.मी आय की बायत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अगुनरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री धुलाभाई आदरभाई पटेल वासना ग्राम अहमदाबाद

(अन्धरक)

(2) तुलशीवृंद को०-श्रो० झा० मोमायटी (प्रयोजड) श्री रमेण भाई बालकृणन देश वृत्दा बन फ्लैटस, वासना, अहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपि में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 963 वर्ग मीटर है जो वासना अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10189/15-7 1983 है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-I, अहमदाबद

तारीख : 15-2-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 19**6**1 (1961 का 43) की धारा 2**69-य** (1) के प्रथीन सूचन

#### भारत सरकार

कार्यालय-, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984 निर्देण नं० पी० आर० नं० 2866—अतः मृक्षे, आर० आर० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 495, थलतेज है तथा जो जिला अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचित में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 जुलाई 83

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक हूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मो कमी करने या जनमे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री परसोत्रम भीखाभाई वारोट गांव थलतेज जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) गोविदभाई मफतभाई पटेल 9, हिन्दु कालोनी स्टेडियम के मामने, अहमदानाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 32 गुंठा है जो यलतेज, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार -अहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता विकिश्वत नं० 9940 तारीख 11 जुलाई 83 है।

> अर्द० आर्द० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक अयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-2-83

मोहर द

# प्ररूप शाई. टी. एन्. एस.-

# <u>बारकर</u> ब<u>िं</u>डिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजंम र्रेज,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2867— अतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 682, टी० पी० एस 3 2/1 बिजल है। तथा जो अपार्टमेन्टस पंचवटी मार्ग, ग्रंबावाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूवी में ग्रौर पूर्ण रूप से विण्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जग्या चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नि्म्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---25 --- 26GI/84

- (1) श्री ललोगवं**ः विका**कंकि णाव 15, युधमं सोमायटी महेसाना
- (2) श्री जशबंतराय वालुभाई गांधी 2/1 बीजल एमार्टमेंन्ट पंचवटी मार्ग, ग्रंबावाडी, अहमदाबाद-380006

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- का इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि है तस्तरमूर्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 चिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में स्वीति वोती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि देवारा.
- (स) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन का तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। एस हो।

#### अनलची

फ्लैट जिसका अंत्रफल 61 वर्ग यार्ड है जो बीजल अपार्टमेंट, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 9907/11 जुलाई 83।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-2-84

प्रारूप--ग्राई० टी० ए२० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2868——अतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 151, 157, एस० पी० नं० 8-9, ए० बी० सी० पेकी टी० पी० एस० 3, फ्लैट नं० 22, फर्स्ट फलोर है तथा जो सत्तर तालुका अपार्टमेंट, गुजरात हाइकोर्ट नजदीक नवरंगपुरा, में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आर-कर अधिनियम, 1922 +1922 का 11 का उक्क अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) द्रामीनी मुकेशकुमार पटेल गणेश भुवन, एघरभुवन के नजदीक कोर्मस फोलेन रोड़, नवरंगपुरा. अहमदाबाद -380009.

(अन्तरक)

(21) प्रभादेवी शुभिकरन सीरोडीया सत्तर तालुका अपार्टमेन्ट, फर्स्ट फ्लोर नं० 22, गुजरात हाइकोर्ट के नजदीक. नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

, पलैट जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग थार्ड है जो अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 10027 जुलाई 1983 है

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जनरेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-2-84

प्रकथ बाह्रं, टी. एत. एस.------

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 2869—-श्रतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 220/2, टी० पी० एस० 3, पैकी एस० पी० नं० 21, 21/2, है तथा जो 21/3, 4 णेखपुर.—खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6 जलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत रो अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उप्तस अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान भें सनिधा के सिए;

सतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती निरमलाबेन कान्तीलाल गोपालदास वर्शन सोसायटी, सरदार पटेल स्टेडीयम के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रष्ठमदाबाद।

(भ्रन्नरक)

 मैसर्स कैलाण टायर को० ग्रो० हरा० सोसायटी प्रेसीडेन्ट श्री नयन णान्तीलाल मोदी खाडिया चार रास्ता, नीणाफी खडकां खाडीया, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ननसूची

जमीन प्लीन्थ के साथ जो शेखपुर खानपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्टार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 9438/6-7-83 है।

> श्रार०श्चार०शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 15- 984

प्ररूप बार्च. टी. एन्. एस. - -- -

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० पी० ग्रार०नं० 2870—यतः मझे, ग्रा०र श्रार० गाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 220/2, एस० पी० नं० 21, 21/2 से 21/4 टी० पी० एस० 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर, दर्शन सोसायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फा, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बलत उंक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक, के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा क िए,

सतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण की अनुसरक मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यविसयों, अधीत् —-- 1. रीटाबेन कान्तालाल गोपालदास, ब्राह्म मंत्रि मंडल सोसायटी, एलीसबीज, थालडी, श्रह्मदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स कैलाश टायर को० ग्रो० हा० सोसायटी की ग्रोर से प्रमुख--श्री नयन शान्तीलाल मोवी, खाडीया चार रास्ता, तनीशाफी खड़की खाडीया, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों क्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 349.833 वर्ग गज है जो शेखपुर—खानपुर ग्रहमदाबाव में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10562/22-7-83 है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 15-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

ं निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2871---यतः मुझे, ग्रार०

ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 220/2, एस० पी० नं० 21, 21/2 से 21/4 टी० पी० एस० 3 है तथा जो गेखपुर खानपुर, दर्गन सोसायटी, नवरगपुरा, म्रहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, म्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण म्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 22 जुलाई 1983

को पुर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बन्सरितयों) के बीच एसे बन्सरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अपन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिए;

श्रतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री मयुर भाई रसीकलाल शाह, ब्राह्मणं मंत्रि मंडल सोसायटी, एलीसब्रीज, थालड़ी, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- 2. कैलाश टायर को० थ्रो० हा० सोसायटी की श्रोर से प्रमुख—श्री नयन शान्तीलाल मोदी, खाडीया चार रास्ता, नीशाकी खडकी, खाडीया श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उंक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितस स् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सक्तिं।

 स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्क्यों और पर्यों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दियः गया है।

# वपृत्यी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 116.611 वर्ग यार्ड है जो शेखपुर--खानपुर ,श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्टार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 10567/22-7-83 है।

> भ्रार० श्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-2-1984

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

भायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के क्रमीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984 निदश सं० पी० श्रार० नं० 2872—श्रत: मझे, श्रार० श्रार० गाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.स.में इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० एफ० पी० नं० 220/2, एस० पी० नं० 21,21/2 से 21/4, टी० पी० एस० 3 है तथा जो शेखपुर-खानपुर, दर्शन सोसायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यानय, मदाब ाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख 22 जुलाई 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान . प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्धार्थ से उक्त सन्नरण निविद्यत में अम्तिविक रूप से कथित नहीं किया गथा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्त्र में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियानं में स्विधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उन्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स बेलाबेन कान्तीलाल गोपालदास, दर्शन सोसायटी, स्टेडियम के नजदीक, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।
  - (भ्रन्तरक)
- मैसर्स कैलाम टायर को० भ्रो० हा० सोसायटी की भ्रोर से प्रमुख —श्री नयन शान्तीलाल मोदी, खाडीया चार रास्ता. नीशाकी खडकी खाडीया, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोड़ों भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड श्वित्यों में से किस्ट व्यक्ति दुश्राहः
- (त) इस सूचनः के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीष्ठ थे 45 दिन के भीतर उनत स्थायः सम्मन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सक्षण

म्यद्धीकरणः — इसर्य प्रश्वास श्रीका श्रीका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 349.833 वर्ग यार्ड है जो शेखपुर—खानपुर, ग्रहमदाबाद से स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ना बिक्रीखत नं 10566/22-7-83 है।

> श्रार०श्रार०शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारी**ख** . 15 2-1984

माहर:

# प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज I. अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984 निर्देश सं० पी० आर० नं० 2873/23-1/83-84—यन मुझे, आर० आर० शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 58, पैकी एस० पी० नं० 2 सी/1/1, प्राउंड पतोर है तथा जो मोहनलाल करमचन्द अपार्टमेंट, मनीकार, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में शस्तिवक रूप में किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच के निए, और/बा
- (ब) ऐसी किसी लाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आजा आहिए था छिपाने में सुविधा के निक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों कर्यान :---

- । (1) र्थः टोपनदास करमचंद।
  - (2) श्रामती जुहुरीबेन टेक्चंद क्रामचंदा
  - (3) श्री नोकीराम टेसबंट।
  - (4) थी। जयानगन टेकचंद।
  - (5) भोहनदाण करमचंद अपार्टमेंट कष्णाबाग, गनीनगर, अहमताबाद।

(अन्तरक)

अं जानचंद लक्ष्मनदास दरीयानी सी० 1-1, ग्राउण्ड फ्तोर, मोहनंताल करमचंद एपार्टमेन्ट, किकृष्णनदाग, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना बारो करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकर्ग

रषष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# अन्सन्ती

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 72 वर्ग यार्ड है जो मनीनगर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्ता बिकीखत नंज 10176/15-7-83 है।

> आर० आर० शाह् सक्षम प्राधिकारी महायण आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरींज 1, अहमदाबाद

नारीख: 15-2-1984

FIRT :

# प्रकथ बाद् . टी . एव . एस . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमवाबाद

अहमदाबाद, विनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2,874/23-1/8384---अतः मृक्षे आर० आर० शाह

गायकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 390, पैकी पी० एस० पी० नं० 28, टी० पी० एस० 19 है। तथा जो शेखपुर----खानपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित शक्ति रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जल्तरच संहुई किसी बाथ की शबंद, उच्छ जीवनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे चचने में मृतिधा औ तिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रं अर्तारूच्य रामचंद्र पंड्या 5, यारूल सोसायटी अहमदाबाद-14।

(अन्तरक)

 श्रीमती वीताबेन गीतमभाई पालखीपाला 33, सीरथ सोसायटी, ड्रांख इन-रोड़ नवरंगपुरा, अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकों ने।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया संबाहै।

# नगुत्रुची

वीलींग जिसका जमीनका क्षेत्रफफल 667 वर्ग याड है जो शेखपुर--खानपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब एजिस्टार अहमदाबाद राजिस्ट्राकर्ता विक्रीखत नं० 7906, जुलाई 1983 है।

> आर० आर० शाह गक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज I, अक्षमदाबाद

तारीख: 15-2-1984

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यातम, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983 निर्देण सं० पी० आर० नं० 2875/23-1/83-84—अतः मुक्ते, आर० आर० माह,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संवर्टी पीव एसव 1 एफव पीव नंव 88 पैकी हिस्सा नंव 6 है। तथा जो मेमनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इस्ते उपायद अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्म्द्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजर्म्द्रा करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ख 26 जुलाई 1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया विमा प्रतिफल निम्मलिखित अब्देहिय से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुद्दं किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविभा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गन्ना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निष्;

बतः भवः, उक्त बाँधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 26—26GI/84

 श्री गरीणभाई आन्माराम पटेल गाव-मेमनगर जिला--अहमदाबाद।

(अन्तरक)

अध्यामतीः वसंनिवेन जेठालाल अचलायतन सोसायटीः, नवरंगपुरा रेलवे कांसींग, अहमदाबाद।

(अन्तरिर्तः।

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिमित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ंग्या है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 761 वर्ग मीटर है 62 वर्ग मीटर है जो मेमनगर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकाखत न० 10712/ 26-7-83 है।

> गाय० आर० णाह स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर सामुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख: 15-2-1984

# प्र**स्थ भार्यः टी. एव**ः एरा<sub>ळ</sub> ------

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन् रोंज I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2876/23-1/83-84—अतः मृझे, आर० आर० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- हें से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 40/3 और 40/5, टी० पी० एस० 1 एफ० पी० नं० 88 है। तथा जो पैकी हिस्मा नं० 1 मेमनगर अहमवाबाद में स्थिमे हैं (और इसने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृप ने विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के नार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जुलाई 19843

(1908 की 16) के अधीत, तारीख 26 जुलाई 19843 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह बिश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके रम्यान प्रतिफल से ऐसे रम्यान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पासा गया प्रतिक का निम्नितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पासा गया प्रतिक का निम्नितियों के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पासा गया प्रतिक का निम्नितियों के बीच एसे बन्तरण संतरण सिवित में बास्त्रीयक का है कीचता नहीं दिवस पासा है है—

- (क) जन्तरण वं हुई जिल्ली जान की वावत उक्त जिल-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए बौर/क
- (व) देनी जिन्ही लाग या जिन्ही भन वा अन्य वास्तिवों की, जिन्हों भारतीय लागकर लीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लीभीनयम, या भन-कर लीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गुमा वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा भी जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियाँ, अर्थात्:---  श्री आत्माराम जेसिंह भाई पटेल गांच—मेमनगर जिला—अहमदाबाद ।

(अत्रतरक)

2. मैसर्स दं।पदर्शन का० ऑ० हा० सं:सायटे। चेथरभेन एन० के० पटेल पटेलवास, गांध---सरखेज, जिला अहमदाबाद।

(अन्तर्रितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **म**म्सूची

गर्मान जिसका क्षेत्रफल 686 ो 140 वर्ग मीटर है जो मेमनगर अहमदाबाद स्थित है तथा सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्द्रीकर्ता विकाखत न० 10706/26-7-83 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जात रेजी, अभुवक्षधाद

ताराख: 15-2-1984

प्ररूप आई. टी. एर एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज रि, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 फ एघरेर 1984 निर्देश सं० पॅर० आर० नं० 2877/23-/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाृह,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकां संव सर्वे नंव 40/3, 40/5 टीव पित एसव 1 एफव पांव नंव 88, है। तथा जा पैका हिस्सा नंव 8, 9, 10 मेमनगर अहमदाबाद में स्थित है (अवेऔर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में बणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायिलय अहमदाबाद में पिजर्व्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 26 जुलाई 1983

को पूर्वा त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बतरण के लिए तय नाया ग्या प्रतिफल कि निम्नितिसित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य 'आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियो, अर्थात् :~-

- 1. (1) श्री इन्दरभाई जुशीगभाई पटेल।
  - (2) श्री प्रमुखभाई इन्दर भाई पटेल।
  - (3) श्री रमनभाई इन्दरभाई पटेल गांव मेमनगर जिला—अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मैंसर्भ दीपदर्शन को० ओ० हा० सोसायटी चेयरमेन श्री एन० के० पटेल पटेल वास, गांव---सरखेज जिला---अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

काँ यह स्वाना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के िलए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

जमीन जिसका क्षेत्रफल 429+ 82, 427 + 82, 714+ 82 वर्ग मीटर है जो मेमनगर, जिला अहमदाबाद में स्थित है जबा सब एजिस्ट्रांक्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रांक्ट्रांक्ट्रांक्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रांक्ट

अार० आर० माह सभम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 1, अहमदाबाद

तारीख: 15-2-1984

प्ररूप आई. ्टी. एन., एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज  $^{\mathrm{I}}$ , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक  $^{\mathrm{I}}$ 5 फरवरी  $^{\mathrm{I}}$ 984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2878---अन: मुझे, आर० आर० णाह

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 1109, प्लोट नं० 13 है तथा जो सत्याग्रह छावनो, बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रोक्स अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जुलाई 1983

कों पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अनारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निव्नितिशित व्यक्तियों, अर्थात् इ---  श्री फ्लाम फिरोजणाह मीठावाला बी०-1, अनंत अंपार्टमेंट, मानेस्वाग हाल के सामने अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 मैसर्स जे० सुरेश वल्लभदास शेठ 8. रंग विहार न्यू शारदा मंदिर रोड़, अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## वनसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड है जो बेजलपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्टार अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकर्ता विकीखन नं० 10611/25-7-83 है।

> आर० आर० माह् सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज 1, अहमदाबाद

ारो**ख:** 15-2-1 984

त्र शहर 🛭

प्रकृप आई. टी. एन. एस. - - - - --

अप्रकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 फरनरी 84

निर्देश नं० पो० आर० न० 2879—-अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और भिसकी सं० सैक्टर नं० 3, प्लाट नं० 7 है तथा जो सत्याग्रह छावना, बेजनपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्याच्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बद्दममान प्रतिफल से, एसे इद्दममान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनियत व्यक्तियों, अर्थान् :--

(1) नर्मदाबेन नरभेराम हफ्फर के०/आ० मानेकबाग स्त्री अध्यायन मंडीर, पोस्ट-अआलज, न्।ल्का-न्यसकार, भिना अहमदाबाद

(अस्तरक)

(2) श्री रामस्त्ररूप मुरजमल अग्रवाल के/श्री० ग्रीब ट्रान्सपोर्ट कंपनी, फालुपुर, दानपीट फालुपुर अहमदावाद

(अन्तरिती)

को यह सूधन् जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त संभारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क्ष) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उसत् अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अम्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 805.55 फ्लीन्य के साथ है जो सत्पाग्रह छावनी, बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रोकर्ना विकोखत नंज 10224/16 जुनाई 83 है।

> अत्रव आरव माह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारी**ख** :- 15-2-84 मोहर :

# प्ररूप आर्च, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 84 निर्देश सं० पी० आर० नं० 2889/23-1/83-84

अतः मुझे अ।र० आर० णाह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का (अप) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा प्राप्ति ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी मं० एफ० पी. नं० 163 टी० पी० एस22 है। तथा जी पालकी अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण क्य में बिणत है ), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन 22 जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मनहरभाई कैसाभाई रोजासरा सारकवाड सारंगपुर अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ताबेन शान्तीलाल शास 225, फुबाबालो खांची दोशीबाडा खानपुर/ अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदृष्ठ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

अरार्टमेंट जिसका क्षेत्रफल 67 वर्ग यार्ड है जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 10591/22 जुलाई 83 है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज—ा; अहमदाबाद

लारीख :- 15-2-84 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन्.एस.,----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

# भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमधाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० पो० आर० नं० 2881--यनः मुझे, आर० आर० णाह

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269' के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ०पी० नं० 258, टी० पी० एस० 22, प्लीट नं० 9 है तथा जो ड्रूगरसीनगर को० ओ० हा० सोनायटी पानडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्प से विणित है), रिजस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीयरण अधिनयम 1908

1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 जुलाई 1983 को पूर्वीक्स सम्पित्स के उचित धाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तम पाया गया प्रतिकाल निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिसिस्त में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जान की बानत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के योदित्य में कमी करने या उससे क्वने के स्विधा के तिहर; बीड़/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया थाना वाहिए था, जियाने अस्मितियम के निया के निया के निया के निया के निया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---  मैसर्स दुर्गाबेन शहलाल मुकल 9, दुंगरशीनगर को० आ० हा० सोसायटो पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

अः नवोनचंद गोरधनभाई अमीन श्रीमती सुनीताबेन नवोनचन्द गांत्रं — बरात तालुका घोलका, जिला — अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर धक्त स्थान्द सम्पत्ति में हित्सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताकारी के पाद निष्यत में किए था सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स् भी

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 95 वर्ग मीटर है जो थालडो अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्द्रार पालडी र्रोजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10577/22-7-83 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आरक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

ता**रीख**ः 15-2-1984

भोहर :

# प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश नं०पो० आर० नं० 2882---यंतः /23-I/83-84 मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्षत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

और जिनको सं० एफ० पी० नं० 997 (1+2) टो० पी० एस० 3. है तथा जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है ( और इसने उपाबद अनुसूजी में और पूर्ण रूप से विणित है ), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के सार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रोक्सरण अधिनयम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन जुलाई 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित याजार मूल्य में व्यम के हक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखन में बास्तियक हप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनियध के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रोसती क्षमलाबेन क्ष्यामसुन्दर 'बेलेब्यू एलीसब्बीज रेलवे स्टेशन के नजदोक , अलोसब्बीन अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) माधुरोबेन मुलजीभाई मानेक बा/3, पोचरत अपार्टमेंट, महालक्ष्मी चार रास्ता, पालडी; अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

च वत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरी।

स्थल्यीकारण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट जिनका क्षेत्रफल 117 वर्ग यार्ड है जी पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा एव रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रोकर्ता विकिखते नं ० 1869/जुलाई 83 है।

> अग्र० आर० साह् स्थाम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण अर्वन रेंज<sup>ा</sup>, अ**हमदाशा**द,

तारीख :- 15-2-83 मोहर: प्रस्प बाहर टी. एन एस -----

# आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 फरवरी 84 निदेश नं० पी० आर० नं० 2883/23-1/83-84--यन: मुझे, आर० आर० शाह.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 516, टी० पी० एस० 1, एफ० पी० नं० 14-2 पैकी है तथा जो एस० पी० नं० 1, 2,3,4,5, वेजलपुरा, अहमदाबाय में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावड अनुमूची में और पूर्ण मा वर्णित है), रिजर्म्द्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय,अहमदावाद में रिजर्द्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 28-7-83.

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्वपमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि एथाएथों तह संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसि श्रूपमान प्रतिकल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतर ह (प्रतिस्कों) और अंतरिती (अंतरितिथों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल विस्तितिथीं) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल विस्तितिथीं उद्धारण से सकत अन्तरण लिखित में बाल्यिक का प्रतिक्ल विस्तिथीं सही विस्ता से सकत अन्तरण लिखित में बाल्यिक का प्रतिक्ल के स्वार्थ सही किया स्था है:--

- (क) अनुराध महाद्वी धिक्रमी आम भी माबता, उक्त व्यक्तियम की अभीन कर दोने को अन्तरक को यायित्थ में कर्टी करने या उसरों अचने में सुविधा की लिए; कौर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय ज्ञाग-कर अधिजिसमा, १०३१ (1922 का 11) या उक्षत अधिजिसमा दा धनकर अधिजिसमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरितो ख्ञारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269 के कि उपसास (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत १—— 27—26GI/84

(1) श्री कान्तीलाल गुलाबली ठाकोर, डाह्माभाई गुलाबली ठाकोर, जयंतीलाल गुलावली ठाकोर, कनुभाई गुलाबली ठाकोर, रामसिंह गुलाबली ठाकोर, भुदरपुरा, आंबाबाडी, अहमदाबाद,

(अन्तरक)

(2) सत्यनारायन को०आ० हा० सोसायटी लिमिटेड, चेयरमेन-श्री मनमुखभाई गोकलभाई, मेकेटरी-श्री महेन्द्र रनछोड़भाई पटेल, लक्ष्मी मोसायटी, वेजलपुर रोड, अहमदाबाद.

(अन्तरिती)

्रको यह सृ**ष**ना कारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उन्स सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोंद्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  मूचना भी तापील में 30 दिन की प्रचिध, प्राभी
  संबंधि बाद में समाप्त होती हों। के भीतर पृवक्ति
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उत्थन स्थावर संपत्ति में हिसबद्धा किसी अन्य करिक्त युवारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

#### अनसची

जमीन जिसका क्षेत्रफल  $847 \times 5 = 4235$  वर्ग यार्ड है जो वेजलपुर जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं 0.0823, 10824, 10827, 10830, और 0.0831/0.0828, 0.0828

भाग्व आरव माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद.

तारीख: 15--2-84

माहर :

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद.

भहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 84 निदेश नं∘ पी० आर० नं० 2884/23-I/83-84--यत:

मुझे, आर० आर० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 20, टी० पी० एस० 6, एस० पी० नं० 4 ए, है। बैंक तथा जो प्रॉफ बरोदा स्टाफ को० आ० हा० सो० लिमिटेड, पालडी अहमदाबाद जय भीखु रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 28-7-84

को प्रेंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्कें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाम प्रमा प्रतिफल निमालिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा ने लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिथा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाह :--- (1) श्री णान्ति लाल श्रंबालाल पटल, ए-17, भपानी कोआप्टेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, करोली बाग, बरोड़ा,

(अन्तरक)

(2) श्री दिव्यकान्त गोविदलाल पटेल, श्रीमती श्रंजना दिव्यकान्त पटेल, 4-ए, बेन्क आफ बरोदा स्टाफ कोआप्रेटिब हाउसिंग सोसायटी, जय भीखु मार्ग, नारायण नगर रोड के नजदीक, पालडी, अहमदाबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबस संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 306 वर्ग यार्ड है जो पालडी अहमदाबाद में स्थिल है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्नी विक्रीखन नं० 10822/28-7-83 है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमवाबाद.

सारीख: 15-2-84.

# प्रकृष आर्घ. टी. एन. एस्.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 15 फरवरी 1984.

् निन्नेम सं० पोर० म्रार० नं० 2885/23-I/83-84---यतः

मुझो, आर० आर० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 600 पैकी एफ० पी० 114 पकी है तथा जो नेजलपुर अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से निजत है), रिजस्ट्रीफर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 11-7-83.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुए किसी भाग की नावत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, का
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री तुलसीभाई भलाभाई पटेल वासना, मकतामपुरा, अहमदाबाद.

(अन्तरक)

(2) अमृतजीवन कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, चेयरमेन-श्री चंद्रहान्त अमृतलाल निवेदी, 12, न्यू प्रशा कोशापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, वासना अक्ष्मवाबाव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेपः ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या कर्मवंधी व्यक्तियों पर स्चना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तिया सामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही पथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया नया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 9722+7152 वर्ग यार्ड है जो वेजलपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 9943/11--8-83 है।

आर० आर० माह समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबादः

तारीख: 15-2-84

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, अहमदाबद

अहमदाबाद दिनांक 10 फरवरी 1984 निदंश नं० पी० आर० नं० 2886/23-1/83-84--यत: मुझे, आर० आर० शाहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । सिके परचात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग जो दुर्बासागार प्लाट नं० 13 ए, जलाराम है तथा जो सोसायटी के पीछे जूनागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध जनुसूर्वा में ग्रीर पूर्णक्ष में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार धृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामर्जाभाई सपर्जाभाई वलारिया, गांव भान्दुरी तालूका—मालीया हातीना, जिला जूनागढ़,

(अन्तरक)

(2) श्री उमेदभाई गोकलभाई दलसानीया, 1, नानी दानायी सोसायटी, जुनागढ़,

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में दियें आ सकरें।

स्पष्टीकरण:--्इसमं प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में विवा गदा है।

## अनुसूची

बिल्डिंग जो जूनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार जूनागढ़ रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं 1633/19-7-83 है।

> आर० आर० गाह् समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I.अहमदाबाद

नारीख: 10-2-84.

माहर 🛭

प्रस्य काई. टी. एर. एस. . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदात्राद. श्रहमदाबाद, दिनांक 6 सार्च 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2887—श्रत: मझे, श्रार० श्रार० शाह,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 260 का करधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप गथिकार अधिक है विश्वास करने का कारण है कि स्थाप गथिक है

भौर जिसकी सं० फतैट फलावड रोड़ पर सर्वे नं० 456 है। तथा जो ज्योति अपर्टभेट फ्लैट नं० 11 ऑए 12 राजकोट में स्थित है (सीर इक्ते उपायद्ध धनमूची में भौर पूर्णस्प मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-83.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय बायक र अधिनियम, 1922 (13-22 का 14) में उनका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, टक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं: अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित, व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) मैसर्म ज्योति प्रगर्टमेंट कम्पती, भागीदार-श्रो वसंतराय जयत्रंद गार्धा, गुजरात हाउसिंग बोर्ड, फलावड रोड, राजकोट

(ग्रन्तरक)

(2) तीरमलाबेन जयंतीलाल णाह, ज्योति श्रपार्टमेंट फ्लैट, फ्लैट नं० 11 श्रीर 12. फलावड रोड, राजकोट

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनसूची

पलैट जो फलावड रोड़, ज्योति श्रपार्टमेंट, फ्लैट नं । 11 श्रार 12 है जिसका रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं । 3126/22-7-83 है ।

ग्नार० ग्नार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद.

तारीख: 6-3-84. मोहर : प्ररूप आहरं. टी. एन. एस.-----

# कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सुभीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 2888/23-I/83-84—- ग्रंत मझे, ग्रार० ग्रार० शाह,:

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शिरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

की सं० बिल्डिंग श्रेयस सोसायटी में है तथा जो रेसकोर्स रोड़ नजदीक राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-7-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रात्म के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस, निम्निलिशत उद्देश्य से उसके अन्तरण लिश्वित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त्रिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कस्तुरबेन कान्तिलाल कोटेचा, श्रेयस सोसायटी, रेसकोर्स रोड़ नजदीक, ग्रागित्राद, राजकोट

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती रजनीकान्त भोजानी, प्लाट नं० 21, श्रेयस सोसायटी 'श्रार्शावाद', रोड़ नजदीक, राजकोट,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पत्रधीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित इंक, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

बिल्डिंग जो रेसकोर्स रोड़ नजदीक, श्रेयस सोसायटी में हैं जिसका रिजस्ट्रीकर्ना रिजस्ट्रेगन नं० 3907/1-7-83 हैं।

ग्रार० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-I, श्रहमदाबाद.

तारीख: 6-3-84.

माहर 🖫

परूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यासक, सहायक वायकर वायक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज-1 ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 2889—यत: मुझे, श्रार० ग्रार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग 14, सरदार नगर है। तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ,नुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, ता० 22-7-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उच्देश्य मे उबत अन्तरण लिखित में बास्तिक कथ से कि धित नहीं कि या गया है:----

- (क) जन्तरण से हुन्दैं किसी जाय की काबल, जानन अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक क दायित्व में कामी करने या उससे ज्वने में मृतिका के निए; बहु-/बा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए ५, छिपाने में द्विरिधा के निए:

बर्तः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरक में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीर, निम्नुलिखित व्यक्तियों, गर्थात् :—— (1) श्री हेमचंद दयाल जी मेहता, श्री वसंतलाल हेमचंद मेहता, श्री कान्तिलाल हेमचंद मेहता, 14, सरदार नगर, राजकोट,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रंजनबेन रतीलाल साह, 'णान्तिभवन', 14, सरदार नगर, राजकोट,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाल्या प्रति हुँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति सुवारा
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर पम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्स्ची

विल्डिंग जो 14, सरदार नगर में स्थित है जिसका रजजस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेगन नं० 546/22 - 7 - 83 है।

श्रार० श्रार० शाह मक्षम पाधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 6-3-8 <u>↓</u>

प्ररूप बाह्र .टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालयः महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-। श्रह्मदाबाद
श्रहमदाबाद दिनांक 6 सार्च 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परुचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ल के अधीन मधान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 (00) (- 25) से अधिकारी

ष्प्रौर जिसकी सं ि ि । जिसका सर्वे नं 451-1-2 है तथा जो प्लाट नं 7 पैकी एस० पी० नं 3, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपादद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण व्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारीख 4-7-83.

का पूर्वीवित संपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाप्वीवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगके बश्यमान प्रतिफल में एमें इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विस्कृतियों से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विस्कृतियोंने से उचित नहीं बिह्या गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वासन्ति देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

लभ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण की, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसमं श्वाना कापंरिशन, गोंडल रोड़, राजकोट,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र जय मुखलाल पारेख, 21, जागनाथ प्लाह, स्वीरंडल, राजकोट,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सुबना के राजपत्र में प्रचाशन की तारील में 45 दिस के भीतर उबत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी राज्य व्यवित द्वारा अथाहेश्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकरी।

स्पध्दीक्षरणः -- इसमे प्रय्वत शब्दों अरि पर्दों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुसर्ची

बिल्डिंग जिपका सर्वे नं० 541-1-2, प्लाट नं० 7, एस० पी० नं० 3 है, जिनका रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 4154/4-7-83 है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रानुक्त लिरीक्षण श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

नारीख: 6-3-84.

प्ररूप आइ<sup>\*</sup>.टी. एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 2891—यत : मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 11, इन्डस्ट्रियल एरिया है तथा जो नूतननगर 1, महुवा जिला-भावनगर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णच्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महुवा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 29-7-83.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/आ
- (क) एंसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण कों, मीं, उपत् अधिनियम की धारा 269-म की उपप्ता (1) को अधीन, पिम्निल्सित व्यक्तियों, स्थिति :---

28-26 GI 84

(1) श्री श्रनंतराय शान्तिलाल **ग्राशरा ग्रौर** श्रन्य, लारी बाजार, महुवा, जिला–भावनगर,

(ग्रन्तरक)

(2) मुक्तागौरी लाभणकर जोशी स्त्रौर स्नन्य, नुतननगर, महुवा, जिला भावनगर,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के हिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्तभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों आहे, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिल्कत जो प्लाट नं० 11, इन्डस्ट्रियल एरिया, जिला— भावनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 139/29-7-1983 है।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-3-84.

मोहर :

प्ररूप आर्खा. टी. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 शहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 29 फरवरी 84

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 2892/23-I/83-84 ---भ्रत: मुझे, ग्रार० भ्रार० शाह,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 75, टेनामेंट नं० 24 है। तथा जो मनीष कोग्राप्रेटिय हाउसिंग सोसायटी वाडज, महमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ता० 5-7-83.

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मधुकान्ताबेन त्रासुदेव पटेल, 120, नानी महेताफी योल, वाडीग्राम, दरीयापुर, श्रहमदाबाद,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनुभाई वलदेव पटेल,
टेनामेंट नं० 24,
मनीष कोग्राप्रेटिव हाउसिंग सोसायटी,
श्रंकुर चार रस्ता से ग्रागे,
मनीष हाल के नजदीक,
नारनपुरा, श्रहमदाबाद,

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविष्ट्रमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

#### अनुसूची

टेनामेंट नं० 24, मनीष कोम्राप्रेटिव हार्ज्ञासँग सोसायटी नारतपुरा ग्रहमदाबाद तथा सब रिजस्ट्रार भ्रहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्ता विकीखत नं० 9723/5-7-83 है।

> ग्रार० श्रार० शाह समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-2-84.

मोहर :

प्ररूप बार्च .टी.एन.एस.------

द्यायकर मिश्रियम, 1961 (1961 मा 43) की छारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

**प्रह**मदाबाद दिनांक 29 फरवरी 84

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 2893/23-I/83-84 ∼-श्रत : मुझे, श्रार० ग्रार० गाह,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावाद संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 8,11-1 से 5, 12-1 से 2, 13, 15-1, 2-16-17, 26-1 से 4 है तथा जो चैकी सर्वे नं० 88 प्लाट नं० 99, थलतेज, भ्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ता० 15-7-83.

कारे पूर्वा क्या सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वो कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए स्य पावा गया प्रति-क्ष्त, निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर्/मा
- (वा) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियां कते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में स्विधा के निए;

अल अम्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुलोचना जितेन्द्र जोशी, 26, निरमान सोसायटी, म्रलकापुरी, बरोडा,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिद्धार्थभार प्रेमनाथ बफाया, 35, धाती सोसायटी, सरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद.

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी** आक्षेपः---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनतची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 338 वर्ग मीटर है जो थलतेज ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10173/15-7-83 है।

> मार० मार० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज—I महमदाबाद

तारीख: 29-2-84.

मोहर 🖫

# प्ररूप मार्ड . टी . एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 फरवरी 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 2894——यत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 11-1 से 5 पैकी एफ० पी० 30-ए, भाई काकानगर है तथा जो कोग्राप्रेटिव हाउमिंग सोसायटी थलतेज श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यद्ध प्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-7-83.

- को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्त-रिती (मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के किए, बौर/बा
  - (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा को सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री नरेन्द्र भीमभाई पटेल,
 84, सनराइज पार्क,
 मेमनगर, ग्रहमदाबाद.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेश वसन्तलाल णाह, नीकीता अपार्टमेंटस,, गोयल गराजे के पीछे, आश्रमरोड, उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद.

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्राँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में में किसी स्यक्ति सुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरों के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा दै।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 560 वर्ग यार्ड है जो थलतेज जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद' रजिस्ट्रीकर्सा बिकीखत नं० 10592/28-7-83 है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- श्रहमदाबाद

तारीख: 29-2-84.

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज,--!, ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 2895/23-1/83-84-यतः मुझे,

श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 24 पैकी टी० पी० एस० 18 एफ०पी 29 पैकी है तथा जो शाप नं० 108, फर्स्ट फ्लोर श्री महाबीर इलाथ मार्केट भ्रोनर्स एसोस्पियेशन में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबढ़ प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रेणुकाबेन दीपकभाई घीया ए०यू०एफ० के कर्ता श्री दीपक कान्तीलाल घीया श्री नकुल दीपकभाई घीया सगीर

श्री निकेता दीपककुंमार घीया पंचशील सोसायटी, उस्मानपुरा, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) हरी श्रोम कारपोरेशन की श्रोर से एफ० भागीदार—— श्री श्रर्रावद कुमार इन्दुभाई पटेल, 'हरीकृपा' संतराम रोड, नाडियाड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इरा सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्राफिस जो पहली मंजिल नं० 108, श्री महाबीर क्लोथ मार्केट ग्रोनर्स एसोस्गिंगन में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 275 वर्ग फीट है तथा सः इमवाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकी खत नं० 9761/6~

> श्रार० श्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>ग्रायुक्त</mark> (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-3-84

मोहर :

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)  $\frac{1}{2}$  श्रहमदाबाद  $\frac{1}{2}$ 

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 6-3-84

निदेश सं० पी०श्रार० नं० 2896/23—<sup>[</sup>/83-84,—यतः सुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एफ० पी० नं० 59, एस०पी० नं० 3-धी, राजपुर, हीरपुर है तथा ओ 3-सी, भाग्यनगर रामबाग, मनीनगर, भ्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्वा श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूक्य, असके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिबित उद्वेश्य में उन्त अन्तरण निवित्त में वास्त-निक क्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी आयु की बाबत, उक्त सिंधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया या वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

बतः बब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री कान्तीलाल केशवलाल गाह 1737, पहला चोखपा, तलियाकी थोल सारंगपुर, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकुंदलाल चंदुलाल गाह 3-बी, भाग्यनगर को०स्रो०हाउ० सोसायटी, मनीनगर, रामबाग, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गार्क्ष :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्थानित यूं में से किसी अयिक दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल दिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

बिल्डिंग जिसका क्षेत्रफल (जमीन का) 326.75 वर्ग यार्ड है जो मनीनगर ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खाता नं० 10845/29-7-83 है।

> म्रार० म्रार० माह सक्षम म्रिधिकारी सहायक म्राकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-I, म्रहमदाबाद

दिनांक 6-3-84 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (न) के अधीन सूचना

#### बारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद श्रहमदाबाद, दिनोक 6-3-84

निदेश नं० पी०श्रार० नं० 2897/23-I/83-84—-यतः मुझे, स्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 137-7-ए बी० है तथा जो राजपुर, हीरपुर, मनीनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अरेर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की साबत, उक्त अभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; जौर/वा
- (व) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर समिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री जेटागाई शिवाभाई
लक्ष्मनभाई जेटाभाई ग्रीर श्रन्य
की ग्रीर से कुल मुख्तयार—
श्री नटवरलाल लीलाचंद भावसार,
म्युनिसिपल हैल्थ स्टाफ क्वार्टर्स,
भैरवनाथ, मनीनगर, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मानवमोती को०ग्रा० हाउ० सोसायटी, लिमिटेड, चेयरमैन—श्री मोतीलाल मनीलाल वाघेला, एस० जी० ग्रस्पताल स्टाफ क्वार्टसं, मनीनगर, श्रष्टमदाबाद ।

(अन्तरिती)

का मह सूचना **चारी करके प्**रविंक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दोक्षरणः — इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त कथिनियम, के अध्याब 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समा हैं।

### जन्सूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1331 वर्ग यार्ड है जो मनीनगर श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्री खत नं ० 10854/29-7-83 है।

श्रार० श्रार० गाह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 6-3-84 मोहर : प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सृष्टना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6-3-84

निदेश नं० पी०श्रार० नं० 2898—श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुट. से अधिक है

श्रोर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 46/5, 411/3, 407/1/1, 409, 406/1/1/2, 4, 407 एफ० पी० नं० 48, 52, 55 श्रौर 65 टी०पी०एस० 12, रोड 84 में है जो श्रनंत को० शो० सोसायटी इन्डस्ट्रियल एस्टेट बिजय मील नजदीक नरोडा रोड़ श्रहमवाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30-7-83

को पूर्वेक्त संस्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह बिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाज़ार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुं किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्यिधा के लिए;

अत:, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती कलगीनाबेन देवेन्द्रप्रसाद 27, 28 जय भगवान सोसायटी, प्रिया टाकीज के पीछे, सैक्मुर बोघा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) स्राणीर्वाद होजीयरी रोड नं० 84, श्री भ्रमंत को०स्रो० इन्डस्ट्रियल एस्टेट लिमिटेड, विजय मिल के नजदीक, नरोडा रोड, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्विक्रत क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

रोड नं० 84, ग्राशीर्वाद होजयरी ग्रहमदाबाद जो ग्रन्त इन्डस्ट्रियल को०ग्रो० एस्टेट लिमिटेड, नरोडा रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिन्नी खत नं० 10917/30-7-83 है।

> ग्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक 6-3-84 मो**ह**र: प्ररूप आर्द्: टी. एन. एस.-----

भामभार मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन मुख्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

**अहमदाबाद दिनांक 6 मार्च 1984** 

निदेश नं० पी० कार० नं० 2899-अत: मुझें, भार० कार० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० सर्वे नं० 295-2, 296, 397 पैकी है तथा जो गांव बोयल, जिला अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में ग्रौर पूर्णरूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नीमिश्ति उद्वर्षय से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक का से कीयत नहीं किया नया है :----

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना जर्तहण था, जिल्हाने में मुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :——
29—26 GI/84

(1) श्रीमती मनीबेन जीवाभाई पटेल, श्री भीखाभाई जीवाभाई पटेल, (कर्ता भाफ एच० यू० एफ० के०), श्रीमती सुखीबेन जीवाभाई पटेल, गांव बोयल, जिला—अहमदाबाद.

(अन्तरक)

(2) जानंद विहार कोशापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, चेयरमेन-श्री भीखाभाई इंपरभाई पटेल, के०/ग्रो० श्री ग्रंबालाल सोमाभाई पटेल, पहलवान बीड़ीपानाका बंगला, गाहीबाग, अहमदाबाद,

(अन्तरिती)

न्त्रे यह त्याना चारी कर्के पृत्रों क्य सम्बद्धि के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विष की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा क्योइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा ककी।

स्युक्तीकरण:-- मुसमें प्रयुक्त मध्यों बीड पूर्वों का, को अन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्य होगा को उद्ध अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़ 16 गूंडा (16454 वर्ग यार्ड) है जो गांव बोयल-जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 8496/जुलाई 1983 है।

> आर० आर० शाह वजन प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जजन1, अहमवाबद.

तारीख: 6-3-84.

मोहर 🖫

प्ररूप् नाहै दी एत एस : ------

भावकार व्यक्तिसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्धीन सचना

### भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद अहमदाबाद दिमांक 6 मार्च 84

मिदेश नं० पी० छार० न० 290<del>0 जतः मुझँ,</del> जार० जार० शाह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं विस्डिंग, सीटी सर्वे नं 39/जी 0/5/ प्लाट है सथा जो नं 12/1, जामनगर-9, पर्टेल कालोनी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्या के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्शेष्य से उच्च बंतरण किचित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाय की वाबत, उक्त जिभिनियम् के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्तिया में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ज्योन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधितः—

(1) श्रीमती महालक्ष्मी धीरजलाल पैश्रनप, श्रीमती रेवाबेन इन्धरलाल ध्र्य, मध्रुवन 4, पटेल कालोनी, जामनगर,

(अन्तरक)

(2) श्री हरीशकुमार संपतलाल सुतरीया, श्रीमती वीनाबेन एच० सुतरीया, श्रीमती भानुबेंन बाबुलाल, हीतेष धीरजलाल कोठारी, संजीवकुमार बाबुलाल मेहता, श्रीमती गुनवंतीबेन डी० मेहता, कस्यान जी मंदिर के नजदीक, जामनगर,

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किये जा सकेंगे।

स्व्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पर्यों का, जो उक्त बिश्वियम के अध्याय 20-क में परिभाषित : हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है

### वनुसूची

बिहिडग जो 9, पटेल कालोनी, सी० टी० सर्वे नं० 39/जी०/5, प्लाट नं० 12/1, है जिसका रिजस्ट्रीकर्ती रिजस्ट्रेशन नं० 2258/25-7-83 है।

(आर० ग्रार० शाह, समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज-1 बहुमवाबाद

सारीखर: 6-3-84.

मोहुरः ३

प्ररूप बाह<sup>र</sup>ु ट<u>ी.</u> एन<sub>ः</sub> एस<sub>ः र</sub>-----

आयकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार



कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984 निदेश नं० पी० आर० नं० 2901—अत: मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० बिल्डिंग जो सर्वे नं० 169/एच०/4, है तथा जो खंभालिया दरवाजा बादर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-7-83.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री अमृतलाल फुलचंद शाह, श्रीमती पुष्पार्वेन अमृतलाल शाह, म्यु जेंल रोड़, वजीरपुरा, जामनगर,

(अन्तरक)

(2) भानुकाली नरोत्तमभाई देवजीभाई, भानुकाली वाड, हवाई चौंक, जामनगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में क्रिकेट भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करीं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पाधिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

बिल्डिंग जो संभालिया दरवाजा बाहर सर्वे नं० 169/ एच०/4 है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेगन नं० 2230/ 18-7-83 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद.

तारीख: 16~3-84.

मोहर 🏗

# मुक्त वाही.की , इन् , एवं , -------

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सुवना

## EIST STEELS

कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज-6 अहमदाबाव अहमदाबाद दिनांक 6 मार्च 1984 निदेश नं० पी० आर० नं० 2902—अत: मूझे, आर० सार० शाह,

बायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के बधीय सकाम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से मिथक है

ष्मीर जिसकी सं० जामनगर सी० टी० सर्वे नं० जी०/4/1, प्लाट नं० 2 है तथा जो प्लाट नं० 21/2 स्वस्तीक सोसायटी जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ष्रधीन, तारीख 6-7-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की वर्ष है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकल से एसे दूर्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विश्विम के वशीन कर दोने के जन्तरण के बाबित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा ने विष्; कीर्/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विया वे किए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री धीरेन्द्र मनीलाल मेहता ग्रीर, श्रीमती प्रीतिबेन रजनीकान्त मेहता, 45, दिग्विजय प्लाट, जामनगर,

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कितीक बिल्डसं,
के०/स्रो० श्री एघ० बी० मारवाड़ी,
मारवाड़ी पलैटस्,
स्वस्तीक सोसायटी के नजदीक,
जामनगर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्मित्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## बन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित स्थावता में से किसी स्थावत ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकती।

स्वव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

### वन्स्यी

जमीन जो जामनगर स्वस्तीक सोसायटी सी० एस० नं० जी/4/1 चैको प्लान नं० 2, प्लाट नं० 21/1 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं०  $\cdot 2102/6-7-83$  है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1 **अहम**दाबाद

तारीख: 6-3-84.

मोहार 🖫

प्रधार आहो. टा. एन. **एस.**,≘≘--≘≌---

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अर्जन रेंज **श**हमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 6 मार्च, 1984

सं० पी० आर० 2903/23/1/83-84,—अत/ः मुझे आर० आर० माह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० बिल्डिंग जो 6, पटेल कालोनी मुख्य पार्ट 'जी' है। तथा जो थीट नं० 5 सर्वे नं० 39, प्लोट नं० 31 मील्बत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 जुलाई,

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंति,रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है.—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की नानत, उक्त अधिनियम के नधीन कर दोने के अंत्रक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

बतः ज्रुब, उक्त ज्रिधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ व्यक्तियों, अर्थात् ु—

 श्री कल्यानजी रतना सत्तपारा, धुपाप नाका बाहर, जामनगर

(बलरक)

श्री जीवनराम रेवा चंद मोटयानी,
 6, पटेल कोलोनी,
 जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुष्पितिः के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति या औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अशासन की तार्शित से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबद सम्पत्ति में हिद्दक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सुन्यों नीर पतीं का, वो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा वो उस सध्याय में विजा गया है।

## यमुसूची

बिल्डिंग जो जामनगर 6, पटेल नगर कालोनी में स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी रिजस्ट्रेशन नं० 2100/6-7-83 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अञ्चयदाबाद

तारीख 6-3-1984 । मोहर: अरूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निवेश सं**० आर० न० 2686/Ш/83-84—यतः मुझेः** आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव सर्वे नंव 396, प्लोट नंव 31 से 54 है। तथा जो महसाणा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महसाणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——  श्री मंगेसरण परसोत्तम भायी प्रजापित ससीसटन परसोत्तम भायी प्रजापित मंगुसटन ईश्वर भायी प्रजापित मह्साणा ।

(अन्तरक)

 श्री देवकीनंदन को० आ० सो० हा० के० आफ को० आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी द्वीरा विनोदकुमार भोलाभायी पटेल महसाणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन् सूची

जमीन जो नागसपुर महसाणा में स्थित है जिसका कुल क्षत्रफल 3814 चौ० यार्डस है। सब-रजिस्ट्रार महसाणा में 2346 नसर पुर ता० 8-7-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमवाबाद।

तारीख: 9-2-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज II, अहमदाबाव

**जह**मदाबाद, विनांक 9 फरवरी, 1984

सं० पी० आए० नं० 2887/II/83-84—अत, मुझें आए० आए० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसका सर्वे नं० 47/1, प्लोट नं० 43 से 64 है, तथा जो महसाणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महसाणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-7-1983

को पूर्वोक्त संप्रति का उचित बाजार मूल्य से कर्म के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  (1) पटेल श्रीरामभायी पवन भायी
 (2) पटेल गांडाभायी जी नागलपुर, तह० महसाणा

(अन्तरक)

2. श्रो तुलसी दास को० श्रा० हा० सो० द्वारा भगाभायी जोयलाराम पढेल, किह्लापुर, महसाणां,

(मन्तरिसी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्डिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जो महुसाणा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 47/1, प्लोट नं० 43 से 64 है भीर कुल क्षेत्रफल 37032 चौ० फुट है। सब रिजस्ट्रार महुसाणा में 2347 नंसर पर ता० 7-7-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

> **धार० धार शाह** ृसिक्षम प्राधिकारी **ग्रहायक आयक्त आयुक्त** (निरीक्षण) **नर्जन रेंज II, जह**मदाबाद

तारीख: 9-2-1984।

मोहर 🛭

# भ्र**क्य बार्ड**् टी. एन्. एस्.-----

नायकर निपित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अभीन स्चना

### बाइद सरकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग II, आहमदाबाद

बहुमवाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

सं० पी० आर० नं० 2888/II/83-84—अतः मुझे आर० बार० द्वाह आर० शाह जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिम्मी प्रकार किंग किंग किंग), की धारा 269-ब को जभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/+ फ. से जियक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 2550, 2551 है, तथा जो आणवे में

हिसत है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरती जिलकारी के कार्यालय आणंदे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जिल तारीख 30-7-83 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मूस्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तदिता की गई है और मूक्ते यह विश्वस्स करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिकृत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्तिविक उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्य से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए, बहि/या
- (क) एकी किसी जाय या टिंकसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्ति रिती व्याप प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया

ं बतः। ज्वा, उपत विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण कों, जी, उपत जीपिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) बुं जपीना निम्निजिसिक स्पृतिसमी अर्थात् ४---

- 1. (1) पटेल पूंजाभायी वसालाल
  - (2) पटेल चंचलसरन ग्रंसालाल
  - (3) पटेल समलासरन भंवालाल
  - (4) पटेल शकुन्तलासरन पूंजाभागी द्वारा रजनीकान्त पूंजाभागी गामडी तै० आणंदे।

(अन्तरक)

 मै० कोटीनूर को० आ० हा० सोसायिटी, द्वारा भारकं भायी आटयाभायी पटेंल गणेश पुंजालाय सामने , आणंदे ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहिन्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारी व से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताकृती के पास लिखिश में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

जमीन जो आणंदे में सर्वे नं० 2550, 2551 नंबर पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल कुल 3542 नंबर पर ता० 30-7-83 को रिजस्टर्ड कि गई है।

आर० आर० गाह अभय माधिकारी सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ॥, जहमवाबाद

तारीख: 9-2-1984

मोहर 🖫

प्रकप बाई. टी. एन. एन. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी०श्रार० नं०  $2689/\Pi/83-84$ —श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

अख्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 423, है तथा जो कमरूद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रांणद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4-7-83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत में अधिक है और अंतरित (अंतरितों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेदयों से उक्त अंतरण लिखित में

गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सृविधा के लिए:

अतः अत्र, उक्त किंपिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--30-26 GI/84

 डाड्याभायो श्री सोलंकी, करमसद तह० श्राणंद

(श्रन्तरक)

 परिचायक को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी, केश्चर/ग्राफ : श्रार० एस० दलवन्डी शारदा मंदिर के पास, वरूलभविद्यानगर, तह० श्राणंद

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया चरता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्थापत होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्थापत होती हो,
- (स) इस मूचना के राजपान मां प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति मा हितबस्थ किसी अन्य काक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुखी

जमीन जो करमसद में 493 सर्वे नंसर पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल 1 एकड 2 गृंठा है। सब रजिस्ट्रार ग्राणद में 342 नंसर पर 4-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्रार. णाह् नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

ाता*ीष* 9-2-1984 मोहर ः

## क्षकम बाह्र ही. हव. एस.----

शायकर शाँधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक धायकर शायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

25,000/- रत. से बिधक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 1493/टी०पी०एस० नं० 2 है, तथा जो श्राणंद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनु-सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रामंद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-7-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवींक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एेसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नीनिवित उद्देष्य से उक्त क्तारण मिचित में वास्तिक कर्ष से अभिक त्यू किया मना हैं.--

- (क) बन्दरम से धूइ किसी बाब की बाबत अनत अधि निमय को अधीन कार दोने के जन्तरक को दायित्व में कबी करने वा जससे अपने में नुविधा के जिसे; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज का उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्धात्:—

- 1. (1) शंकर भाई काशीभाई पटेल
  - (2) गंगा सरन श्रसे पटेल
  - (3) पूनम भाई असेभाई पटेल
  - (4) विनोद भाई पूनम भाई पटेल
  - (5) जनक भाई पूनम भाई पटेल 9, मर्युदन सोसायटी, टाउन हाल के पीछे श्राणंद ।

(ग्रन्तरक)

 म्रनुपम को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी केंग्रर/श्राफ एम० शाह, स्टेशन के पीछे , श्राणंदे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दित की अवधि या तत्रम्बन्धी व्यवितयों पर स्कनः की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेदिश स्वित्यों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पाम लिखित यो किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दां और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

जमीन जो आणंडे म सब नं 1493/2 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल 1311 चौ० भी है। सब रजिस्ट्रार आणंदे में 2561 नम्गर पर एम-16-7-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> स्रार० स्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-1984

मोहर:

प्रकप बाइं. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, श्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2691/ /83-84----ग्रतः मुझे ग्रार० ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयता करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 3419/1, 3418/2 है, तथा जो नडीयाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय नडीयाद में रजिस्ट्रीकतारण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 4-7-1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त गंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ए) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध कन्तरिती द्वारा अकट नहीं कियम गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री सुमनभाई मगन भाई पटेल
  - (2) श्री प्रदीप भाई मगन भाई पटेल
  - (3) श्री ग्ररविन्द भा मगन भाई पटेल
  - (4) श्री इन्द्रवदन मगन भाई पटेल नक्षीयाद ।

(भन्तरक)

 साकेत को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी केश्रर/श्राफ श्रार० सी० भाई, नवा शहर, नडीयाद ।

(अन्तरि ७)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपक्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश शं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

जमीन जो नदीयां में स्थित है जिसका सर्वे नं० 3419/1, 2 है, और कुल क्षेत्र फल 4431 चौ० मी० है । सब रजिस्ट्रार नडीयाद में 2467 नंगर पर दिनांक 4-7-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> श्रार० ग्रार० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, **ग्रहमदाबाद**

दिनांक 9-2-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज IJ, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2692/II/83-84—अतः मुझे ग्रार० ग्रार० गाह

आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये सं अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 107, फ्लैट नं० 58 है, तथा जो जेसलपुर, सर्गदा में स्थित है (धीर इससे उपाबन अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप म विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारण कार्यालय बर्गदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-7-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उण्णित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्णित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्मायित्व में कमी करने या उससे बचने में संपिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री श्ररविन्द भाई ए० पटेल, 201, सूर्या एपार्टमेन्ट्स, जिन्च केन्डी, झोरियन्टल, वारदैन रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

 सुमति एनुभाई पटेल, 58, अलकापुरी, बडौदा-3900-05

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीत जो जोनलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 107 है श्रीर कुल क्षेत्र फल 8000 चो० फुट है। सब रजिस्ट्रार स**डौदा** में 3810 नंगर पर ता० 5-7-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> स्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

ता**रीख 9-2-1984** मो**हर** : प्रका बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निवेश सं. पी० घार० नं० 2693/11/83-84--- ग्रतः मुझे, भार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रैंक. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 342 है, तथा जो सांदलजा, बंडोदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय बडोदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 9-2-1984

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का लिसन निजाल मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नीलींबत उद्ववेश्यों से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्द्रत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाब्त, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में त्रिवधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा करे लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—  श्रीमती मकीना श्रस्सास करीम. केश्वर/श्राफ एम० एम० मीर,
 श्रीनानगर, सोसायटी,
 वासणा रीड,
 बंडौदा ।

(धन्तरक)

श्रीमती प्रेमिला श्रीवास्तव
 17, श्राम्य कुंज सोसायटी,
 ग्रार० सी० सर्कल,
 बडौदा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां कक्ता हुं।

उद्भार स्मारित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इसल्यम्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वृन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की ज्ञे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

#### जनसर्च

जमीन जो सान्वसजा में सर्वे नं० 342 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल 8075 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार बड़ौवा में 4226 नंबर पर दिनांक 18-7-83 को रजिस्छर्ट की गई है।

> ग्रार० श्रार० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, श्रहमदाबाद

तारीख 9-2ब1984 मोहर 🏻 त्रकप आह<sup>\*</sup>, टी. एन. एस.-----

आयकार ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

#### नारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी०श्रार० नं० 2694/II/83-84—श्रतः मझे श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषया करा का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 802 है, तथा जो सडौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-7-83 को पूर्वोक्त संपर्तित के जिस्त बाजार मून्य सं कम के धर्ममान प्रिथम के तिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उत्तर विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के अधिरक में कभी करने या उत्तरों वजने में सुविभा लें लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्ते, अन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---  रेवाक्षेन प्रानमी भाई, पटेल केश्चर/ श्चाफ एम० एम० पटेल, लक्ष्मी कालोनी, श्चलकापुरी, बडौदा,

(अन्तरक)

 लक्ष्मीषटन नरसिंहभाई पटेल, कोयाली, तह० बडौदा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसिस में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिस्णः — इसमें प्रयुक्त झट्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्यी

जमीन सयामीगंज, बडौदा में सर्वे नं० 502 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल 313 चौ० मीटरस है । सब रिजस्ट्रार बडौदा में 2130 नंबर पर ता० 25-7-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमवाबाद

तारी**ख** 9-2**-**1984 मोहर : प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2695/II/83-84--य इ. मुझे, श्रार० श्रार० शाह.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 616/3/1 है, 'लैट मं० बी-10 है, तथा जो बडौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनभूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) 1908 (1908 का 17) के श्रधीन दिनांक 4-7-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम कं दण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गमा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण निष्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मौ, उवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---  शांखा डेवलपमेंट कारपोरेणन, द्वारा बी० एम० पटेल, 'ब्रज विहार', कस्तूरबा नगर सोसायटी, रेलवे स्टेशन के पीछे, बडौदा

(भ्रन्तरक)

 श्री पियूष कुमार हरिभाई देसाई, स्टेशन रोड, पटेलाद, जिला कायरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## जनत सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपरित में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

फ्लेट जो सायजी।गंज में स्थित है जिसका सर्वे नं० 616/3/1 है, और कुल क्षेत्र फल 960 चौ० फुट है। सव रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4122 नंबर पर दिनांक 4-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> न्नार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख 9-2-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचता

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं पी० ग्रार० नं ० 2696/41/83-84---मतः मुझे ग्रार० ग्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं सर्वे नं 842 है, तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सडौध में में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 7-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने 'में सुविधा के सिए;

्त. जब, उक्ट अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिस्ट  समीर बिल्डसं क्वारा महेन्द्र बिशन भाई शाह, डी-41, निस्वास कालोनी, स्रार० सी० रोड, वड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

 श्री सरलापटन आर० देसाई, द्वारा पी० श्रार० देसाई, 305, संतोष चैम्बर्स, सरदार नगर,कार्नर, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५२ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्स्ची

प्लोट सयामीगंज, बड़ौदा में सर्वे नं० 842 नंसर पर स्थित है श्रौर कुल क्षेत्र फल, 1190 चौ फुट है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 3979 नंबर पर ता० 7-7-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार० श्रार० भाह समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमवाबाद

तारीख 9-2-1984 भोहर: प्रकप भाइ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 📊 श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं०पी० भ्रार० नं०  $2697/^{1}1/83-84$ —यतः मुझे भ्रार० श्रार० शाह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

धौर जिसकी सं० णीट नं० 9, सर्वे न० 785 है, तथा जो डीसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनंभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय डीसा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 13-7-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. असके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31---26 GI/84

 श्री जाशभाई नाथाभाई रवारी, रसना मोटा, डीसा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री पुष्पम (फ्लाट्स) को० म्राप० हा० सोसायटी केम्रर/माफ पी० सी० पटेल, जीसा , जिला बकां०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्स सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

जमीन जो डीसा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 1, है और कुल क्षेत्रफल 1212चौ० मी० है, सब रजिस्ट्रार डीसा में 1922 नंबर पर ता० 13-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाव

तारी**ण** 13-2-1984 मोहरू 🛭 प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी०भार० नं० 2698/II/83-84, —म्रतः

मझे, भार० भार० शाह;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० शीट नं० 39 है, सर्वे नं० 432, 422, 421 है तथा जो डीसा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय डीसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-7-83

को पूर्वोक्त संपति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  शाह नानालाल वाडीलाल, डीसा, जिला को०

(भ्रन्तरक)

2. श्री जयन्तीलाल पूनमचन्दह गार्डन चौक, डीसा, जिला० स० आं०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के निष् एतस्क्वारा कार्यवाहियां कपुता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इन भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## श्रनुसूची;

जमीन जो डीया में स्थित है शीट नं० 39 और सर्वे नं० 432, 422 421 है, श्रीर कुल क्षेत्रफल 437 ची० मि० है। सब रजिस्ट्राण डीया मे 2001 नंबर पर ता० 19-7-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

म्रार० ग्रार० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-2-1984 -

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांग 14 फरवरी, 1984 निदेश सं० पी० स्रार०नं० 2699/II/8 -84—स्रत: मझे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी ग्लं । सर्वे नं । 95 है, तथा जो ग्रामली, सीलपस्सा में स्थित है (ग्लौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्लौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सीलपस्सा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्लंबीन दिनांक 25-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या लससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री परषोत्तम एन० कापडीग्रा, सिलवरसा,
  - (2) श्री कान्तीभाई एन० कापडीग्रा लपच्छा
  - (3) श्री रित लाल एन० कापडीग्रा लपच्छा ता० पारडी ।

(अन्तरक)

 श्री मंगलदास प्रभदास पारेख, सालवहसा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिख् कार्यग्रीहयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

जर्मीन ग्रामली गांत्र में स्थित है जिसका सर्वे नं० 95 है ग्रौर क्षेत्रफल 78 एकर्स है । सब रजिस्ट्रार सिलवस्सा में 179 नंबर परता० 25-7-83 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख 14- -1984 मोहर ः प्रख्य आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- श (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- ${
m JI}$ , श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1984 निदेश सं० पी० श्रार०  $\sim 2700/{
m II}/83-84$ —यत: मझे

श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 11 (पी) है, तथा जो ग्रामली तह० सीलपस्सा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिट्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीलपस्सा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 16-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क लिए; और/या
- (स) एगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति वर्ते को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियाँ मर्भात् :—

- ाः (1) श्रीकान्तीलालग्रार० शाह
  - (2) श्री विजय कुमार के० शाह
  - (3) श्री विजय कुमार के० शाह, (संयुक्त कुटुम्ब)
  - (4) ग्रजयकुमारके० शाह
  - (5) श्रीमती वासासिषटन,के० शाह
  - (6) श्रीमती ज्योति पटन, के० शाह श्रामाली तह० सिलपस्सा

(ग्रन्तरक)

 श्री निर्मल जैन,
 मेक्सम भेडीकाममेन्टस प्रा० लि० जोगेंग्वरी,
 बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीं सं सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीक संरे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनसूची

मिलिकियत जो श्रामाली सिलपस्या में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल 4600 चौ० फुट र श्रीर फ्लैट नं० 99 (पी) है। सब रजिस्ट्रार साल पस्सा में 172 नंबर पर तारीख 16-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भ्रार० म्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज 2, भ्रहमदाबाद

सारीख 14-2-1984 मोहर : प्ररूप आई<sup>5</sup>, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन यूज, ११ भ्रह्मदाबाद

ग्रहमदांबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2700/II/83-84—श्रतः भुझे मुझे, ग्रार० श्रार० शाह्र

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' . कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 147 है, तथा जो श्रंकालेश्वर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रंकालेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-7-1983

को पूर्वोक्स संपृत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री सोमाभाई गोपाल भाई वसापा
  - (2) श्री राम भाई गोपाल भाई बसापा,
  - (3) श्री शीपीषटन, गोपाल भाई वसापा
  - (4) मोतीषटन गोपाल भाई वसावा धेयासी भागल, भूंकलेश्वर ।

(ग्रन्तरक)

 कल्पना को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी प्रमख श्री: जी० एम० शेख पिरामन नाका, श्रकालेश्वर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सतसर्ची

जमीन जो भंकलेश्यर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 147 है भ्रौर कुल क्षेत्र फल 2 एकड़, 1 गूंठा है। सब रजिस्ट्रार श्रंकलेश्वर में 1871 नंबर पर दिनांक 27-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारी**य** 14-2=1984 मोहर :

## प्ररूप जाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**य (1) के अधीन सूच**ना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज II, श्रहमदाबाद

ग्रग्रहमदाबाद, विनांक 14 फरवरी, 1984

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2702/II/83-84—ग्रतः मुझे, श्रार० शार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे मं० 277है, है, तथा जो गजखोल, तह० ग्रंकाल क्वर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रंकाल क्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-7 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित्त बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय काँ बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अनकर अधिनियम, मा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

- 1. (1) साई पूंजी मोहन वरुनकी भ्रौरत
  - (2) साई गोला मोहम वरुनकी पुती गार्यु जिवा भरुच ।

(ग्रन्तरक)

2. मायानगरी को० श्राप० हार्जीसग सोसायटी प्रेसी० ग्रार० यू० पटेल कमला पार्क, सोसायटी, ग्रंकलेश्वर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास विक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त किंकितयम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होता जो उदा अध्याय में दिया गया है।

# बनुस्थी

जमीन जो गडखोल में स्थित है जिसका सर्वे नं० 277 है, श्रीर 9105 चौ० मीटरस है। यद रजिस्ट्रार श्रंकालेश्वर में 1784श्र, 965, 1011 पर ता० 15-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० श्रार० शाहे सक्षम प्राधिकारी सहायक थायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रीज 11, **अहमदाबाद**

तारीख: 14 2 1984

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निदेश सं० पी ० स्रार० नं० 2703/II/83-84—-श्रतः मुक्को, श्रार० श्राह्,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे तं० 65/2 है, तथा जो वेजलपुर, भरुच में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय भरुच में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 7-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के निचन वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि एथापृश्वेंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्तर प्रतिफाल के पन्तर प्रतिफाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त वीधनियम के अधीन कर दोने के जुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए 1

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. श्री भ्रणेश भोरगानाईजर भागीदार :
  - (1) रमीला सटन मारम पटेल
  - (2) ध्रम्सालाल सी॰ मिस्सी, गार्डन होटल, भरुच।

(भ्रन्तरक)

2. 1 न्यू शीतल को० प्राप० हार्जीसंग सोसायटी प्रमखश्री भाई० आई० पटेल, भरुच ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्णन के तिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्थान् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरण हि— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नन्स्ची

जमीन जो बेजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 65/2 है श्रीर कुल क्षेत्रफल 1260 चौ० मी० है, । सब रजिस्ट्रार भरूच में 1439 नंबर पर 7-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

श्रार• श्रार० मोह समन प्राधिकारी सहायक आयकर त्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 14 2-1984

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन मुबना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज 2, प्रहमदाबाद

श्रमहदाबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निवेश सं० पी०श्रार० नं० 2704/II/83-84—ग्रतः मझे, श्रार० ग्रार० णाह;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25000/- दे० से अधिक है

भीर जिस की सं० सर्वे नं० 65/2, बोजलपुर है, तथा जो भरुष में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भरुच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 16-7-1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरम से हुई किसी जाय की भावत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन पा अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के जिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- 1. श्री गणेश श्रारगानाईजेशन,
  - भागीदार :
  - (1) भ्रजालाल सूर्यतलाल मिसी
  - (2) गाईन होटल, पंचसती, भरुच ।

(भ्रन्तरक)

- (1) ईसमाईल एम० पटेल,
  - (2) अञ्चुल कादर एम० पटेल,
  - (3) श्रब्दुल गफुर,
  - (4) श्रयुश एम० पटेल हींगलोट,

तह० भक्त ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण्: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्रची

जमीन जो बेजलपुर में स्थित है जिसका नंबर 65/2 है, श्रौर कुल क्षेत्रफल 5800 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार भरुच में 1503 नंबर पर त० 16-7 83 को रजिस्टडें किया गया

> न्नार० न्नाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज II, महमदाबाद

तारी**ख** 14- -1984 मोहर:

## प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्धिका)

अर्जन रेज 📙 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2705/11/83-84--यत: मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ए सर्वे नं 53/13, नानकवाडा है तथा जो तह व बलसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-५ के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिकिस स्यक्तियों, जर्भात् :——
32—26GI/84

- 1. (1) इन्द्रभाई एस० पटेल
  - (2) भाली बहन, एस० पटेल
  - (3) जीत् भाई एस० पटेल
  - (4) मुकेश एस० पटेल
  - (5) दीपफ एस० पटेल
  - (6) आशा बहन एस० पटेल
  - (7) शारदाबहुन एस० पटेल
  - (8) भानभाई एस० पटेल
  - (9) पराग भाई एस० पटेल नानकवाडा, तह० बलसार ।

(अन्सरक)

2. श्री अमीराम को० आप० हाउसिंग सोसायटी आफ चयरमैन, श्रीमती शालीनीबहन वी० बटाले बलसार भेकटरी, श्रीमती परुषावीबहन, पी० पाठक, बलसार ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारो करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थादिक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिमा गया है।

#### जमसूची

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकेर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 12-2-1984

मोहर :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1984

निदेण. सं० पी० आर० न्० 2706/ /83-84---प्रतः मुखे, आर० आर० शाह

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्न मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्याम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 30 श्रीर 35 पैकी फा० प्ला० नं० 5 है, तथा जो आदर्श सोमायटी, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के प्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलियत उद्देश्य से उस्ते अंतरण लिखित में बास्तिक कम निम्निलियत उद्देश्य से उस्ते अंतरण लिखित में बास्तिक कम में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में श्रीविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया में सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  वयित्रटन, अजयकुमार चाक्सी दिवाली बाग, अठवा लाईन्स, सूरत

(अन्तरक)

 लीला दवी श्रोमप्रकाश अग्रवाल साईकुगा, रादेर राड, मुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास्;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

मिलिकयत भावर्ण सोसायटी में स्थित है जिसका सर्वे नं 30, टी० पी० एस० नं० 9, 631 वर्ग गज का कुल क्षेत्रफल है । सब रिजस्ट्रार सूरत में 6525 तम्बर, पर ता० 19-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II, अहमदाबाद

तारी**ख**: 17-2-1984

माहर:

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यो नय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 🛚 (() अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी, 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2707/II/83-84—वर्तः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-2-23 है, तथा जो उर्टना, उद्योग नगर, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण स्प से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अधिन् :-- श्री भटनकृमार, वासु भाई गार्टन,
 77 बग, बालकणर रोड, अस्ण बिल्डिंग,
 बम्बई-6

(अन्तरक)

- 2. (1) कान्ती लाल शंकर लाल, गार्टन
  - (2) महेन्द्र
  - (3) प्रदीप चन्द्र ,,
  - (4) हेमन्द्र ,, ,,अभेजाल रोड,

सूरत ।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

, ,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पछ्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

मिलिकियत जो उर्टना में स्थित है जिसका नं० ए-2-23 है स्रीर 501 ची० मीटर्म है : सब रिजस्ट्रार सूरत में 5652/14-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख 17-2-1984 मोहर : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2708/II/83-84---यतः मुझे आर० आर० शाह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 13-2 श्रौर 14, न्यू सं० नं० 6961, फ्लैंट बी-204 है तथा जो स्रत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)

रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-7-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरम से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे वचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ९1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती प्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों. अर्थातः :----  श्री धराजलाल खतशी भाई माह, वाणीया शेरी महीधापुर,

(अन्सरक)

 वर्षाषटन, अजय भाई धीक्शी, बी-7, स्वाश्रय सोसायटी, दिपाली बाग, सुरत ।

(अन्तरिती)

का यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

मिलकियत जो वराट अपार्टमेंट सूरत में स्थित है। श्रौर सब-रजिस्ट्रार सुरत में 6700 नम्बर पर ता० 27-7-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, II, ग्रहमदाबाद

नारीख 17-2-1984 मोहर:

# प्रथम बार्च .टी. एन. एसं . --------

# जावकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कायतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II. अहमदाबाद

अहमदाश्वाद, दिनांक 17 फरश्ररी 1984

निदेश मं० पी० आर० नं०  $2709/\Pi/83-84$ —-यत: मुझे, आर० आर० शाह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को वह विकास करने का काइज है कि स्वापर सम्मित, विज्ञा उद्दित बाजार मुस्व 25,000/- क से अधिक हैं

और जिसकी मं० नोंध नं० 2799 सं० 2799 है तथा अटवां लाईन्स, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रं(कर्ता अधिकारीं के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रं(करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-1983

को पूर्वोक्त संपित्त के अचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सम्पित्त का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः——  सरकार एसोसियेट्स.
 भागीदार :
 महेन्द्र भाई सी० जवेरी और अन्य प्रभु दर्शन सोसायटी,
 अठवा लाईन्स,
 मूरत ।

(अन्तरक)

नरेन्द्र भाई भाईचन्द्र भाई झवेरी।
मोतीणा पार्क,
मोतीणा ब्लॉक सी-1,
भायखला,
सूरत

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वेक्ति संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्स से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ट ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में भकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसभी

मिलिकयत जो अठत्रा लाईन्स, सूरत में स्थित हैं जिसका सर्वे नं० 2797 से 2799 हैं, और फ्लैंट नं० 14 हैं, और कुल क्षेत्रफल 1200 चौं० फुट है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 6636 नंबर पर ता० 22-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, अहमदाबाद

, दिनांक 17-2-1984

# त्ररूप कार्षः टी., एन्., एस्.,-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)। ग्रर्जन रोज १४, अहमदाबाद

अहमदाबद, दिनांक 17 फरवरी 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 2710/II/83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह

नायकर निभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज नौथ नंज 1690, है तथा जो नर्मवेनगहुर बोर्ड अध्या, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-7-83

को प्रेंकित संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के उस्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोंकित सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 जवाहर कुमुदे चन्द्र डाक्टर, परमानन्द अपार्टमेन्ट, गोपीपुरा, सूरता ।

(अन्तरक)

उषा राम कुमार मेमनन,
 त नव जीवन सोसायटी,
 तीमालिया पाड,
 सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवंशी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानसमों में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

अनस्यी

मिलिकयत जो नर्भदनगर में स्थित हैं जिसका नींद नं 1690 है, और कुल क्षेत्र फल 1136 हैं। मब रिजस्ट्रार सूरत में 6429 नंबर पर ता० 13-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर.० आर.० **णाह्** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 11, अहमदाबाद

अतः जह, उनसः अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् ः—

दिनांक 17-2-84 मोहर : प्रकप नाइ". टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,  $\Pi$ , अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 17 फरवरी 1984 निदेण सं० पी० आर० नं० 2711/ $\Pi$ /83-84—अतः मझे, आर० आर० णाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० याद्य नं० 1, नोंध नं० 318, 381, 382, 383 है, तथा जो वैणाली अपार्टमेंट, सूरत में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिटान हा स्थिश के लिए;

जतः क्व, उक्त अभिनियम, की भारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधार (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्री भान सरन दौलत राय देसाई गांच वाब, नह० कामरोज, जिला स्रत

(अन्तरक )

 यूमनसरन ठाकोरदाम, बाजीया चाला, नानपुरा, यूरमे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में पकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वारा सभाहस्ताक्षरी के बाब सिचित में किए वा सकींचे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

#### अनुसूची

पलैट जो वैशाली, अपार्टमेंट वार्ड नं 1, नोंध नं 318, 381, 382, 383 नंबर पर स्थित है और कुल क्षेत्र फल 600 चौ फुट है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 6329 नंबर पर जुलाई, 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० प्राह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख 17-2-84 मोहर:

# प्रकप आहुर .टी . एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, अहमदाबाद [
अहमदाबाद. दिनांक 17 फरघरी 1984
निदेश सं० पी० आरं० नं० 2712/II/83-84—यतः मुझे
आरं० आरं० शाह

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संव याई तंव 2, नोंध तंव 1933, फ्लैंट तंव 2, हैं तथा जो मजूरागेट, फ्लेंट तंव 109, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री- कर्ती अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-7-83

को पूर्वोक्त सम्पिति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 को 11) या अक्त निधिनियम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुभिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

 हरिक्कत<sub>,</sub> कारपीरेशन, 101, रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेन्ट्स, गुलगन मित्र प्रेस के सामने, सोनी फलीया, सूरत ।

(अन्तरक)

श्री टीकियाराम धनक्याम दास,
 1244, सूरत टैक्सटाईल मारकेट,
 सूरत ।

(अन्तरितं।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यग्रहिमां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्बिन्तयों यों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्वभूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अभस्यी

फ्लॅंट जो चंदेनथन अपार्टमेंन्ट्स, में 109 नंधर पर सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 6318 नंबर पर ता० 5-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिक १री सिहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II, अहमदाबाद

तार्**ष** 17-2-84

प्ररूप जांह .टी. एन. एस ------

आयक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जरेंज, 11, अहमदाबादअहमदाबाद, दिनांच 29फरवरी 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2713/U/83-84——यतः मुझे, आर० आर० गाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्साम गरने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे मं० 638 है. तथा जो वहलभ विद्यानगर में स्थित है (और इसस उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विद्यान है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणन्य में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिनांक 30-7-1983

को पूर्वा बत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभौ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एमे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नितियों उद्योग्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक कप से विश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--33---?6G1/84

 ठा चिमन गाई जीवा आई पटेवा करमदसद, तह० आणन्द, ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ग्रंबालाल नरेश भाई पटेल

(2) श्री मनीबेन, अंग्धालाल, पटेल. टाकी के पान, जुना शापरिया बिस्डिंग, बल्लभ विद्यानगर, -तह०, ग्राणंद

(अन्तरिती)

को यह सुष्पना जारी करके पृष्ठिक संपरित की अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस गुजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त पंक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## नग्सची

मकान और जमीन जो बल्लभ में विद्यानगर में स्थित है और जिसका सर्वे नं ० 638 है, और सब रिजस्ट्रार आसंद में 3540 नंबर पर ता० 30-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह, ॄस**क्षम प्राधिकारो** सहायक आयकर आ**युक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज <sup>II</sup>, **अहमदा**बाद

तारीखा:29-2-19**84** भाष्ट्राचे <sub>५</sub> प्ररूप आई टी. एन एस ----- 1 होलीय भाई परस्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालग, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनॉक 29 फरवरी 1984 विदेणगठ पीठ आरठ वेठ 2714/H/83-84 - यतः मुझे, आरठ आरठ णाह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा. से अधिक है

और जियको मं० अरु० ए.५० नं० 54, 58, 60 है, तथा जो सामा, बड़ौदा में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का भ विणित हैं ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 1-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिबक रूप किथत नहीं किया गया है:-

- (क) जन्तरण से हुई िकासी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के मिगा; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना करिए, था, छिपाने में स्विधा के लिए,

लगः अप, उसगः अधिनियम की पास १६००म की अगराज्यः में , में , २०० अभिनियम की भाग २६००म की उपयास (1) को अभीन, निम्निलिलिन त्यक्तिमां, अर्थान :---  दोलीप भाई, परबोस्तम डाम पटेल, शांति नगर, गोंगायटी, बडीदा ।

(अन्तर्भ)

श्री बसंत दत्तात्रैय वैद,
 45, णांकि नगर, सोसायटी,
 बडीदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्विकता में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत किशीनयम के कथ्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन और मकान जो सामा, वड़ौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल 400 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार विद्वीदा में 3828 नंबर पर नार्े 1-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।)

> आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

नारीम्य : 2.9-3-84

सोहर

# प्रकप बाइं.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण)

अर्जन रेंज II, **अहमदाबा**द

अहमदाबाद,दिनांक 29फरवरी 1984 ∮ निदेश सं० पी०आर० नं० 2715/H/83-84——यतः मुझे,आर० आर० भाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आउ 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जियको सं० सर्वे नं० 1995, फ्लैट नं० 13:11 है तथा जो बस्लमदिया नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का (16) के अधीन दिनांक 29-7-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिचन बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ब है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्म पिकाल से अधिक है और अत्यास (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई जिली आय की बाबत, उक्त जिलीयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिये था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की फारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नक्रिकित व्यक्तियों.. अर्थात् ह—  कुसुमयेन, रतनलाल बाज(र्न!, अण्णा हार्जागम सोसायटी, आणद ।

(अन्तरक)

 विरोन्द्र कुमार जे० वंसार्ट झारा . मीनायसी जे० 11, नाना बाजार, बल्लभ विद्या नगर, नहु० आणदे ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि गा भी अविधि वाद मों समाप्त होती हा, के भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में में किसी व्यक्तियां:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:----इसमाँ प्रयूक्त शब्दाँ और पर्यो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# बन्सूची

जनीन और मकान जो बल्लभ दिया नगर में स्थितहै जिसका सर्वे नं 1995 है, और प्लाट नं 1311 है, और कुल 423 चौ जी है,। सब-रजिस्ट्रार आणदे में 3529 नंम्बर पर नारीख 29-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० म.ह सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II अहमदाबाद

तारी**ख 2**9-2-1984

# प्रकप मार्ड, टी. एन्. एस. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

# भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984 निदेश स० पी० आर० नं० 2716/॥/83-84--अल: मुझे, आर० आर० गाह,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नौध नं 1956/K/3 है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सूरत मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. दिनांक 30-7-1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिख उद्वेष्य से उथा अन्तरण लिखिन में शस्तिक कप से किथ्त नहीं किया गया हैं:~~

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी जाग की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ओं कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बसीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. जाबेन बं(नं) पहिन अन्त्रल अहमद-संग्रामपुरा, सूर
  - 2. जाकीआ खातून अब्दुल हाजि अहमद
  - कमर्घानस्सा अब्दुल हाजी श्रहमद
  - 4 नजीर अहमद
  - 5. मुखतार **अ**हमद
  - अल्लाफ भक्दुल हर्रः द
  - 7 महम्द युसुफ
  - अमींस मोहम्मद
  - 9. अवास अल्ला मोहम्मद काजरी वम्बर्ड ।

(अन्तरक)

(2) साउथ एवेन्यू को० आ० हा० मो०, 801, सीक्षा अपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार। करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्था र सम्पत्ति में दितबद्द्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वाः। अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

# वम्सूची

मिलकत जो वार्ड नं० 2, नोर्ध नं० 1956 कि | 3 पर स्थित है, जिसका 870 चौ०मी० क्षेत्रफल है। सब-रजिस्ट्रार, सुरत में 6860 नम्बर पर दिनांक 30-7-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० भार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक : 6-3-1984

मोहर

# प्रकप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः सहायभ आगशण आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-॥, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देण सं० पी० आर० नं० 2717/॥/83-84--अनः
मझे, आर० आर० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 62-को ग्रार सर्वे नं० 62 है तथा जो भालाड-जनसाड में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); राजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बलसार में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-7-1983,

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिभियों) के भीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुन्दं किसी जाय की बाबता, उक्त विभिन्नियम के बधीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अस , ताल, इञ्चल अधिनियम को धारा 269-ण क अनुसरण प्रे-, में , उजल अधिनियम को धारा 269-ण का उगधारा (1) के संधीन, निस्निमिक व्यक्तियों, क्यांत्ः— (1) मैं० जी० ए० रामवेरीयण लि० 21 सक्रिया स्ट्रीट कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) मै० एम० के० णाह एण्ड कं० 71, केनिंग स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

का यह राचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त उति हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टी ४ एण :---इगमा प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित हो, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो ।

## नन्त्रची

मिलकत जो मालाड त० उमरगांव, जि० बलसार में स्थित है, जिसका सर्वेक्षण नं० 62-बी है घोर कुल क्षेत्रफल 28803 चौ० मि० है। सब-रजिस्ट्रार बलसार में 1809 नम्बर पर विनांक 30-7-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० **आ**र० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज⊶।, अहमदाबाद

विनाभः : 6-3-1984

मांहर:

प्ररूप आहें. टी. एन्, एस<u>.</u> ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2718/॥/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविधकारी को यह विद्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 144-1, है। तथा जो उमरा, सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 227-82,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अशापूर्वोक्त संगीत का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्न्रह भित्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के थीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंग्त नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहुद्धं किसी आय की बावत, उबस अधिनिय्म के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीत्ः—— (1) श्री कमलासरन, छोटालाल पटेल साटाबीसीवाडी आम्बा लाईन्स, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री शिरीसभाई शान्तीलाल शेठ चन्दुलाल सेठवी शेरी सैयदपुरा, सुरत ।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पंति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वकासरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्षों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## मन्त्रची

मिलकत जो उमरा में स्थिता है, जिसका सर्वे नं 144-1 है ग्रीर कुल क्षेत्रफल 733-ची पार है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 6637 नम्बर पर दिनांक 22-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, अहमवाबाद

विनांक : 6-3-1984

मोहर 🔅

प्रकम नाहाँ हो। एनः एसः,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आ२० नं० 2719/II/83-84-यतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हु<sup>5</sup>), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 208 है। तथा जो गडखोल, ता० ग्रंकलेण्वर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रंकलेण्वर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिद्यत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

(1) श्री नागफमायी सामुमायी श्रंदाज, त०—श्रंकलेख्वर । जिला—भरुच ।

(अन्तरक)

(2) राज भारती एसोनिएट्स भागीदार—एन० डी० कापश्रीया, रायपीपला रोड, श्रंकलेक्टर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दां और पर्यों का, जो उन्ज अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

जमीन जो गडखोल में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 208 है श्रीर कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ है। सब-रजिस्ट्रार, श्रंकलेश्वर में 1578 नम्बर पर बिनांक 7-7-83 को रजिस्टर्ड की गई

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, अहमदाजाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-3-1984

मोहर 🥲

प्रसंप् आई टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

## भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2720/II/83-84---यतः मझे, आर० आर० गार.

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० राजेश्वर अपार्टमेंट, फ्लैट नं० 909 है तथा जो नानपूरा, सूरत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णेरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक 1-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अंतरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) में विश्वास अपार्टमेंटस को स्मोर गर नो विश्व 11864 अहुगर रहोट, तिमालियाबाद, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री जानपीकासरन किरणकुमार मोदी और अन्य 909, राजेक्वर अपार्टमेंट, नानपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जुक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरि के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृस्ची

फ्लैट जो राजेश्वर अपार्टमेंट में स्थित है और कुल क्षेत्रफल चौ० फिट है ।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक : 5-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद कार्यालय अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1984 निर्देश सं० पी० आर०सं०-2721/83-84--यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० सर्वे नं० 78/2 श्रीर 78/1 है, तथा जो अंदाडा, तह० श्रंक्लेण्वर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रंक्लेश्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उद्ध अन्तरण निस्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कर उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34--26GI/84

- 1. श्री श्यामलाल नागजी भाई ग्रंदाडा, ला० ग्रंकलेश्वर (अन्तरक)
- महावीर आरगनाइजर द्वारा डी० आर० डी० वेटेल, लालकुंआ, रीटासरग, बड़ौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

जमीन जो ग्रंदाङा गांव में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, ग्रंकलेण्वर में 1810 नम्बर पर ता० 22~7-83 को रजिस्टर्ड किया कया है।

> आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 **अह**म**दाबाद**

तारीख: 5-3-1984

मोहर 🥲

प्रकृप बाह्र . टी. एवं. एस.----

.आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अभीत सुभना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायुकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं०पी० आर०नं० 2722/2/83-84; -यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 136/2, 137-125 है, तथा जो 30, सुभाषनगर, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रुप से विज्ञा है रिजस्ट्रांकर्ती अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 छ। 16) के अधीन, तारीख 6-7-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) श्रीमती नन्दबाला नटवरलाल सुवर्णकार
  - (2) श्री विश्वकुमार नटवरलाल सुवर्णकार 94, राधानगर सोसायटी उमरा, सूरत

(अन्तरक)

श्री अलकाबटच जयन्तीलाल घुलिया,
 39 सुभाषनगर सोसायटी, छाडे-दाडे रोड,
 सूरत (अन्तरती)

कर यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के निष् कायवाहिया करता है।

उक्त सम्परित के भर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के द्युजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुस्ची

मकान जो सुभाषनगर को-ग्रा-सयसाइटी में स्थित है । सब रजिस्ट्रार, सूरन में 6324 नम्बर पर तारीख 6-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-3-1984

मोहर 🖫

## **एक्य वार्ड्,टी.एव.एक**्न--------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुम्बना

#### प्रदेश परकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2723/2/83—84—यतः, मुझे, आर० आर० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जवा ही, की बारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी सं अर्थे नं 227, कबीलयोर, नवसारी है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर हससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नधसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2~7~1983

को प्यों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिकित उद्योग्य से उसते अन्तरण निम्नलिकित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जनतर्ण से हुई किसी आयं की बासत, उन्तः जिमिन्द्र के वभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ष्टिणाने में सुविभा के लिए;

- 1. (1) अन्दुल इस्माइल मुल्ला
  - (2) इन्नाहीम इस्माइल मुल्ला
  - (3) मुहम्मद इस्माइल मुल्ला नसीला चौक ता० नवसारी

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री कान्तीलाल धवनजी पटेल नवसारी
  - (2) मंगुभाई जीवनजी देसाई खडसूया, ता० नवसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा अकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नम्बर 227 है ग्रीर 30 गूंगका कुल क्षेत्रफल है जो कबीलपोर नवसारी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 2110 नम्बर पर ता० 2-7-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

तारीख: 6-3-1984

मोहर 🔅

## प्ररूप कार्ड . टी . एन् . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर०नं० 2724/2/83—84——यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० सर्वे नं ० 193-ए, बेजलपुर है, तथा जो तहसी न नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति- एस निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाहित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा से लिए; और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्ति द्वी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निमन्तिस्ति व्यक्तियाँ अर्थात् ::--

- 1. (1) श्री ठाकुरभाई खुशालभाई पटेल
  - (2) श्री मंगुभाई खुशालभाई पटेल पारतीबाड नवसारी
  - (3) श्री नदवर भाई पूंजाभाई पटेल आशानगर, नवसारी

(अन्तरक)

 श्री कृष्णा को० ओ०हा० सोसाइटी, कादम्बारी सेंटर, स्टेशन रोड़, नवसारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पृवासित सम्पृत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

# उन्ह सम्पृतित के भूषीन के सम्मृत्य में कोई भी बाधीप्र ---

- (क) इत सूचना के ट्राचपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनकि या तत्सम्मन्धी स्मिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मिक्तयों में से किसी स्मिक्त द्वाराः।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकेंगे।

स्थूच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यों का, वो खब्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

जमीन जो वेजलपुर ,ता० गवसारी में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 193-ए है, और कुल क्षेत्रफल 9568 चौ० फुट है। सब-राजस्ट्रार, नक्सारी में 2381 नं० पर ता० 27-7-83 को राजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निंरीक्षण) अर्जैन रेंज-2, **अहम्दाबाद** 

तारीख: 6~3~1984

मोहर 🛭

प्रकार नाइ.टी.एन.एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सुभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देशसं० पी० अगर० नं० 2725—यतः मुझे, आर० आर० गाह,

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इस्कें परचात् 'उक्त मिपिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उत्त से अधिक है

और जिसकी सँ० सर्वे नं० 193-ए, हैं, तथा जो वेजलपुर, ता० नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नक्सारी में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान क्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निचित्ते में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्तिखत व्यक्तियों, अर्थात् हि—  श्री ठाकुरभाई खुशालभाई पटेल, श्री नटवरभाई पूंजा भाई पटेल आशानगर, नवसारी

(अन्तरक)

2. चन्दनवन को० ओ० हा० सोसायटी कादम्बरी सेंटर, स्टेशन रोड़, नवसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हिल्ल

- (क) इत् सूचना के राजपन में प्रकासन की सारीन से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वे क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा?
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्ध किसी अन्य न्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए वा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों , और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन जो वेजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं 193-ए, है, और कुल क्षेत्रफल 6527 चौ पुट है, । सब रजिस्ट्रार नवसारी में 2366 नम्बर पर ता 22-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, अहमदाबाद

तारीख: 6-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

# नास्कर निर्मित्रम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के नभीत् सूच्मा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० 2726/II/83-84--यतः,मुझे, स्रार० आर० शाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 193-ए है, तथा जो वेजलपुर, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का 'पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाला कि कम से स्थित सहीं सिका मूला है है—

- (क) करारण वे हार किसी बाब की बाबस अक्स वर्षि-नियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विका

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) इं अधीन दिम्मलिखित ब्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्री ठाकुरभाई खुशाल भाई पटेल, पारसीवाड, नवसारी,
  - (2) मंगुभाई खुशाल भाई पटेल
  - (3) श्री नटवर भाई पूंजा भाई पटेल आशामगर, नवसारी

(अन्तरक)

 श्री गोदावरी नगर को०-ओ० हा० सोसायटी, कादम्बरी सेंटर, स्टेशन रोड, नबसारी

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्विक्त सम्पृतित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्य के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अग्**स्**ची

जमीन जिसका सर्वे नं० 193-ए है जो विजलपुर में स्थित है । और कुल क्षेत्रफल 9682 चौ० फुट है । सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 2376 नं० पर ता० 27-7-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, अहमदाबाध

तारीख: 6-3-1984

माह्य 🛭

परूप वाह . दी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० खार० न० 2727/2/83—84—यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे 193-ए, है, तथा जो वेजलपुर तह० नवसारी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अ:धकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण कि बित् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिद्; और/वा
- (क) एनो किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- 1. (1) श्री ठाकूर भाई खुशाल भाई पटेल,
  - (2) श्री मंगु भाई खुशाल भाई पटेल, पारखीवाडु, नवसारी
  - (3) नटवरलाल पूंजा लाल पटेल, आशासगर, नवसारी

(अन्तरक)

 गंगा को०-स्रो० हा० सोसायटी, कादम्बरी सेंटर, नवसारी

(अन्तरिती)

नो वह भूषना जारी करके पूर्वोक्त सम्मेरित के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां करतां हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन की जनधि या तत्संत्री व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, व्यक्ति
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताग्र;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, सभोहस्ताकरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्थळित्याः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

जमीन वेजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 193-ए है श्रौर कुल क्षेत्रफल 9024 चौ० फुट है । सब रजिम्ट्रार, नवसारी में 2377 नम्बर पर ता० 27-7-83 को रजिस्टक्के की गई है।

> आर० छार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 6-3-1984

मोहरु 🖫

प्रकप्, बाइं., टी., एत्., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० झार० 2728/II/83-84--यतः, मुझे, आर० झार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 193-ए, है, तथा जो वेजलपुर, ता० नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7~1983

को पूर्णेक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और 'अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तर में बास्तविक रूप से किया वया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए।

अत: अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ण के उत्सरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ल्योग, जिल्लामित राणियम अर्थास :---

- 1. (1) श्री ठाकुर भाई खुशाल भाई पटेल
  - (2) मंगुबहन खुशाल भाई पटेल, पारसीवाड, नवसारी
  - (3) नटबर भाई पूंजाभाई पटेल आशानगर, नवसारी

(अन्तरक)

 जेसल को०-म्रो० हा० सोसायटी, कादम्बरी सेन्टर, नवसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा है।

### मन्स्यी

जमीन सर्वे नं० 193-ए हैं जिसका कुल क्षेंत्रफल. 7137 चौ॰ फुट है जो बेजलपुर में स्थित हैं। सब रिजस्ट्रार, नवसारी में 2380 नम्बर पर ता॰ 27-7-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

> क्षार० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 6-3-1984

मोहद 🚜

# प्ररूप बाइ", टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II. अहमदाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश मं० पी० आर० 2729/II/83-84--यम:, मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त मिपिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मिपिन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 193 है, तथा जो वेजलपुर, ता० नवसारी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नद्र प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बोन्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करूर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में मिनिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 35 26G1/84

- 1. (1) र्था टाक्र भाई खणाल भाई पटेल,
  - (2) मंगु भाई खुणाल भाई पटेल,
  - (3) नटबर भाई पुंजा भाई पटेल, आणानगर, नवसारी

(अन्सरक)

 श्री टोरल को०-श्रा० हा० मोसायटी, कादम्बरी भेन्टर नवमारी

(अन्तरिती)

को। यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी स्थक्तिमों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्ध डोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जो वेजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 193-ए है, ग्रीर कुल क्षेत्रफल 9568+9568 ची० फुट है । सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 2368 ग्रीर 2403 नम्बर पर ता० 27-7-83 को रजिस्टर्ड की गई है ।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अइसदाबाद

नारीखा : 6-3-1984

मोहर ः

प्रक्ष आई.टी एन.एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० 2730/II<sub>/</sub>83-84→-अतः. मुझे, आर० आर० शाह.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 193 ए बेजलपुर है तथा जो तहसील नपसाती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनोक 27 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उचत संतरण निस्तित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था. या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीम. निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) 1. ठाकुरभाई खुमालभाई पटेल मंगुभाई खुमालभीई पटेल पारखीवाड, नवसारी
  - 3. नटबरभाई पूंज:भाई पटेल, आणानगर नवसारी (अन्तरक)
- (2) तिसल को० आ० सोसायटी, कादम्बरी सेन्टर, नवधारी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर संपत्ति के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## "अनुसूची

जर्मान जो वेजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे० नं० 193ए और फुल क्षेत्रफल 1078 चौ० वर्ग फुट है। सब रिजस्ट्रार नबसारों में 2379 नम्बर पर तारीख 27-7-83 की रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक: 6-3-1984

प्ररूप आई, टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

असुमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2731/2/83-84--अतः मुझे, आर० आर० गाह्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 217 और 288 है तथा को उधना, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी क कायालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 जुलाई 1983

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्तित का उजित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण निस्तिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त जीधीनयज के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरप भी, मी, उक्त अधिनियम को भार 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभोत्:--- (1) श्री भगवानदास प्रभुभाई, उधना रेलवे स्टेशन के पीछे, पारसी निवास, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री रामभाई नारायणजी पटेल, दास्तान, ता० पलसाजा श्री रामभाई माधवभाई, वदेषा-ता० पलसाजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित को अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकता।

स्पथ्यीकरण ्समें प्रयुक्त शब्दों और वर्षे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में किया। गया है।

# नन्स्ची

मिल्कत जो उधना में स्थित है जिसका सर्वे नं० 217 और 288 है श्रीर कुल क्षेत्रफल 920 चौ० मीटर्स है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 6350 नंबर पर ता० 7-7-1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० **माह,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्ट आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

विनामा: 6-3-1984

मोह्नर:

# प्ररूप वार्ड टी.एन.एस

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ल।

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश म० आई० ए० सी०, एक्यू०/2/एस०-आर-1/7-83/ 288---अतः मुझी, बी० एल० धवनः

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 1853/सोप-4. है तथा जो भागीरथ पैलेस. दिल्ला में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप सं बाणित है) रजिस्ट्राकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :---  (1) श्रो रमेण चन्द्र जैन सुपुत अंतर चन्द, निवासी-5/3, रूप नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मान कौर, निवासी – एच/डी → 15, साकेत, नई । दल्लां ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दूबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवसंची

म्युनिसीपल नं 1853, सीप नं 4 भागीरथ पैलेस, नई विरुत्ति ।

> त्री ० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

त्वनांक : 2∽3-41984

मोहर

प्रस्य नार्चे . टी. एम्. एस. - - - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-च (1) के नुधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायकं नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एलयू०/2/एस०-आर-1/7-83/289--अतः मृक्षे, श्री० एल० धवन,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के मभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1853/सोप-5, है तथा जो भागीरथ पैलेस, दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत, बक्त गौधनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के बावित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के तिए; बॉर/या
- (थ) ऐसे किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर् अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्मीलिखित व्यक्तियों, स्थात् :——  (1) श्री रमेश चन्द्र जैन सुपुत्र श्री अतर चन्द्र, निचासी-5/3 रूप नगर,
 विस्ती।

(अन्तरक)

(2) श्रो हरिन्द्र सिंह, निवासी ई-599, ग्रेटर कैलाश-नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोद् भी बाक्षेप :---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र मों प्रकशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे

स्पथ्तीकरण: इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

# नगत्त्रची

म्युनिसीपल नं ० 1853, सोप न० 5, भागीरथ पैलेस, दिल्ली ।

र्बं(० एल० धवन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक: 2-3-1984

प्ररूप भाषे दी एन एस . -----

भायकर भीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

ा कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देशसं० आई० ए० सो ०/एक्यू ०/2/एस०-आर०-1/7-83/ 295--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ₹सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ′- रु. से बिधिक हैं

और जिसको मं० 177, है तथा जो ग्राम-आजादपुर, अबादी केवल पार्क, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावज अनुसूची में पूर्ण रूप से विणा है), रिजस्ट्रोकक्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान श्रितकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्निसिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए;
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुमिता गुप्ता, निवासी-बी-482, मजलीस पार्क, विल्ली-33

(अन्तरक)

(2) श्री राम निवास गुप्ता,निवासी ई/154, अशोक विहार−1,दिल्ली−52।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसुची

प्लाट नं० 177, तादावी 150 वर्गगज, ग्राम-आजादपुर, अत्राबी केवल पार्क, दिल्ली—33, एक कमरा और चहार दीवारी ।

> र्बा० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक: 2--3-1984

प्रक्य गाइ. टी. एन. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/7-83/ 296--अत: मुझे, बी० एस० धवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मध्यम प्रधिकारी जो, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० सोप नं०-30, है तथा जो कृष्णा क्लाय होल सेल मार्केट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास अरले का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उच्च अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दादित्व में कामी कारने या उपसं यचने में सृविधा के लिए वरि/मा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री विरेन्द्र नाथ सेठ सुपुत्र श्री सुख दयास और श्रीमती उमा सेठ पत्नी श्री विरेन्द्र नाथ सेठ. निवामी ए -20, मी० मी० कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर सिंह, निवासी डी:-154, अजय इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

मांत्र नं ० 30, कृष्णा क्लाथ होल-सेल मार्केट, दिल्ली, तादादी  $9.9 \times 7$  ।

र्वा० एल० धवन, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयगर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 2-3-1984

# प्राक्य बाह् .डी. एवं. एकं. -------

**आयकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०--आर-1/7--83/ 300--अत: मुझे, बी० एस० धवन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 105, ब्लाक 'एफ' है तथा जो वजी रपुर, भाग ... दिल्ली - 52, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितौ (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित से वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उथ्य जीभानियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के सिष्; जीर/वा
- एसी किसी नाय भा किसी भन या जन्य नास्तिनों को जिन्हों भरतीय नायकर निधनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियस, या धन कर निधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्रीमतो सलोचना भाटिया,
पत्नी श्रो डी० बी० भाटिया,
निवासी एफ~105, बजेन्पुर, भाग--1,
दिल्ली--52।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन कुमार, श्री परमेण कुमार और श्री हरी ओम सृपृत्रगण श्री आनन्द स्वरूप गुप्ता, निवासी सी-2/33, अशोक विहार, भाग-2, . दिल्ली-52।

(अन्तरिती)

क्षे बहु सूचना चारी करके वृंबर्षित सम्पृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता ह∵ृ।

उक्त सम्परित के वर्षन है सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रि :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविभ या तत्सं मंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकर्गाः

स्पन्धीकरणः--इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआवित ही, कही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गवा है।

# नगृत्यी

प्लाट सं ० 105, बना क- एफ' तादावी | 460 वर्गगज, वर्ज (रपूर) भाग- 1, दिल्ली - 52 ।

> बीठ एलठ धवन, सक्षम आधार्ररार महायण आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 2-3-1984

माहर

# प्रकल नाह हो एन एव .-----

बायकार बॉधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्वना

#### मारत सहकार

कार्यास्य, सहायक जायकर ज्ञायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/7--83/ 1---अत: मुझे. बी० एल० धवन,

जर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया ह°), की भारा -ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जरण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रुपए से अधिक ह°

जिसकी मं० ए-3, है तथा जो ओवराय अपार्टमेंट, दिल्ली में त है (और इसमें उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित रिजिस्ट्रीकिली अधिकारी के कार्यालय. दिल्ली में भारतीय स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कं जुलाई 1983

वॉक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान जल को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योक्य से उकत अन्तरण त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संबुद्धं किसी नाय की वाबत, अक्ट अधिनियम की अधीन कर दोने के बस्तरक के दावित्व को कवी कर्ड़ने वा उस्ते न्यूने के सुविवा के सिए; बॉट/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना बाहिये था, खिपाने में संविभा के निष्ट;

(1) कुमारी अपनी शार.

 नह स्वयं और अटानी डा० (कुमारी) कृष्णा दार.

 नियासी--90-आनन्द लोक.

 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी तैमनी और रीक्षा राजदन, निवासी ए-3, ओबराय अपार्टमेंट, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर पृथेक्ति उनत स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### नगत्त्री

प्रो० नं० ए-3, ओबराय अवार्टमेंट, शामनाय मार्ग, दिल्ली, 1350 वर्ग फुट।

> बी० एल० धवन, सक्षम अधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई फिल्ली

दिनांक: 2.-3-1984

प्ररूपः बार्दः, टीः, एतः, एतः, -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की ·

# भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/7--83/303---अत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 50, ब्लाक 'जी' है तथा जो ओल्ड नं० 6441 से 6458, नया नं० 4943, दिरया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्भवस्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और्/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राच्यकार्थ अंतरियम देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० मंगत राय किरोरी मल माथुर, धर्मशाला, प्रधान कार्यालय-31, कटन स्ट्रीट, कलकत्ता-7।

(अन्तरक)

(2) मैं॰ ट्रस्ट प्रा॰ लि॰ (रिजि॰ आफिस),
4378/4, अंसारी रोड्, दिखा गंज,
दिल्ली-2,
द्वारा डाईरेक्टर श्री अरुण कुमार जैन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

. स्पच्चीकरणः--इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस स्ध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

प्रो॰ नं॰ 50, (ओल्ड नं॰ 6441 से 6458, (नया नं॰ 4945), ब्लास 'जी' दरिया गंज, नई विल्ली-2,

> बी० एं**ल० धवन,** सक्षम अधिकारी. महायक आयज़र आयुक्त (निरी**क्षण)**, अर्जेन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाँक: 2-3-1984

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. -----

बावकर व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रुपीन स्चना

भारत सरकार

कार्याम्य, सहायक गायकर बायुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/7--83/308-ं-अतः मुझे, बी० एस० धवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. संअधिक है

और जिसकी सं० 4348/बी-1, है तथा जो 4-सी, मदन मोहन स्ट्रीट, अंसारी रोड़, दिया गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक जुलाई 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य असके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अग्तरितियाँ) के बीच एसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उथ्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण से हुद्द जिल्ली जान की नावत, उक्क जिल्लाम के जभीन कर दोने के जलारक के वानित्व में अभी करने या अवसे नचने में सुनिया के जिल्लु; जीऱ्/या
- (व) ऐसी किसी नाय का किसी धन या नन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती संतोश कुमारी अग्रवाल, पत्नी श्री बी० एस० अग्रवाल, निवासी-116-स्टेट बैंक कालोनी, नियर राणा प्रताप बाग, विल्ली-52

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश चावला, पत्नी श्री बलदेश राज चावला, निवासी के० सी-33ए, अशोक बिहार, दिल्ली-52।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए या सर्वेंगे।

स्वक्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा चया हैं।

# जन्स्ची

प्रो० नं० 4348, बेसमेंट नं० बी-1, के साथ एक डब्स्यू०/सी ग्राउन्ड फ्लोर, तादावी-990 वर्गफीट, 4-सी, मदन मोहन स्ट्रीट, अंसारी रोड, दरियागंज, नई विल्ली ।

बी० एल० धवन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 2-3-1984

# युक्तपु जार्ष<sub>ः</sub> हो<sub>ल</sub> हुन्<sub>ल पुरस्कारण्यन्तः</sub>

# भागकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुक्रना

#### शारत ब्राइमाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/2/एस०आर-1/7-83/312--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० ए-21, है तथा जो डा० मुखर्जी नगर, नियर किजबे कैंम्प, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोक्सी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोक्सी अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का-पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कुल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्ति- किस क्ये से क्रियत नहीं किया गया है:—

कुं मधीन . निम्नजिकित न्वित्तयों , मर्थाद् ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (च) श्रेती किसी आय् या किसी भन या कत्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के शिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री राजिन्द्र कुमार गुप्ता,
सुपुत्र श्री रामभज गुप्ता,
श्री रामभज गुप्ता सुपुत्र श्री राम चन्द्र गुप्ता
निवासी आर~79 ग्रेटर कैलांग
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० सी० रखेजा,
सुपुत्र श्री डी० आर० रखेजा और
श्रीमती आणा रखेजा पत्नी श्री जे० सी० रखेजा में
निवासी आर-63, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भी यह बुजना जाड़ी भरके पृत्रानित सम्मीत्त से वर्णन के जिए कार्यनाहियां करता हो।

जनत तम्पृत्ति के वर्षत् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः -

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाबन की तारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

बिल्डींग नं ० ए-21, कम्युनिटी मन्टर, डा ० मुखर्जी नगर, नियर-किजबे कैम्प, नार्थ, दिल्ली, तादादी 101, 44 वर्ग मीटर।

> बी० एल० धवन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

विनोक : 2-3-1984

पंहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**म (1) के अधीन स्व**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० अर्ड० ए० मो०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/7-83/320--अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० 442. ब्लाक-सी, है तथा जो ग्राम-भारौला, अबादी-मजिलम पार्क, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्न्लिचित उद्देश्य से उसत् श्नारण निम्न्ति में बास्डिक कप से किंगत नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के द्यायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; बीड़/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना जाहिए था, किया स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) श्रोमती केला गुप्ता, पत्नी श्री जे० सी० गुप्ता, निवासी-1870/सी, गली नं० 139, जी नगर, दिल्ली-35 ।

(अन्तरक)

(2) श्रो महाबीर प्रसाय, सुपुत श्री मय राम जैंग, निवासी बी-297, मजलिस पार्क, अरजाद्रपुर, दिल्ली-33 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

चक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ल्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मत्त्रची

ं प्लाट नं० 442, ताबादी 100 वर्गगज, ब्लाक 'सी' खसरा नं० 13, ग्राम-भरौला, दिल्ली राज्य अबादी-मजिलस पार्क, दिल्ली-33।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांकः: 2-3-1984

मोहर 🗈

# प्रकृष वाह्य ही वृत् एस ...--

भावतार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्बाजय, सहायक जायक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेंज-2, नर्ड दिल्ला

नई दिल्ली, बिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/7-83/321---अतः मुझे, बी० एल० धवन,

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 484, ब्लाक 'बी' है तथा जो मजलिस पार्क, दिल्ली में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपिए बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तर्ण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादत्, उपक निवृत्तम् के स्थीन कर्य को के बन्तरक के बादित्व के कनी करने का उन्ने क्वने में सुविधा के सिए; बॉट/बा
- (थ) एसी कियों नाव या किसी धन या अन्य आस्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते निधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकष्ट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के बिक:

(1) और सुरैन्द्र नाथ चोपड़ा एंड नरेन्द्र कुमार चोपड़ा, सुपुत्र श्री प्रेम नाथ चोपड़ा, निषासी-4532, आर्या पुरा, सब्जी मंडी, विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द्र कुछल, सुपुत्र स्व० श्री नानक चन्द्रा, निवासी 2-नई फ्लैट्स, श्री राम कालेज आफ कामर्स, मोरिस नगर, दिल्ली।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संप्रीत के अर्थन के हैंस्ए कार्यनाहियां करता हूं।

जन्म संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकी?

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदाँका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्रची

प्रो० नं॰ 484, ब्लाक 'बी' मजलिस पार्क, विल्ली, तावादी 180 वर्गगज,

> बी० एस० धवन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिबत व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

विनांक: 2-3-1984

मोहर 🛭

प्रका नार. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/7-83/325---अतः म्झे, बी० एल० धषन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्रोव नंव 1, है तथा जो अशोक पार्क, (मेन) रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ पामा गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त जीभिनियम के बधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती साशिकों देवी पत्नी श्री जय देव शर्मा, निवासी—5291, कृष्णा नगर, करोल बाग, नई विल्ली, जी० ए० श्रीमती चान्दो देवी एंड, श्री श्याम सुन्दर, पत्नी और सुपुत्र श्री मुंगी लाल, निवासी 9-10, गुड़ मंडी, विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्त्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री बारू मल गुप्ता, निवासी 30—अशोका पार्क (मेन) रोह्नतक रोड़, विल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाध;
- (च) इस स्वना के श्रापप में प्रकाशन की दारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बवुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नपुसूची

अविभाजित हिस्से 1/2 भाग प्रो० नं० 1, अशोका पार्क (मेन) रोहतक रोड़, दिल्ली, तादादी-220 वर्गगज,

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांकु: 2-3-1984

प्ररूप बार्च टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2,एस०—आर०—1/7— 83/352——अतः मुझे, बी० एल० धवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं क्सी-18, है तथा जो ग्राम-सधीरा कलां, सत्यवती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की वाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मृतिधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३--- (1) श्रीमती मुखा जैन, परनी श्री मिनोद जैन, निमासी 5230, दूसरी मंजिल, सदर थाना रोड़, दिल्ली ।

(अन्सरक)

(2) श्री महेण चन्द अग्रवाल, सुपुत्र स्व० श्री भगवत प्रसाद और, श्रीमती गौरी अग्रवाल, पत्नी श्री महेण चन्द अग्रवाल, निवासी 2963 कुचामय दास, बाजार सीता राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

्उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया हैं।

# अन्सूची

प्रो० नं० सी-18, तादादी 200 वर्गगज, सत्यवती नगर, खगरा नं० 86, 88, 89, 92 से 99, और 101 में 107 ग्राम-सक्षोरा कलां, दिल्लों।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विस्ली।

दिनोंको. 2-3-1984 मोहोद्द प्रस्प बाई .टी .एन .एस .-----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेज 2, गर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० की $\circ$  $|एसयू<math>\circ$ |2 $|एस<math>\circ$ -आर-1|7-83|353-38तः मुझे, बी $\circ$ एल $\circ$  धवन.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕रु. से अधिक है

और जिसकी सं 66 ब्लाक 'एफ' है तथा जो सानसरोघर गार्डेन, बमईदारापुर, दिल्ली राज्य में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिनायम, के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

कर पूर्विकत सपत्ति के उिचल बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखिन में कास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे स्थन में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िछपाने में सुविधा के लिए;

मतः बक् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियां अर्थातः :---- (1) श्रीमती इश्वर देवी, पत्नी श्री रामधन बता, निवासी की-872, फैज रोड़, करोल जाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रामनी रूप रानी भाटिया।
पतनी श्री राम सरन भाटिया।
निवासी 5/4, जयदेव पार्वा, नई दिल्नी।
श्रीमती कुसुम लता,
पतनी श्री सुभाष चन्द्र भाटिया,
निवासी 10850 नदी करीम,
झंडेबालान रोड़,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्रोठ नंठ 66, वनाज 'एफ' नावादी 275.18 वर्ग गज, स्यापित मानप्रशेवर गार्डेन, आबादी ग्राम-बसईवारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> वं(० एन० धवन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयु<del>न्</del>त (निर्राक्षण), विजेन रेंज-2, गई दिल्ली

क्तिंक: 2-3-1984

भोहर 🗈

## शक्य नाहाँ. टी. एन. एच.-----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लाः, दिनांवः 2 मार्च 1984

निर्देश गं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/7-83/360--अतः मुझे, बी० एल० धवन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६मके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी में 132 है नथा जो गली बताशन, बार शाहबुला, सामरी बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्री रुनी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीशरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, दिनोक जुलाई 1983

की पूर्वोकत संपरित के जियत बाजार मूल्य से कम के क्यमाब प्रतिफ न के लिए अन्तरित को गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह् प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्रम्तरण सिखित में बान्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के बिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी बाद या किसी धन या अन्य अस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

बत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमृत्रूप थो. हो. जन्म समितियह की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्राप्त सन्त्रा सुपुत गहेण वास, निवासा-132, गती बताणन, बार णाहबुलाह चावरी बाजार, दिरुली।

(भनारक)

(1) कागज भवन द्रस्ट (रजि०) दिल्ली, हारा द्रस्टी, श्री महेन्द्र कुमार जैन सुपुत श्रीराम जैन, निवासी—113, दरियागज—नई दिल्ली—2, श्री मुरेन्द्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री राम सम्बंध गुप्ता, निवासी—4686, कर्ता बालीमाण, बालीमारन, दिल्ली।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पृश्वीवत संपृत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया

### भनुसुची

अविमाजित हिस्से 1/2 भाग प्रो० नं० 132, गली बताशन, बार शाहबुलाह, चावरी बजार, दिल्ली-6, तावादी 298-1/2 वर्गगज,

> वी० एन० धवन, सक्षम अधिकारी, सहायक भागतर आयुक्त (निर्रोक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनां क: 2-3-1984

सांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुपना

#### भारत सरकार

ायोलय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निदंग स० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/7-83/361--अतः मुझे, बीठ एक० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

अं।र जिसकी मं० 3514, 3515, है तथा, जो गला हकीम बाका, बाबरा बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणित है), र्राजस्ट्रीताली अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजम्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. मैं० गांपीनाथ मोहन लाल, (एच० यू० एफ०) मराय रोहिला, ओल्ड रोहतक रोड़, विल्ली, बारा, श्रामती पद्मावती, विश्वदा पर्ता श्री मोहन लाल,
  - 2. श्री राजेश गुष्ता सुपुत श्री मोहन लाल.
  - 3. श्री कुकेश गुप्ता मुपुत्र श्री मोहन लाल, व स्वयं तथा जनरल अटार्नी श्री महेश गुता, अटार्नी श्रीमती श्रीमती उमा अग्रवाल, पर्ती श्री डीं० डीं० अग्रवाल, और अटार्नी श्रीमती उर्वशी अग्रवाल, पर्ती श्री अक्लेश कुमार अग्रवाल ।

(अन्तरक)

(2) मैं० हिन्द पुस्तक भडार,42, 43, 44 चावरी बाजार,दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हों, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लार पी० नं० 3514, और 3515, गर्ली हर्काम बाका, चावरी बाजार, दिल्ली—तादादी—100 वर्गगज,

> र्वी० एल० धवन, मक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,-नई दिल्ली

**दिनांक**: 2-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सं:०,एक्यू०,2,एस०-आर-1/7-83/368--अतः मुझ, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० 1, है तथा जो अशोका पार्क (मेन) रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाणमें है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी गांग की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; गौर/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती सावित्री देवी। पत्नी श्री अपदेव शर्मा, निवासी—5291, हुल्ला नगर, करोल बाग, नहीं दिल्ली। जनरल अटानी श्रीमती चान्दी देवी। विधया पत्नी श्री मुंशी राम, श्री श्याम मुन्दर सुपुत्र एल० श्री मुंशी राम, निवासी 9-10, गुड़ मंडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री झारू मल गुप्ता, निवासी 30-अमोदा पार्क (मन) रोहतव रोड़, दिल्ली।

(अन्तर्रितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए. कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर संपरित मं हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**स्ची

अबिभाजित हिस्से 1/2 भाग, प्रो० नं० 1, भूमि तादादी 220 भगगज, अशोजा पार्क (मेन) रोहतक रोड़, दिस्सी।

बीं० एल० घषन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 2-3-1984

मोहर:

प्ररूप अर्ड . टी. एन . एस . - - - -

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निर्धिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/7-83/369--अतः मुझ, बी० एल० धवन,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 51-ए, है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रोकची अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वाद अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खं) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशरेजनार्थ असिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सेवा सिंह मुपुत्र श्री जाल सिंह, जिवासी क्याटर नं० 51-ए, रमेण नगर, नई दिल्ली, द्वारा जी० ए० श्री पृथ्वी राज सुपुत्र श्री वीर भान, जिवासी डब्ल्यू० जेड-10/बी, रतन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमिला कुमारी, पत्नी श्री पृष्वी राज नागपाल, निवासी डब्ल्यू० जेड-10/वी, रतन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील एं 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण :——इममं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनयम को अध्याय 20-क में परिभाषित ॣ बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

#### मन्स् ची

सरकारी बना हुआ क्याटर नं० 51-ए, तादादी 100 वर्गगज, एक कमरा, स्थापित-रमेण नगर, नई दिल्ली।

> र्वा० एल० धवन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक: 2-3-1984

गाहर:

### प्रकम् भार्षः .टी . एन् . एसं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-1/7-83/370--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 77. ब्लाक 'सी' है तथा जो मानसरोवर गार्डेन, ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी कियी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थात :—  (1) श्रीः राम रखा मल सुपुत्र श्रीः गनपत राय, निवासी ए-2/290, जनकपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राधे क्याम भंभानी, सुपुत्र श्री हुनम चन्द भंभानी, निवासी--1255 बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली--6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## जम्सू जी

ण्लाट नं० 77, ब्लाक 'सी' तादाधी 300 वर्गगज, कालोमी मानसरोवर गार्डेन, ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली, खसरा नं० 2336।

> बी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंग 2, गई दिस्ली

विनांग: 2-3-1984

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंत 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस ०-आए०-17-83/316—यतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी मं० 7/3768, है तथा जो पुराना नं० 7/2420, गर्ला मर्स्राज्ञहाली, णाहगंज, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपायद्ध अनुमूची में पूर्ण एप से विणित हैं), रिजस्ट्रांकर्ती अधिकारी के वार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि मथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिणत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षन निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक का का किस नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की भावत संकत अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तर्क के वायित्य में कभी करने या उससे वजने में स्विधा के निष्य और देश
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिवों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जाना जाहिए था, खियाने में सोंवधा की नए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राः नन्द लाल सुपुक्त श्रीः हीरा नन्द. निवासी आर—576, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्मीः।

(अन्तरक)

(2) श्री सिराजून हक सुपुत श्री गुलाम मुस्ताफो,
श्री मोहम्मद नदीम और मोहम्मद नदीम,
सुपुत श्री सिराजुल हक,
(दोनों नाबालिग) अभिभावक श्री सिराजुल हक,
श्री रियाजुल हक, श्री अमराचल हक और
श्री शामिन अखतर सुपुतगण श्री सिराजुल हक,
सभी निवासी नं० 7/3768,
गर्ली मस्जीदवाली, शाह्यंज,
दिल्ली।

(मन्तरिती)

का यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्षतिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त जिल्लाम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो जस अभ्याय में दिया गया है।

## जनसंची

मकान नं० 7/2420, (ओल्ड) और न्यू नं० 7/3768, ही/एस, अजादी गर्नी मस्जीद काली, णाह गंज, दिल्ली, एरीया 100 वर्गगण।

बी० एन० धवन, सक्षम अधिकारी, सह्याक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: 12-3-1984

मोहर :

## प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत् सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली। नई दिल्ली। दिनांक 2 मार्च 1984 निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०--7-83/ 38--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-ए. से अधिक हैं

और जिसकी मं० जे-7/12-ती, है तथा जो टाजोरी गाउँन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधक अनुमूची में पूर्ण इस से बर्णित है), रिजस्ट्राकर्नी अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल को पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में अस्तिक रूप सो किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन बार दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर० पी० मेहता, जी० एल० मेहता, एन० एन० मेहता, श्रीमती मुदेश मेहता, कुमारी सुनीता मेहता, कुमारी अनिता मेहता, और कुमारी पूनम, नियामी जै-7/12-गी, राजोरी गाउँन, नर्थ दिल्ली, और 23-अशोध नगर, राम बाग-कल्यान,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुदेश दुआ और हरीण चन्द दुआ, निवासी जै-7/12-मी, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध भें कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे . 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## अनुसुची

निवासीय प्रो० नं० जे--7/12--सी, राजोरी गार्डेन, नई दिल्सी, एरिया तादादी-प्राउन्ड फ्लोर-858 वर्गफीट और पहली मंजिल 858 वर्गफीट, जमीन 226.5 वर्गगज ।

> वी० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सह।यक आयंकर अ।युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली।

दिनांक: 2-3-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सं1०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/7-83/

नवश स० आ६० ए० सा०/एक्यू०/2/37 ६० ६०/7-83/ 40-अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 152, ब्लाक्ट-ए-एल है तथा जो शालीमार बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है). रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई विल्ली भारतीय आयमर अधिनयम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विक्त सम्पत्ति का ज्यित बाजार मूल्यः, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल जिम्निलिखित उद्योग में अस्तरण के जिन्तरण विविद्या में अस्तरिक रूप से अधिक वद्याम में अस्तरिक रूप से अधिक नहीं किया गया है ---

- (क) बस्तरण सं हुई किसी अय को बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/णा
- (ब) एसी किसी आय या किसी अन जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् :--- 38-26 GI/84

(1) श्री राम शंकर मिश्रा, सुपुक्ष श्री रोशन लाल मिश्रा, निवासी 109, गवर्नमेंट फ्लैट हनुमान रोड़ नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश घरत आनस्द, निवासी 78/5649 रेहगरपुरा, अरोल नाग, नई विस्ली।

(अन्तरिती)

को पह मुचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्**स्घो**

प्लाट नं 152, ब्लाक 'ए-एल' शालीमार बाग, नई दिल्ली, एरीया ताबादी 35 वर्गमीटर ।

> बी० एल० धवन, सक्षम अधिकारी,, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई पिल्ली

दिनांक: 2-3-1984

मोहर:

प्ररूप आर्था. टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, नई विल्ली नई दिल्ली: विनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्यू०/2/37 ई० ई०/7-83, 41--अतः मुझे, बी० एन० धवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परमात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 10, प्लाट बी-2/4 है तथा जो नैनीबाला बाग, आजादपुर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूर्वी में पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के शायिलय, अर्जन रेंज-11, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम में 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंधरण लिखित में बास्तरिक है से किया नहीं किया गया है:

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दासित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; जोर/या
- (का) एसी किसी अत्य का किसी धन का अन्य वास्तियां का, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नतकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सर्विया के लिए;

अतः अवः, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसिम व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) मै० अजय इन्टरप्राष्ट्रजेज प्रा० लि०, इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई विल्ली--14

(अन्तरक)

(2) श्री एस० डी० भाटिया.
सुपुत्र स्व० श्री सोभा राम और
श्रीमती सुशीला भाटिया,
पत्नी श्री एस० डी० भाटिया,
निवासी—144, कल्याण विहार,
विल्ली ।

(अन्तरितं।)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पण्णि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जर सकींगे।

स्पच्छोक रण:---इसमें प्रश्वत शब्दों और पदां का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्पेस नं 10, पह्ली मंजिल तादादी 416 वर्गफीट, अराधना भवन, प्लाट नं व्य-2/4, नैनीवाला माण, आजादपुर, दिल्ली।

बे(० एल्॰० धवनः सक्षम अधिकारीः, सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण),** अर्थन रेंज 2, नई दिल्लीः

**विका**क्तः 2-3-1984

माहर ह

परूप आर्ड. टी. एस. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/7-83/ 42---अत: मुझे, बी० एल० धवन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मल्य 25,000/-रा. में अधिक ही

और जिसकी सं० 6. ए/2/1. है तथा जो नैनाबाला बाग, आजाद-पुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली भारतीय अधिकार अधिनियम-1961 के अधीन, विनोक जुलाई 1983।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि गथापुर्वेक्त एक्जिल का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक हप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में स्विधा के किए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त पिधिनियम की बारा 269-ग की उपधारा (।) के मधीन निमनोन्नीसत व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) भी व प्राप्तक मीति पूर एंड को बाव इरोज सिनेमा बिल्डींग. जंगपुरा एक्सटेशन, नई विल्ती ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुराया राम हंस राज, निवासी सी-113, न्यू सब्जी मई।, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अगिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुधी

मीस तं० ६. ग्राउन्ड फ्लोर एर्स्सा 262 वर्गफीट, प्वाट गं० एन्-2/1, नैनिवाला वाग, श्राजादपुर, दिल्ली ।

> र्बाउ एल० धयन, सक्षम प्राधिनगरी, सहायाः आयमर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनारिंग 2, न्हें दिल्ली

विनाम: 2-3-1984

मोहर:

प्ररूप आर्षं, टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 2 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एमय्०/2/37 ई० ई०/7-83/ 43-अतः मुझे, बीठ एल० धवन,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का यारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार 25,000/- एक. से अधिक है

और जिसकी मं० 4, प्लाट सी-1, है सथा जो नजफ गढ़ रोड़, नई दिल्ली: में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने प्रिंगित है), दिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज−2, नई दिल्ली, भारतीय अ।यगर अधिनियम 1961, कें अधीन, दिनां ३ ज्लाई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यष्ट विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उषित बाजार मूल्य, उसके स्ध्यमान प्रतिफल से., एसे स्थ्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखित मो वास्तविक रूप से अधिक नही किया गया है :---

- (क) अन्तरफ से <mark>हुई किसी बाय की बाबत, उक्त</mark> धिधिं∘य⇒ र उधीत कर देने के ग्रन्तरह के दायित्व मो कमी करने या उससं यचने मो सुनिधा कें लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रभाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट पही किया गथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण . में, जन्म अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमिन व्यक्तियों, अर्थात् :

 (1) कमल नयन एंड सन्स, आर० सी० जैन एंड सन्स, 1048/16, नाईबाला करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० कै० गोइन्का एंड सन्स, नाहरी बाहरी रोड़, बहादुरगढ़, हरियाणा ।

(अन्तरिर्ता)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधः, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पब्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्त् दी

स्पेस नं० 4, दूसरी मंजिल, कंचन हाउस, प्लाट नं० सी-1, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्लं।

> नीर एस० धवन, स्तास प्राधिकारी, महायक आयश्रय आयुक्त (निरं(क्षण), अर्भन रेज 2, नई विरूल:

दिनां*न*: 2-3-1984

मोहर:

#### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 29th March 1984

No. F. 6/84-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following officers of the Registry of the Supreme Court of India to the posts shown against each with effect from the forenoon of November 1, 1983 until further orders:—

S. Name No.		Post to which appoin- ted	
	nri R. Subba Rao, egistrar	Registrar in the up- graded post equivalent to the Additional Secretary to the Govt. of India.	
	ıri A. N. Oberoi, ff. Joint Registrar	Additional Registrar	
	nri Mahesh Prasad, eputy Registrar	Joint Registrar	
	liss S. V. Kashyap, ssistant Registrar	Deputy Registrar	

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Miss V. P. Singhal, Court Master as Officiating Assistant Registrar in the Supreme Court of India with effect from the forenoon of May 17, 1983, until further orders.

III. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Shri D. R. Nangpal, Assistant as Officiating Section Officer in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of January 9, 1984, until further orders.

#### The 2nd April 1984

No. F. 6/84-SCA(I).—Shri R. Narasimhan, Registrar, has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from March 31, 1984 (A.N.)

H. S. MUNJRAL Deputy Registrar (Admn. J.)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 27th March 1984

No. A. 32013/2/84.Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Grade I Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretaries in the office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a period of three months from the date shown against their names or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No., Nane of Officers and Date of appointment

- 1. B. S. Jagopota-5-1-84.
- 2. L. B. Sinate-20-3-84.

A. J. BAJAJ Dy. Secy. (Admn.), Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th March 1984

No. A-22020/71/80-AD.III.—Consequent upon his promotion on ad-hoc basis to the post of Stenographer Grade 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-800-EB-40-920-40-1040.

Shri Sugnomal has taken over charge of the post of Sr. P. A. (Grade 'B' Stenographer) in the CBI with effect from 1-3-84 (FN).

DWARKA NATH Supdt. of Police (HQ) CBI/HO.

#### New Delhi, the 28th March 1984

No. A-19021/6/80-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri G. Jha, IPS (UP: 1967) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Poli cEestablishment with Effect from the forenoon of 20th March, 1984 until further orders.

#### The 30th March 1984

No. A-22015/2/82-AD.V.-The President is pleased to appoint the following Public Prosecutors of CBI to officiate as Senior Public Prosecutors in CBI on purely ad-hoc basis for a further period upto 31-3-1984.

Name	In continuation of Notification No.	
1. Shri S. P. Nigam	No. S-7/70-AD. V dt. 26-9-83	
2. Shri S. K. Srivastava	No. S-3/70-AD. V. dated 26-9-83	
3. Shri G. Vittal	No. G-3/69-AD. V dated 26-9-83	
4. Shri V. N. Srivastava	No. V-8/72-AD. V. dated 29-7-83	
5. Shri S. R. Pandey	No. S-17/71-AD. V dated 26-9-83	
6. Shri S. P. Srivastava	No. S-32/72-AD. V. dated 29-7-83	
7. Shri S. Bhattacharjee	No. S-27-72-AD. V. date 11-7-83	
	ad No. U-2/72-AD. V dated 29-7-83	

#### The 2nd April 1984

No. A/19036/2/82/AD.V.—The Services of Shri K. P. Mishra, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Orissa State Police on repatriation were placed at the disposal of Government of Orissa with effect from 7th March, 1984 afternoon.

R: S. NAGPAL

Administrative Officer (E) CBI.

### DIRECTORATE GENL. CRP FORCE

New Delhi-110003, the 27th March 1984

No. F. 2/5/84-Estt(CRPF).—Consequent upon appointment to the rank of commandant selection Grade, Shri Lalit Mohan presently on deputation with Mizoram Govt. has been given proform promotion as Commandant Selection Grade w.e.f. 27-10-1983.

2. This issues with the approval of MHA vide their U.O. note No. 2824/JSP/84 dated 16-3-84.

A. K. SURI Assistant Director (Estr)

#### DIRECTORATE GENERAL

### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th March 1984

No. E-16013(1)/2/79-Pers.—Consequent upon his promotion to the rank of Inspector General of Police, Arunachal Pradesh. Shri Markandey Singh, IPS (UT 56) relinquished charge of the post of Deputy Inspector General (Adm). CISF HOrs New Delhi in the afternoon of 12th March 1984.

No. E-16013(2)/1/80-Pers.—Consequent upon his appointment as Chief Vigilance Officer in the Indian Airlines under the Ministry of Tourism and Civil, Aviation, Shri P. N. Khanna, IPS (Raj 67) relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (R&T) CISF HQRS, New Dellin the afternoon of 15th February, 1984.

#### The 24th March 1984

No. E 28017/1/84-GA.II.—On retirement on attaining the age of superannuation, Lt. Col. (Reid). D. S. Mangat, relinquished charge of the post of Comdt., CISF 1st Res. Bn., Deoli w.e.f. the Afternoon of 29th Feb. 1984.

#### The 26th March 1984

No. E-16016/5/82-Pers.—S/Shri M. Dhalwani and S. D. Sharma, Permanent Office Superintendents of Central Reserve Police Force, Ministry of Home Affairs, are appointed as Section Officer substantively on transfer basis with effect from the forenoon of 1st September, 1983.

> S. ANANDARAM Director General/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 28th March 1984

No. 10/16/83-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. N. Pant, Hindi Officer, in the Office of the Registrar General, India to the post of Senior Hindi Officer in the scale of pay of Rs. 1100-1600, in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 28th February, 1984 for a period not exceeding one year or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

V. S. VERMA

Registrar General, India

## MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 23rd March 1984

No. 19/A/Estt.—In continuation of this Office Notification No. 36/A dated 9-9-83 Shri N. N. Sardesai Accounts Officer on ad hoc basis is reverted as Head Accountant, India Security Press. Nasik Road, w.e.f. 22-2-1984 (FN).

No. 20/A/Estt.—The undersigned hereby appoints Shri P. B. Rajesh, Accountant C.N.P. to officiate as Accounts Offi-cer, India Security Press, Nasik Road, for a period of 6 months w.e.f. 22-2-84 (FN).

No. 23 / A /Estt.—In continuation of this Notification No. 49/A dated 29-1-84 the ad hoc appointment of Shri M. S. Pandey. as Dy. Control Officer is regularised w.e.r. 15-4-1983 until further orders.

P. S. SHIVARAM, General Manager INDIA SECURITY PRESS

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Dethi-2, the 12th March 1984

No. OE&Admn./OO No. 71.—The Deputy Comptroller and Auditor General of India has been pleased to appoint Shri J. N. Chugh, Stenographer Grade-II of this office, to officiate as Senior Personal Assistant in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 12-3-84 (FN) until further orders. The post is in the Central Services Group 'B' Ministerial Constant Ministerial Gazetted.

#### The 20th March 1984

No. OE&Admn/OO No. 69.-The Deputy Comptroller and Auditor General of India has been pleased to appoint the following: Selection: Grade Section Officers of this office to officiate as Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted) in the seale of Rs. 650-90-740-35-880-FB-40-1040 plus special pay of Rs. 125/- per month w.e.f. 1-3-84. Their pay in the new scale will be fixed under the previsions of FR 22(4). They may however exercise option available to them under para 2(b) of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms, Office, Memorandum No. F-7/1-80-Estt.P-1 dated 26-9-81 within one month of their promotion that their pay in the new scale may be fixed initially as provided in FR 22(a) (i) which may be refixed on the basis of provisions of FR 22(c) on the date of accrual of next increment in the lower scale of pay.

Sl. No. Name and Designation S/Shri

- O. P. Verma, Selection Grade Section Officer.
   Vishnu Narain, Section Officer.
   H. R. Sethi, Selection Grade Section Officer.
   K. K. Mathur, Section Officer.

- 5. L. S. Loi, Section Officer.
- 6. J. K. Agarwal, Selection Grade Section Officer.
- 7. B. S. Pharwahan, Selection Grade Section Officer.
- 8. V. K. Chandhok, Section Officer.

SUNIL VERMA, Jt. Director (P).

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 2nd April 1984

No. Admn-I/8-132/83-84/3114.—Sri G. Jagadeesan and Sri M. Manoharan, Accounts Officers, Office of the Accountant General, Andhra Pradeth, Hyderabal retired from Service on 29-2-1984 A.N.

> Sd/- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 24th March 1984

No. AN/I/1419/4/Vol. I—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates show aganist each :-

SI. Name . No.	Date of Confirmatio
S/Shṛi	the The Control of Control of the Co
1. Vinay Kumar Sahni	09-09-1983
2 Avinash Narain Saxena	01-09-1983
3. V. R. Sadasivam	0 <b>5-09-198</b> 3
4. Sukhinder Singh Sandhu	24-12-1983
5. Sunil Kumar Kohli	01-09-1983
6. Narinder Gupta	18-12-1983 (AN)

#### The 27th March 1984

No. AN/I/1174/1/II.—The President is pleased to appoint Kum. GANGA PURKUTI, an officer of the Indian Defence Accounts Service, presently on deputation as Assistant Financial Adviser, Ministry of Defence (Finance Division) to officiate in the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, for a period of six months from 14th February 84. under the "Next Below Rule".

No. AN/I/1174/1/II President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service. to Officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, with effect from the dates shown aganist their names, until further orders :-

1. Shri Hari Santosh Kumar 04-02-1984 2. Shri Dheer Singh Meena 14-02-1984.

> V. S. JAFA Additional Controller General of Defence Accounts

## New Delhi-110066, the 2nd April 1984

No. AN/II/2603/84—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermanded permanent Section Officer (Accounts) as Accounts Officer in the substantive capacity with effect from the forenoon of the date shown against him.

SI. Name No.	Organisation I	Date of effect
1. Shri M. C. Mehta	C.D.A. Western Command, Chandig	1-4-1 <del>9</del> 82 arh

A. K. GHOSH Dv. C.G.D.A (Admin.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

## ORDNANCE FACTORY BOARD

## DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-69, the 23rd March 1984

No. 8/84/A/E-1(NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on Seniority, in grades and on dates shown against each:—

S/Shri 1. P. C. Chowdhury, ASO (Ad-hoc) 2. B. P. Gour, ASO (Ad-hoc)	Offig. Asstt. Staff Officer Do.	From 30-1-84 until further orders Do.
3. Narayan Ch. Biswas, ASO (Ad-hoc)	Do.	Do.

- 2. The above promotions shall abide by the results of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3 The officers mentioned at Sl. No. 1 & 2 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 30-1-1984. Shri N. C. Biswas mentioned at Sl. No. 3 however assumed the higher duties as ASO w.e.f. 31-1-1984.

D. R. IYER
DDG/Per.
for Director General, Ordnance
Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the

March 1984

## IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1456/84-ADMN(G)/3039.—On attaining the age of superannation, Smt. Anjali Chowdhury, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1984.

No. 6/1455/84-ADMN(G)/3039.—On attaining the age of superannuation. Shri J. J. Putatunda, Controller of Impores and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1984.

#### The 23rd March 1984

No. 6/1210/77-ADMN(G)/1995.—On attaining the age of superannuation, Shri D. P. Mukherjee, Controller of Imports

and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports. Calcutta retired from Government Service with effect from the afternoon of 29th February, 1984?

#### The 29th March 1984

No. 6/1454/84-ADMN(G)3044.—On attaining the age of superannuation, Shri Santosh Kumar Bose, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1984.

#### SHANKAR CHAND

Dy. Chitf Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

#### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE TEXTILE, COMMISSIONER

Bombay-4000 20, the 19th March 1984

No. 5(13)/EST.I/84/1347.—The Textile Commissioner 18 pleased to appoint with effect from the Forenoon of 3rd March 1984 and until further orders, Shri Paul E. Lyngdon as Assistant Director Grade II (P&D) in the office of the Textile Commissioner, Bombay.

C. SRIDHARAN Adviser (Cotton)

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-110 066, the 20th March 1984

No. 3/10/82-Admn.III.—Shri Onkar Nath Mehra, permanent Personal Assistant and a member of the Central Secretariat Stenographer Service (Grade 'C') in the Cadre of the Ministry of Commerce, Office of the Development Commissioner (Handicrafts), has been allowed to continue as Administrative and Security Officer, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) (Crafts Museam), New Delhi on deputation basis on existing terms and conditions with effect from 26th March, 1984 (Forenoon) for a further period of six months.

SHIROMANI SHARMA
Development Commissioner for Handicrafts

## MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

## DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

New Delhi, the 27th March 1984

No. \*A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 20th December 1983 the appointment of Shri P. S. Rawat, Officiating Senior Hindi ranslator in the Department of Civil Supplies, as Hindi Officer, is further continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on purely temporary and ad-hoc basis with effect from 1-1-1984 (F.N.) to 30-6-84 (A.N.).

P. S. CHEEMA Chief Director

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

## (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 25th March 1984

No. 12(420)/63-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Patel, Asst. Director (Ci.I) (IMT). Small industries Service Institute, Bombay as Deputy Director (IMT) on an ad-hoc basis at the same Institute with effect from the forenoon 16-2-1984 until further orders.

#### The 30th March 1984

No. 12(84)/61-Admn(G)Vol.II.—On completion of his tenure of deputation with the Commonwealth Secretariate, London under IDC /CFTC in Malaysia from 10-9-83 to 9-3-84 Shri S. K. Sharma assumed Charge of the post of Director (Gr. II) (Ancillary) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the afternoon of 9-3-1984.

S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION-6)

New Delhi, the 31st March 1984

No. 1-6/57(8) Vol. X.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the undermentioned officers substantively to the posts of Assistant Inspecting Officers (Timber with effect from the date mentioned against each:—

S. Name of Office No.	Date of Confirma-
1. Shri Sharan Singh	1-6-1983
2. Shri A. B. Roy	1-6-1983
3. Shri-R. Robert	1-6-1983
4. Shri V. N. Chittranshi	1-6 1983

S. L. KAPOOR Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th March, 1984

No. A-1/42(40) III.—The President is pleased to appoint the following officers of DGS&D substantively in the permanent post of Deputy Qirector of Supplies (Grade II of Indian Supply Service) with effect from the date mentioned against each of them:—

S. No.	Name of officer	offg post held at present	Date of confir- mation
S	/Shri	H	
1. V.	K. Gupta	Director (S)	27-3-80
	Natrajan	Director (S)	27-3-80
	K. Srivastava	Director (S)	1-12-81
	K. Ghosh	Director (S)	1-3-82
	ardhan Sahay	Director (S)	29-9-82

M. L. NIJHAWAN Deputy Director (Administration)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 010, the 29th March 1984

No. 2107B/A-19012(1-DC)/83/19A.—Shri Debashish Chakravorty is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19-2-1984 until further orders.

No. 2120B/A-19012(1-RP)/83-19A.—Shri P. Ramadas Pai is appointed by the Director General, Geology Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- pcr month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 2-2-1984, until further orders.

No. 2134B/A-32014(2-AG)/79-19B.—The following Sr. Tech. Asstt. (Geophisics) Geological survey of India, have been appointed on promotion to the post of Assistant Geophysicist in the same Lapartment by the Director General, Geological (4,100) or India on may according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacities with effect from the dates mentioned against each, until further orders:—

- 1. Shri S. K. Maiti, w.e.f.-6-1-1984 (FN):
- 2. Shri H. P. Mishra, w.e.f.-9-1-1984 (FN).

A. KUSHARI Dir. (Per.)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 26th March 1984

No. A-19012(188)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri K. K. Sahu, Temporary Block Development Officer, Planning Department Government of Uttar Pradesh, Baragaon, Dist. Jhansi (U.P.), on his release from the post of Block Development Officer, Office of the Collector, Jhansi (Uttar Pradesh) from 1-3-1984 (AN) assumed charge of the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines, with effect from the forenoon of March, 1984.

A. R. KASHAV Sr. Admn. Officer for Cont. Genl.

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 26th March 1984

No. F. No. 4/8/84-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Sh. R. D. Nalage, Hindi Translator AIR, Sangli as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from 6-3-1984 in the office of AIR, Pune,

#### The 27th March 1984

No. F. No. 4/2/84-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Sh. Sant Ram Tripathi, Senior Hindi Translator, Rajasthan Atomic Power Station, Plant Site, Anushakti as Hindi Officer on deportation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 5th March 1984 in the Office of All India Radio, Hyderabad.

SMT. RUKMINIDAS GUPTA Dy. Dir. Admn. for Dir. Genl.

### New Delhi, the 29th March 1984

No. 5(42)/69-51.—On attaining the age of superanuation, nri P. N. Sr vastava, Programme Executive, All India Radio. atna retired from Government service with effect from the ternoon of 31st January, 1984.

> H. C JAYAL Dy. Dir. of Admn. for Dir. Genl.

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 26th March 1984

No. A-20012/2/74-Est.I.—On the recommendation of ts, 680/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-5-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of 24th ebruary 1984 until further orders.

V. R. PESWANI

Asstt. Admn. Officer for Dir. of Admn.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th March 1984

No. A-12025/12/82-Admn:I.—The Director General lealth Services is pleased to appoint Dr. Ranjit Sutradhar to he post of Dental Surgeon at Central Government Health cheme, to Lucknow with effect from the formoon of 27th February, 1984, in a temporary capacity and until further orders.

> P. N. THAKUR Dy. Dir. Admn. (C&B)

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 22nd March, 1984

No. B/96/Accts/Estt.II/1048.—Shri Dattatraya Rhave relinquished charge of the post of Assit. Account Officer on 29-2-1984 (AN) consequent on Superannuation. Accounts

R. J., BATRA Dy. Est. Officer

#### Bombay-400 085, the 23rd March 1984

No. PA/80(14)/83-R-III.—Controller. Research Centre appoints Shri B. L. Nirala a permanent Assistant Security Officer of Rajasthan Atomic Power Station to officiate as Security Officer in Rare Materials Plant at Mysore with effect from the forenoon of March 12, 1984 until further orders.

B. C. PAL, Dy Establishment Officer

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HFAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 26th March 1984

No. 05012/R1/OP/1332.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Keshav Janardhan Sohoni, a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same poffice in a temporary capacity, on ad hoc basis from Ianuary 10, 1984 (FN) to February 23, 1984 (AN) vice Shri Krishnamurthy, Assistant Personnel Officer, proceeded for Section 39-26GI/84

Officers (Refreshers) course at Institute of Secretaries Traine and Management, New Delhi.

The 28th March 1984

No. 05012/R2/1367—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri P. Neelakantan, Assistant Accountant, Directorate of Purchase and Stores (MRAU) to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Plant (Baroda), with effect from the forenoon of March 5, 1984 until further orders.

K. MUTHUSWAMY, Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 4th February 1984

No. SAC.EST.CA.MCSD.5082: 83 dated December 31, 1983.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri S. C. Karia, a temporary Scientist/ Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of December 31, 1983.

K. S. KRISHNAN, Administrative Officer-II

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd March 1984

No. A.31013/1/84-EI.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. W. H. Jafri in the grade of Chief Librarian in the Office of the Director General of Civil Aviation in a substantive capacity with effect from General of Civil Civil Aviation in a substantive 12-1-1984.

## The 24th March 1984

No. A.32013/8/83-EI.—In continuation of this Office Notlification No. A. 32013/8/83-EI, dated the 7th September, 1983 the President is pleased to continue the ad hoc appointment of Shri N. S. Chellappa in the grade of Scientific Officer from 3-12-1983 to 4-4-1984.

J. C. GARG, Dy. Director of (Admn.)

## New Delhi, the 19th March 1984

No. A.32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad hoc appointment of Shri S. R. Verma, Superintendents as Administrative Officer for a further period of 6 months from 1-1-84 to 30-6-84 in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi.

### The 24th March 1984

No. A.32016/9/83-FS.—Shri D. N. Sumbaly, Store Officer (Group 'B' post) relinquished charge of the post of Store Officer in the office of the Controller, Central Radio Stores. Depot, New Delhi in the afternoon of the 29th February, 1984 on attaining the age of superannuation.

B. BHAUMIK

Assistant Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 26th March 1984

1/520/84-EST.—The Director General, Oversets Communications Service, hereby appoints Shri D. A. Saldhana, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 16-11-1982 to 11-12-1982 (both days inclusive); against a short-term vacancy on ad-hoc basis, and as a local arrangement.

R. K. THAKKER

Dy. Director (Admn.), for Director General

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 22nd March 1984

No. A-32012/1/84-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. Seshadri, Graduate Supervisor, working as Surveyor on deputation in WAPCOS (India) Limited, who satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign' service to ex-cadre post, to the grade of Extra Asstt. Director/Assistant Engineer (Civil & Mechanical) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoom of 26th December, 1983 until further orders.

- 2. Shri Seshadri will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from 26-12-1983.
- 3. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of the Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

No. A-32012/1/84-Fstt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B). Chairman, Central Water Commission appoints the following officers officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Civil/Mechanical) on ad-hoc basis in the Central Water Commission. on a regular basis in the same grade and pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 26th December, 1983 until further orders:—

Si/Shri

- 1. V. S. Rao
- 2. Mulk Raj
- 3. Raghunath Panda
- 4. A. B. Thamaiah
- 5. Rati Ram
- 2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years from the aforesaid date.
- 3. The promotion of the above mentioned officers is subject to the result of the Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

No. A-32012/1/84-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B). Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shrl V. V. G. Rao, Diploma holder Supervisor, working as Assistant Engineer on deputation in N.W.D.A., who satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-cadre post, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Civil & Mechanical) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26th December, 1983 until further orders.

- 2 Shri Rao will be on probation in the grade of Extra Assistant Director//Assistant Engineer for a period of two years with effect from 26th December, 1983.
- 3. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of the Civil Pule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

D. KRISHNA Under Secretarv for Chairman, C. W. Commission OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)
New Delhi, the 31st March 1984

No. 1/336/69-EECIX.—Shri Surjit Singh, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-3-1984 (A.N.).

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Kamadhenu Drinks and Distilleries Ltd

Madras-600 006, the 27th March 1984

No. 6781/560(5)/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Kamadhenu Drinks and Distilleries Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Vivek Savings & Finance Company Private Limited

Patna, the 28th March 1984

No. (1174)/560/7612.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vivek Savings & Finance Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar, Patna

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.

Bangalore-9, the 30th March 1984

Hydronauts Dains (India) Private Limited

No. 4715/560/8384.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, Hydronauts Dains (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Srl Sal Paper Bag Private Limited.

Bangalore-9, the 30th March 1984

No. 3110/560/83-84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three mouths from the date hereof the name of M/s. Srl Sai Paper Bag Private Limited unless the cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE

Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of White Hall Pharmacy Private Limited

Calcutta, the 31st March 1984

No. 4461/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of White Hall Pharmacy Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Golden Slipper Club Limited

#### Calcutta, the 31st March 1984

No. 14306/560/(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the hame of the Golden Slipper Club Limited, unless cause 19 shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Contal Motor Workers' Transport & Industries Limited

#### Calcutta, the 31st March 1984

No. 21599/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 50 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Contai Motor Workers' Transport & Industries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of Jay Jay Automobiles Company Private Limited

#### Calcutta, the 31st March 1984

No. 21912/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Jay Jay Automobiles Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Commercial Publishers Private Limited

#### Calcutta, the 31st March 1984

No. 23425/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 50 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Commercial Publishers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Kalyani Enamel Works Private Limited

#### Calcutta, the 31st March 1984

No. 28708/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kalyani Enamel Works Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Assistant Registrar of Companies, West Bengal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. 4/37EE/923/82-83.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202 on 2nd Floor, situated at "C" Wing, Kausbha Nagar, Ramchandru Lane Extn., Malad (West);

Bombay 400 064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 29th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasions of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Navjivan Builders.

(Transferor)

(2) Monica Cynthia D' Souza.(3) Under Construction.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Smt. Monica Cynthia D'souza C/A Miss. Resemary D'Souza, 151/20-27, Saint Paul's Street, Bharati Bhavan, Dadar, Bombay-400 014. (Person whom the undersigned konws to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor, "C" Wing, Kaushha Nagar Ramchandra Lane Extn., Malad (West), Bombay-400 064.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. ARIV/923/83-84 Authority, Bombay dated 29-7-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-3-1984.

(1) Shri Shankarlal H. Desai

(Transferor)

(2) Mr. Bhushan Tarkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property).

may be made in writing to the undersigned :--

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV/37EE. 591/83-84.Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 8, Krishan Bhagwan Society, 34-B Dodabhai Cross Rd. No. 2, Andheri (West), Bombay-58. (and morefully described in the Schedulc annexed hereto)

has been transferred

the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent and the Agreement is registered under section 269 AB of Authority at Bombay, on 25th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

56--16GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the ditte of the publication of this notice in the Official Guzzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8. Krishan Bhagwan Society 34-B Dadabhal Cross Road No. 2, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE/61/83-84 Dt. serial No. AR-IV/37EE/61/83-84 Dt. 25th July 1983.

> VIJAY RANJAN Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date.: 9-3-1984.

(1) M/s. Anita Construction & Estate (P) Ltd.
(Transferor)

(2) Annamma Chanda Pillai.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV/634/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 2 Val-Ram II, off Linking Road, Opp. Ushma Nagar, Marve Malad (W), Bombay-64, and the Agreement is registered under Section 269 AB of of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3rd July 1983,

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) er the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Shop No. Val-E-Ram II, off Linking Road, Opp. Ushma Nagar, Marve Malad (West), Bombay-64,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/634/83-84, dated 8th July, 1983.

VIJAY RANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 9-3-1984

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Tejindersingh Mohansingh Sawhney

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor)

(2) Darashansingh Kabulsingh Bhamra.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-1V, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AE-4/548/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.
Flat No. 4 'B' Bldg., Sukhdayak Co.oP. Hsg. Society Ltd.
J. B. Nagar, Andheri (E.) Bombay, 59

J. B. Nagar, Andheri(E), Bombay-59.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority of

the Competent Authority at
Bombay on 2nd July, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
zeeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 4 'B' Bldg., Sukhdayak Co-op. Hsg. Society Ltd., J. B. Nagar, Anderi (East), Bombay-59. The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE. 63/83-84 dated 2nd July 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AE.4/648/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 601 on 6th floor Hari Kripa at street No. 121 L.T. Road. Borivli (West) Bornbay-400 092.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section. 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 2nd July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Alan Durante for Miss. Ayesha Durante and Master Sanjai Durante.

(Transferor)

(2) Shri Tribhuvandas Chhaganlal Soni and Mrs. Hunsaben T. Soni.

(3) M/s, Dattani Enterprises, 2nd floor Laxmi Shopping Cenuc, Vasanji Lalji Road, Kandivali (West), Bombay-400 067.

(Person in: occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor, Hari Kripa at street No. 121, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/648/83-84 Authority, Bombay udated 2nd July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Date.: 9-3-1984,

Scal:

(1) M/s. Spiv Shakti Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Pharma Print.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV37EE. 576/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Indl. Shed No. 245, 3rd phase Shiv-Shakti Indl. Estate, Andheri-Kurla Rd. Andheri (East), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Eighbay. the Competent Authority at Bombay

on 30th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

40-26GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 248, 3rd Phase, Shiv-Shakti Industrial Estate, Marol Village, off. Andheri .Kurla Road, at Andheri East. Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-IV/37FE. 83/83 84 dated 30th July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date ->-3-1984, Sea'

(1) Shri Shrestha Ratandas

(Transferor)

(2) Mrs. Aparna Dilip Desai

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2435/83-84.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 2, 5th floor, 6/C. 'Damodar Park', L. B. S. Marg. Ghatkopar (West) Bombay-86 situated at Ghatkopar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 6th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 5th floor, 6/C. 'Damodar Park', LBS. Marg. Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE.1051/83-84 dated, 6th July, 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Rombay

Date : 5-3-1984

Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV/630/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and beairng

Manck Building, 2nd Floor, Borivyl (West), Bombay-92 rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 11th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pankaj Thakarlal Gandhi

(Transferor)

(2) 1. Shri Ashok Y. Shah 2. Shri Sandeep Y. Shah

3. Shri Yogendrakumar T. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Geetanjali Nagar, Manek Building, 2nd floor, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ARIV/630/83-84 dated 11th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 9-3-1984

#### FORM ITNS----

(1) Mr. Gobind K. Daryanani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Sattar Essa Kherani & Mrs. Nargis Sattar Kherani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.588/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, .

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Flat No. 404, 4th floor, 'A' Block, Samer, 7 Bunglows, Versova. Andheri (E), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay,

on 15th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404. 4th floor. 'A' Block. Sameer, 7 Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE.85/83-84 dt. 15th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1984

(1) Di. Girdharlal Chimanlal Jhaveri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaswant Amrutlal Parikh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BCMEAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-1, 37EE/685/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, 2nd floor, India House Co-op. Hsg. Society Ltd.

situated at Kempa's Corner

(and more fully described in the schedule unnexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, India House Co-op. Housing Society No. 2, Kemp's Corner, Bombay-400 036. The Agreement has been transferred and the Agreement is registered under under serial No. ACQN, RANGE-1/601/83-84, dated 21-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Rombay

Date: 13-3-1984

(1) M/s Jain Ice Cream

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Ramesh Corporation

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-1, 37EE/604/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYΛ,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 117, Bussa Udyog Bhavan Ind. Precises Co-op-Society Ltd. situated at Sewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and the agreement is registered under sertion 269 AB of the section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay.

Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (b) by any other person interested in the said imm: No able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 117, Bussa Udyog Bhavan Industrial Premises. Co-op. Society Ltd., T. J. Road, Sewri (West), Bombay-15. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN. RANGE-1/587/83-84, dated 14-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984

Seal '

(1) M/s Everest Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anuradha Eknath Thakur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Everest Builders. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 13th March 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rcf. No. AR-I/37EE/2310/83-84.---Whereas, I. R. K. BAQAYA,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning to given in that Chapter.

Flat No. 3 on 7th floor, Plot No. 914, Kapadwala Chawl situated at Prabhadevi

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 7th floor, Plot No. 914, Kapadwala Chawl, Prabhadevi, Bombay-400 025. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN. RANGE-1/3131/83-84, dated 25-7-1983.

THE SCHEDULE

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date : 13-3-1984

#### FORM I.T.N.S.——

- (1) Mrs. Sumatı G. Bhatt
- (Transferor)
- (2) Mrs. Ganga Parsram Malahi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Rcf. No. AR-IV/37/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 202, Manish Rose Co.op. Hsg. Society Ltd., Bldg
No. 29, JP Road, Andheri (W), Bombay-58 situated at
Andheri (West)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act; 1961 in the Office of the Competent

Authority at Bombay 22nd July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Manish Rose Co.op. Housing Society Ltd., Building No. 29, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV 37EF/79/83-84 dt 22nd Iuly, 1983,

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date : 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/570/83-84,—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Shiv Tirth No. 1 situated at Bhulabhai Desai Road (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avacies of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

41-26GI/84

(1) Shri Ramakant Govind Nerurkar & Rajnikant Govind Nerurkar.

(Transferor)

(2) Shri Asim Abdul Karim Nagree

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Shiv Tirth No. 1, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN. RANGE-I/499/83-84 dated 2-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 13-3-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Parvez Ahmad Khan & Mrs. Tahira Banu Khan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Pratap B. Barot

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/561/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4, Bldg. No. 35, Share Swami Kripa Hsg. Sec. Verseva Rd., Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58 situated at Andheri (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement has been registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23rd July, 1983

for an appearent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. 35, Shree Swami Kripa Housing Society Ltd., Verseva Road, Manish Nagar, Andheri (W) Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/73/83-84 dated 23rd July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

(1) Smt. Nirmalaben G. Jhalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-IV/617/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Hsg. Society Ltd., Devidas Lane, Mandpashwar Road, Bori-

vli (West), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under

and the agreement in registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay Bombay on 23rd July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:— (2) Shri Mayur K. Vora.

(Transferee)

(3) Smt. Nirmalaben G. Jhalla. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat 8, Om Vasudev Co.op. Hsg. Society Ltd., Devidas Lane, Mandpeshwar Road, Borivli (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV/617/83-84 dated 22nd July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9 3-1984

- (1) M/s. Bharat Trading Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Madhukant M. Doshl,

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-1V/37EE/3106/83-84.—Whereas, I. VIJAY RANJAN, vij AY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 103, first floor, Chandan Apt. Irla Gaotham Andheri (W) Rombay 88

Andheri (W), Bombay-58 situated at Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20th July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Chandan Apt., Irla Gaotham. Andheri (West) Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No AR-IV/37EE/3106/83-84 dated 20th July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-3-1984

: لقط

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Rcf. No. AR-III/37EE/2282/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2, Ground floor, Mahalakshmi Vijayam Co. op. Hsg. Society Ltd., Ghatkopar (E), Bombay situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s, 269AB of the Incometax Act 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Mrs. Vijayalakshmi Menon
- (Transferor)
- (2) Mrs. Sarayu Varadarajan & Mr. Varadarajan Seshadri.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 Ground floor, Mahalakshmi Vijayam Co-op. Hsg. Society Ltd., Ghatkopar, (East), Bombay. The agreement has been registered by the Competent authority under serial No. AR-III/37EE/1075/83-84 dated 12-7-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition squge-III, Bombay

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/633/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
A/703 in "A" Wing Sumer Nagar, Borivli (West), S.V.
Road, Bombay-92 situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed

hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1st July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

- (1) Sumer Developments.
- (2) Shri Raidhkaran H. Goenka.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Venor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A/703 in "A" Wing, Sumer Nagar, Borivli (West), S. V. Road, Bombay-92. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/633/83-84 dated 1st July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/620/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 10, Garage No. 11, Mahadeshwar Niketan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Dr. G.D. Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8th July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the zarties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri V. C. Kotwal & Shri P. M. Dandekar.

(2) Mrs. Damayanti Nitin Shah.

(Transferor)

(2) Mis. Damayand 10mi Shan,

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, Garage No. 11, Mahadeshwar Niketan Co-op. Housing Society Ltd., 58, Dr. G. D. Marg, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/606/83-84, dated 8-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-3-1984

### FORM IINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/511/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 203, 2nd floor, 'Sanzam', Triveni Sangam Co-op. Housing Society situated at Pedder Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- Mrs. Vimla Krishnamurti,
   Mr. V. K. Balagopal
   Mrs. Rama Gopalakrishnan

  - 4. Mrs. Rukmini Nagarajan.

(Transferors)

- (2) 1. Dr. Chandrasekhar H. Thakkar
  - 2. Mrs. Mamta Chandrasekhar Thakar (Transferees)
- Mrs. Vimala Krishnamurthy
   Mr. U. K. Balagopal
   Mrs. Rama Gopalakrishnan

  - 4. Mrs. Rukmini Nagarajan.

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, 'Sangam' Triveni Sangam Co-op. Housing Society. 15-A, Pedder Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE I/513/83-84, dated 13-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1984

Scal:

(1) Shri Chaturbhuj Chhugomal Bhatia.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Pushpa Vasudev Mulchandani and 2. Shri Devanand Vasudev Mulchandani.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombaya the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/671/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 29, 8th floor of Bldg. No. 13, Navjivan Co-op. Hsg. Society, Ltd., situated at Laminaton Road Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Indian Registration Act, 1908 and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 29, 8th floor of Building No. 13 of the Lamington Road Scheme of Navijvan Co-operative Housing Society Ltd., at Lamington Road (Junction of Falkland Road), Bombay-8. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE I 559/83-84 dated 20-7-1983.

R. K. BAQAY'A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:——42—26GI/84

Date: 13/2/84

Seal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-J. BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. I-1|37EE|568|83-84.-Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 56, Block 6, Shyam Co-op. Housing Society Limited, situated at Dhulabhai Desai Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 16-7-1933

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) 1. Mrs. Jamna Pahlaj Gidwani
  - Mrs. Didi Dattatraya Vaidya
  - 3. Mr. Nelum Pahlaj Gidwani

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Jamna Pahlaj Gidwani
  - 2. Mrs. Lachmibai Hotchand Mirchandani 3. Mr. Girdharilal C Mahtani
  - 4. Mrs. Drupati G Mahtani

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the Prespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 56, Block 6, Shyam Co-op. Housing Society Ltd., Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/570/83-84, dated 16-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1984

(1) Seth Bhaidas SAKHIDAS CHARITY TRUSTS (Transferor)

(2) R. B. I. Employees' Co-op. Housing Society (Transferce)

(3) Shri Parshuram Vinayak Prabhu, Chief Promotor R. B. I. Employees' Co-op. Housing Society. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/2314/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

as the 'said Act'), have reason to ocheve that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land bearing C.S. No. 29 & 30 of Sion Division Municipal No. F-8804(1-3) and 8805-06 of Street No. 2371, 2371B, Municipal No. F-8802(1) of Street No. 2369, Municipal F-8803 of Street No. 2370 situated at Sion Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under costion 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing Cadastral Survey Nos. 29 & 30 of Sion Division, along with buildings and messuages standing thereon. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial ACQN. RANGE-IJ/Deemed 26/83-84, dated 19-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. Al|1|654|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office No. 13, Dattani Chambers C.T.S. No. 625 625/1 to 625/9 of Village Malad at S. V. Road, Malad (West), Bombay 400 064

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 8th July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Narendra B. Thakar

(2) Vasudev B. Goyal & Smt. Lalita V. Goyal (Transferor) (Transferee)

(3) Shri N. B. Thaker, 6/24, Yeshwant Nagar, Goregaon, (West), Bombay-62.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 13 Dattani Chambers, plot bearing C.T.S. 625 625/1 to 625/9 of Village Malad at S. V. Road, Malad

(West), Bombay 400 064.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/654/83-84 dated 8th July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1984

(1) M/s. Arun International

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Subash 1 Khabaria

(Transferee)

(3) Seller, as building is under construction (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITIOIN RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. I-4|37EE|650|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. F/12, 2nd floor, Saibaba Dham, situated at Off. S. V. Road, Borivli (West) Bombay-400 092

has been transferred

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 8th July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. F/12, 2nd Floor, Saibaba Dham, Off. S. V. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/650/83-84 dated 8th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITIOIN RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. I-4|37EE|668|83-84,---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3A on the 3rd floor of the Building Akshay Apart-

ment, Dahisar, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 8th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dhree Guru Ashish Construction

(Transferor)

(2) Mr. George Gilbert Almeda & Mrs. Natty Mary Almeda

(Transferee)

(4) Om Guru Pradanaya Co.op. Hsg. Society Ltd
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3A on the 3rd floor of the Building Akshay Apartment, Dahisar, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV 668/83-84 dated 8th July, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1984

PART III—SEC. 1]

8805

### FORM ITNS

(1) Shri Vinodrai H. Malkani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Pradeepbhai Lalji Tanna.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1983

Rcf. No. ARIV/675/83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-18, Sarojani Naidu Kandivli (West), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under Section 269AB of the office of the Competent Authority at Bombay

has been transferred

on 23rd July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-18, Sarojani Naidu Road, Kandivli (West), Bombay-67.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/675/83-84 dated 23rd July, 1983.

VIJAY RANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

#### FORM LT.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1983

RANJAN, ARIV/672/83-84.—Whereas, I, VIJAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop cum Resident No. 1, Satyam Building No. 1 Raiyanigram Simpoli Rao Borivli (West), Bombay-92
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on July, 1983 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Shri Girdharilal Lalji Desai & Gunvantrai Premabhai Lad,

(2) Wagela Shardaben Munsukhlal.

(Transferor)

(Transferee) (3) Shri Girdharilal Lalji Desai. (Person in occupation of the property)
(4) Gunvantrai Premabhai Wagela.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Shop cum Resident No. 1, Satyam Building No. 1, Rai yanigram, Simpoli Road, Kandivli (West), Bombay-92

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/672/83-84 dated 18th July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. ARIV/4/655/83-84.—Whereas, I, VIJAY No.

RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. D/16, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (Wes'), Bombay-400 092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the office of the Competent Authority at Bombay. on 26th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following necessary, mannely:

43---26GT/84

(1) M/s. Arun International.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Sakerial Merchant.

(Transferce)

(3) Sellers, as building is under construction. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. D/16, Saibaba Dham, Off S.V. Road, Botivli (West), Bombay 400 092.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/655/83-84 dated 26th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1984

Scal:

(1) Neeta Murlidhar Pamnani.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Shashikant Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1983

ARIV/623/83-84.--Whereas, **VIJAY** RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Fiat No. E-13. 3rd floor,
situated at S. V. Road, Borivli (Wes.), Bombay-92
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of

the office of the Competent Authority at Bombay on 23rd July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No. E-13, 3rd floor, Keshav Nidhi Co.Op. Housing, S.V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/623/83-84 dated 23rd July, 1983,

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-3 1984

### FORM ITNS-

(1) Shri Ghanshyamdas Ramdas HUF and Mrs. P. C. Chhabra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\*GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Arvind Mohanlal Solanki and Mrs. Manjula A. Solanki,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGIFIV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

ARIV/632/83-84.--Whereas VIJAY RANJAN,

RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 506, LA Chappelle-C, situated at Vislage Valani (West), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the office of the Competent Authority at Bombay Bombay on 20th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 506, LA Chappelle-C, Village Valani (West), Bombay-64

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Smial No. ARIV/632/83-84 dated 20th July, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

### FORM ITNS-

(1) Smt. K. P. Kaushal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2-) Smt. P. R. Parikh.

· (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1984

No. AR-IV/37EE.683/83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 2, Bldg No. 3, Eff Andheri Jumboo Darshan Co.op. Hsg. Soc. Itd., Andheri (E), Bombay-69

situated at Andheri (East), and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Bldg No. 3, Eff. Andheri Jumboo Darshan Co. op. Housing Soc. Ltd., Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/72/83-84 dt. 5-7-83.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-3-1984

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bonibay, the 7th March 1984

No. AR-IV/37EE. 557/83-84.—Whereas 1, VIJAY

RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable market value exceeding Rs. 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. D-5, Marol Nand Dham Industrial Estate, Kuria-Andheri Road, Marol, situated at Andheri (E), Bombay 59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

the Income-tax Act 1961, in

and the Agreement is registered under Section 269AB of the office of the Competent Authority at Bombay on 18th July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri J. M. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Indersingh Dhanjal.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. D-5, Marol Nand Dham Industrial Estate, Kurla-Andheri Road, Murol, Andheri (Fast), Bombay-59.

The Agreement has been registered by 1he Authority, Bombay under serial No. AR-IV/65/83-84 dt. 18th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 7-3-1984

### FORM ITNS----

(1) Harasiddh Corporation,

(Transferor)

TE INCOME

(2) Smt. Margaret C Lobo,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISFANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGEIII, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-III/2381/83-84.—Whereas I, A. LAHIRi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred tens the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1 1st floor 'Tirapati' Building 'B' Kole Kalyan Santacruz (F).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, ic

the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No. 1, 1st oor, 'Tirupati' Bldg, 'B' Kole Kalyan Vako'a, Santeruz East, Bombay-55.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay, under Serial No. AR-HI/1065/83-84, dated 12th July, 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III, Bombay-

Date: 12-3-1984

Scal:

- (1) M/s Parul Enterprise.
- (Transferor)

· ----

(2) Shri L. R. Gunay.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-11/37EE/2293/83-84.-- Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No 2, 2nd floor, C Wing, Building No. 4, Damoder Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86 situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under Scenon 269AB of

has been transferred the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombav on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/οτ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A/A, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, matnely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same eaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, C Wing, Building No. 4, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/37EE/1046/83-84, dated 13-7-1:183.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income\_tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984

(1) Mrs. Shantibai Murlidhar Khatri.

(Transferor)

(2) Miss Chisty R. Satarwala.

(3) Transferee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984

AR-II/37EE,3112/83-84.—Whereas I, S, H. Ref. No. A ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section

cening the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Flat No. 24, 'Vaikunth'. Mount Mary Vaikunth Co.op. Society Ltd., 31A, Mt. Mary Road, Bandra situated at Bondra.

situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 23-7-83

apparent consideration which is less than the for an fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 24, 'Vaikunth', Mount Mary Vaikunth Co. op. Society Ltd., 31, A, Mt. Mary Road, Bandra, The agreement has been registered by the Authority, Bombay under serial No. Authority, Bombay us 3112/83-84 dt. 23-7-1983. AR-II/37EE.-

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 2-3-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.———

(1) Smt. Vimal Lalchand Mutha

(Transferee)

(2) M/s. Chanrai Uttamehand

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/588/83-84.—Whereas, 1, R K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Office No. 112, 11th floor of Mittal Tower 'A' Bldg.

situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under 'the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

44---26 G[/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 112, 11th floor of Mittal Tower 'A' Wing, 210, Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-I/518/83-84, dated 5-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax A equisition Range-I, Bombay.

Date: 13-3-1984.

(Person in occupation of the property)

### FORM ITNS-

(1) Shri Hareshwar Dayal Seth

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanhaiya Lal

(3) Above seller.

2. Shri Ghanshyam Dass.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow, the 15th March 1984

G. I. R. No. K.129/Acq.—Whereas, I.

A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A house situated at Tamsengani, Sitapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Sitapur on 4-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A house property having land measuring 4340 sq. ft. situated at Tamsengani, Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 1935, which have duly been registered in the office of the sub-Registrar, Sitapur, on 4-7-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 15-3-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1984

Ref. No. G.I.R. No. S.305/Acg.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A house situated at Tamsengani, Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Sitapur on 4-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shrì Hareshwar Dayal Seth

(Transferor)

(2) 1. Shri Shital Dass. 2. Shri Chandra Prakash
3. Shri Tillu Mal
4. Shri Khus Chand

5. Shri Begraj

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A house property with land measuring 6425 sq. ft. situated at Tamsenganj, Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1934 which have duly been registered in the office of the suo-Registrar, Sitapur, on 4-7-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1984

Ref. No. G.I.R. No. G-66/Acq.—Whereas, I, A, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 281/286, situated at Haiwat Man, Mawaiya,

Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sri Bhairon Prasad 2. Sri Ram Lakhan

(Transferor)

- (2) M/s. Gest Vihar Sabkar Samiti Ltd.
  Through its Secretary Sri Samir Chaturvedi Narang Building, Ashok Marg, Lucknow (Transferee)
- (3) Above seller. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot Nos. 281/286, measuring one Bigha i.e. 27225 sq. ft. stiuated at Haiwat Man, Mawaiya, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the Sale-deed and form 37-G No. 305, which have duly been registered in the Office of the District Registrar, Lucknow, on 26-7-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1984

Ref. No. RTK/33/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable presents having a fair market. to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land mensuring 1 bigha 4 biswas situated at Rohtak (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Shanti Devi W/o Sh, Nand Kishore Shakti Nagat, Green Road, Rohtak, 2. Smt. Bimla Devi d/o Sh. Rati Ram Anaj Mandi, Jind.
  - (Transferor)
- (2) 1. Smt. Prem Wati D/o Sh. Buta Singh, S/o Molar Singh,
  - 2. Sh. Randhir Singh S/o Buta Singh
  - S/o Molar Singh,
    1/o Madina Korshan, The Meham
    3. Sh. Yashbir Singh S/o Hoshiar Singh
    s/o Dharam Singh

  - r/o Vill. Karodha.
    4. Sh. Devak Ram S/o Hazari Singh.
    5. Sh. Ranbir Singh, Mahabir Singh & Sunder Singh ss/o Sh. Devak Ram r o Azadgarh Teh. Rohtak

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 13 biswas at Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2619 dated 15-7-1983 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 13-3-1984.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1984

Ref. No. RTK/35/83-84.—Whereas, I, K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 13 biswas situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

- (1) Shri Ram Babu S/o Shri Chandgi Ram Mahajan r/o Vijay Nagar, Jhajjar Road, Rohtak.
- (Transferor) (2) 1. Smt. Prom Wati D/o Sh. Buta Singh,
  - S/o Molar Singh,
    - 2. Sh. Randhir Singh S/o Buta Singh S/o Molar Singh,
    - r/o Village Madina Korshan, Teh. Mcham.
    - 3. Sh. Yashbir Singh S/o Hoshiar Singh s/o Dharam Singh r/o Vill, Karotha

  - Sh. Devak Ram S/o Hazari Singh,
     Sh. Ranbir Singh, Mahabir Singh & Sunder Singh ss/o Sh. Devak Ram
    - S/o Hazari Singh r/o Azadgarh Teh, Rohtak

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 biswas situated at Rohtak and as more motioned in the sale deed registered at No. 2630 dated 16-7-1983 with the S. R. Rohtak.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1984

Ref. No. RTK/36/83-84.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bigha 4 biswas situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed here:0), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santosh Devi W/o Devi Dayal Nehru Street Rohtak & Sh. Roshan Lal S/o Sh. Rampat Aggarwal, Purani Anaj Mandi, Rohtak.
- (2) 1. Smt. Prem Wati D/o Sh. Buta Singh, S/o Molar Singh,
  - Sh. Randhir Singh S/o Buta Singh S/o Molar Singh,
  - r/o Village Madina Korshan, Teh. Meham.Sh. Yashoir Singh S/o Hoshiar Singh s/o Dharam Singh
  - r/o Vill, Karodha.
    4. Sh. Devak Rım S/o Hazari Singh,
  - Sh. Ranbir Singh, Mahabir Singh & Sunder Singh S/o Hazari Singh
    - r/o Azadgarh Teh. Rohtak

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Land measuring 1 bights 4 biswas at Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2631 dated 16-7-1983 with the S. R. Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 12-3-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D. l., F, COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1984

Ref. No. RTK/37/83-84.—Whereas, I, R, K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land measuring 12 biswas situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which quight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Saroj Rani w/o Sh. Ramesh Chand r/o Vijay Nagar, Jhajjar Road, Rohtak (Transferor)

(2) 1. Smt. Prem Wati D/o Sh. Buta Singh, S/o Molar Singh,

S/o Molar Singh,

2. Sh. Randhir Singh S/o Buta Singh
S/o Molar Singh,
r/o Village Madina Korshan, Teh. Meham.

3. Sh. Yashbir Singh S/o Hoshiar Singh
s/o Dharam Singh
r/o Vill. Karodha.

4. Ch. Devak Ram S/o Hazari Singh,
5. Sh. Ranbir Singh, Mahabir Singh & Sunder Singh
ss/o Sh. Devak Ram
r/o Azadgarh Teh. Rohtak

(Transferce)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 biswas situated at Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2638 dated 18-7-1983 with the S. R. Rohtak.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-3-1984

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX\*ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### Mr. Jimmy D'Souza, 112/St. Leo Road, Bandra (West). Bombay-50.

(2) Shri Upendra S. Nayak, 109/3, Someshwar Niwas, Shivaji Park Rd.. 3, Bombay-28. (Transferor)

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 7th March 1984

Ref. No./ IACACQ/CA-5/37G/1092/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land at S. No. 20A/5. 717-18-14-1/48 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

45-26 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at 20-A/5, 717/18-14-1/48, Masik,

(Area—1174 Sq. metre).
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 2827 in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 7th March 1984

Ref. No. IAC/ACQ?CA-5/37G/1090/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land at Plot No. 2 to 6, survey No. 37 Tal. Khalapur, H. No. 1, situated at Dist. Raigad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S, R. Karjat on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt Gulab Madhusudan Sompurkar,
 Shri Sanjay Madhusudan Sompurkar,
 30/424, Lokmanya Nagar,
 Pune-411 030.

(Transferor)

(2) 1. Shri V. R. Kirana, Type IV, 17/04, Rasayani Distt. Raigad, 2. Shri V. V. Torgal, 34/3, Type III Qrts. Rasayani, Distt. Raigad, 3. Shri S. R. Ganu, Type IV, 12/01. Plot Rasayani, 4. Shri Y. G. Malgaonkar, 25/02 Type III, Rasayani, 5. Shri V. G. Malgaonkar, 25/02, Type III Qrts. Rasayani, 6. V. R. Bhide, 2 BT/02 HOC colony, Rasayani, 7. Shri Ramesh P. Thatte, Navi Posari, Kanitkarwada, P. O. Rasayani, Distt, Raigad, 8. Shri B. S. Sangawar, 19/03, Type IV. HOC Rasayani, 9. S. P. Dharmadhikari, 44/8. Janata colony, Rasayani, 10. S. R. Ghumkar, A-Type, 28/3, HOC Ltd., colony, Rasayani, 11. B. R. Rao, BT/8/01 HOC Ltd., Rasayani, 12. Shri D. D. Joshi, C/o J. D. Mhaiskar 34/4, Type III, Rasayani.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Ris, Tal. Khalapur, S. No. 37, H No. 1, Plots Nos. 2 to 6, Distt. Raigad. (Area—8470 sq. metres). (Proerty as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karjat under document No. 887 in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KUI.KARNI
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th February 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EU/517/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 3, first floor, House No. 844 situated at Out of survey No. 390/548, Dastur Meher Rd., Pune-411 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ramesh Builders, Dheeraj Chambers, 9 Waudby Road, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Ghanigeh Sabooni, Flat No. 1, Building No. 3, Parwani House, Guru Nanak Nagar, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Mezzanine No. 2, admeasuring about 130 sq. ft. over Shop No. 3, on the floor in the building to be constructed on the land bearing House No. 844 out of S. No. 390/- at Dastur Meher Road Pune-4110001.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2458/83-84 in the month of September, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona
Competent Authority

Date: 18-2-1984.

### FORM I'INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 13th March 1984

Ref. No. 15/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Easwaramoorthy Palayam Village, Rasipuram T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Salem-I (Doc. No. 1483/83) on July 1983 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem-I (Doc. No. 1483/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestial exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Ramasamy, S/o Kuppana Gounder, Easwaramoorthy Palayam Village, Rasipuram T.K. Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri R. Palanivel, S/o Ramasamy Gounder, Easwaramoorthy Palayam Village, Rasipuram T.K. Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land at Easwaramoorthy Palayam Village, Rasipuram T.K.—Doc. No. 1483/83.

R. P. PLLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date: 13-3-1984

(1) Gulam Rasul Sahib Kudhbi Shah Thennur, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Hanifa W/Mohammed Gani, M. S. Miran, Trichy.

('I ransferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th March 1984

Ref. No. 10426.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 18/1, Varaganeri

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Trichy (Doc. 729/83 in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Papianation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 18/1, Varaganeri. (Doc. 729/83)

> R. P. PLILAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesis of property by the issue of this notice under subsection (1) of Secton 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th March 1984

Ref. No. 13042,-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fait market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S.F. Nos. 152, 153, 154, 155/1A, situated at 229/8, 244, 245/3, Kurichi, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Coimbatore (Doc. 3145/83 on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lotus Mills Ltd. Rep. by Jagadish J. Kapadia, Plot No. 109, Mount Unique, Peddar Road, Bombay-400026.

(Transferor)

 Rajanarayan Textiles (P) Ltd. Rep. by N. Thiagarajan,
 Race Course, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building at 146, 147, Kurichi, Coimbatore.

(Doc. 3145/83)

R. P. PLLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 12-3-1984

Scal:

 Simco Meters (P) Ltd. 109, N. H. Road, Madras-34.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Southern Extrusions (P) Ltd.
Simco Engineering Ltd.,
16-17, College Road,
Madras-6.

(Transferec)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II MADR 4S-600006

Madras-600006, the 12th March 1984

Ref. No 10433.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 174/1, 175/4A, situated at Meter Factory Road, Trichy-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 4412/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I YPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land, building. machinery etc. at RS. No. 174/1, 175/4A, Meter Factory Road, Trichy-21.

(Doc. 4412/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date 12-3-1984

### FORM JTNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) Dr Mrs. Mehrunnissa, 18, Murray Gate Road, Madras-18.

S. M. K. Mohammed Ali Jinnah,
 S. M. K. Showkath Ali,
 Mohammed Hussain St.,
 Madras-14.

ever period expires Inter;

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th March 1984

Ref. No. 19174.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

22, 23, 23/1, Jani Jahan Road, situated at Madras-14
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 640/83) in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the ollowing persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 22, 23, 23/1, Jani Jahan Road, Madras-14. (Doc. 640/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 8-3 193 5

Seal;

(1) N. K. Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Narmada Meghani.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. **CALCUTTA** 

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. 1435/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing

No. 25A situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in he Schedule anaexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 20-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 46---26 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 'A' on 3rd floor measuring covered area 2653 aft. being premises No. 25A, Sarat Bose Road, Calcutta, Regd. before Competent Authority IAC. III, Calcutta vide Sl. No. 45AB, dated 20-7-83. Acq. Range-

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 16-8-1984

Seed :

(1) Smt. S. L. Bhattacherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhakti Hari Saba & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. 1434/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Mouza- Garfa situated at Dag No. C.S. 595, Holding No. 863

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or percel of land and building measuring 2K-10ch.-17sft. being premises No. Mouza-Garfa, Dag No. C.S. 595, Holding No. 863, regd. before S/R/A, Alipore, vide Deed No. 3820 dated 25-7-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Acquisition Range-III,
Calcutta

Date: 16-3-1984

### (1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferos)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sarvamangal Trading Co. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. 1433/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent: Authority under Sertim 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 8 on 5th floor covered area 1092 sft. being premises No. 2/7, Sarat Rose Road, Calcutta-20, Regdbeing Competent Authority, Acquisition Range-111, Calcutta vide Sl. No. 49B dated, 30-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafl Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1984

(1) Golf Site Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rokea Begum.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. 1432/Acq.R-III/83-84.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 25/2, situated at Prince Golam Md. Shah Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Refgistration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as slyen in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 4 Type 'A' measuring 680 sft, being premises No. 25/2, Prince Golam Md. Shah Road, Calcutta. Regd, before S/R/A, Calcutta, vide Deed No. I-6614 dated 7-7-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-3-1984

- (1) M/s. Shree Pawandoot Projects.
- (2) Harshad Dholakia.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. 1431/Acq./R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the alcountil persons within a specied of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 48 days from the date of the publication of this notice in the Capital Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used the said are defined in Chapter CCA and the said Act, shall have the same consider as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat measuring building area 1190 oft and open terrace 381 sft. and a garage being premises No. 22, Ballygunge Park Road, Calcutta Regd. before Competent Authority, Acq. Range-III, Calcutta vide S.L. No. 47 dated 27-7-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 16-3-1984

(1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sarvamangal Trading Co. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. 1430/Acq.R.III/83-84.-Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30,7,1983

Calcutta on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 2 on 7th floor measuring 1021 sft. being premises No. 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta, Regd. before Competent Authority, Acq. R.III, Cal vide S. L. No. 53B, date 30-7-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-3-1984

- (1) Shri Ashok Kumar Jain.
- (Transferor)
- (2) M/s. Sarvamangal Trading Co. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :—

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. 1429/Λcq.R-IΠ/83-84.--Whereas, I, K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 8 on 7th floor measuring 1092 sft. being premises No. 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20, regd. before Competent Authority, IAC. Acqn. Range-III, Calcutta vide serial No. 50B dated 30-7-83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 16-3-1984

(1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s, Sarvamangal Trading Co. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1428/Apq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property in the limit of the said act of the said Act'), have reason to believe that the immovable property in the said act of the said act o

No. 277 phonoid at Sathe Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afectable property and I have reason to strict that the discretize value of the property as afore-into which the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Minimize the concentration of any income or any management of the minimize which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 5 on 7th floor measuring 1086 sft. being premises No. 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20 regd. before Competent Authority, IAC. Acqn.R-III, Calcutta Vide Serial No. 51B dated 30-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance density:

Date : 15-3-1984

(1) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferor)

(2) M. s. Sarvamangal Trading Co. Ltd.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1427/Acq.R-111/83-84.—Whereas, I, K. CHAUDHÚRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcuta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 30-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

47-26 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 1 on 5th floor measuring 1092 sft. being premises No. 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20 regd. before Competent Authority, Act. Range-III, Calcutta, vide S. L. No. 48B dated 30-7-83.

> S. K. CHAUDIIURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Date 15-3-1984 Seal:

(1) Shri Ashok Kumar Jain

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sarvamangal Trading Co. Ltd.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1426 Acq.R III /83-84....Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fro rathe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 1 on 7th floor measuring 1092 sft. being premises No. 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20, Regd. before Competent Authority, 1AC, Acqn. Range-III, Calcutta Vide Sl. No. 52B dated 30-7-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1984

- (1) Shree Nursingsahay Mudungopal Engineers (P) Ltd.
- (2) M/s. Kishanal Arun Kumar Baheti (HUF)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1425/Acq.R-III/83-84.—Whereas I,

5. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

55 situated at Ezra Street, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair masket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### HE SCHEDULE

All that flat on underground floor measuring 152 sft. being promises No. 55, Ezra Street, Calcutta-1 regd. before S/R/A, Calcutta vide deed No. I-9453 P dt. 22-7-83.

> S. K, CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 15-3-1984

(1) Shree Nursingsahay Mudungopal Engineers (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Golok Behari Dev

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1424/Acq.R III 83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat on ground floor Apartment No. 30 measuring 126 sft. being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta-1 regd. before S/R/A, Calcutta, vide deed No. 1-9480 P dated 22-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 15-3-1984

(1) Shree Nursingsahay Mudungopal Engineers (P) Ltd. (Transferor)

(2) Kirti Kumar Jhenjhenwala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1423/Acq.R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice "in the Official Gazette"

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat on underground floor measuring 205 sft, being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta-1, Regd. before 5/R/A, Calcutta, vide deed No. I-9456 P. dt. 22-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 15-3-1984

(1) Shree Nursingsahay Mudungopal Engineers (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajkumari Kothar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1422/Acq.R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 55 situated at Fzra Street, Calcutta-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat on underground floor measuring 113 sft. being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta-1, regd. before S/R/A, Calcutta vide deed No. I-9454 P dated 22-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 15-3-1984

- (1) Shree Nursingsahay Mudungopal Engineers (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Shree Trading Corporation

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. 1421/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat on 4th floor, block No. 4 measuring 705.95 sft. being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta-1, Regd. before S/R/A, Calcutta Vide Deed No. I-7364 dt. 22-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Dipti Mitra.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Roy Chowdhuri.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. 1420/Acq.R-111/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

17L/1A situated at Dover Terroe, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

Calcutta on 8/7/1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE 3CHEDULE

All that place or parcel of land with building measuring 780 sft. being premises No. 17L/1A, Dover Terrace, Calcutta Redg. vide Deed No. 331 dated 8-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14/3/1984

(1) Smt. Mava Devi Khattry.

(Transferor)

NCOMB

(2) Chung Ying Fong & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

' Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. 1419/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 64 situated at Mateswartala Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25/7/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section  $\angle 69C$  of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—26 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land together with bldg. measuring 17-K-13ch. 19 sft. being premises No. 64, Mateswartala Road, Calcutta, redg. before R/A., Calcutta, vide deed No. I-9554 P dated 25/7/1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14/2/1984

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Ama-lgamated Development Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Sankar Biswas & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. 1418/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 396 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 11/7/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesale property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or percel of land measuring 19K—10ch.

36 sft. being premises No. 396, Prince Anwar Shah Road,
Cloutte Regd. before S/R/A, Calcutta, vide deed No. I-6781 dated 11/7/83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14/2/1984

### (1) Dover Co-operative Housing Society.

(Transferor)

(2) Smt. Gita Mukherjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1984

Ref. No. 1417/Acq.R-111/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 908 situated at 51D, Garialat Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 908 on 9th floor measuring 910 sft. being no. 51D, Gariahat Road, Calcutta. Redg. before Competent Authority, IAC. Acqn. R-III, Calcutta dated 23-7-83. (submitting 37EE form).

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: · 13-3-1984

#### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Krishna Koli Mitra.

(Transferor)

(2) Dr. Amitabha Choudhuri & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1984

Ref. No. 1416/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 60 situated at Ballygunge Gardens, Calcutta-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land with building being premises No. 60, Ballygunge Gardens, Calcutta, Regd. before R/A Cal vide deed No. I-7318 dated 23-7-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Colcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13 3-1984

(1) Smt. Kamal Koli Roy Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th March, 1984

Ref. No. 1415/Acq.R-III/83-84.—Whereas, 1, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 60 situated at Ballygunge (Gardens, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Dr. Amitabha Choudhuri & Ora,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or percel of land and building being premises No. 60, Ballygunge Gardens, Calcutta-19, Regd. before R/A, Calcutta Vide Deed No. I-7316 dated 23-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwal Road. Calcutta-16

Date: 13-3-1984

#### FORM ITN9-

(1) Mrs. Aruradha Datta & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Amitabha Choudhuri & Ors.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1984

Ref. No. 1414/Acq,R-III/83-84,—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

60 situated at Ballygunge Gardens Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 23-7-83

Calcutta on 23-7-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1550 sft. being premises No. 60, Ballygunge Gardens, Calcutta-19, Regd. before R/A, Calcutta Vide Deed No. I-7317 dated 23-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13/3/1984

(1) Lala Raghumull Charlty Trust.

(Transferor)

(2) Jhunjhunwala Jankalyan Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1984

Ref. No. 1413/Acq.R-III/83-84,---Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 132 situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 8-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that piece or parcel of land measuring 3k 14ch. 18 sft. being premises No. 132, Mahatma Gadhi Road, Calcutta redg. before S/R/A, calcutta vide deed No. I-8674 dt. 8/7/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Samiram Co-operative housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rina Das,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMP.TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th Merch 1984

Ref. No. 1412/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 9C/1 situated at 18/3, Garia-hat Road, Calcutta-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

·

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 9C/1 Block No. 1 measuring 870 sft. located at 18/3, Gariahat Road, Calcutta-19 registered before S/R/A vide deed No. I-7596 dt. 29-7-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Calcutta 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Oalcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following' persons, namely:—

Date: 12-3-1984

Scal;

FORM I.T.N.S.-

(1) Sr. Brahma Gopal Dutta & Ots

(Transferor)

-NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dulal Chandra Mukherjee.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1984

Ref. No. 1411/Acq.R-III/83-84,--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 10A/IE situated let Lakshmi Dutt Lane, Calcutta-3. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

nt Calcutta on 19-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons, namely ;— 49---26 GT/84

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions nzed in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 12 given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1k & 3 aft, being premises No. 10A/1E, Lakshmi Dutta Lane, Calcutta-3 registered before R/A, Cal. vide deed No. I-7068 dt. 19 7-83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Oxlcutta-16

Date: 12-3-1984

Seal .

(1) Sri Sudhindra Nath Mukhapadhya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bipad Bhanjan Ghosh.

(Teamsferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1984

Ref. No. 1410/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I,

S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mouza-Kasba situated at J. L. No. 13, Khatin No. 206.

Dag. No. 4051.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Calcutta on 20/7/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or percel of land measuring 6K, being premises No. Mouza-Kasba, J. L. No. 13, Khatin No. 206, Dag, No. 4051, Redg. before R/A. Alipure vide deed No. 3746 dated 20/7/83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12/3/1984

FORM ITNS----

(1) Sri Rabindra Nath De & Ors.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Sri Biswanath Ghosh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1984

Rcf. No. 1409/Acq.R-III/83-84.—Whereas. I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 39/E situated at Broad Street, Oxicutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25/7/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or percel of land measuring 4k-8ch-10sft. (7/12th unudivided share) being premises No. 39/E, Broad Street, Calcutta Regd. before R/A Calcutta, vide deed No. 1-7-342 dt. 25-7-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54. Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12/3/1984

Soul:

(1) Smt. Radharani Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sukumar Roy.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th Murch 1984

Ref. No. 1408/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.

S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15/1 situated at Simila Street, Calcutta-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calculta on 5/7/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transftr as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lastanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece od parcel of land measuring 1-k-15ch-2sft. (1/2 portion) being premises No. 15/1, Simla Street, Calcutta. Redg. before R/A, Calcutta. vide deed No. I-6478 dated 5/7/83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Onleutta-16

Date: 12/3/1984

Soal:

(1) Smt. Pratima Guha.

(Transferor)

(2) Smt. Supriti Chakraborty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 12th March 1984

Ref. No. 1407/Acq.R-III/83-84.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 58-A situated at N. C. Chowdhuty Road, Calcutta-42. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 1/7/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lattern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facditating the concealment of any incomic or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or percel of land measuring 2k-8ch.-16sft. being premises no. Dist. 24-Parganas, P. S. Kasba, 58-A, N. S. Chowdhury Road. Calcutta-42. Redg. before R/A, Calcutta, vide deed No I.-6386 dt, 1/7/83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12/3/1984

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, CALCUUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. TR-213/83-84/SI.840 I.A.C./Acqn<sub>1</sub>R-I/Cal.—Whereas, I, S, K, CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. 29, situated at Dr. Suresh Sarkar Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R A. Cal on 20-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kalooram Baid.

(Transferor)

(2) Shice Chand Baid.

(Transferee)

(3) Tenanted.

(Person in occupation).

Objections, at any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undevided half share of the undevided two-third part of partly two storied masonary structure and 1 storied shed and outhouses etc. at 29 Dr. Suresh Sarkar Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-7459 dated 27-7-83.

S. K. CHAUDHURI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-84

- (1) Smt. Bharati Dutta.

(Transferor)

(2) Smr. Sipra Das.

(Transferee)

(3) Tenanted.

\*(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. TR-214/83-84/Sl. 841 J.A.C./Acqn. R-I/Cal.—Whereas, J. S. K. CHAUDHURL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. 110/1/1C, situated at Middle Road, Fntally, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of ...1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 27-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd share of property at 110/1/1C, Middle Road, Entally, Calcutta together with an area of 2K-13CH.-36 Sft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-7198 dated 20-7-83.

S. K. CHAUDHURI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-84

### FORM LT.N.S ---

(1) Smt. Bharati Dutta.

(Transferor)

(2) Sir Sarthi Kumar Das

(Transferce)

(3) Tenanted.

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, CALCUUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. TR-215/83-84/Sl.842 I.A.C./Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 110/1/1C situated at Middle Road, Entally, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

R.A., Cal. on 20-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd share of property at 110/1/1C, Middle Road, Entally, Calcutta together with an area of 2K-13Ch.-36 Sft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-7197 dated 20-7-83.

S. K. CHAUDHURI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-3-84

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, CALCUUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. TR-216/83-84/Sl. 843 I.A.C./Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110/1/1C situated at

bearing No. 110/1/1C, situated at Middle Road, Entally, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. on 20-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons namely: 50-26 GI/84

(1) Smt. Bharati Dutta.

(2) Smt. Rupasree Das.

(Transferor) (Transferee)

(3) Tenanted.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

1/3rd share of property at 110/1/1C, Middle Road, Entally, Calcutta together with an area measuring 2K-13Ch.-36 Sft. Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-7196 dated 20-7-83.

S. K. CHAUDHURI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date ! 14-3-84 Seal:

FORM I.T.N.S.——

(1) Smt. Anita Coomer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Terre Des Hommes (India) Society.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

\*(Persons in occupation)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE I, CALCUUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. TR-191/83-84/SI.844 I.A.C.\/Acqn.R-I\/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Plot No. 53, Scheme L-II situated at C.I.T. 52, Anandapalit Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Cal. on 5-7 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the broperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULL

Property at Plot No. 53 Scheme No. I. II (C.I.T.) with an area measuring 5 Kathas O Chatak 14 Sq. ft. at premises No. 52, Anandaplit Road, Calcutta. Registered before the Office of the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-6484 dated 5-7-83.

S. K. CHAUDHURL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Rond, Calcutta-16

Date: 14-3-84

(1) Ruby (Park) Properties Pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Mohanlal Singhal & Shankarlal Singhal, Both are S/o Bhawalal Singhal.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1984

Ref. No. TR-178/83-84/Sl. 845 I.A.C./Acqu.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule and the second control of the schedule and more fully described in the Schedule and th Ref. No. TR-178/83-84/SI.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal on 13-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5 on 4th floor at 75C, Park Street, Calcutta. Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-6797 dated 13-7-83.

> S. K. CHAUDHURL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-84

### (1) Shri Kanak S. S. J. B. Rana & Others.

(Transferor)

(2) Shri Bachhraj Dugar & Others, Shri Anand Prakash & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. C.A. 37/83-84/SL/846 LAC. Acqn/R.L/Cal.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. 41, situated at Chowringhee Road, Calcutta-71 (and more fully described in the Schedule unwayed bearing)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A., Cal. (Range-I) on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

It is partly three storeyed building of which main building It is pattly three storeyed building of which total building is on Chowringhee Road, having access from Middleton Street also and partly 2 storeyed building (popularly known as Hc hly Printing Block) on Middleton Street, partly inside the Building A five storeyed building, called Annexe Building, and partly one storeyed building on the North East side having approach from Middleton Street and Russel Street. Registered before the Competent Authority vide SI. No. 37 dated 15-7-83.

Premises No. 41, Chowringhee Road, Calcutta,

S. K. CHAUDHURI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 15-3-84

# FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Calcutta Loans P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Joy Krishna Pathak.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. TR-188/83-84/Sl. 847 I.A.C./Acqn. R-1/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. 1, situated at Cockburn Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Cal. on 8-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share in one storied brick build building on an area measuring 2K—14Ch.-9 sft. at premises No. 1, Cockburn Lane, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-6660 dt. 8-7-83.

S. K. CHAUDHURI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-84

(1) Sri Harpratap Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Surya Kant Mehra.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

whichever period expires later;

Gazette.

the service of notice on the respective persons,

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcuttn, the 15th March 1984

Ref. No. C.A. 39/83-84/Sl. 848 I.A.C./Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 8B, situated at Middleton Street, Calcutta

No. as per schedeule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 26-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 2B and covered car parking space No. 34 of the building called "GEETANJALI" at 8B, Middleton Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, vide Sl. No. 39 dt. 26-7-83.

S. K. CHAUDHURI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-84

## FORM ITNS----

(1) Gulab Thadhani.

(Transferor)

(2) Nirmal Kumar Chopra.

(Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. C.A. 38/83-84/Sl. 849 I.A.C./Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the property having a fair market value avacating Pa. 25000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
61-A, situated at
Park Street, Calcutta-16
(and more fully described in the Schedule annexed
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

his been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 23-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 83 at 8th Floor measuring an area of 1000 Sq. ft. at Ambassador Apartments, 61-A, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, vide Sl. 38 dated 23-7-83.

S. K. CHAUDHURI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 15-3-84

- (1) Shri Kanailal Das.
- (Transferor)
- (2) Sri Kartick Chandra Biswas,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. TR-199/83-84/Sl.850 I.A.C./Acqn.R-I/Cal.---Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fa exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/1A, situated at Joy Narayan Chandra Lane, Calcutta-12 fair market value

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Cal. on 4-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Two storied building-land area 2 Cottahs & 3 Chittacks at premises No. 3/1A, Joy Narayan Chandra Lane, P.S. Muchipara, Calcutta-12. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-6448 dated 4-7-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;---

Date: 15-3-1984

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1984

Ref. No. C.A. 36/83-84/Sl. 851/I.A.C.|Acqn.R-1/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 3, situated at Loudon Street, Calcutta-17

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 8-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51-26 GT/84

- (1) Mrs. Bimala Devi Khetawat & Master Anil Kumar Khetawat.
  - (Transferor)
- (2) Ajax Trading Company Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2B and Parking space No. 1, at premises No. 3, Loudon Street, Calcutta-17 (measuring about 1675 sft.) Registered before the Competent Authority, vide Sl. No. 36 dated 8-7-83.

S. K. CHAUDHURI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. AC-57/ACQ. R II/Cal/83-84..—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at P. S. Mahestala, Mouja-Gobindapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore on 27-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Hena Raha of 38/J/20, Maharaja Tagore Road, Calcutta-31, P.S. Kasba. (Transferor)
- (2) Bhola Nath Ghosh of Q. 348, Mudiali Road, P.S.
  - Metiabruz, Calcutta-24. (Transferee)
    - (Transferee)
- (3) Tenant.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8 Cottahs 6 Chittacks 6 Square Feet land with Building situated at P.S. Maheshtala, Mouja-Gobindapur, Distt.-24 Parganas. More particularly described in Deed No. 3866 of S.R. Alipore of 1983.

S. K. BANERJEF.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 16-3-84

8873

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. AC-56/ACQ.R-II/CAL/83-84.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

99/31 situated at Diamond Harbour Road, Calcutta-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Alipore on 20-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans er; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rabindra Nath Bose of 99/3, Diamond Harbour Road, Calcutta-8.

(Transferor)

(2) 1. Sri Kamal Kumar Bose;

3. Sri Ram Kumar Bose;
3. Salil Kumar Bose;
all of 99/31, Diamond Harbour Road, Calcutta-8.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2 Cottahs 8 Chittacks 4 square feet land with Building situated at 99/31, Diamond Harbour Road, Calcutta-8, P.S. Thakurpukur. More particularly described in Deed No. 3751 of S.R. Alipore of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 16-3-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1984

Ref. No. AC-55/ACQ.R-II/CAL/83-84.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/c and heaving No.

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No
120/103 situated at Biren Roy Road (West) Behala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at S.R. Alipore, Calcutta on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Oliva Dutta;

2. Smt. Suvra Ghosh;
3. Smt. Suklaj Guha;
all of 'Oliva Lodge', 20, Biren Roy Road,
Calcutta-8.

(Transferor)

(2) Vidya Bharati Society for Education and Scientific Advancement of 44/2, Diamond Harbour Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

7 Cottah land with Building situated at 120/103, Biren Roy Road (West), P.S. Behala. More particularly described in Deed No. 6807 of S.R. Alipore, Calcutta of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-3-84

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1984

Rcf. No. AC-58/ACQ.R-II/CAL/83-84,---Whereas, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Birati, P.S. Dum Dum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R., Alipore, Calcutta on 1-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, is
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 West Bengal Financial Corporation of 12A, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Dipak Sarkar of H/4-3, Labony Estate, Salt Lake, Calcutta-64.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

6 Cottahs land with structure, situated at Birati, Mouja-Garui, P.S. Dum Dum, Distt. 24-Parganas. More particularly described in Deed No. 6394 of S.R.A. Cal. of 1983.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 21-3-1984

(1) Obanna s/o Papanna, 2, Corporation Quarters, Lalbagh Road, Bangalore-27. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kumari Lakshmi Chandrashekar d/o Sri N. A. Chandrashekar, Dena Bank, K. G. Road, Bangalore-560009.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1984

C.R. No. 62/40315/83-84/ACQ/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 442 situated at Block I & III East, JayanagarExtn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering
Jayanagar under document No. 1402/83-84 on 27-7-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1402/83-84 dated July 1983] All that property bearing No. 442 situated at Block I & III East Jayanagar Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangaore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE

Bangalore-560 001, the 7th March 1984

C.R. No. 62/40513/83-84/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 13 (portion of No. 14) situated at I Cross Road, Okalipuram Corpn. Divn. No. 12, Bangalore City (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sinampuram under document No. 1214/83-84 on July 2983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Jameela Begum, No. 10, 4th Main Road III Cross, Venkatarangai puram Palace Guttahalli, Bangalore,
- (2) B. Ramesh Achar, No. 41/A, 36/A, Cross, T Block, Jayanngar, Bangalore-11. (Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1214/83-84dated July 1983] All that property bearig No. 13 (portion of No. 14) situated at I Cross Road, Okalipuram. Corpr. Divn. No. 12, Bangalore City.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Poona

Date: 7-2-1984,

(1) Shri G. Kishanchand, No. 79/83, Palace Road, Bangalore-52.

(2) Shri A. Perumal, No. K-64, Yessappa Block, Sriram-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

- Bangalore-560 001, the 12th March 1984

C.R. No. 62/38854/83-84/ACQ/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the peing the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing
No. 233 situated at 10th Cross Road, Lakshminarayanapurum, Paperales

Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram under document No. 1077/83-84 in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-ter Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

puram. Bangalore-21.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within publication of this 1 lee in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Regisered Document No. 1077/83-84 dated July 1983] All that property bearing No. 233 situated at 10th Cross Road, Lakshminarayanapuram,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 12-3-84

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1984

C.R. No. 62/38873/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.
R. S. No. 639 T. S. No. 266 situated at Attawar village, Attarwar ward, Magalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Magalore under document No. 257, 83-84 on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

52-26 GI/84

- (1) Devarma Naik 8. o G. Rama Naik, Namamikatta, Jeppu, Amarwar villag, Mangalore-575001.
- (2) Shri Kamalaksha Amin, Bolag, Fevuy Road, Mangalore-1 (S.K.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Regisered Document No. 257/83-84 dated 15-7-1983] All that property bearing No. R.S. No. 639, T.S. No. 266 situated at Attawar village, Mangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaore

Date: 12-3-84 Seal:

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dilshad Begum, No. 2, Davis Read, Cooke Town, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(2) C. M. Ibrahim, No. 81, Benson road, Cross, Bandalore.

(Transferee)

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd March 1984

C.R. No. 62/38920/83-84/ACQ/B.—Wherens, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 46, situated at 15th Cross,

Davis Road. Sagayaypuram, Civil Station,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajingar on 18 7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1004/83-84 dated 18-7-83) Property bearing No. 46 situated at 15th Cross, Davis road, Sagayapuram. Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-84 Seal:

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 7th March 1984

C.R. No. 62/4515/83-84/ACQ/B.—Whereas, f, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 13 (portion of 12 & 13)

situated at I Cross, Okalipuram Bangalore (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Strampuram under document No. 1151/83-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aioresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Jamela Begum
  No. 10, 4th Main Road
  Venkatarangapuram, palace Guttaballi Bangalore.
  (Transferor)
- T. Notarajn No. 2(7) 6th Cross, Magadi Road, Bangalore-23.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1151/83-84 dated July 1983) All that property bearing No. 13 (portion of 12 & 13) situated at I Cross, Okalipuram, Corpn. Divn. No. 12 Bangalore.

MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Naruappa S. Kodical, No. 7, Greethanzali, 35, Union Park Chamber, Bombay-71, Now at Red bldg., Lane, Kaukanady, M'lore. (Transferor) (2) M/s Swasti Produce Co (P) Ltd., Bunder, M'loro.

Director, S. Rajaram Nayak. Sudarshan, Matadakani Road, Vrva, M'lore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 12th March 1984

C.R. No. 62/38927/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

M'lore No. 90, situated at B. Boloor village, City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore city on 22-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 332/83-84 dated 22-7-83) Property bearing No. 90, situated at B. Boloor village, M'Iore City.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore a nursuance of Section 269C of the said Act I hereby init with proceedings for the acquisition of the aforesald property by the lesse of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Detc : 12-3-84

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/38894/83-84/ACQ B.-Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 57/3, 57/12 & 57/13 situated at Ibbanivalavadi Village, Madikeri Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara under document No. 706/83-84

on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redultion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) R. P. Nazag & Sri V. K. Kunhikadecja Unikulam, Calicut District, Kerala State. (Transferor)
- (2) R. Govthamchand S/o Sri P. Rathanlal represented by P.A. holder R. Kantilal Sringdale, Borlows Road, Coonoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein '4s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 706/83-84 dated 15-7-83) All that property bearing Sy. Nos. 57/3 of 5.88 acres. 57/12 of 7.65 acres. 57/13 of 4.45 acres situated in Ibbanivalayadi village, Madikeri Taluk.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/40337/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4 in No. 76A situated at

15th cross, 4th Main Malleswaram Bangalore-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 1421/83-84 on July 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) H. V. Umashankar S/o H. V. Nanjundayya No. 424/95, 6th Main, Malleswaram Bangalore-3.

(Transferor)

(2) O. R. Srinivas S/o O. S. Rajagopal Setty No. 161 (upstairs) Seshadripuram B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1421/83-84 dated July 83) All that property bearing No. 4 in No. 76/A situated at 15th cross, 4th Main, Malleswarum Baugalore-3.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/38898/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 141, S.D. No. 3, 29 & 14 situated at Gundibail Ward, Shivalli village, Udupi Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi under document No. 413/83-84 on 31-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Rev. Fr. Peter Theodore D'Souza, parish priest, Derebail Mangalore City Post Mangalore.

(Transferor)

(2) Radha Shettathi widow of Srl R, Roragashetty Gundibail Shivalli Village Udupi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 413/83-84 dated 31-7-83) All that property bearing S. No. 141 situated at Gundibail Ward of Shivalli village, Udupi.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-84

#### FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/38745/83-84/ACQ/B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 23, situated at Bode Bank road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 887/83-84 on 13-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Pancy Trabel Browns E. Kore Hank Rosa Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Cynthia Gerson, Sri Manuel R. Gerson 23, Bore Bank Road Bangalore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30, days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 887/83-84 dated 15-7-83) All that property bearing No. 23 situated at Bore bank road, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-3-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/39091/83-84/ACQ/B,--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. 37, situated at

2nd Cross A road, Agrahara Dasarahalli, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 1506/83-84 on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—26 GI/84

Manohar D. Naik
 1030, Padma, V Block
 Rajajinagar, Bangalore-10

(Transferor)

(2) Manohar R. Shetty Managing Director Quality Cine Laboratories Tumkur Road Bangalore-22.

(Transferon)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussie.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1506/83-84 dated 15-7-83) All that property bearing New M. No. 37 situated at 2nd cross A road Agrahara Dasarahalli, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

H. S. Venkateshaiah
 S/o H. Subba Rao
 Horeyala Village Begur Hobli
 Gundlupet Taluk.

(Transferor)

(2) The President Vishranthi Dhama No. 7, Narayanashastry Road Sadvaidya Patashala Buildings Mysore-570001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/38982/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing S. No. 4 situated at Block 'F' Kurubarahali Village Kasaba Hobli, Mysore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Taluk under document No. 643/83-84 on 31-7-83 for an apparent ronsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered document No. 643/83-84 dated 31-7-83)

All that property bearing No. S. No. 4 situated at Block

Kurubarahalli village Kasaba Hobli, Mysore Taluk.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-84

#### FORM ITNS-

(1) Muddamma W/o M. Belliappa Devanur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kiran Mandanna Badragola Virajpet.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/38900/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102/2, 102/3 situated at Hachinadu Village Virajpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 242/83-84 dated 15-7-83) All that property bearing Sy. No. 102/2, 102/3 situated at Hachinadu Village, Virajpet.

MANJU MODHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-3-84

sear :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

C.R. No. 62/38930/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 104, situated at Kariyanapalya Kacharakanahalli Dekile, Bangalore-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bangalore North Taluk under document No. 2360/83-84 on 15-7-83 for an apparent consideration which is less

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. Pashparaj S/o Sri C. Puttaraj No. 461/1, Kariyanapalya, Frazer town Bangalore-560005.

(Transferor)

(2) Sanstoshi Devl W/o Sri Madanlal No. 56, Viriani Road, Frazer Town Bangalore-56005.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2360/83-84 dated 15-7-83)
All that property bearing No. 104 situated at Karianapalya,
Kacharkanahalli, Dekile, Bangalore-560005.

MANJU MODHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Chennamma W/o Merappa Rai Kattar Kalbhavi Derebail Ashoknagar, Mangalore-575006.

(Transferor)

(2) S. C. Sequeira S/o Imanuel Sequeira Pade House, Kulur' Mangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th March 1984

No. 62/38870/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing S. No. 17-3D1 situated at Derebail Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,, 1908 (17 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Mangalore Taluk under document No. 209/83-84 on 15-7-83

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 209/83-84 dated July 83) All that property bearing S. No. 17-3D1 situated at Derebail Village Mangalore.

> MANJU MODHAVAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1984

C. R. No. 62/40392/83-84/ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29 (old No. 15) stituated at Museum road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mode than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. (Mrs.) M. Chandy
  2. Dr. M. G. Chandy
  Flat No. 53, V floor, Shalimar—Apartments,
  Reridency road, Bangalore.
- (2) M/s. Elite Builders (P) Ltd. 27/C, Sankey road, Bangalore-52.

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 920/83-84 Dated 15-7-83)
All that property bearing No. 29 old No. 15 situated at
Museum road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore-1

Date: 13-3-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1984

C. R. No. 62/40392/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. Nos. 212/2, 129, 103 & 107, 270D situated at Chinnanakoti, Belugodu, Ambathi village, & Gonikoppa respectively of Virajpet Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Virajpet under document No. 3791/83-84 on 18-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any ,income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shrimati K. Leela Kooiumbaiah by G.P.A. nolder Sri K. A. Chinnappa Polibetta Smt. K. Sheela Muthanna by P.A. holder Sri V. B. Pannappa. Polibetta
- (2) Shrimati K. Roshi Chinnappa W/o Chinnappa Forile Sidilistah, Polibetta.

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5791/83-84 dated 15-7-83] All that property bearing Sy. Nos. 212/2, 129, 103 & 107, TMC No. 270D of Chinnakoti, Belugodu, Ambathi village & Gonikoppa respectively of Virajpet Taluk.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-1.

Date: 13-3-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1984

C. R. No. 62/38869/83-84/ACQB.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 1053/1 T. S. No. 435/3 Now 435/1, D. No.16-180, New D. No. 16-1-6 situated at Attawar village, Balmatta Ward, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bangalore Taluka under document No. 206/83-84 on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been table to be the parties as a parties has not been table to be the parties has not been table to be the parties as a parties has not been table to be the parties has not been table to be the parties has not been table to be the parties as a parties has not been table to be the parties as a part

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

- (1) Shri M. Mohamed Hussain S/o Late M. Ismail partner, M. H. wood industries, Panemangalore
- (2) Shri C. Mahmood S/o C. Kanhi Pakky Kandak M'lore city.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 206/83-84 dated 15-7-83] All that property bearing No. R. S. No. 1053/1, T. S. No. 435/3 now 435/1, D. No. 16-18, New D. No. 16-1-6, situated at Attawar village, Balmatta ward M'loie.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-1.

Date: 13-3-1984

### 8895

# FORM TINS-

# OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1984

R. No. 62/39024/83-84/ACO|B.~-Whereas, I. ANIU MADHAVAN,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the impyable property, having a fair market value exceeding to 25,000/- and bearing No.

No. 61/4, 61/6, 60 & 59 situated at Ibbanivalavadi lage, Madikaritaluk

nd more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred

ider the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office the Registering Officer

Mercara under document No. 705/83-84 on 15-7-1983.

τ an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforeid exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration for such transfer as agreed to between e parties has not truly stated in the said instrument of unsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ict. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

4-26GL/84

ersons, namely:--

(1) Shii R. P. Nagar & Sri V. K. Kunhi Kadecja Unnikulam, Calicut District Kerala State. (Transferor)

(2) Shri R. Devaraj S/o Sri P. Rathanlal represented by P. A. holder Sri R. Kantilal Springdale, Barlows road, Cooncor.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herely as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No 705/83-84 Dated 15-7-83] All that property bearing Sy. No. 61/4 of 15.80 acres, 16/6 of 2.40 acres, 60 of 1.27 acres Sq of 2.55 acres situated at Ibbanivolavadi village Madikeri Taluk.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-1.

Date: 13-3-1984

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th March 1984

C. R. No. 62/38933/83-84/ACQ|B.—Whoreas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5/1 (Old No. 31), situated at IV Main road, Hebbal Mills. Gaugenahalli, B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 18-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trilly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(1) Shri P. M. Keshavan Nair, 2. Madhani Keshavan Nair, Nellahi House, Nellayi Post, Trichur Dist. Kerala.

(Transferor)

(2) P. Appu Nair, 5/1, IV Main Road, Hebbal Mills, Gangenahalli, B'lore-32.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1181/83-84 dated 18-7-83] Property bearing No. 5/1 (Old No. 31), situated at IV Main Road, Hebbal Mills, Gangenahalli, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-3-84

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th March 1984

C. R. No. 62/40507/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADH $\Lambda$ VAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6 (old No. 39) situated at Viviani Road, Richmond Town, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajiuagar on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri K. Sukhraj No. 116, Tameny Road. Civil Station, B'lore,

(2) Sree Marudhar Keshari Jain Sthanakvasi Seva Samithi Trust,
No. 56, Viviani Road,
B'lore-5.
Managing Trustee:—Sri G. Mothilal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1070/83-84 Dated 22-7-1983). Property bearing No. 6 (old No. 39) situated at Viviani Road, Richardus Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-3-1984

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati N. K. Vishalakshi No. 4. I Cross. Srinivasa Colony, B'lore-27.

(Transferor)

(2) Shri Govindram Dalmta No. 19, II floor, C. K. Cheunappa Garden, B'lore-27.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 7th March 1984

R. No. 62/40508/83-84/ACQ/B,--Whereas, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 1031/C situated at Binnamangala Layout-II Stage

Exten., Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 26-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisiion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1077/83-84 Dated 26-7-1983) Property bearing No. 1031/C situated at Binnamangala layout-II Stage Exten., B'lore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shrimati T. S. Vimala 828. III Block, 14th Main Rajajinagar, B'lore,

(Transferor)

(2) Shrimati N. Nagarathna 860, I Stage, II Block, Banashankari, B'lore-50.

( Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th March 1984

C. R. No. 62/40417/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 928 situated at I Stage. Banashankari, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 6-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 295/83-84 Dated 6-7-1983)

Property bearing No. 928 situated at I Stage, Banashan-kari, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri A. S. Ramaswamy Raju No. 17, 1st Cross, Thayappananalli, 4th T Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati M. V. Vani No. 26/3 Pattalamma Temple St., Basavangudi, B'lore-4.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSSITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th March 1984

C. R. No. 62/40379/83-84/ACQ/B---.Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old No. 26/1 (New No. 37) situatted at Pattalamma Temple St., Basavangudi, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi under document No. 1407/83-84 on July, 1983 fro an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, cr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1407/83-84 Dated July, 1983]

All that property bearing No. old No. 26/1, New No. 37 situated at Pattalamma Temple St., Basavangudi, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Venkatesh
No. 25, Corporation Colony,
Murphy Town,
Ulsoor Post,
Bangalore-8.

(Transferor)

(2) Shri B. Murthy No. 11, Murphy Road, Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferoe)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 8th March 1984

C. R. No. 62/40510/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1016/C, situated at Binnamangala II Stage, B'lore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1043/83-84 Dated 22-7-1983)

Property bearing No. 1016/C situated at Binnamangala, II Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8tl: March 1984

C. R. No. 62/40478/83-64/ACQ/B ---Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

No. 25 situated at IV Main, V. Cross, Syod Khader Garden, Blore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri T. Sunderson No. 80, VI Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Vimalesh KumariNo. H-55, West of Chord Road,1 Block, II Stage,

B'lore.

2. Mr. S. Ravindran
No. 7/2, 111 Cross. J. B. Nagar, Bangalore.

Mrs. T. S. Mangalakshnii No. 80, VI Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 927/83-84 Dated 8-7-1983)

Property bearing No. 25, situated at IV Main, V Cross, Syed Khader Garden, Bangalore,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-3-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1984

Ref No. RAC No. 915/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-2-852/1 (Portion) situated at Khairatabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Registration Act. 1908 116 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—26GI/84

 Smt. Karimunnissa Begum, GPA Smt. Sare Abdul Garoor, H. No. 6-2-952/A, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anwarunnissa Begum H. No. 3-5-803, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of house property bearing No. 6-2-952/1 ,Khairatabad Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 4202/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date: 14-3-1984

(1) Smt. Karimunnissa. Begum GPA, Smt. Sara Abdul Garoor, H. No. 6-2-952/A, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. A. Sattai Khan H. No. 5-5-803, Hyderguda, Hyderabad

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th March 1984

Ref. No. RAC No. 916/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 6-2-952/1 (Portion) situated at Khairatabad, Hyd.
(und more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred as per deed registered under the Indian registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) as any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
House property bearing No. 6-2-952/1 (Portion) Khairatabad Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide
document No. 4217/83

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1984.

(1) Smt. Kareemunnisa Begum, GPR Smt. Sara Abdul Gafoor, H. No. 6-2-952/A, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sarwar Begum, H. No. 6-2-952, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 14th March 1984

RAC. No. 917/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs; 25,000/- and bearing No.

6-2-952/1 (Portion), situated at Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been trasferred as per deed registered under the Indian registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 6-2-952/1 (Portion) situated at Khairatabad Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4230/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1984

RAC. No. 534/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Pithapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pithapuram in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri R. Venkata Subba Rama Lingeswara Audinarayana Rao and Others, Kakinada. (Transferor)

(2) Sri Vegisetty Papa Rao S/o Subba Rao, Ravivarap-padu, Hamlet of Ponnada, Pithapuram Tq., E.G.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated at Ravivarappadu, E.G. Dt., admeasuring 3 acres registered by the S.R.O., Pithapuram vide document No. 1822, 1821, and 1820/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 14-3-1984 -

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1984

RAC. No. 535/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (3) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Avesha Noor Mohd Qursi, Sivalayam Street, Vizag.

(2) Sri R. W. J. Rafferty, Post Office Street, New Gyanapuram, Visakhapatnam-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein 48 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D. No. 23-9 29. Sivalayam Street, Visakhapatnam-1 registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 7702/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3 1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A. P. No. 5212.—Wheres, F. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs: 25,00/- and bearing No.

as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration (and more fully deshas been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1098) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195) (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranjit Singh S/o Shri Madan Singh Mukhtiar of Gurtej Singh R/o Mohalla No. 17/26/3, Jalandhar Cantt.

(Transferor)

- Smt. Gobind Kaur W/o Shri Aytar Singh, R/o Mohalla Sheikhan, Ropar.
- (3) As S. No. 2 above. (Transferce)
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 144 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2332 of July 1983 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-3-1984

- (1) Shri Sohan S/o Shri Arjan Singh, R/o V. Dalfar Teh. Dasuya Distt, Hoshiarpur, (Transferor)
- (2) Smt. Amarjit W/o Shri Rattu, R/o V. Dingarian Teh, Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above,

ed in the property).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5214.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authorist under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at

1908) in the office of the Registering at Jalandhar on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interest-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, lication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person in erested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubwhich ever period expires later:

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot 20 mls. 200 sq. ft. situated in V. Garha and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2383 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1984

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5217.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, and bearing

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalendhar on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Haripal Singh S/o Shri Ujjagar Singh, R/o Cold Storage, V. Kingra Teh. Jalandhar.
- (2) Smt. Tajinder Kaur W/o Dev Ram, R/o V. Cheela P.O. Manan Hana, Distt. Hoshiarpur, (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2701 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 6-3-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A. P. No. 5220.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-26GI/84

- Shri Harsh Verdhan S/o Shri Sudershan Kumar R/o 11-A, Cheema Nagar, Mukhtiar-Khas Brij Mohan Self & Mukhtiar-al-am of Bachitter Singh, Ialandhar.
- (Transferor)
  (2) Shri Sohan Lal S/o Shri Chotu Ram,
  R/o ES-78, Makdoompura, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 8 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2742 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5229.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marke, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income ar any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 759D of the said Act, to the following persons, namely :- .

(1) Smt. Anita Bedi W/o Lt. Col. Vinod Bedi through Mukhtiar Lt. Col. Charanjit Singh, 118-New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(2) Shri Om Parkash S/o Shri Ghaniya Lal, R/o V. & P.O. Litran, Distt. Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person muere-sted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot No. 286 area 1K-4M-128 sq. ft. situated in Defence Colony, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 2324 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5230.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered U/S 269 AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:

 Smt. Harnam Kaur D/o Shri Radha Singh, Ro 228, Adarsh Nagar, Jalandhar through Tarsem Lal. Sh.

(Transferor)

- (2) Smt. Veena Kumari W/o Shri Shiv Kumar, R/o 411-Adarsh Nagar, Jalandhar.
- (Transferee) (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 800 sq. ft. situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar and persons as mentioned in the registered deed No. 2372 of July 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

(1) Smt. Jeet Kaur D/o Shri Nand Singh, R/o V. Mithapur, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh S/o Shri Darshan Singh, R/o V. Mithapur, Teh, Jalandhar.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interest-

(3) As S. No. 2 above.

ed in the property).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5231.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, ker. No. A.F. No. 5231.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Mithapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

at Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a fore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1K-13 Mls. situated in V. Mithapur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2401 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5232.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Mithapur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Smt. Jeet Kaur D/o Shri Nand Singh, R/o V. Mithapur, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Shri Sohan Singh, R/o V. Mithapur, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 2K-16 Mls, situated in V. Mithapur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2451 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5233.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
as per schedule situated at Khurla
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under section 269AB of the Income-tax Act, 1961
in the office of the Competent Authority
at Jalandhar in July, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Parkash Wati Wd/o Jaswanti R/o House No. 457, Krishan Nagar, Talandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kanwar Singh S/o Hardev Singh and Sint, Simer Kaur W/o Kanwar Singh R/o V. Kala Singha, Tehsil Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 2 area 18 Mis. 24 S.ft. situated in Udhey Nagar, Khurla and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2721 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

A.P. No. 5234.--Whereas, I, No. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority.

at Jalandhar in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shiv Dev Singh S/o Ujjar Singh and Rajbir Singh, Inder Bir Singh, Ranbir Singh Ss/o Shiv Dev Singh R/o V. Kingra, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Pritim Singh Sobal S/o Sadhu Singh R/o V, Vala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 K1, situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2377 of July, 1983 of the Registering Authority. Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-3-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5235.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; a**nd**/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Sohan Singh S/o Bhulla Singh R/o V. Kingra, through Sh. Ram Avtar, R/o 8/19, Jalandhai Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh S/o Harnam Singh R/o 321, Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registerded sale deed No. 23/3 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5236.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per scheduled situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

/b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—57—26GI/84

(1) Shri Sohan Singh S/o Bhulla Singu through Shri Ram Autar R/o 8/19, Jalandhar Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Tajinder Singh S/o Daljit Singh R/o Noorpur, Distt. Ludhiana.

· (Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property area 23 Mis. 138 Sft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2312 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Julandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5237.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Jalandhar in July, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforeseld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth 18X Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the solid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(4) Shri Sohan Singh S/o Bhulla Singh R/o V. Kingra, Teh. Jalandhar. through Sh. Balwant Singh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Darshan Singh R/o V. Pharala, Teh. Phillaur, Dist., Jalandhar.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Iny other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be imerested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1 K-4 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2295 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8 3-1984

# PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5238.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Kngra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly statied in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrì Harash Verdhan S/o Sudershan Mukhtiar of Brij Mohan S/o Hira Lal Mukhtiar-ai-am of Bachitar Singh S/o Munshi Ram, 11-A, Cheema Nagar, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar S/o Ajudhia Nath. 11-A, Cheenia Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property area 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed 2515 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5239.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') is the competency of the compet property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomedax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtextion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Harish Verdhan S/o Sudershan Kumar Mukhtiar-khas of Brig Mohan S/o Hira Lal Mukhtiar-ai-am Kuldip Singh S/o Bachitar Singh R/o 11-A, Cheema Nagar, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shrimati Rajinder Kaur w/o Baldev Singh t/o V. Shator Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property area 16 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registored sale deed No. 2707 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dute: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

[A] ANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref., .o. A.P. No. 5240.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registeration. Act, 1908 (16 of 1901) in the Office

of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaitton of the aferesaid prperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harash Verdhan S/o Sudershan Mukhtuar-Khas of Brij Mohan S/o Hira Lal Mukhtiar-ai-am of Kuldip Singh S/o Bachitar Singh R/o 11-A, Cheema Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh S/o Jagir Singh r/o V. Lambra Teh. Jalandhar,

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property area 8 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2708 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-3-1984

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5242.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Office
at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Chand Kaur W/o Bishan Singh Near Roshan Lai Oil Mills (P) Ltd., Mansa Road, Bhatinda.
  - (Transferor)
  - (2) Shri Bharpur Singh S/o Sham Singh C/o Chand Kaur W/o Bishan Singh near Roshan Lai Oil Mills (P) Ltd., Bhatinda
    - (Transferee)
  - (3) As per Sr. No. 2 above.

    (Person in occupation of the proprety)
  - (4) Any other person interested in the property.
    (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2021 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5241 .-- Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Shri Avtar Singh S/o Lachhaman Singh Village Bibiwala Teh, Bhatinda.

(Transferor)

- 1. Shri Karamjit Singh S/o Jiwan Singh,
   2. Amajrit Kaur W/o Karamjit Singh V. Kot Fatta Teh. Bhatinda
  - Baljit Singh Bhullar S/o Sher Singh V. Ghudda,
     Lachhman Singh S/o Hardial Singh,

  - 5. Harpal Singh
  - S/o Labh Singh C/o S. R. Bhatia.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the proprety)
  (4) Any other person interested in the property.
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imm able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registeration sale deed No. 2008 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax quisition Range, Jalandhar.

Dute: 12-3-1984.

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5243,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Rhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer

at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Chand Kaur Wd/o Bishan Singh Opp. M/s Roshan Lal Od Mills (P) Itd., Mansa Road, Bhatinda.

(2) Shrimati Ranjit Kaur W/o Bharpoor Singh C/o S. R. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the proprety)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interestted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2049 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984. Sept .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JAI ANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5244.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby luitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---58--26GI/84

(1) Shri Gobinder Singh S/o Bhai Nidh Singh Village Bhucho Khurd Teh. Bhatinda

(2) Shri Tej Singh S/o Jang Singh Village Ablu Teh. Bhatinda.

(Transferor) (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gitze in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2051 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

(Transferee)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TÁX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **JALANDHAR** 

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5245.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

- Shri Gurdip Singh S/o Kehar Singh R/o Sanguana Basti, Batinda.
- (Transferor) (2) Shri Karnail Singh, Ex. M.L.A. of Vill. Paccawala S/o Harchand Singh, Dabwali Road, Bhatinda. Opp. Dabwali Transport Company Office, Dabwali Road, Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the proprety)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2058 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalaudhar.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5246.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely(1) Shrimati Chand Kaur Wd/o Bishan Singh Near M/s Roshan Lal Oil Mills (P) Ltd., Mansa Road, Bhatinda.

(2) Shri Karam Singh S/o Gurdial Singh, and Niranjan Singh S/o Bhajan Singh C/o S. R. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the proprety)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2087 of July 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

(Transferee)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **JALANDHAR** 

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5247.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhagwan Singh S/o Madan Singh. Agnis Sukhdev Singh S/o Ganda Singh, Joganand Road, Kothi Amarpura, Bhatinda.

(Transferor) (2) Shri Suchet Singh Sodhi S/o Mangal Singh Sodhi Village Lalchia Teh. Ferozepur.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from respective persons. the service of notice on the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2094 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5248.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Singh, Darshan Singh Se/o Boota Singh Vill. Guda Dab Teh. Ferozepur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Arjan Singh S/o Kishan Singh Vill, Kot Bhai Teh, Muktsar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (4) Any other person interested in the property.
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons mentioned in the Registration sale deed No. 2110 of July, 1983 of the Registering Authority, Rhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

## FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P.No./5249.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Angrej Singh S/o Kapur Singh Hazoora Kapoora Basti, Near Rose Garden, Bhatinda.

(1) Shrimati Raj Rani D/o Bhajna Ram Vill. Mehraj Teh. Phool.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the proprety)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2112 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5250.—Whereas, I., J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhatinda in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Angrej Singh S/o Kapur Singh R/o Hazoora Kapoora Basti, Rose Garden, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Nother Chand S/o Dasondi Ram C/o S. R. Bhatinda,

('i runsferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above,
- (Person in occupation of the property)

  (4) Any other person interested in the property,

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2113 of July 1983, of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A. P. No.5251.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property thaving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Singh, Darshan Singh Se/o Shri Boota Singh R/o V. Gakan Dhab, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Chand S/o Kundan Lal R/o Barnala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2119 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-3-1984

Sec1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5252.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—59—26GI/84

 Shri Ram Singh, Darshan Singh Ss/o Shri Boota Singh R/o V. Gakan Dhab, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chand, S/o Ram Sahai R/o Budhlada,

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occuptioan of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2120 of July, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5253.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Rampura Phul
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul in July. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Raghbir Dayal, Om Parkash Ss/o Shri Brij Lal R/o Rampura Phul,

(Transferor)

Shri Toga Singh S/o Sohan Singh
 Shri Malkhan Singh S/o Dhan Singh
 Shri Mool Singh S/o Mit Singh
 Shri Mool Singh S/o Mit Singh
 Shri Mool Singh S/o Mit Singh
 National Tractors,
 Rammura Phul

Rampura Phul.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occuptioan of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1932 of July, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5254.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rampura Phul on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lachman Das S/o Rala Ram
 Shri Charanji Lal S/o Rala Ram
 M/s Lachman Dass Ved Parkash, Kacheri Bazzar, Rampura Phul,

(Transferor)

 1. Shrimati Harbhajan Kaur W/o Mool Singh
 2. Tarlochan Singh S/o Mool Singh C/o National Tractors, Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1934 of July, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

8938

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5255 & 5256,-Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on July, 1983

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Joginder Singh S/o Kapoor Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Boota Singh, Jagtar Singh Ss/o Sh. Shoba Singh Lakhbir Singh, Jasbir Singh Ss/o Gurjant Singh R/o Village Chotian, Teh. Rampura Phul.

(Transfereo)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1728 and 1735 of July, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 9th March 1984

Ref. No. A.P. No./5257.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Jalandhar

No. As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Narinder Kumar s/o Sh. D. D. Sood, Advocate, Old Post Office Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Kamaljit w/o Nathu Ram, B-378 Basti Bawa Khel, Jalandhar. (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said-immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein 🛤 · are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property Kothi No. 741 Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2870 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-3-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th March 1984

Ref. No. A.P. No./5258.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Moga Mehla Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

- Shrimati Gurnam Kaur Wd/o Arjan Singh r/o Agwar Kussika, Moga Mehla Singh, Moga. (Transferor)
- (2) Shri Ragubir Singh, Mohinder Pal Singh Ss/o Joginder Singh r/o Chowk Sheikhan, Moga Mehla Singh, Moga. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property Plot 15 Mls. 5 Sirsahi situated in Moga Mehla Singh and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3574 of July, 1983 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-3-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 9th March 1984

Ref. No. A.P. No./5259.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reserved to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule

situated at Moga Mehla Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Moga on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :--

- Smt. Gurnam Kaur Wd/o Arjan Singh r/o Agwar Kussika, Moga Mela Singh, Moga. (Transferor)
- (2) Shri Manjit Singh s/o Joginder Singh and Joginder Singh s/o Kahan Singh r/o Chowk Sheikhan, Moga Mehla Singh, Moga. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property plot 15 Mls. 5 Sirsahi situated in Moga Mehla Singh and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3646 of July, 1983 of the Registering Authority Moga.

J. L. GIRDILAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date; 9-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No./5260.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jalandhar on July, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Baldev Mitter Goel s/o Sadhu Ram
 Proprietor Punjab Rubbed Allied Indusctries, Model
 House, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Dr. Jaskaran Singh Gill s/o Darshan Singh and Mrs. Harimder Kaur w/o Dr. J. S. Gill r/o 568, New Jawahar Nagar Market, Jalandhar.

  (Transferee)
- (3) As. S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the proprety)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property House No. 21 situated in Rajinder Nagar, Jalandhar and Persons as mentioned in the registered sale deed No. 2336 of July, 1983 of the Registering Authority. Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
IAI ANDHAR

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No./5261.—Wherens, 1, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule

sunated at Basti Sheikh, Jalandhar

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely: -50-26GI/84

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Inderiit Singh R/o Basti Sheigh, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Satwant Kaur w/o Charan Singh
  1/0 V. Padewant Teh. Dhilwan Distt. Kapurthala.
  (Transferee)
- (3) Rs. S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Prope ty land 2 Kls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed. No. 2365 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-3-1984.

Scal :

(1) Shri Davinder Singh s/o Gurpal Singh r/o Basti Pir Dad Khan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Charan Singh s/o Jagat Singh r/o Basti Pir Dad Khan, Jalandhar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) As. S. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR** 

Jalandhar, the 12th March 1984

Ref. No. A.P. No./5262.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ as per Schedule

and bearing No. situated at Basti Pir Khan, Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are-defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property land 2 K-10M situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2416 of July, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1984.

#### FORM I.T.N.S.— -

 Shri Parekh Gunvantray Pratapray Dhavdi Chowk, Mahuva Dist : Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kanaiyalal Nanjibhai Patel, Vashi Talav, Mahuva, Dist: Bhavnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-3800 09.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-3800 09, the 14th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2853 Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No .Nutan Nagar Yojana No. 2 situated at Plot No. 535, Mohuva Dist .Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at SR Mahuva on 4-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot at Mahuva Nutannagar Yojana No. 2 Regd. vide R, No. 577 Date 4-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saw. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-3800 09.

Ahmedabad-3800 09, the 14th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2854 Acq.23/1/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing No. Land Dhoraji Nugai Palika inside Limit situated at Dhoraji Plot land 4682 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraj ion 29-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Govind Ranji Vadhasiya 2. Mohan Ramji Vadhasiya

3. Keshavji Govind Vadhasiya Dhoraji Dist : Rajkot,

(Transferor)

(2) 1. Shii Vrailal Kanji 2. Shii Monji Vadhaji

3. Sheth Kishorkani Mohanlal Dhoraji District Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Dhoraji in side Nagar Palika Limit having land 4681 sq. yd. regd. vide R. No. 462 Date 29-7-1983.

R. R. SHAH Inspecting Assistant Commissioner of lucome-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 14-2-1984.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 18-A, Narayannagar Road, Paldil Ahmedabad-7.

(1) Sari Jasumati Vinchhi Family Trust Trustee Nitinkumar Ramanial Vihhi Pedara Kuyar Prabhu Society,

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-3800 09.

Ahmedabad-3800 09, the 15th February 1984

Ret No. P.R.No. 2855 Acq.23/1/83-84.--Wherers, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Building at Jetpur City Survey Sneet No. 14 of S. No. 71

pa:ki 169.

(and more tully described in the Schedule annexed hereto)

of 1908) in the office of the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S.R. Jeipur Dist. Rajkot on 14-7-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Minor Kamalkumar Kishanchand Ravjan. & Ors. Natwali Sheri--Jetpur District Rajkot.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building at Jetpui City Survey No. Sheet No. 14 Regd. vide R. No. 1214/83 Date 14-7-1983.

Ř. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahniedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 15-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-3800 09.

Ahmedabad-3800 09, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2856Acq.23/1/83-84.—Whereas, 1, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. Building at Plet No. 11/5 S. No .456(P) Youni Kelan Plot. Nirmala Convent School Road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at Rajkot on 18-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Sudhir Development Co. Bhagwanji. M. Nathwani 'Manglam'—27, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

 Shri Shashikant Harshadrai Oza, Yogini Ketan Plot, Nirmala Convent School Road, Rajkot .

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building at Plot No. 11/5 S. No. 456(P) Yoginlketan Plot Nirmala Convent School Road, Rajkot regd. vide R. No. 4442 Date 18-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 15-2-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2857/Acq.23/1/83-84.--Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ramnagar Plot No. 113 Building situated at Gondal Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 21-7-1983 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Vinodray Manekchand Sheth Rasid Manor 1/7, Ram Krishna Nagar, Raikot.

(Transferor)

(2) Dr. Narendra Parshuram Desai 2-31, Superintendant Bunglow, T.B. Hospital Quarter, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gondal Road Ramnagar Plot No. 113 Building regd. vide R. No 4535 dated. 21-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX: ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-3800 09, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2858Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Gautam Apartment 3rd Floor Flat No. 9, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed

hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 25-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Gandhi Construction Co. 'Amibhay' Harihar Socy. Kalayad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Jashwantrai Chamanlal Kamdar 2. Smt. Manjulaben Jashwantrai Kamdar

> Flat No. 9, Gautam Appartment, 3rd Floor, Moti Tanki Road, Rajkot.

> > (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat at Gautam Apartment Flat No. 9 regd. vide R. No. 3919 Date 25-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad.

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD 380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R.No. 2859Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat at Ward No. 14 City S. No. 2197 Gautam

Apartment Flat No. 6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 25-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) o Section 269D of the said Act to the following persons, namely: 61-26GT/84

(1) M/s Gandhi Construction Co. Amibhav'—Harihar Socy. Kalavad Road, Raikot.

Tansferor(s)

(2) Shri Bhupatray Chhotalal Bhavani C/o M/s Bhupendra Sales Agency Kanu Nivas, 2nd Floor, Kavi Nanalal Marg, Rajkot.

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLA-ATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at Ward No. 14 City Survey No. 2197 regd. vide R. No. 3850 Date 25-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 15-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Lalitaben Lavjibhai Nandani Co Lotus Brass Works Bhaktinagar Station Plot, Raikot.

(2) Tarulata Manharlal Mehta, C/o Lakhani & Co. 28, Karanpara, Rajkot.

Tansferor(s)

Transferce(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R.No. 2860 Acq.23/I/83-84.-Whereas, J, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing Flat at Taskshashila Co. Op Socy. Girnar Cinema Road Rajkot.

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Takshshila Co. Op. Socy. Girnar Cinema Road, Rajkot,

THE SCHEDULE

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the followpersons, namely :-

Date: 15-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLC

CQUISITION RANGE-I, ANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R.No. 2861Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat at Vithal Apartment—Rajkot Near Race-Course Flat B-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on 30-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Vithal Construction Co. Race Course Rajkot.

Tansferor(s)

(2) Shri Narendra Chunilal Vora—HUF G-6, Sikka Nagar V.P. Road, Bombay-4.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at Vithal Appartment Flat B-6 Near Race Course Rajkot regd. vide R. No. 4694 Date 30-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984.

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2862/Acq.23/1/83-84.—Whereus, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1157-Sector No. 5 Plot No. 47 Satyagrah Chhavni—Vejalpur—A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at A'bad on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Vasuben Jeshingbhai Patel
 1-B, Punit Park, Ambawadi,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Savitaben Balkrishnabhai Patel 1212, Dehlavali Khadki, Near Rangila Gate, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 600 sq. yd. situated at Satyagrah Chhavni Vejalpur A'bad duly 1egd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 9697/5-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 15-2-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2863 Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and

bearing No. F. P. No. 167 Mun.. S. No. 00167-4-B-A-6, T.P.S. 19, situated at 3rd Floor, Navrangpura—A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at  $\Lambda$  bad on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dharendra Chimanlal Gandhi,
 Devali Apartment, Paldi, Ellisbridge,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1.Shri Maheshkumar Vrajlal Patadia
 2. Shri Naresh Kumar Vrajlal Patadia
 3. Shri Chhabul Kumar Vrajlal Patadia

All Block A-6, 3rd floor, Vibhag-I near Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat adm. 135 sq. yd.-situated at A'bad duly regd. by S.R. A'bad vide regd. sale deed R. No. 9859/8-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2864 Acq./23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 319 Paiki S. No. 417 Paiki No. 4 Kunthunath Co.-Op. Hsg. Socy. situated at Vasna, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Tarunaben Vinod Patel E-2, Siddhgiri Apartment Pritamnagar, Near Second Dhal, Paldi, Ahmedabad-380 006.

(Transferor)

(2) Dr. Kokilaben Maneklal Shah, Shanti Nath ni Pole, Haja Patel's Pole Relief Road, Kalupur side, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat adm. 95 sq. yd.—situated at Vasna, A'bad duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 9814/7-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2865/Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Aci'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 601 Hissa No. 1 Paiki situated at Vonsa-A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at A'bad on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dhulabhai Adarbhai Patel village: Vasna District A'bad.

(Transferor)

(2) Tulsivrund Co. Op. Hsg. Socy. (Proposed) Shri Rameshbhai Balkrishna Davc, Vrandavan Flat, Vasna, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 963 sq. mtr. situated at Vasna, A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 10189/15-7-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1984,

Seal ;

(1) Shri Parshottam Bhikhubhai Barot, Village : Thaltej District A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Matbhai Patel, 9, Hindu Colony, Opp : Stadium, A'bad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2866/Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

k. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 495 situated at Thaltej—Dist. A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

than more thiny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 11-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/oτ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 1A-32G, situated at Thaletj A'bad duly regol. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 9940/11-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-2-1984.

(1) Shri Lalitchandra Natualal Shah, 15, Sudham Socy,. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Jashvantrai Babubhai Gandhi F/1, Bijal Apartment, Panchavati Marg, Ambawadi, A'bad-380 006.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2867/Acq./23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. FP No. 682, TPS 3 situated at E/1/B/Bijal Aptt. Panchvati

Marg, Ambawadi-A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 11-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--62---26GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat adm. 61 sq. yd. situated at Bijal Aptt. A'bad duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 9907/11-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad-380 000, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2863 'Acq.25/1/83-84.-Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 151, 157, SP No. 8+9 ABC paiki TPS, 3 situated at Flat No. 22, 1st Floor, Setter Taluka Aptt. Near Guj-High Court, Navrangpura, Abad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shir Dhrumini Mukesh Patel 'Ganesh Bhuyan', Near Ishwar Bhuwan, Commerce College Road, Navrangpura Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Prubhadevi Subkaran Sirohia Sattar Taluka Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Near High Court—Income-tax, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat adm. 9 sy, yd.—situated at A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale Jeed R. No. 10027/July, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Ahmedaond

Date: 15-2-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2869/Acq./23/L/83-84.—Whereas. I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

FP No. 220/2, TPS, 3 varied Paiki SP No. 21, 21/2 situated at 21/3, 4, Shaikhpur-- Khanpur--- A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 6-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely:—

 Smt. Nirmalaben Kantilal Gopaldas Darshan Society, Near Sardar Petel Stadium, Nuvrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kailash Tower Co. op. Hsg. Socy. President—Shri Nayan Shantilal Mody Khadia Char Rusta, Nisha's Khadki, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with plinth—situated at Shaikhpur Khanpur, A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide Regd. Sale deed R. No. 9438/6-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date; 15-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2870/Acq23/1/83-84.--Whereas, I, Ref. No. 1. R. No. 2870/Acq23/1/83-84,—Whereas, 1, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 220/2, SP No. 21, 21/2, 21/3, 21/4 TPS, 3 situated at (Varied) Shaikhpur, Khanpur situated at Darshan Secret Near Stadium, Navrangurara, A'bad Soccy. Near Stadium, Navrangpura, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at A'bad on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Ritaben Kantılal Gopaldus Brahman Mitra Mandal Socy. Ellisbridge, Paldi, A'bad.

(Transferor)

(2) Kailash Tower Co.op. Hsg. Socy. Through: President Shri Nayan Shantilal Mody, Khadia Char Rasta, Nishani Khadki, Khadia, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 349.833 sq. yd. situated at Shaikhpur Khanpur, A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed. No. 10562/22-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 13-2-1984

Ceal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2871/Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 220/2, SP No. 21, 21/2, 21/3, 21/4 TPS, 3 (Varied situated at Shaikhpur Khanpur situated at Darshan Socy. near stadium, Navrangpura. A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51--16GI/84

 Shri Mayurbhai Rasiklal Shah Brahman Mitra Mandal Socy.. Ellisbridge, Puldi, A'bad.

(Transferor)

(2) Kailash Tower Co-op. Hsg. Socy. Through: President: Shri Nayan Shantilal Mody Khadia Charrasta, Nishani Khadki, Khadia, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 116, 611 sq. vitunted at Shaikhpur. Khanpur, A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 10567/22-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 15-2-1984

FORM-ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 939, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2872/Acq.23/I/83-84.--Whereas, I. R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP No. 220/2, SP No. 21, 21/2, 21/4 TPS 3 (varied) situated at Shaikhpur-Khanpur situated at Darshan Socy. Near Stadium, Navrangpura, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Belaben Kantilal Gopaldas Darshan Socy., Near Stadium, Navrangpura, A'bad,

(Transferor)

(2) Kailash Tower Co.op. Hsg. Socy. Through: President Shri Nayan Shantialal Mody, Khadia Char Rasta, Nishani Khadki, Khadia. A'bnd.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 349. 833 sq. yd. situated at Shaikhpur-Khanpur, A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 10566/22-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspectig Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-2-1984

Scal:

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad 380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2873/Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. FP No. 2 situated at C/1/1, Ground floor, Mohandas Karamchand Aptt., Krishna Bag, Maninagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at A'had on 15-7-1983

And on 15-7-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part has not been trained interpretation. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

(1) 1. Shri Topandas Karamchand Smt. Jahuribai Tekehand Karamehand
 Shri Sokiram Tekehand &

4. Shri Jaikishan Tekchand All @ Mohandas Karamchand Aptt., Krishna Bag, Maninagar. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Khanchand Laxmandas Dariyani C-1-1, Ground Floor, Mohandas Karamehand Aptt., Krishna Baug, Maninagar. Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat adm. 72 sq. yd. situated at Maninagar, A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 10176/15-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedarad

Date: 15-2-1984

Scal:

Shri Anirudh Ramchandra Pandya
 Parul Society,
 Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veenaben
Gautambhai Palkhiwala
33, Saurabh Society,
Drive-in-Road,
Navrangpura,
Ahmedabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedahad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2874/Acq./23/I/83-84.—Wherens, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 380 paiki SP No. 28, TPS, 19 situated at Shaikhpur Khanpur, A\*bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A' ad on July, 1983

A' ad on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason we believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 667 sq. yd, situated at Shaikhpur Khanpur, A'bad duly regd, by S. R. A'bad sale decd R. No. 7906/July, 1983,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 152-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2875 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.P.S. 1 F.P. No. 88 paiki Hissa No. 6 situated at

Memnagar—Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Ahmedabad on 26-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--63-26GI/84

Shri Girishbhai Atmaram Patel, Village: Memnagar, Ahmedabad Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Vasantiben Jethalal Achlayatan Society, Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land adm, 764 sq. mtr. + 62 sq. mtr. situated at Memnagar Dist. Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10712/26-7-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

Scott:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2876 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. S. No. 40/3 & 40/5 TPS. 1 FP No. 88 paiki Hissa No. 1 situated at Memnagar Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on 26-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesltb-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Atmaram Jeshinghbhai Patel Village: Memnagar, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dipdarshan Co. op. Hsg. Socy. Chairman: N. K. Patel, Patelwas, Village: Sarkhei, Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 686 sq. mtr. + 140 sq. mtr. situated at Memnagar Dist. Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10706/26-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L Ahmedabad

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2877 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 40/3, & 40/5 TPS 1 FP No. 88 paiki Hissa No. 8, 9, 10 situated at Memnagar Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 26-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incom earling from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Ishwarbhai Jeshinghbhai Patel
  2. Shri Prakukhbhai Ishwarbhai Patel.
  - 3. Shri Ramanbhai Ishwarbhai Patel.
    All Village Memnagar, Dist. Ahmedabad.
    (Transferor)
- (2) Dipdarshan Co. op. Hsg. Socy. Chairman: N. K. Patel, Patel Was, Village: Sarkhej, Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 429 + 82, 427 + 82, 714 + 82 sq. mtr. situated at Memnagar Dist. Ahmedabad duly regd. by S. R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10702, 10705, 10709/26-7-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQLISITION RANGE-U 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009** 

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2878 Acq. 23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 1109 Plot No. 13, situated at Satyagrah Chhavani Vejalpur Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at
Ahmedabad on 25-7-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Rustom Firozesha Mithawala, B-1, Ananta Apartment, Opp. Manekbaug Hall, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Suresh Vallabhdas Sheth, 8. Raj Vihar Flats, New Sharda Mandir Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 600 sq. yd. situated at Vejalpur Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10616/25-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

(1) Narmadaben Narbheram Thakkar, C/o Manekbaug Stree Adhyapak Mandir, Post: Adalaj Dist. Ahmedahad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramswarup Surajmal Agrawal, C/o Globe Transport Co. Kalupur Danapith Kalupur Ahmedabad.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2879 Acq. 23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Sector No. 3 Plot No. 7 situated at Satyagrah

Chhavani-Vejalpur Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on 16-7-1983,

Ahmedapad on 10-7-19-3, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land adm. 805.55 with plinth situated at Satyagrah Chhavani, Vejalpur, Ahmedabad duly read. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10224/16-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2880 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. F.P. No 163, T.P.S. 22 situated at Paldi, Ahmedabad,

No. F.P. No 163, T.P.S. 22 situated at Paldi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

of the registering officer at Ahmedabad on 22-7-1983 for an apparent conside

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manharbhai eshavlal Rojasara Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Shantilal Shah, 224, Kuvawallo Khancho, Doshivada, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Apartment adm. 67 sq. yd. situated at Paldi, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10591/22-7-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2881 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

FP No. 258, TPS 22 Plot No. 9 situated at Dungarshi Nagar Co. op. Hsg. Socy. Paldi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

Ahmedabad on 22-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Durgaben Ratilal Shukla,
 Dungarshinagar Co. op. Hsg. Socy. Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

 Nayinchandra Gordhanbhai Amin,
 Smt. Sunitaben Nayinchandra village: Barati, Tal: Dholka,
 Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 95 sq mtr. situated at Paldi Ahmedabad, duly rcgd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10577/22-7-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVÉRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2882 Acq.23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as t'se 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. FP No. 997 (1+2) T.P.S. 3 situated at Paldi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partise has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Kamlaben Shyamsunder, 'Beleview, near Ellisbridge Rly. Station, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Madhuriben Muljibhai Manek, B/3, Panchratna Apartment, Mahalaxmi Char Rasta, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat adm. 117 sq. yd. situated @ Paldi Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 1869/July 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

·Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2883 Acq. 23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable' property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 516, TPS. No. 14-2 paiki SP No. 1, 2, 3, 4, 5, situated at Vejalpur Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-7-1983

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-64-- 36GI/84

(1) (1) Shri Kantilal Gulabji Thakore,

(2) Shri Dahyabhai Gulabji Thakore,(3) Shri Jayantilal Gulabji Thakore,

(4) Shri Kanubhai Gulabji Thakore,

(5) Shri Ramsingh Gulabji Thakore. All @ Bhudarpura, Ambawadi, Ahmedabad. Transferor(s)

(2) Shri Dahyabhai Gulabji Thakore, Chairman : Shri Mansukhbbai Gokalbhai Secretary: Mahendra Ranchhodbhai Patel both @ Laxmi Society, Vejalpur Road, Ahmedabad. Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 847 sq yd. + 847 sq. yd. + 847 sq. yd. + 847 sq. yd. + 847 sq. yd. i.e. total 4235 sq. yds.—situated at Vejalpur Dist: Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10823, 10824, 10827, 10830 & 10831/ 28-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2884 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and bearing
FP No. 20, TPS, 6, situated @ S.P. No. 4-A. The Bank of
Baroda Staff Co-op. H. Socy. Ltd. Jaibhikhu Marg, Paldi,
near Narayannogar Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 28-7 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shantilal Ambalal Patel, A-17, Bhawani Co-op. Ssg. Socy. Ltd. Karoli Baug, Baroda.

Transferor(s)

Shri Divyakant Govindlal Patel.
 Smt. Anjana Divyakant Patel.
 Both @ 4-A Bank of Baroda Staff Co-op. Hsg. Socy.—Jai Bhikhu Marg, Near Narayan Nagar, Road, Paldi, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 306 sq. yd.—situated at Paidi, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 10822/28-7-1973.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmed and

Date: 15-2-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2885 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 600 paiki, FP 114 paiki sliuated @ Vejalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indias Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Talsibhai Bhalabhai Patel, Vasna, Maktampur Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Amrutjeevan Co-op. Hsg. Socy. Chairman: Shri Chandrakant Amrutlal Trivedi, 12, New Pragna Co-op. Hsg. Socy. Vasana, Ahmedabad.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 9722 sq yd. + 7152 sq. yd. land situated at Vejalpur, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 994/11-7-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad 380 009, the 10th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2886 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bldg. at Durveshnagar Plot No. 13A behind Jalaram Socy.-Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 19-7 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ramjibhai Savjibhai Kalaria,

Village: Bhanduri, Tal: Maliya Hatina Dist: Junagadh.

Transferor(s)

(2) Shri Umedbhai Gokalbhai Dalsania. 1. Nani-Danapith Society, Junagadh,

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person imterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg. @ Junagadh—duly regd. by S.R. Junuagadh, vide sale deed R. No. 1633/19-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-2-1984

Seal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2887 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat at Kalavad Road, S. No. 456 situated at Jyoti Apartment Flat No. 11 & 12 Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 22-7-1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Jyoti Apartment Co., Partner. Shri Vasantray Jaighand Gandhl, Gujarat Housing Board, Kalavad Road, Rajkot. Transferor(s)
- (2) Nirmalaben Jayantilal Shah,
  Jyoti Apartment,
  Flat No. 11 & 12, Kalavad Road, Rajkot.
  Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at Kalavad Road, Jyoti Apartment Flat No. 11 & 12-registered vide R. No. 3126 Dt.: 22-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

AhmedabaJ-380 009, the 6th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2888 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Bldg. at Shryes Society, situated near Race Course, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer et S.R. Rejkot on 1-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kasturben Kantilal Kotecha, Shryesh Society, Near Race Course, 'Ashirvad' Rajkot.

Transferec(s)

 Smt. Bhagvati Rajnikant Bhojani, Plot No. 2!, Shryesh Socy. 'Ashiviad' Near Race Course Road, Rojkot.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at Near Race Course, Shreyash Socy, vide R. No. 3907 Dt: 17-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1984

ical:

#### FORM I.T.N.S.--

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 6th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2889 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bldg. at 14, Sarder Nagar, Rajket

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Hemchand Dayalji Mehta L.R.
 Shri Vasantlal Hemchand Mehta
 Kantile! Hemchand Mehta

14, Sardar Nagar, Rajkot.

Transferee(8)

(2) Ranjanben Ratilal Shah, 'Shanti Bhuvan' 14, Sardar Nagar, Rajkot.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bullding at 14, Sardar Nagar, Regd. vide R. No. 546 dt. 22-7-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedatrad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, camely:—

Dt: 6-3-1984

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

\*\*ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2890 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building at S. No. 451-1-2 plot No. 7 paiki—S.P. No. 3 Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Raikot on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Shyana Corporation, Gondal Road, Rajkot.

Transferce(s)

Shri Virendra Jaysukhlal Parekh,
 Jagnath Plot,
 'Ravi Randal Rajkot.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notios in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at S. No. 451-1-2 Plot No. 7 paiki S.P. No. 3 regd. vide R. No. 4154 Dt: 4-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedebed

Date: 6-3-1984

#### FORM ITNS----

(1) Shri Anantray Shantilal Ashara & Ors. Lati Bazar, Mahuva, Dist: Bhavnabar.

Transferee(s)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Muktagauri Labhshankar Joshi & Ors. Nutannagar, Mahuva, Dist: Bhavnogar.

#### Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM: HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedahad-380 009, the 6th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2891 Acq. 23/1/83-84.-- Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 11 Industrial Area Nutannagar I, Mahuva Dist: Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahuva on 29-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the suid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Plot No. 11 at Industrial Area Mohnva Dist Bhavnagar regd, vide R. No. 139 Dt: 29-7-1983.

R. R. SHAII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

sublow-Date: 6-3-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65-26GI/84

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2892 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 75, situated at Tenament No. 24, Manish Co-op. Hsg. Socy. Wadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-7-983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Madhukantaben Vasudev Patel, 120, Nani Mehta's Pole, Wadigam, Dariapur, Ahmedabad.

Transferee(s)

(2) Shri Manubhai Baldevbhai Patel, Tenament No. 24, Manish Co-op, Hsg. Socy Above Ankur Char Rasta, Near Manish Hall, Naranpura, Ahmedabad.

Transferee(5)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Tenament No. 24 of Manish Co-op. H. Socy. Wadaj, Naranpuura, Ahmedabad dulyy regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 9723/5-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2893 Acq.23/1/83-84.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 8, 11-1 to 5, 12-1 to 2, 13, 15-1, 2-16-17-26-1 to 4 paiki S. o. 88 plot No. 99 situated at Thaltei, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at A'bad on 15/7/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sulochna Jitendra Joshi, 26, Nirman Soc. Alkapuri. Baroda.

(Transferor)(s)

(2) Shri Siddharth bhai Premnath Bakava, 35, Swati Society, Near Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 338 sq. mt. situated at Thalej A'bad duly regdiby S. R. A'bad vide sale deed R. No. 10173/15-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 29 2/1984

(1) Shri Narendra Bhimbhai Patel, 84, Sun rise park, Memniagar. Ahmedabad.

(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Vasantlal Shah, Nikita Apartment, Behind Gopalgaraze, Ashram Road. Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th February 1984

Ref .No. P. R. No. 2894 Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaue exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 11-1 to 5 paiki FP 30-A situated at Bhaikaka Nagar

Co. op. Hsg. Socy., Thaltei, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

A'bad on 28/7/1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I and adm. 338 sq. mt. situated at Thantei A'bad duly regd. A'bad duly regd. by S. R. A'bad. vide Sale deed R. No. 10592 /28-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 29/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th Merch 1984

.No. P. R. No. 2895 Acq.23/1/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 24 paiki TPS, 18-FP 29 paiki Shop No. 108 Ist floor Shri Mahavir Cloth Market owners Association,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at A'bad on 6/7/1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-fax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) 1. Smt. Renukaben Deepakbhai Ghia himself & as a Karta of HUF of Shri Deepak Kantilal Ghia. 2. Shri Nakul Dipakkumar Ghia Minors. 3. Shri Niketa Dipakkumar Ghia, Minors. All @ Panchshil Socy. Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)(s)

(2) Hari Om Corporation, Though: one of the partners Shri Arvindkumar Indubhai Patel, 'Harikrupa' Santram Road, Nadiad.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office at 1st floor No. 108—adm. 275 sq. ft. situated at Shri Mahavir Cloth Market Owners Association, A'bad duly reg. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 9761/6-7-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6/3/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2896 Acq.23/I/83-84.--Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 59, SP No. 3-B, Raipur Hirura situated at 3-B, Bhag-yanagar, Rambaug, Manigar, A'bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad, on 29/7/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kantilal Keshavlal Shah, 1737, Ist Choktha, Talia's Pole, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)(s)

(2) Shri Mukundlal Chandlal Shah, 3-B, Bhagyanagar Co. op, Hsg. Socy., Maninagar, Rambaug, Ahmedabad.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 326.75 sq. vd. situated at Maninager A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide deed R. No. 10845/29-7-1983,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-I
Ahmedabad

Date: 6/3/1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2897 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 137-7-A-B situated at Raipur-Hirpur-Maninagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jethabhai Shivabhai
 Shri Laxmanbhai Jethabhai & Others,
 Through: Power of Attorney Ho. der Shri Natwarlal Lilachand Bhavsar
 Municipal health Staff Quarters.
 Bhairavnath, Maninagar,
 Ahmedabad.

(Transferor)(s)

(2) Manaymoti Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Chairman: Shri Motiled Manilal Vaghela, L. G. Hospital Staff Quarters, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Land adm. 1331 sq. vds., situated at Maninagar A'bad vide sale deed R. No. 10854/29-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 6/3/1984

Seal;

Smt. Kalpinaben Devendraprasad,
 27. 28. Jai Bhagwan Society,
 behind Priya Talkies, Saijpur Bogha,
 Ahmedabad.

(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ashirvad Hosiery, Shed No. 84, The Anant Co. op. Indust. Estate Itd., Near Viiva Mills, Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th Murch 1984

Ref. No. P. R. No. 2898 Acq. 23/1/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a rair marker value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 46/5, 411/3, 409/E/1, 409(, 409, 406/1/1, 406/1/2,
406/4, 407 (all paik) FP Nos. 48, 52, 55 & 65 (all parts)
& of Asarva TPS. 12 situated at Shed No. 84 Anant Co. op.
Ind. Estate Ltd. Near Vijay Mills, Naroda Road, A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at A'bad on 30/7/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shed No. 84 i.e. Ashirved Hosiery A'bad situated at the Amant Industrial Co. op. Estate Ltd. Naroda Road A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 10917/30/7/1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 6/3/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th Merch 1984

Ref. No. P. R. No. 2899 Acq. 23/I/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
295-2, S. No. 296, S. 397, paiki situated at Village
Bopal Dist. A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at A'bad on Jlv, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1)57);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 66—26GI/84

(1)1. Smt. Maniben Jivabhai Patel, 2. Shri Bhikhabhai Jivabhai Patel, themselves und as a Karta of their HUF, 3, Smt. Rukhiben Jivabhai Patel, All @ Village: Bonal Dist. A'bad. (Transferor)(s)

(2) Anand Vihor Bopal Co. op. Hsg. Socy Chairman : Shri Bhikhabhai Ishverbhai Patel, C/o Shri Ambalal Somabhai Putel. Pahelwan Bidiwala's Bugglow, Shahibaug, Ahmedahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 3A-16G i.e. 16456 sq. yd. situated at Village Bopal Dist. A'bad duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 8496/July, 1983,

R. R. SHAH Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T Ahmedabad

Date: 6/3/1984

Scal:

(1) Smt. Mahalaxmi Dhirajlal Valshnav,

(2) 1. Harishkumar Sampatlal Sutaria

2. Smt. Hinaben H. Sutaria

3. Smt. Bhanuben Babulal 4. Hitesh Dhirajlal Kothari 5. Sanjivkumar Babulal Mehta 6. Smt. Gunvantiben D. Mehta

(2) Smt. Smt. Revaben Ishwadal Druv, 'Madhuvan' 4, Patel Colony, Januagar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMED 4BAD-480 009

Ahmdabad, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2900 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bldg. at City Survey No. 39/G/5/plot No. 12/1 Jamnagar-9,

Patel Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jamnagar on 25-7-93

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Near Kalyanji Mandir-Jamnagar.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at 9, Patel Colony, City S. No. 39/G/5/Plot No. 12/1 regd. vide R. No. 2258, Dt. 25-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-3-1984

## FORM ITNS----

(1) 1. Amratlal Fulchand Shah

Smt. Pushpaben Amratlal Shah. New Jail Road, Vazirpara, Jamnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhanushali Narottambhai Devjibhai, Bhanushalivad, Havaichowk, Jamnagar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-480 009

Ahmdabad, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2901 Acq. 23/1/83-84.-Whereas, I. R. R. SHAH.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Buildings at S. No. 169/II/4 outside Khambhaliya Gate Jam-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 18-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg, at outside Khamhaliya gate, S. No. 169/H/4 regd. vide R. No. 2230 Dt. 18-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 6-3-1984

(1) 1. Dhirendra Manilal Mehta & 2. Smt. Pritiben Rajnikant Mehta 45, Digvijay Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Swastik Builders, C/o Shri H. B. Marwadi, Marwadi Flats, Near Swastik Society, Jamnabar.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-480 009

Ahmdabad, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2902 Acq. 23/L/83-84.--Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act of the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Jamnagar City S. No. G/4/1 Plot No. 2 Plot No. 21/2 at

Swastik Socy. Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S.R. Jamnagar on 6-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publi-cution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Jamnagar Swastik Socy. C. S. No. G-4-1 Paiki Plan No. 2 Plot No. 21/1 regd. vide R. No. 2102 Dt. 6-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-3-1984

#### FORM ITNS ---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-480 009

Ahmdabad, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2903 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bldg, at 6, Patel Colony, Main part 'G' Sheet No. 5, Survey No. 39 Plot No. 31 Property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S.R. Jamnagar on 6-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Shri Kalyanji Ratna Satwara, Outside Dhuyay Naka, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Jiyatram Revachand Motvani, 6, Patel Colony, Jamnagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at Jamnagar 6, Patel Colony, regd. vide R. No. 2100 Dt. 6-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date : 6-3-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th February 1984

Ref. No. P. R. 2686 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, 1, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 l-and bearing

R. S. No. 396 plot 31 to 54 situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at at Mehsana on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Manguben Parshottambhai Prajapati
  - 2. Babiben
  - 3. Manguben Ishverbhai Prajapati Mehsana.

Transferor(s)

(2) Devkinandan Co. op. Socy (Proposed) C/o Vinodkumar Bholabhai Patel, Mehsana.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Mehsana, Nagarpur S. No. 396 adm. 3814 sq. mtr. Document of transfer of property regd. with S. R. Mehsana under No. 2356 Dt. 8-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9-2-1984

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2687 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R, R, SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 47/1 Plot No. 43 to 64 situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Mehsana on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Patel Virambhai Jivanbhai,
 2. Patel Gandabhai Virambhai, Nagarpur,
 Tal: Mehsana.

(2) Tulsidham Co.op. Socy. (Proposed, C/o Bhagabhai Joitram Patel, Udalpur Tal: Mehsana.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Mehsana, Nagalpur S. No. 47/1 Plots No. 43 to 64 adm. 37032. Document of transfer of property regd. with S.R. Mehsana under No. 2347 Dt. 7-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 9-2-1984

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2688 Acq. 23/II/83-84.—Wherens, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 2550, 2551 situated at Anand

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Anand on 30-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Patel Punjabhai Ambalal
  - 2. Chanchalben Ambalal
    3. Kamlaben Ambalal
  - 4. Shakuntlaben Punjabhai

Shakuntlaben Punjabhai C/o RajniKant Punjabhai (P.P. Holder) Gamdi—Tal : Anand.

Transferor(s)

(2) Kohirbor Co.op. Socy. (Proposed), C/o Bhikhabhai Dahyabhai Patel, Nr. Ganesh Dugdhalaya, Anand.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Anand R.S. No. 2550, 2551 adm. 4937 sq. mtr. Document of transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 3542 Dt. 20-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9-2-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2689 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, J. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. S. No. 493 situated at Karamsad (and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—67—26thGI/84

 Dahyabhai Vaghabhai Solanki, Karamaad, Tal: Anand.

Transferor(s)

(2) Farijatak Co. op. Socy. (Proposed), C/o Radheshyam Shankerlal Dalvadi, Near Sharda Mandir—Vallabh Vidyanagar, Tal: Anand.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Karamsad S. No. 493 adm. A1 G. 2. Document of transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 3243 Dt. 4-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tr
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2690 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. R. S. 1493/2 T.P.S. 2 F.P. 586 situated at Anand (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of at Anand on 16-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

(1) 1. Shri Shankerbhai Kashibhai Patel,

Smt. Gangaben Shankerbhai Patel,
 Shri Punambhai Shankerbhai Patel,
 Shri Vinodbhai Punambhai Patel,

5. Shri Janabhhai Punambhai Patel,

9, Madhuvan Society, Behind Town Hall, Anand. Transferor(s)

(2) Anupam Co.op. Socy. (Proposed), C/o Kirtbiha Moihanlal Shah, Ashoknagar Society, Behind Station, Anand.

Transferee(s)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Anand R.S. No. 1493/2 T.P.S. 2 F.P. 586 adm. 1311 sq. mtr. Document of transfer regd. with S.R. Anand under No. 2561 Dt. 16-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9-2-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2691 Acq.23/ $\Pi$ /83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. R.S. No. 3419/1, 3419/2 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sumanbhai Maganbhai Patel 2. Pravinbhai Maganbhai Patel 3. Arvindbhai Maganbhai Patel

4. Indravadan Maganbhai Patel.
Nadiod.

(Transferor)

(2) Saket Co. op. Socy. (Proposed)
C/o Rajiv Chandravadan Brahambhatt,
Nava Raopura,
Nadlad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Landat Nadiad S. No. 3419/1, 2 adm. 4431 sq. mtr Document of transfer of property regd. with S.R. Nadiad under No. 2467 Dt. 4-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Date: 9-2-1984

MIL COMMERCENCY CONTRACTOR AND THE

## FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Arvindbhai Accotabhai Patel 701/Surya Apartments, Breach Kendy Opp. Hospital, Warden Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Hasumati Kanubhai Patel 58, Alkapuri, Baroda-390 005.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2692 Acq.23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
R. S. No. 107 Plot oN. 58 situated at Jetalpur, Baroda

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), at Baroda on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Jetalpur S. No. 107 adm. 8000 sq. ft. Document of transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 3910 Dt. 5-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-II Ahmedavad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2693 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 342 situated at Tandalja, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on 18-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fatilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sakina Abbas Karim C/o M. H. M. Mir
 Bina Nagar Socy., Vasana Road, Baroda.

(Transferor)

Miss Premila Shrivastav,
 Amrakunj Socy.
 C. Circle, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Tandalja R.S. No. 342 adm. 8075 sq. ft. Document of transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 4226 Dt. 18-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-2-1984

(1) Revaben Pragjibhai Patel C/o Maganbhai Madhavbhai Patel (P.A. Holder), Laxmi Colony, Alkapuri, Baroda,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxmiben Narsinhbhai Patel, Kovali. Tal: Baroda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2694 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a frexceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 502 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that 113

## THE SCHEDULE

Land at Sayajiganj, Baroda S. No. 502 adm. 313 sq. mtr. Document of transfer read with S.R. Baroda under 2130 Dt. 25-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2695 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 616,3/1 Flat No. B-10 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Vada Development Corpn. C/o Vrajlal Muljibhai Talati, 'Vraj Vihar' Kasturba Nagar Socy. Behind Railway Station, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Piyushkumar Haribbai Desal, Station Road, Petlad, Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Sayajiganj S. No. 616/3/1 adm. 960 sq. ft. Document of transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 4122 Dt. 4-7-1983.

> R. R. SHAH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2696 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 842 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Samir Builders,
 C/o Mahendra Visanji Shah
 D-41, Vishvas Colony,
 R. C. Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Sarlaben Rameshchandra Desai C/o P. R. Desai, 305, Santok Chambers, Sardarnagar Corner, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Baroda Sayajiganj S. No. 842 adm. 1190 sq. ft. Document of transfer of property read, with S.R. Baroda under No. 3979 Dt. 7-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 9-2-1984

 Rabari Jarabhai Nathabhai Rasana Mota, Deesa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2697 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sheet No. 9 C.S. 785 situated at Doesa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Doesa on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——\$3—26 GI/84

(2) The Pushpam (Flat) Co. op. Hsg. Socy (Proposed), C/o Pravinchandra Chunilal Patel, Deesa. Dist. Banaskantha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazttte,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Deesa Sheet No. 9 adm. 1212 sq. mtr. Document of transfer of property regd. with S.R. Deesa under No. 1922 Dt. 13-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 13-2-1984

Dcesa, Dist. Banaskantha.

(1) Shah Nanalal Vadilal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shah Jayantilal Punamchand Gandhi Chowk, Deesa—Dist: Banaskantha.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2698 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sheet No. 39, C.S. No. 432, 422, 421 situated at Deesa (and more fully described in the Schedule appared hearts)

Sheet No. 39, C.S. No. 432, 422, 421 situated at Deesa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deesa on 19-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Deesa Sheet No. 39, C.S. No. 432, 422, 421 adm. 437 sq. mtr. Document of transfer of property regd. with S.R. Deesa under No. 2001 Dt. 19-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2699 Acq.23/11/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 95 situated at Village Amli Tal: Silvasa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silvasa on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Parsottam Narsidas Kapadi at P.O. Silvasa

2. Shri Kantibhai Narsidas

at P.O. Lavachha Tal: Pardi 3. Ratilal Narsidas Kapadi at P.O. Lavachha Tal: Pardi Dist: Bulsar.

(Transferor)

(2) Mangaldas Prabhudas Parekh, Silvasa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

The land at Amli Village bearing S. No. 95 adm. 78 acre i.e. 7800 sq. mtr. The document is regd. at S.R. Silvasa vide No. 179 Dt. 25-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-2-1984

Seal \*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDAEAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2700 Acq.23/11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 99 (P) situated at Piparia Ind. Estate Amli Tal: Silvasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silvasa on 16-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Kantilal Ramsukhji Shah
  - Shri Karta K. R. Shah HUF
  - 3. Shri Vijaykumar Kantilal Shah—HUF
  - 4. Shri Vijaykumar Kantilal Shah Partner of Everest Nagar.
  - 5. Shri Ajay Kumar Kantilal Shah-HUF
  - 6. Mrs. Vasantiben Kantilal Shah
  - 7. Miss Jyoti Kantilal Shah Amli—Tal: Silvasa.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Jain Director of Mexin Medicaments Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is with a single storeyed Factory Bldg. at plot No. 99(p) in Piparia Ind. Estate of Amli, The document is regd. at R. Silvasa vide No. 172 dt. 16-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 14-2-1984

Seal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2701 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 147 situated at Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ankleshwar on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Somabhai Gopalbhai Vasava
  - Ramubhai Gopalbhai Vasava
     Shiviben Gopalbhai Vasava
     Meliben Gopalbhai Vasava
    - 4. Meliben Gopalbhai Vasava At Choryasi Bhagol, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Kalpana Co. op. Hsg. Socy. Ltd. President, Gulammohmed Mustafa Shaikh Piraman Naka—Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

340 Jand Searing S. No. 147 situated at Ankleshwar sim. adm. 2 Acre 1 Guntha. The document is regd. at S.R. Ankleshwar vide No. 1871 Dt. 27-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 14-2-1984

to between

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD .AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1984

Ref. No. P.R. No. 2702 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 277 paiki situated at Gadkhol Tal: Ankleshwar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that

the parties has not been truly stated in the said instrument

the consideration for such transfer as agreed

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Bai Punji W/o Mohan Vasan
  - Bâi Shanta
     D/o Mohan Vasan
     V.K. Gulamhusen. N. Kher
     at Gandhu Tal: Valia Dist: Bharuch.
     (Transferor)
- (2) Mayanagri Co. op. Hsg. Ltd. President: Azizur Rehman, U. Patel Kamla Park Socy Ankleshwar Secretary: Maheshkumar Ganpatlal Bhaysar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Att, shall have the same accounty as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land at Gadkhol S. No. 227 paiki adm.  $3035\times3=9105$  sq. mtr. The document is regd. at S.R. Ankleshwar vide No. 1784, 965 and 1011 Dt. 15-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009.

Ahmedabad -380 009, the 14th February 1984

Ref. No. P.R.No./2703Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No. 65/2 situated at Vejalpur Tal: Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ganesh Organisor
  Partner
   Ramilaben Ranchhodbhai Patel
   Ambalal Budhiyabhai Mistri
  Garden Lodge. Panch Batti—Bharuch.
   (Transferor)
- (2) New Shita Co. Op. Hsg. Socy.
  President
  Ismailbhai Ibrahimbhai Patel
  Shastri Market, Panch Batti,
  Bharuch,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Land bearing S. No 6.5/2 situated at Vejalpur adm. 1260 Sy. mtr. The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 1439 Date 7-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 14-2-1984. Seal:

ocat.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHPAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad -380 009, the 14th February 1984

Ref. No. P.R.No./Acq.23/II/83-84.—Whereas, I<sub>6</sub> R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 652 situated at Vejalpur Tal: Bharuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 16-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westing Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganesh Organisor Partner

1. Ramilaben Ranchhodbhai Patel

2. Ambalal Budhiya'ohai Mistri Garden Lodge. Panch Botsi—Bharuch,

(Transferor)

(PART III—SEC. 1

(2) 1. Ismilbhai, M. Patel

2 Abdulkadar, M. Patel

3. Abdulgafar. M. Patel 4. Ayub. M. Patel

At Hinglot Tel: Bharuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property? may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land bearing No. 65/2 situated at Vejaplur adm. 5800 sq. mtr. The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 1503 16-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 14-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Rhmedabad-380 009, the 17th February 1984

Ref. No. P.R. No./2705 Acq.23/II/83-84.—Wheeras, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 53/13 situated at Nanakwada Tal; Valsad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Valsad on 14-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—26 GI/84

- (1) 1. Chhotubhai Sukhabhai Patel 2. Bhuliben Balubhai Patel W/o Balubhai Sukhabhai.

  - 3. Minor Jitubhai Balubhai 4. Minor Mukesh Balubhai
  - Minor Dipakbhat Balubhat
  - Minor Ashaben Balubhai Minor Shardaben Balubhal
  - Nanubhai Sukhabhai Patel
  - 9. Puragohai Sukhabhai Patel At Nanakwada Tal : Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Amiraj Co. Op. Hag, Socy, Ltd. Chairman : Smt. Shaliniben Vishnubhai Mehale, Valsad.\*

Secretary: Smt. Pallaviben Prakashchandra, Pathak, Valsad, District Valsad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land at Nanakwada Tal: Valsad S .No. 53/13 adm. 3146 Sq. yds. The document is regd. at S.R. Valsad vide No. 978 Dated 14-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL, Ahmedabad

Date: 17-2-1984.

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1984 Ref. No. P.R.No./2706Acq.23/II/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 30 & 35 paiki Final Plot 5 situated at Adarsh Socy. Athwa lines

(and more fully described in the schedule annexed hereta), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at Surat on 16-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Varasaben Ajaykumar Chokshi At Diwalizag. Athwa Lines.
 Surat.

(Transferor)

(2) Liladevi Omprakash Agarwal at Sai Kripa, Rander Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The proprety is situated at Adarsh Socy. S. No. 30 T.P. Scheme No. 9, adm. 631 Sq. yd. The document is regd at S.R. Surat vide No. 6525 dated 19-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 17-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1984

Ref. No. P.R.No./2707Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot A-2-23 situated at Udhana Udhyognagar-Surat.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rtgistering Officer at Officer at Surat on 16-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bharatkumar Babubhai Gandhi EEB. Valkeshwar Road, Arun Building, Bombay-6.

(Transferce)

Kantilal Sekarlal Gendh i
 Mahendra Sakarlal Gendhi
 Pravinohandra Sakarlal Gandhi
 Hemendra Sakarlal Gandhi
 All are at Ambaji Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at Udhanana Udhyognagar R.S. A 2-23 Adm. 501 sq. mtr. The decument is regd. at S.R., 5652 Date 14-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 17-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1984

Ref. No. P.R.No./2708Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS'No. 13-2-and 14 New C.S. No. 696 situated at Virat Aptt. -Flat-B-204-Surat Athwa Lines

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nr early:—

(1) Shri Dhirajlal Khetasibhai Shah Vania Sheri Mahindharpura-Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Varshaben Ajambhai Chokshi B-No.7. Swashray Co. Op. Hsg. Socy. Diwalloag, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPALANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.\*

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Virat Aptt. Co. op. Hsg. No. B-204, Athwa Lines Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 6700 Date 27-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 17-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 17th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2709 Acq. 23/II/83-84.--Whereas, 1 R. R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Nondh No. 2797 to 2799 situated at Sumangal Aptt. Athwa Lines Flat No. 14
(and more fully described in the Schedule appears)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Surat on 22-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ort

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Sarkar Associates Partners. Mahedrabhai Chhaganbhai Zaveri and Others—At Prabhu Darshan Socy. Athwa Lines—Surat. (Transferor)
- (2) Narendrabhai Bhaichandbhai Zaveri, HUF karta at Motisha Park, Motisha Lane, Block No. C-1 Bhaykhala-Bombay-27. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

property is situated at Athwa Ward Nondh No. 2797 to 2799. in Sumangala Aptt, No. 2 paiki Flat No. 14. Adm. 1200 sq ft. The documents regd. at S.R. Surat vide No. 6636 Dated 22-7-1883,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 17-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 17th February 1984

Ref. o. P. R. No./2710/Acq./23. Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 1690 situated at Narmad Nagar Ward Athwa— Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 13-7-1983

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jawahar Kumundchandra Doctor Parmanand Aptt. Gopipura Near Jain Mandir, Surat.

(Transferor)

(2) Usha Ramkumar Memon 6, Navjivan Society, Timalia Vad, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Narmad Nagar Ward. Athwa Nondh No. 1690. adm. 1136 sq. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 6429 Dt: 13-7-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 17-2-1984

#### FORM ITMS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Bhanuben Dolatrai Desai, At P.O. Vav Tal: Kamrej, Distt: Surat.

(Transferor)

(2) Sumanben Thakordas Vaniawala, Nanpura, Near Market, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IL 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 17th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2711/Acq.23/11/83-84,--Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 1 Non-h No. 318, 381, 382, 383 situated at Vaishali Aptt. Co. op. Hsq. Sory—Swat (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Surat on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument. of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The flat situated at Vaishali Aptt. Ward No. 1 Nondh No. 318, 381, 382 & 383. Adm. 600 sq. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 6329/July, 83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26920 of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-2-1984

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 17th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2712/Acq.23/Π/83-84.—Whereas, I.

R. R. SHAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

ward No. 2 Nondh No. 1933 Plot No. 2 situated at Chandan-van Aptt. Majura Gate, Flat No. 109—Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Surat on 5-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Arihant Corporation, 101, Ridhi Sidhi Apti Opp: Gujarat Mitra Press, Soni Falia, Surat,

(Transferor)

(2) Shri Tikiyaram Ghanshyamdas, Q. 1248—Surat Textile Market, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The flat at Chandanvan. Aptt. Flat No. 109 Surat. document is regd. at S.R. Surat vide No. 6318 Dt. 5-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

Date: 17-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 29th February 1984

[o. P. R. No. 2713/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, AH.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

C.S. No. 638 situated at Vallabh Vidyanagar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anand on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (c) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—70—26 GI/84

 Dr. Chimanbhai Jivabhai, Karamsad Hospital, Karamsad Tal: Anand.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ambalal Narerbhai Patel (2) Smt. Maniben Ambalal Patel Nr. Tanki, Juna Shahpuria Bldg. Vallabh Vidyanagar, Tal: Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Bldg, at Vallabh Vidyanagar C.S. No. 6380. Document of transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 3540 Dt: 30-7-1383.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 29th February 1984

Ref. No. P. R. No. 2714 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 54, 58, 60 situated at Sama, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, '1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Dilipbhai Parshottamdas Dalal, Shaktinagar Socy. Old Padra Road, Baroda
- (2) Shri Vasant Dattatray Vaidya, 45, Shaktinagar Socy. Old Padra Road, Baroda.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Bldg. at Sama R.S. No. 54, 58-60 adm. plot area 400 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 3828/Dt; 1-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 29th February 1984

Ref., No. P. R. No. 2715/Acq23/II/83-84.—Whereas, I.

R. R. SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. C.S. No. 1995 Plot No. 1311 situated at Vallabh Vidyanagar

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 29-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kusumben Ratanlal Bajani, Krishna Housing Socy. Anand.

(Transferor)

(2) Minor Virendrakumar J. Desai C/o Smt. Minaxiben Jayantibhai Desai (P.A.) Nana Bazar, Vallabh Vidyanagar—Tal: Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Bldg. at Vallabh Vidyanagar C. S. No. 1995 plot No. 1311 adm. plot aren 423 sq. mtr. Document of transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 3529 Dt: 29-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2716 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Ward No. 2 Nondh No. 1956/K/3 situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under sub-tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following raons, namely :-

Zabanbibi W/o Abdul Abmed Near Moti Masjid, Hafeji Street, Sagrampura, Surat.
 Zakiya Khatun Abdul Haji Ahmed.
 Kamru Nisa Abdul Haji Ahmed.
 Nazir Ahmed Abdul Haji Ahmed. Natalwala
 Mukhtar Ahmed Abdul Hamid Natalwala
 Attaf Abdul Hamid

Mukhtar Anmed Abdul Hamid Natali
 Altaf Abdul Hamid
 Mohmed Yusuf Abdul Hamid
 Amis Mohmed Abdul Hamid Hafeza Street, Sagrampura, Surat.
 Abas Alimohmed Kazari—Bhaykhla—Pombay

Bombay.

(Transferor)

(2) South Avenue Co. op, Hsg. Socy. At 801 Sita Appartment, Nanpura—Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Ward No. 2 Nondh No. 1956/ K/3 adm. 870 sq. intr. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 6860 Dt: 30-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date:.6-3-1984

FORM I.T.N.S .-

(1) G.A. Randerian Limited, 21, Zakaria Street,

Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. M. K. Shah & Company, 71, Canning Street, Calcutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2717 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 62-B out of S. No. 62 situated at village: Bhilad Tal:

Umergaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Bombay on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfit as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immaovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The property is situated at village Bhilad Tal: Umergaon Dist: Bulsar bearing S. No. 62. B out of S. No. 62 adm. 28803 sq. mtr. The document is regd. at S.R. Bombay vide No. 1809 Dt: 30-7-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1984

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 6th March 1984

Ref. Uo. P. R. No. 2718/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 144-1 situated at Umara—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 Kamalaben Chhotalal Patel At Satavisi Vadi---Beside Sangam Socy. Athwa Lines, Surat.

(2) Shirishbhai Shantilal Sheth Chandulal Sheth ni Sheri Saiyadpura, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Umara S. No. 144-1 adm. 733 sq. yd. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 6637 Dt: 22-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2719/Acq./23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 208 paiki situated at Kadkhol, Tal: Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Nagibhai Bapubhai alias Kalidas Patel At Andada, Tal: Ankleshwar,

Tal: Ankleshwar, Dist: Bharuch,

(Transferor)

(2) Raj Bharti Associates Partner N. D. Kapadla Rajppiala Road, Ankleshwar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land at Gadkhol S. No. 208 adm, 1 Acre. The document is regd, at S. R. Ankleshwar vide No. 1578 Dt. 7-7-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
pecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1984

Ref. No. P. R. No. 220/Acq./23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rajeshwar Aptt., Fla No. 909, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 37EE of 1908 in the Office of the

undersigned on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Shree Ram Aptt. Co.op. Hsg .Socy. Ltd. 11864, Athugar Street, Timaliavad, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Janvikaben Kirankumar Modi Kirankumar Mohanlal Modi 909, Rajeshwar Aptt. Althugar Street, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The flat situated at Rajeeshwar Apit. on 9th floor adm. 690 sq. ft.

The document have been submitted to the office of the undersigned as per 37EE recd on 5-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspectig Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-3-1984

# (1) Shri Shyamlal Nagjibhai Anand, Tal: Ankleshwar.

Lal Kuya, Hirabag,

Vishwamitri Road,

Baroda.

(2) Mahavir Organiser C/o Dr. Ramanlal Devjibhai Patel

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2721/Acq./23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78/2 and 78-1 Andada, Tal: Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
71—26 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANITION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land situated at village Andada Tal: Ankleshwar. The document is regd at S R. Ankleshwar vide No. 1810 and 1788 Dt. 22-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5 3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380.009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2722/Acq./23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

R.S. No. 136-2, 137-125 paiki situated at Subash Nagar Co.op. Hsg. Bunglow No. 39, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 6-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nandbala Natwarlal Suvarnkar
 Shri Viswakum Natwarlal Suvarnkar
 Rudhenagar Socy, Umara
 Near Umara Jakai Naka,
 Surat.

(Transferor)

(2) Shri Alkaben Jayantilai Dhulia 39, Subhash Nagar Co. op. Hsg. God Dod Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The Bunglow is situated at Subhash Nagar Co.op. Hsg. Socy. Godh Dod Road, Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 6324 Dt. 6-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabac

Date: 5-3-1984

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2723/Acq./23/II/83-84.--Whereas, I. R. R. SHAH,

R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 227 situate dat Kamilpor, Tal': Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on 2-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1-1. Abdul Ismil Mulla Ibratim Ismil Mulla
 Mohmed Ismil Mulla
 K. Ahmed Ismil Mulla

at Nasilpor, Tal: Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Kantılal Jivanji Patel At Navsari Mangubhai Jivanji Desai At Khadsupa, Tal. Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land bearing S. No. 227 Adm. 30 Gunthas situated at Kabilpor Navsari. The document is regd. at S. R. Navsari vide No. 2110 Dt. 2-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-I1 Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1984

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2724/Acq./23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
R. S. No. 193-A paiki situated at Vijalpor, Tal: Navsari
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sbri Thakorbhai Khushalbhai Patel 2. Shri Mangubhai Khushalbhai Patel At Parsivad Tarota Bazar, NavsarL

3. Shri Natwarbhai Punjabhai Patel Asha Nagai. Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Coop Hsg. Socy. Kadambari Centre, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land at Vijalpor Tal: Navsari bearing No. R. S. No. 193-A adm. 9568 sq. t. The document is regd at S. R. Navsari vide No. 2381 Dt. 27-7-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2725/Acq./23/II/8384.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nnd hearing No.

and bearing No.

R. S. No. 193A paiki situated at Vijalpor Tal: Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excesds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Thakorbhai Khusalbhai Patel Natwarbhai Punjabhai Patel At Asha Nagar. Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Chandanvan Co.op. Hsg. Socy. At Kadmbari Centre, Station Road, Navsari

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The land situated at Vejalpur R. S. No. 193A paiki adm. 6257 sq. ft. The document is regd, at S. R. Navsari vide No. 2366 Dt. 22-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 6-3-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2726/Acq./23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 193A paiki situated at Vijalpor Tal: Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Navsari on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Shri Thakorbhai Khushalbhai Patel At Parsivad, Tarota Bagar, Navsari.
  - Shri Mangubhai Khushalbhai Patel Navsari.
  - Shri Natwaibhai Punjabhai Patel Asha Nagar, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Godavarı Co op. Ssg. Socy. Kadambari Center, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land bearing R. S. No. 193A paiki situated at Vijalpor Tal: Navsari adm. 9582 sq. t. The document is read. at S. R. Navsari vide No. 2376 Dt. 27-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If
Ahmedabad

Date: 6-3-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2727/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I.

R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R. S. No. 193A paiki situated at Vijalpor Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- Thakorbhai Khushalbhai Patel,
   Mangubhai Khushalbhai Patel,
   At Parsivad Tarota Bazar, Navsari,
  - 3. Natwarbhai Punjabhai Patel, Asha Nagar, Navsari,

(Transferor)

(2). Shree Ganga Co-or. Hsg. Society Ltd., Kadambari Centre, Station Road,

(Transfer:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

The land situated at Vijalpor bearing R.S. No. 193A paiki adm. 9024 sq. ft. The Document is registered at S.R. Navsari vide No. 2377 dated 27-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the uforesiand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th March 1984

Rcf. No. P.R. No. 2728/Acq.23/II/83-84.—Wherens, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 193A paiki situated at Vejalpor Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) 1. Thakorbhai Khushalbhai Patel,

 Mangubhai Khushalbhai Patel, At Parsivod Tarota Bazar, Navsari.

3. Natwarbhai Punjabhai Patel, Asha Nagar, Naysari

(Transferor)

(2) Shri Jesal Cò-op, Housing Society, at Kadambari Centre, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Jazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land bearing R. S. No. 193A paiki situated at Vejalpor Tal: Navsari adm. 7137 sq. ft. The document is regd. 11 S. R. Navsari vide No. 2380 Dt: 27-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 6th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2729/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

R. S. No. 193A paiki situated at Vijalpor Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesant property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—
72—26 GI/84

Thakorbhai Khushalbhai Patel,
 Mangubhai Khushalbhai Patel,
 At Parsivad, Tarota Bazar,
 Navsari,

 Natwarbhai Punjabhai Patel, Asha Nagar, Naveari.

(Transferor)

(2) Shri Toral Co-op. Housing Society Ltd., Kadambari Centre, Station Road,

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land bearing R. S. No. 193A palki situate at Vijalpor Tal: Navsari Adm 9568+9568 sq. ft. The Document is registered at S.R. Navsari vide No. 2368 & 2403 dated 27-7-1983.

R. R. SHAH
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 6th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2730/Acq.23/II/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 193A paiki situated at Vijalpor Tal: Navsari (and more fully described in the Schedule and Vijalpor Tal).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been

transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 27-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Thakorbhai Khushalbhai Patel,

- 2. Mangubhai Khushalbhai Patel, at Parsivad Tarota Bazar, Navsari.
- 3. Natwarbhai Punjabhai Patel, Asha Nagar, Navsari,

(Transferor)

(2) Shri Hiral Co-op. Housing Society Ltd. At Kadambary Centre, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land bearing R. S. No. 193A paiki situated at Vejalpor Tal. Navsari adm. 1078 s. yd. i.e. 9682 sq. ft. The Document is registered at S. R. Navsari vide No. 2379 dated 27-7-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sulvection (1) of Section 269D of the 'sald Act' to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1984

#### FORM ITNS ----

 Bhagwandas Prabhubhai, At Behind Udhana Railway Yard, Parbhu Nivas, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Rambhai Naranji Patel, At Dastan Tal. Palsana.
 Rambhai Madhavbhai, At Devadh Tal. Palsana, Dist. Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2731/Acq.23/11/83-84.—Whereas I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

S. No. 217 and 288 paiki situated at Udhana, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property situated at Udhana S. No. 217 and 288 paiki adm. 920 sq. mt. The Document is registered at S.R. Surat vide No. 6350 dated 7-7-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

() Smt. Man Kaur, H/D-15, Saket, New Delhi.

 Shri Ramesh Chander Jain S/o Shri Attar Chand, R/o 5/3, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/S.R.I./7-83/288.—Whereas, I. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 4, Bhagirath Palace situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the underalgued:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4 MPL No. 1853 Bhagirath Palace, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# S/o Shri Attar Chand, 5/3, Roop Nagar, Delhi.

(1) Shri Ramesh Chander Jain

(Transferor)

(2) Shri Harinder Singh R/o E-599, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/S.R.I/7-83-289.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 5, Bhagirath Palace situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5MPL No. 1853 Bhagirath Palace, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

(1) Smt. Sumitra Gupta, B-482 Majlish Park, Delhi-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Niwas Gupta, E-154 Ashok Vihar Phase-I. Delhi-110052,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

New Delhi, the 2nd March 1984

Rem. No. IAV/Acq.II/S.R.1/7-83/295.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 177 Azadpur situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 177 measuring 150 sq. yards area of village Azadpur abadi Kewal Park, Delhi-33 consisting one room with bounded walls.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Varinder Nath Seth S/o Shri Sukh Dayal and Smt. Uma Seth W/o Shri Varinder Nath, R/o A-20, C. C. Colony, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/S.R.I/7-83/296.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 30 Krishna Cloth Wholesale Market, Delhi with

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacutating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in the transfer;

(2) Shri Manohar Singh R/o B-154 Ajay Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957);

Shop No. 30 Krishna Cloth Wholesale Market, Delhi with the land measuring 9.4 x 7' under the said shop.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the said Act, to the following persons, namely

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

## (1) Smt. Salochana Bhatia W/o Shri D. V. Bhatia, F-105 Wazirpur Phase-L, Delhi-52.

Delhi-52.

(Transferor)

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/S.R.I/7-83/00.—Whereas I,

B. L. DHAWAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 105, Block 'F' measuring 460 sq. yards. situated at Wazirpur, Delhi-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-- Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Madan Kumar, Shri Padmesh Kumar and Shri Hari Om sons of Shri Anand Swaroop Gupta R/o C-2/33, Ashok Vihar, Phase-II,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 105 Block 'F' measuring about at Wazirpur, Phase-I, Delhi-52.

Inspecting Assistant Com

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-3-1984

# FORM NO. ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43' OF 1961)

# GOVERNMENT/OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.R.II/SR.I/7.83/301,—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-3 Oberoi Apartment situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—73—26 GI/84

(1) Miss Aparna Dar for self-act as attorney of Dr. (Miss) Krishna Dar, 90, Anand Lok, New Delhi.

(Transacori

(2) Smt. Mohini Taimni and Rita Razdan R/o A-3 Oberoi Apartment, Sham Nath Marg, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 12 days from the date of the publication of this rooter in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-3 Oberoi Apartment, Sham Nath Marg, Delhi. 1350 sq. ft.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.R.II/SR.I/7.83/303.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

50 Darya Ganj Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Manget Rai Kirori Mal, Mathura Dharmshala, Head Office at 31 Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferor)

 M/s, Trost Private Ltd., Having its registered office at 4378/4, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-2, through its Director Shri Arun Kumar Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 50, Old No. 6441 to 6458 (New No. 4945) Block 'G' situated at Darya Ganj, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref .No. IAC/Acq.11/SR.1/7.83/309.--Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

B-1, Ansari Road situated at Darya ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Santosh Kumari Agarwal W/o Shri B. S. Agarwal R/o 116 State Bank Colony, Near Rana Partap Bagh, Delhi-110007.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Chawla W/o Shri Baldev Raj Chawla R/o KC-33A, Ashok Vihar, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement No. B-1 with one W/C on Ground Floor measuring 990 sq. ft. out of property No. 4348/B-1, as 4-C, Madan Mohan Street, Ansan Road, Darya Ganj, New Delhi-110002 (Khasra No. 38).

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref .No. IAC/Acq.II/SR.I/7.83/312,—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A-21, Community Centre, Dr. Mukerji Nagar, near Kingsway Camp, situated at North Delin (and more fully described in the Schedule appared basets)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908-(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Rajinder Kumar Gupta S/o Shri Ram Bhaj Gupta and Shri Ram Bhaj Gupta S/o Shri Ram Chander Gupta R/o No. R-79 Greater Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. C. Rakheja S/o Shri D. R. Rakheja and Smt. Asha Rakheja W/o Shri J. C. Rakheja Both R/o No. R-63 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building No. A-21 Community Centre, Dr. Mukerjee Nagar, near Kingsway Camp, North Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

Smt. Kala Gupta
 W/o J. C. Gupta
 R/o 1870 Gali No. 139 Tri Nagar,
 Delhi-110035.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mahabir Pershad S/o Shri Mai Ram Jain R/o B-297, Majlis Park Azadpur, Delhi-33.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 2nd March 1984

- Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/7.83/320.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No.
Plot No. 442 Majlish Park situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

# THE SCHEDULE

Plot No. 442 land measuring 100 sq. yards Block B out of Khasra No. 13 situated at Village Bharola Delhi State abadi known as Majlis Park, Delhi-110033.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/7.83/321.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Prop. 484 Block B Majlish Park

situated at Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office

of the registering Officer at

New Delhi in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1957 (27 of 1957); (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Surinder Nath Chopra and Shri Narinder Kumar Chopra S/o Shri Prem Nath Chopra R/o 4532 Arya Pura, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Chandra Kuchhal S/o Late Shri Nanak Chandra R/o 2, New Flats, Shri Ram College of Commerce, Maurice Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 484 Block B Majlis Park Delhi area 180 sq. yards.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984 Seal:

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/7.83/325.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Prop. No. 1 Ashoka Park situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in July 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Devi W/o Shri Jai Dev Sharma R/o 5291 Krishan Nagar, Karol Bagh, New Delhi as G.A. of Smt. Chando Devi w/o Shri Munshi Lal and Shyam Sunder Son of Shri Munshi Lal R/o 9-10 Gur Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Gupta S/o Shri Baru Mal Gupta R/o 30, Ashoka Park (Main), Rohtak Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share of property No. 1 measuring 220 sq. yards at Ashoka Park (Main) Rohtak Road, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeII,
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/7.83/352.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. C-18 Sadhora Kalan Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for one acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Jain W/o Shri Vinod Jain R/o 5230 Hnd Floor, Sadar Thana Road, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mahesh Chand Aggarwal S/o Late Shri Bhagat Pershad and 2. Smt. Gauri Aggarwal W/o Shri Mahesh Chand Aggarwal Both R/o 2963 Kucha Mai Dass, R/o 2963 Kucha Mai Dass, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Tranferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. C-18 measuring 200 sq. yards at Satyawati Nagar out of Khasra Nos. 86, 88, 89, 92 to 99 and 101 to 107 area of Village Cadhora Kalan, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeII,
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/7,83/353.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Prop. No. 66 Bl. 'F' Mansrover Garden,

situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
74—26 GI/84

 Smt. Ishwar Devi w/o Sh. Ram Dhan Batra, R/o T-872 Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sait. Roop Rani Bhatia w/o Sh. Ram Saran Bhatia R/o 5/4, Jaidev Park New Delhi and Smt. Kusum Lata w/o Sh. Subhash Chander Bhatia, R/o 10850, Nabi Karim, Jhandewalan Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 66 Block F mg. 275.18 sq. yds. situated at Mansrover Garden area of Village Bassari Darapur, Delhi State, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE,

# G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq.S.R.II/SR. 1/7.83/360.---Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

132 Gali Batasban,

situated at Chawri Bazar. Delhi -6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ishi Chandra S/o Mahesh Dass, R/o 132, Gali Batashau, Bar Shahbullah, Chawri Bazar, Delbi.

(Transferor)

(2) Kagaz Bhawan Trust (Regd.), Delhi through trustees:

 Mahendra Kumar Jain s/o Shri Sii Ram Jain, r/o 113, Darya Ganj, New Delhi.
 Surendra Kumar Gupta s/o

Shri Ram Saroop Gupta, R/o 4686, Katra Balamal, Ballimaran, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided half share of property constructed on a free hold piece of land at No. 132 Gali Batashan, Bar Shahbullah, Chawri Bazar, Delhi-6.

Area: 298½ Sq. yards.

B. I. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

Seal ·

(1) M/s Gopi Nath Mohan Lal etc.

(Transferor)

(2) M/s Hind Pustak Bhandar, 42, 43, 44 Chawri Bazar, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq. R. II/SR. I/7.83/361.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

3514, 3515, Gali Hakim,

situated at Chawri Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—26 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground Floor of property No. 3514, 3515 situated at Gall Hakim Baka Chawri Bazar, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-3 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delbi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq. II/SR I/7.83/368.--Whereas B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. \$\int\_{0.000}\$/- and bearing

No. 1, Ashoka Park Rohtek Road, situated at Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1983

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Savitri Devi w/o Shri Jai Dev Sharma, r/o 5291, Krishan Nagar, Karol Bagh, New Delhi as G.A. of Smt. Chando Devi wd/o Sh. Munshi Ram both r/o 9-10 Gurmandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Gupta, s/o Shri Baru Mal Gupta, r/o 30 Ashoka Park (main) Rohtak Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share of property No. 1, built on land measuring 220 sq. yds. at Ashoka Park (main) on Rohtak Road, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1984

-NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE-II,

# G-19 GROUND FLOOR CR BUILDING, L.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC Acq. 11, SR. 1/7.03, 369,...Whereas, I. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sts the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Qr. No. \$1-A Ramesh Nagar situated at New Delhi

Qr. No. 51-A Ramesh Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1923

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suld Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sh. Sewa Singh Singh s/o
Sh. Lal Singh,
r/o Qr. No. 51-A, Ramesh Nagar,
New Delhi, through his G.A.
Shri Prithvi Raj s/o Shri Veer Bhan,
r/o WZ-10/B, Rattan Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Kumari w/o Shri Prithvi Raj Nagpal, r/o WZ-10//B Rattan Park, Dolhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. 51-A measuring 100 Sq. yds. comprising of one room, situated at Ramesh Nagar, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/7.83/370.—Whereas B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 77 Bassai Darapur,

situated at Delhi State

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Ram Rakha Mal, s/o
 Sh. Ganpat Rai r/o
 A-2/290, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Radhey Shyam Bhambhani, 8/o Sh. Hukam Chand Bhambhani, r/o 1255 Bahadur Garh Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 77, in Block C, mg. 300 eq. yds. situated in the colony known as Mansrover Garden, New Delhi, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi, vide Khasra No. 2336.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 2-3-1984

Scal f

(1) Shi Nand Lal s/o Sh. Hira Nand, r/o R-576, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(2) Sh. Shajul Haq s/o

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOF CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELH!

New Delhi, the 2nd March 1984

IAC/Acq. II/SR-J/7-83/316.—Whereas No. F. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3768, situated at Shah G.mi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Gulam Mustafa, Sh. Mod. Nadeem and Sh. Mohd. Naeem, ss/o Sh. Sirajul Haq (minor) under the Guardianship of their father Sh. Sirajul Haq, Sh. Riazul Haq, Sh. Asraiul Haq and Sh. Shannin Akhtar ss/o Sh. Sirajul Haq, all r/o No. VII/3768, Gali Masjidwali, Shah Gani, Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. VII/2420 old, and new No. VII/3768, D/S situated in the abadi of Gah Masjid Wali, Shah Gani, Delhi.

B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date - 2-3 1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. 1AC/Acq. 11/37EE/7-83/38.—Whereas I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J/7/12-C Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC(Acq. II) New Delhi on July, 1983

IAC(Acq. II) New Delhi on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. R. P. Mehta, G. L. Mehta, H. L. Mehta, Mrs. Sudesh Mahta, Miss Sunecta Mehta, Miss Anitta Mehta & Mrs. Poonam, J-7/12-C Rajouri Garden, New Delhi and 23 Asbok Nagar, Ram Nagar, Kalyan.

(Transfecor)

(2) Smt. Sudesh Dua & Harish C. Dua, J-7/12C Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential J-7/12-C Rajouri Garden New Delhi. Ground floor—858 sq. ft. First floor—858 sq. ft. on land 226.5 sq. yarda

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 2-3-1984

OCHI

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING,
J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. JAC/Acq. II/37EE/7-83/40.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 152 Block AL, Shalimar Bagh, situated at New Delhi 35 sq. mts.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agrement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Ram Shankar Misra s/o
 Sh. Roshan Lal Misra,
 109 Govt. Flat Hanuman Road,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Chander Anand, 78/5649, Rehgarpura, Karol Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 152 Block AL, Shalimar Bagh, New Delhi. 35 sq. mts.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq. II/37EE/7-83/41.—Wheresa 1, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Space No. 10, First Floor, Aradhana Bhawan, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

IAC (Acq.) R, II, New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacosme arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Ajay Enterprises Pvt. Ltd. Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi-110014.

(Transferor)

(2) Mr. S. D. Bhatia, s/o Late Sh. Sobha Ram & Smt. Sushila Bhatia, w/o Sh. S. D. Bhatia, 144, Kalyan Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 10 on First Floor, Area Approx. 416 Sq. Ft. in Aradhana Bhawan, Plot No. B-2/4, Naniwala Bagh Azadpur, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

# FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s, R. C. Sood & Co. Pvt. Ltd. Eros Cinema Building, Jangpura Ext., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Shri Guraya Ram Hans Raj, C-113, New Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IAC/Acq. Π/37ΕΕ/7-83/42.—Whereas I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Space No. 6 A-2/1 Naniwala Bagh, situated at Azadpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the registering Officer at IAC (Acq.) R. II, New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. on Ground Floor, Area Approx. 262 sq. ft. in the building at Plot No. A-2/1, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING,

> I. P. ESTATE, NEW DELIII New Delhi, the 2nd March 1984

Ref. No. IA B. L. DHAWAN, IAC/Acq. II/37PE/7-83/43.—Whereas ١.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Space No. 4, Ind Floor, Kanchan House,

situated at Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC(Acq.) R. II, New Delhi on July, 1983

for an apparent considedation which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Kamal Nain and Sons, R. C. Jain and Son 1048/16, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. K. Goenka and Sons, Nahri Road, Bahadurgarh, Haryama,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. Und Floor Kanchan House at plot No. CI Najaf Garh Road, Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Uate: 2-3-1984

Scal

## FORM LT.N.S.----

- (1) M/s. Dattani Associates. Shri Kemakshi Sriniyasan Naidu.
- (Transferor) (2) M/s. Dattani Associates, Laxmi Shoping Centre Kandivli (West), Bombay-67.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. ARIV/653/83-84.— Whereas, I, VIIAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 15 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Shop No. 7, Dattani Apartment, situated at Shivaj Road, (Kandivli West), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent and the Agreement is registered under section 269 AB of Authority at Barkhari. Authority at Bombay has been transferred Bombay on 8th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7, Dattani Apartment, Shivaji Road, Kandivli The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/653/83-84 dated 8th July, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date.: 9-3-1984.

Scal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF MY LICTIONS, DELHI, 1984

